शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

2021—2022

कक्षा : नौवीं

सामाजिक विज्ञान

<u>मार्गदर्शन:</u>

श्री एच. राजेश प्रसाद
प्रधान सचिव (शिक्षा)

श्री उदित प्रकाश राय
निदेशक (शिक्षा)

डॉ. रीता शर्मा
अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

<u>समन्वयक:</u>

श्री संजय सुभास कुमार
उप शिक्षा निदेशक (परीक्षा)

श्रीमती सुनीता दुआ
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री राजकुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री कृष्ण कुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरों में प्रभजोत सिंह, सचिव दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्रा, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मुद्रक : नोवा पब्लिकेशनस एंड प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद – नई दिल्ली works@npppl.in

H. RAJESH PRASAD
IAS

प्रधान सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

सत्यमेव जयते

Pr. Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

MESSAGE

I would like to congratulate the members of Core Academic Unit and the subject experts of the Directorate of Education, who inspite of dire situation due to Corona Pandemic, have provided their valuable contributions and support in preparing the Support Material for classes IX to XII.

The Support Material of different subjects, like previous years, have been reviewed/ updated in accordance with the latest changes made by CBSE so that the students of classes IX to XII can update and equip themselves with these changes. I feel that the consistent use of the Support Material will definitely help the students and teachers to enrich their potential and capabilities.

Department of Education has taken initiative to impart education to all its students through online mode, despite the emergency of Corona Pandemic which has led the world to an unprecedented health crises. This initiative has not only helped the students to overcome their stress and anxiety but also assisted them to continue their education in absence of formal education. The support material will ensure an uninterrupted learning while supplementing the Online Classes.

(H. Rajesh Prasad)

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
Mob.: 8700603939
E-mail : diredu@nic.in

MESSAGE

The main objective of the Directorate of Education is to provide quality education to all its students. Focusing on this objective, the Directorate is continuously in the endeavor to make available the best education material, for enriching and elevating the educational standard of its students. The expert faculty of various subjects undertook this responsibility and after deep discussions and persistent efforts, came up with Support Material to serve the purpose.

Every year the Support Material is revised/updated to incorporate the latest changes made by CBSE in the syllabus of classes IX to XII. The contents of each lesson/chapter are explained in such a way that the students can easily comprehend the concept and get their doubts solved.

I am sure, that the continuous and conscientious use of this Support Material will lead to enhancement in the educational standard of the students, which would definitely be reflected in their performance.

I would also like to commend the entire team members for their contributions in the preparation of this incomparable material.

I wish all the students a bright future.

(UDIT PRAKASH RAI)

Dr. RITA SHARMA
Additional Director of Education
(School/Exam)

सत्यमेव जयते

Govt. of NCT of Delhi
Directorate of Education
Old Secretariat, Delhi-110054
Ph.: 23890185

D.O. No. PA/Addl.DE/Sch/31

Dated: 29.06.2021

MESSAGE

It gives me immense pleasure to present the revised edition of the Support Material. This material is the outcome of the tireless efforts of the subject experts, who have prepared it following profound study and extensive deliberations. It has been prepared keeping in mind the diverse educational level of the students and is in accordance with the most recent changes made by the Central Board of Secondary Education.

Each lesson/chapter, in the support material, has been explained in such a manner that students will not only be able to comprehend it on their own but also be able to find solution to their problems. At the end of each lesson/chapter, ample practice exercises have been given. The proper and consistent use of the support material will enable the students to attempt these exercises effectively and confidently. I am sure that students will take full advantage of this support material.

Before concluding my words, I would like to appreciate all the team members for their valuable contributions in preparing this unmatched material and also wish all the students a bright future.

(Rita Sharma)

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।

[1][भाग 4क

मूल कर्तव्य

51क. मूल कर्तव्य-भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह-

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे ;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे ;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे ;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे ;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है ;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे ;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणि मात्र के प्रति दयाभाव रखे ;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे ;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे ;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू ले ;]

[2][(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।]

---

1 संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 11 द्वारा (3-1-1977 से) अंतःस्थापित ।

2 संविधान (छियासीवां संशोधन) अधिनियम, 2002 की धारा 4 द्वारा (1-4-2010 से) अंतःस्थापित ।

PART IV A

FUNDAMENTAL DUTIES

51A. Fundamental Duties – It shall be the duty of every citizen of India.

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem.

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom.

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India.

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women.

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wild life and to have compassion for living creatures.

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individuals and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

(k) who is a parent or guardian to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

1. Ins. by the Constitution (Forty second Amendment Act, 1976, s 11 (w.e.f. 3-1-1977)
2. Ins. by the Constitution (Eighty Sixth Amendment) Act, 2002, s 4 (w.e.f. 1-4-2010)

शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

2021–2022

सामाजिक विज्ञान

कक्षा : नौवीं

(हिन्दी माध्यम)

निःशुल्क वितरण हेतु

दिल्ली पाठ्य–पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

सहायक सामग्री – सामाजिक विज्ञान

कक्षा नौवीं

सत्र – 2021–22

टीम लीडर

नाम	विद्यालय का नाम
डॉ. संजीव कमार गौड (विद्यालय प्रमुख)	जी. बी. एस. एस. एस. न.1 राजौरी गार्डन एक्सटैंशन

नाम	विद्यालय का नाम
श्री नंद किशोर (पी.जी.टी. राज विज्ञान)	कोर अकैडमिक यूनिट, शिक्षा विभाग पुराना सचिवालय सर्वोदय सह–शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोती बाग–2, नानक पुरा : 1719105
श्री आदित्य दयानन्द कृष्ण (टी.जी.टी.)	कोर अकैडमिक यूनिट, शिक्षा विभाग, पुराना सचिवालय जी० बी० एस० एस० ई–ब्लॉक, कमला नगर
श्री इमरान खान (टी.जी.टी.)	रा० प्र० विकास विद्यालय–नंद नगरी, दिल्ली
श्री अरविंद कुमार (टी.जी.टी.)	रा० प्र० वि० विद्यालय सिविल लाईन
श्रीमती आस्था ढींगरा	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय न. 1 मॉडल टॉउन
श्री खलीक अहमद (टी.जी.टी.)	सर्वोदय बाल विद्यालय न. 1 (जामा मस्जिद)

पाठ्यक्रम संरचना कक्षा : IX (2021-2022)

विषय : सामाजिक विज्ञान

सी.बी.एस.ई. विषय कोड़ संख्या – 0.87)

सत्र 1

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–1	10
II	समकालीन भारत – 1	10
III	लोकतांत्रिक राजनीति – 1	10
IV	अर्थशास्त्र	10
	कुल	40

सत्र II

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–1	10
II	समकालीन भारत – 1	10
III	लोकतांत्रिक राजनीति – 1	10
IV	अर्थशास्त्र	10
	कुल	40

सत्रीय पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत व समकालीन विश्व – 1	अध्याय–1 फ्रांसीसी क्रांति • अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में फ्रांसीसी समाज • क्रांति की शुरूआत • फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणराज्य की स्थापन • क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति	इस विषयवस्तु में विद्यार्थी विभिन्न विचारधाराओं, भाषणों के अंश, कार्टूनों (रेखाचित्रों) पोस्टरों, उत्कीर्णनों आदि की राजनीति से परिचित हो सकेंगे। विद्यार्थी जान सकेंगे कि इन ऐतिहासिक साक्ष्यों की व्याख्या किस प्रकार की जा सकती है। • क्रांति से संबन्धित लोगों के नामों, विभिन्न विचारों जिन्होंने क्रांति को प्रोत्साहित किया तथा उन वृहद बलों से परिचित होना जिन्होंने क्रांति को मूर्त रूप प्रदान किया। • क्रांति के इतिहास की पुनः प्राप्ति के लिए लिखित, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।
समकालीन भारत – 1	अध्याय–1 भारत आकार और स्थिति • भारत आकार एवं स्थिति • भारत एवं विश्व • भारत के पड़ोसी देश	• भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की अवस्थिति की पहचान
समकालीन भारत – 1	अध्याय–2 भारत का भौतिक स्वरूप भारत के मुख्य भौगोलिक वितरण की प्रकृति	• प्रमख स्थलकृतियों की विशेषताओं अंतनिर्हित भूगर्भिक संरचनाओं, विभिन्न चट्टानों एवं खनिजों से उनके संबंध तथा खनिजों एवं मृदा के प्रकारों की प्रकृति को समझना।

लोकतांत्रिक राजनीति–1	अध्याय–1 लोकतन्त्र क्या? लोकतंत्र क्यों ? • लोकतंत्र क्या है ? • लोकतंत्र की विशेषताएँ • लोकतन्त्र क्यों ? • लोकतन्त्र का वृहत्तर अर्थ।	• लोकतन्त्र को परिभाषित करने के अवधारणात्मक कौशलों का विकास। • लोकतन्त्र को विकसित करने की विभिन्न एतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों की समझ। • सामान्य पूर्वग्रहों के विरूद्ध लोकतन्त्र के परिष्कृत बचाव का विकास। • भारत में लोकतन्त्र के चुनाव और प्रकृति की एतिहासिक समझ का विकास।
लोकतान्त्रिक राजनीति–!	अध्याय–2 सविंधान निर्माण • हमें संविधान की जरूरत क्यों है ? • भारतीय संविधान का निर्माण, • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य।	• संविधान निर्माण की प्रक्रिया की समझ। • संविधान के प्रति आदर और संवैधानिक मूल्यों की सराहना का विकास। • संविधान की एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज़ के रूप में पहचान।
अर्थशास्त्र	अध्याय–2 पालमपुर की कहानी • अवलोकन • उत्पादन प्रक्रिया तथा उसके कारक • पालमपुर में विभिन्न कृषि कार्यकलाप • पालमपुर में गैर–कृषि कार्यकलाप	• एक काल्पनिक गाँव की कहानी के द्वारा आधारभूत बुनियादी, आर्थिक अवधारणा से परिचित होना।
अर्थशास्त्र	अध्याय–2 संसाधन के रूप में लोग • अवलोकन • महिलाओं एवं पुरूषों द्वारा किए जाने वाले आर्थिक क्रियाकलाप • जनसंख्या की गुणवत्ता • बेरोजगारी	• जनसांख्यिकीय अवधारणा की समझ। • जनसंख्या का किसी देश के लिए एक संपत्ति या दायित्व के रूप में समझ।

प्रथम सत्रीय मानचित्र कार्य कक्षा IX (2021-22)

इतिहास

अध्याय–1 : फ्रांसीसी क्रांति

- बोरडेक्स
- नान्ते
- पेरिस
- मार्सिलेस

भूगोल

अध्याय – 1 : भारत आकार और स्थिति

भारत के राज्य व राजधानियाँ, कर्क रेखा, मानक मध्याह्म रेखाएँ

अध्याय – 2 : भारत के भौतिक स्वरूप –

- पर्वत श्रेणियाँ – काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विध्यांचल, सतपुड़ा, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट
- पर्वत शिखर – के–2, कंचनजंगा, अनाईमुदी।
- पठार – दक्कन पठार, छोटा नागपुर पठार, मालवा का पठार।
- तटीय मैदान – कोंकण, मालाबार, कोरोमण्डल, उत्तरी सरकार;

सत्रीय पाठ्यक्रम
द्वितीय सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत व समकालीन विश्व – 1	अध्याय–2 : यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति • सामाजिक परिवर्तन का युग • रूसी क्रान्ति • पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति • अक्तूबर के बाद क्या बदला ? • रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव	इस विषयवस्तु में विद्यार्थी विभिन्न विचारधाराओं, भाषणों के अंश, कार्टूनों (रेखाचित्रों) पोस्टरों, उत्कीर्णनों आदि की राजनीति से परिचित हो सकेंगे। विद्यार्थी जान सकेंगे कि इन ऐतिहासिक साक्ष्यों की व्याख्या किस प्रकार की जा सकती है। • रूसी क्रांति के अध्ययन के द्वारा समाजवाद के इतिहास की पड़ताल करना। • क्रांति को प्रेरित करने वाले विभिन्न विचारों से परिचित होना।
भारत व समकालीन विश्व – 1	पाठ–3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय • वाइमर गणराज्य का जन्म • हिटलर का उदय • नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण • नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति • आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध।	• आधुनिक विश्व का राजनीति को आकार देने में नात्सीवाद के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा • नात्सी नेताओं के भाषणों एवं लेखों से परिचित होना।
समकालीन भारत – 1	अध्याय–3 : अपवाह • प्रमुख नदियाँ एवं अपवाह तंत्र • झीलें • अर्थव्यवस्था में नदियों का योगदान • नदी प्रदूषण तथा रोकने के उपाय। नोट : इस अध्याय के केवल मानचित्र सूची में दिए गए मानचित्र कार्यों का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा में किया जाएगा।	• देश के नदी तंत्रों की पहचान करना एवं मानव समाज में नदियों के महत्व को स्पष्ट करना।

समकालीन भारत – 1	अध्याय–4 : जलवायु • जलवायु अवधारणा • जलवायवी नियंत्रण • भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक • भारतीय मानसून • वर्षा का वितरण • मानसून एकता का परिचायक।	• जलवायु को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को पहचानना तथा हमारे देश के जलवायविक बदलावों, इसके लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की पहचान। • मानसून की एकता में भूमिका तथा महत्व का वर्णन।
समकालीन भारत–1	अध्याय–5 : प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी • प्राकृतिक वनस्पति को प्रभावित करने वाले कारक • वनस्पति के प्रकार • वन्य प्राणी संरक्षण	• विविध प्राकृतिक वनस्पतियों एवं वन्य की प्रकृति और वितरण का वर्णन। • हमारे देश की जैव विविधता को संरक्षित करने की जागरूकता का विकास।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–3 : चुनावी राजनीति • चुनाव क्यों ? • चुनाव की हमारी प्रणाली क्या है? • भारत में चुनाव क्यों लोकतांत्रिक हैं ?	• प्रतिनिधि लोकतन्त्र बनाम प्रतिस्पर्धी दलगत राजनीति की समझ। • भारतीय चुनाव प्रणाली से परिचय। • वर्तमान भारतीय चुनाव व्यवस्था की अपनाने के कारणों की समझ। • चुनावी राजनीति में जनता की बढ़ती भागीदारी के सराहना करने की भावना का विकास। • चुनाव आयोग के महत्व की पहचान।

लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–4 : संस्थाओं का कामकाज • प्रमुख नीतिगत फैसले कैसे लिए जाते हैं ? • संसद • राजनैतिक कार्यपालिका	• केंद्रीय शासकीय संस्थाओं की अवलोकन। • संसद की भूमिका एवं संसदीय प्रक्रियाओं की पहचान। • राजनीतिक एवं स्थायी कार्यपालिका के कार्यों में अंतर की पहचान। • संसदीय व्यवस्था में कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जवाबदेही की समझ। • भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली की समझ।
अर्थशास्त्र	अध्याय–3 : निर्धनता एक चुनौती • निर्धनता के दो प्रकार • निर्धनता को देखने के सामाजिक वैज्ञानिकों के दृष्टिकोण • निर्धनता का निर्धारण • असुरक्षित समूह • अंतर्राज्यीय विभिन्नता • निर्धनता का वैश्विक दृष्टिकोण • निर्धनता के कारण • निर्धनता निरोधी उपाय • आने वाली चुनौतियाँ	• निर्धनता को एक चुनौती के रूप में समझना। • असुरक्षित समूहों तथा अंतर राज्यीय असमानताओं को पहचानना। • निर्धनता उन्मूलन के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों की सराहना करना।

द्वितीय सत्रीय मानचित्र कार्य कक्षा IX (2021-22)

इतिहास

अध्याय–2 यूरोप में समाजवाद तथा रूसी क्रान्ति

विश्व के मानचित्र पर – दिखाकर नाम लिखना /पहचान करना

प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश–

केन्द्रीय शक्तियाँ – जर्मनी, आस्ट्रिया – हंगरी, तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य)

मित्र राष्ट्र – फ्राँस, इंग्लैण्ड, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका

<u>अध्याय–3 : नात्सीवाद तथा हिटलर का उदय</u>

विश्व मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रमुख देश

धुरी राष्ट्र – जर्मनी, इटली, जापान

मित्र राष्ट्र – यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, भूतपूर्व सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका

नात्सी साम्राज्य विस्तार के क्षेत्र –

आस्ट्रिया, पोलेण्ड, चेकलोस्वाकिया (केवल स्लोवाकिया), डेनमार्क, लिथुवानिया, फ्रांस, बेल्जियम।

<u>भूगोल</u>

<u>अध्याय–3 : अपवाह</u>

नदियाँ (केवल पहचानना)

- हिमालयी नदी तंत्र–सिन्धु, गंगा, सतलुज;
- प्रायद्वीपीय नदी तंत्र – नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी झीलें – वुलर, पुलीकट, सांभर, चिल्का,

अध्याय–4 : जलवायु

20 से. मी. से कम तथा 400 से.मी. से अधिक वार्षिक वर्षों वाले क्षेत्र; केवल पहचान के लिए।

अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीव

- वनस्पति प्रकार – उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन, उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन, कंटीले वन, पर्वतीय वन, मैंग्रोव (केवल पहचान करने के लिए)
- राष्ट्रीय उद्यान – कार्बेट, काजीरंगा, रणथम्भौर, शिवपुरी, कान्हा, सिमलीपाल, मानस
- पक्षी अभ्यारण्य – भरतपुर, रंगनथिटों
- वन्य जीव अभ्यारण्य – सरिस्का, मुदुमलाई, राजाजी, दाचीगाम (दिखाकर नाम लिखना व अंकित करना।)

कक्षा के लिए परियोजना कार्य

1. प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से एक परियोजना कार्य आपदा प्रबंधन विषय पर करना है।
2. उद्देश्य – आपदा प्रबंधन में संबन्धित परियोजना कार्य विद्यार्थियों को देने का उद्देश्य है कि –
   - क. विद्यार्थियों में विभिन्न आपदाओं उसके प्रभाव तथा प्रबंध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
   - ख. ऐसी किसी स्थिति से निबटने के लिए उन्हें पहले से ही तैयार करना।
   - ग. आपदा शमन योजना में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
   - घ. समुदायों में जागरूकता एवं तत्परता विकसित करने हेतु उन्हें समर्थ बनाना।
3. परियोजना कार्य द्वारा विद्यार्थियों के जीवन कौशलों का विकास करने का प्रयास करना चाहिए।
4. यदि संभव हो तो विभिन्न प्रकार की कलाओं को भी परियोजना कार्य में सम्मिलित किया जाना। चाहिए।
5. अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए प्रधानाचार्य/अध्यापकगणों द्वारा विभिन्न स्थानीय प्राधिकरणों एवं संस्थाओं जैसे – आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राहत राज्यों के आपदा प्रबंधन विभाग, जिला दंडाधिकारी/उपायुक्त, अग्नि शमन, पुलिस, सिविल डिफेंस आदि से सहयोग प्राप्त किया जाए जहाँ स्कूल अवस्थित है।
6. परियोजना कार्य के लिए अंक वितरण इस प्रकार है–

क्रम संख्या	आयाम	अंक
1	विषयवस्तु की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	2
3	साक्षात्कार	1

7. इस परियोजना कार्यों को विद्यार्थियों से क्रियाकलापों जैसे – प्रदर्शनी, वाद–विवाद आदि द्वारा साझा किए जाने चाहिए।
8. परियोजना कार्य के मूल्यांकन सम्बन्धी दस्तावेज विद्यालय द्वारा सावधानी पूर्वक अनुरक्षित किए जाने चाहिए।
9. एक संक्षिप्त विवरण भी तैयार किया जाएगा जिसमें निम्न बिन्दुओं को उजागर किया गया हो–
   1. व्यक्तिगत या सामूहिक विचार – विमर्श द्वारों साधित उद्देश्य

2. क्रियाकलापों का कलेंडर

3. इस प्रक्रिया से निकले अभिनव विचार

4. मौखिक जाँच में पूछे गए प्रश्नों की सूची

10. सभी शिक्षक व विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेंगे कि परियोजना तथा प्रतिरूप बनाने के लिए पर्यावरण हितैषी सामग्री का उपयोग किया गया हो तथा मितव्ययीता का ध्यान रखें।

11. परियोजना विवरण प्रतिवेदन विद्यार्थियों द्वारा हस्तलिखित हो।

12. प्रोजेक्ट रिपोर्ट (आन्तरिक परीक्षण का अभिलेख तीन माह तक जाँच हेतु (यदि कोई हो तो) सुरक्षित रखा जाए।

अनुशंसित पुस्तकें

1. इतिहासः भारत व समकालीन विश्व – 1 द्वारा प्रकाशित
2. भूगोलः समकालीन भारत – 1 द्वारा प्रकाशित
3. राजनीति विज्ञानः लोकतान्त्रिक राजनीति–1 द्वारा प्रकाशित
4. अर्थशास्त्रः आर्थिक विकास की समझ द्वारा प्रकाशित
5. आओ मिलकर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर भाग–2 आपदा प्रबंधन के लिए पाठ्य पुस्तक कक्षा IX-सीबीएसई द्वारा प्रकाशित
6. माध्यमिक स्तर पर अधिगम उद्देश्य – एन.सी.ई. आर. टी द्वारा प्रकाशित

नोट – कृपया एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा मुद्रित नवीन संस्करण की पाठ्यपुस्तकों का ही प्रयोग कीजिए।

अध्याय – 1
फ्रांसीसी क्रांति

याद रखने योग बातें :–

- अठारहवीं शताब्दी के दौरान फ्रांसीसी समाज तीन वर्गों में विभाजित था :–
  1. प्रथम एस्टेट, जिसमें चर्च के पादरी आते थे,
  2. द्वितीय एस्टेट, जिसमें फ्रांसीसी समाज का कुलीन वर्ग आता था, तथा
  3. तृतीय एस्टेट, जिसमें बड़े व्यवसायी, व्यापारी, अदालती कर्मचारी, वकील, किसान, कारीगर, भूमिहीन मजदूर आदि आते थे।
- लगभग 60% जमीन पर कुलीनों, चर्च और तीसरे एस्टेट के अमीरों का अधिकार था।
- तृतीय एस्टेट से चर्च द्वारा वसूला जाने वाला कर था – टाइद (TITHE)
- तृतीय एस्टेट से सरकार द्वारा वसूला जाने वाला टैक्स था – टाइल (TAILLE)
- प्रथम दो एस्टेट्स – पादरी वर्ग और कुलीन वर्ग के लोगों को जन्म से कुछ विशेषाधिकार प्राप्त थे जैसे – राज्य को दिये जाने वाले कर (टैक्स) से छूट।
- राज्य के सभी टैक्स केवल तृतीय एस्टेट द्वारा वहन किए जाते थे।
- 1774 में लुई XVI फ्रांस की राजगद्दी पर आसीन हुआ।
  1. वह फ्रांस के बूर्बों राजवंश का राजा था।
  2. उसका विवाह आस्ट्रिया की राजकुमारी मेरी एन्तोएनेत से हुआ था।
  3. राज्यारोहण के समय उसका राजकोष खाली था जिसके निम्नलिखित कारण थे :–
     - लंबे युद्धों के कारण वित्तीय संसाधनों का नष्ट होना,
     - पूर्ववर्ती राजाओं की शानो शौकत पर फिजूलखर्ची,
     - अमरीकी स्वतंत्रता संघर्ष में ब्रिटेन के खिलाफ अमेरिका की सहायता करना,
     - जनसंख्या का बढ़ना और जीविका संकट।
- मध्यम वर्ग, जिसमें वकील, शिक्षक, लेखक, विचारक आदि आते थे, ने जन्म आधारित विशेषाधिकार पर प्रश्न उठाने शुरू कर दिये।
- बढ़ते कर्ज के दवाब में लुई XVI ने 5 मई 1789 को एस्टेट जेनराल की बैठक बुलाई ताकि नए करों की मंजूरी ली जा सके।
- एस्टेट जेनराल में मतदान 'एस्टेट' के आधार पर होता था न कि व्यक्ति के आधार पर।
- लेकिन इस बार तीसरे एस्टेट के लोग व्यक्ति आधारित मतदान की माँग करने लगे।
- लुई XVI ने उनकी माँग खारिज कर दी जिसके विरोध में तीसरे एस्टेट के लोगों ने बैठक कर सभा से बाहर चले गए।

- 20 जून 1789 को वे लोग वर्साय के एक टेनिस कोर्ट में एकत्रित हुए और अपने आप को नेशनल असेंबली घोषित कर दिया।
- इधर पूरे फ्रांस में महंगाई और अफवाहों का बाज़ार गर्म था और जगह–जगह हिंसक प्रदर्शन होने लगे।
- 14 जुलाई 1789 को क्रुद्ध भीड ने बास्तील के किले को तोड़ दिया और राजनितिक कैदियों को रिहा करवा लिया।
- बास्तील का किला सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक था।
- अपनी विद्रोही प्रजा की शक्तियों का अनुमान करके लुई XVI ने नेशनल असेंबली को मान्यता दे दी और अपनी सत्ता पर संविधान का अंकुश स्वीकार कर लिया।
- 4 अगस्त 1789 की रात को असेंबली ने करों, कर्तव्यों और बंधनों वाली सामंती व्यवस्था के उन्मूलन का आदेश पारित कर दिया।
- 1791 में फ्रांस में संवैधानिक राजतंत्र की नीव पड़ी।
- संविधान पुरूष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र के साथ शुरू हुआ था।
- नए संविधान के अनुसार
  1. मतदान का अधिकार केवल सक्रिय नागरिकों को मिला जो :–
     - पुरूष थे
     - जिनकी उम्र 25 वर्ष से अधिक थी,
     - जो कम से कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर चुकाते थे,
  2. महिलाओं एवं अन्य पुरूषों को निष्क्रिय नागरिक कहा जाता था।
  3. राजा की शक्तियों को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में विभाजित एवं हस्तांतरित कर दिया गया।
- 10 अगस्त 1792 को जैकोबिन क्लब के सदस्यों ने रोबिस्प्येर के नेतृत्व में नयी शासन व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
- 21 सितंबर 1792 को फ्रांस को गणतन्त्र घोषित कर दिया गया और नवनिर्वाचित असेंबली को 'कन्वेन्शन' नाम दिया गया।
- 21 जनवरी 1793 को लुई XVI को फ्रांस के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में फाँसी दे दी गयी।
- 1793 से 1794 के दौरान रोबिस्प्येर ने क्रूरतापूर्वक राज्य किया इसलिए इस काल को 'आतंक का काल' भी कहते हैं।
- जून 1794 मे रोबिस्प्येर को गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।
- रोबिस्प्येर के पतन के बाद फ्रांस का शासन मध्यम वर्ग के सम्पन्न लोगों के पास आ गया।
- उन्होंने पाँच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका – डिरेक्टरी को नियुक्त किया जो फ्रांस का शासन देखती थी लेकिन अक्सर विधान परिषद से उनके हितों का टकराव होता रहता था।

- इस राजनैतिक अस्थिरता का फायदा नेपोलियन बोनापार्ट ने उठाया और उसने 1799 में डिरेक्टरी को खत्म कर दिया और 1804 में फ्रांस का सम्राट बन गया।
- 1815 में वाटरलू में उसकी पराजय हुई और उसे बंदी बना लिया गया।
- फ्रांसीसी क्रांति के मूल तत्व–स्वतन्त्रता, समानता और बंधुत्व ने पूरे विश्व पर प्रभाव डाला।
- 1848 में फ्रांस के सभी उपनिवेशों से दास प्रथा का उन्मूलन कर दिया गया।
- महिलाओं को मतदान का अधिकार 1946 में जाकर मिला।

<u>एक नजर में :–</u>

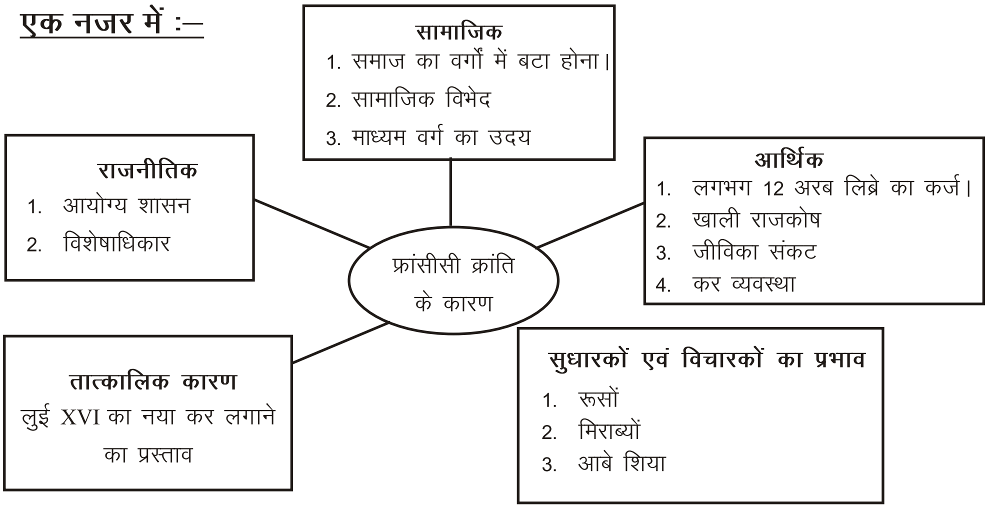

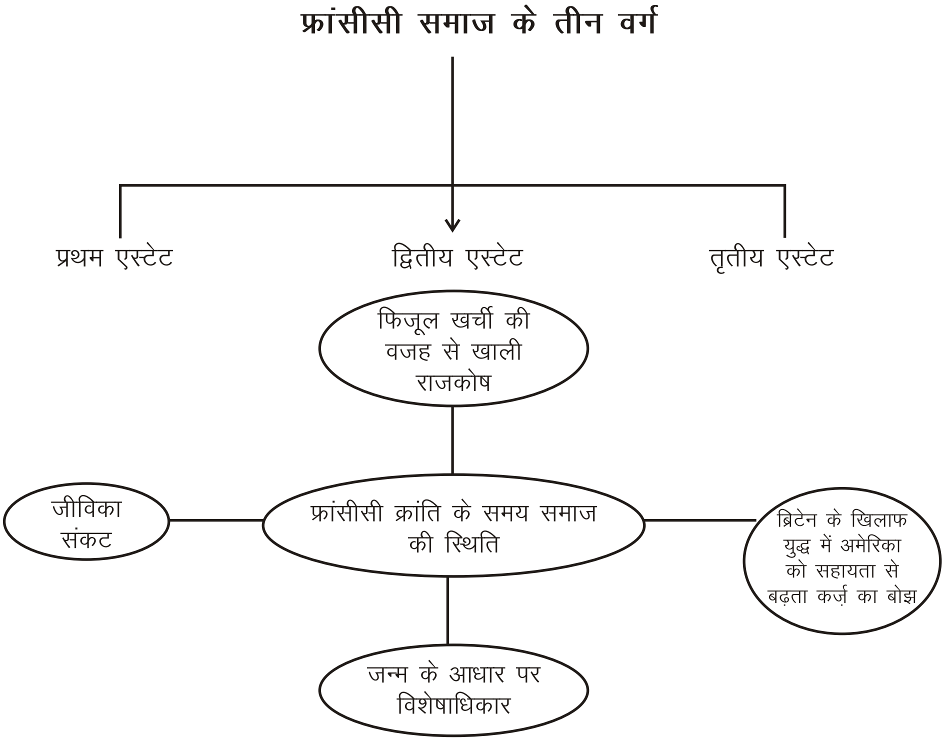

फ्रांसीसी क्रांति के कारण

सामाजिक कारण

1. सामाजिक विभाजन
2. जन्म के आधार पर विशेषाधिकार

राजनितिक कारण

1. कमजोर शासक
2. लुई XVIth की खराब नीति

आर्थिक कारण

1. खाली राजकोष
2. बढ़ता कर्ज
3. खराब फसल

तात्कालिक कारण

1. 1789 में कर बढ़ाने का प्रस्ताव
2. एस्टेट जेनराल की बैठक में एस्टेट के आधार पर मतदान

दार्शनिकों का योगदान

1. लोगों पर दार्शनिकों के विचारों का प्रभाव
2. जन्म के आधार पर विशेषधिकार के अंत की कल्पना
3. स्वतंत्रता समानता और भ्रातृत्व पर आधारित शासन के मॉडल की प्रस्तुति।

फ्रांसीसी क्रांति : तारीखों की नजर से

1774	लुई XVI फ्रांस की राजगद्दी पर आसीन हुआ।
5 मई 1789	....
20 जून 1789	तीसरे एस्टेट के लोग इंडोर टेनिस कोर्ट में एकत्रित हुए।
14 जुलाई 1789	....
4 अगस्त 1789	....
10 अगस्त 1789	जैकोबिन क्लब के सदस्यों ने विद्रोह कर दिया।
1791	....
10 अगस्त 1792	....
21 सितम्बर 1792	....
21 जनवरी 1793	लुई XVI को फाँसी दे दी गयी।
जुलाई 1794	....
26 अक्टूबर 1795	....
1804	....
1815	....
1848	....
1946	महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला।

1 अंक वाले प्रश्न

1. फ्रांस की क्रांति के समय फ्रांस का सम्राट कौन था ?

   a) लुई XVI b) लुई XIV c) आबे शिए d) रूसो

2. 'द सोशल कॉन्ट्रैक्ट' नामक पुस्तक किसने लिखी ?

   a) नेपोलियन b) रूसों c) आबे शिए d) रोवेस्पियर

3. लुई XVI किस राजवंश का था ?

   a) बूर्बो b) लोंबिनी c) लोबार्डी d) सेक्सोनी

4. फ्रांस में 1794 तक चलने वाली मुद्रा का नाम था :–

   a) टाइद b) लिव्रे c) टाइल d) डिटेकट्री

5. नेपोलियन फ्रांस का सम्राट कब बना ?

   a) 1804 b) 1799 c) 1815 d) 1789

6. वाटरलू का युद्ध नेपोलियन ने सन् .... में लड़ा।
7. फ्रांस का राष्ट्रगान .... है।
8. फ्रांस का राष्ट्रगान .... ने लिखा।
9. फ्रांसीसी उपनिवेश से दास–प्रथा का उन्मूलन सन् .... में हुआ।
10. जैकोबिन क्लब का प्रमुख नेता .... था।
11. किस एस्टेट को 18 वी. सदी के फ्रांस में सभी कर चुकाने पड़ते थे ?
12. 'एस्टेटस जेनराल' क्या था ?
13. फ्रांस गणतंत्र कब बना ?
14. 14 जुलाई 1789 को किस किले को तोड़कर राजनीतिक कैदियों को भीड़ ने रिहा करवा लिया था ?
15. 'डिटेक्ट्री शासन व्यवस्था' का अंत किसने किया ?
16. उपज का दसवाँ भाग जो चर्च के द्वारा कर के रूप में लिया जाता था उस कर का नाम लिखें।
17. किस पुस्तक में सरकार की शक्तियों के बंटवारे का प्रस्ताव पेश किया गया था ?
18. टाइल किस प्रकार का कर था ?
19. 'टू ट्रीटाइजेज ऑफ गवर्नमेंट' नामक पुस्तक किसने लिखी थी ?
20. किस पुस्तक में 'एक व्यक्ति एक मत' का विचार प्रस्तुत किया गया था ?

21. बताइए नीचे दिया गया किसका प्रतीक है?

3 या 5 अंको वाले प्रश्न

1. लुई XVI के राज्यरोहण के समय फ्रांस की आर्थिक स्थिति कैसी थी ?
2. तीसरे एस्टेट की व्याख्या करें।
3. 4 अगस्त 1789 को नेशनल असेंबली ने क्या आदेश पारित किए ?
4. फ्रांसीसी समाज की महिलाओं का जीवन कैसा था ?
5. महिलाओं ने अपने हितों की हिमायत कैसे की ?
6. जैकोबिन क्लब के सदस्य कौन थे ?
7. दुनियाँ के लिए फ्रांसीसी क्रांति कौन सी विरासत छोड़ गई ?
8. नेपोलियन के उदय को कैसे समझा जा सकता है ?
9. फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों के योगदान का वर्णन करें।
10. 1791 में फ्रांस में बनाए गए कानून की तीन विशेषताएँ बताएँ।
11. जैकोबिन क्लब के सदस्यों को 'सौकुलात' क्यों कहा जाता था ?
12. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतविरोध थे?
13. रोबेस्पियर के शासन काल को आतंक का राज क्यों कहा जाता था ?

स्त्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

14. नीचे दिए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिजिए।

    जैकोबिन क्लब के सदस्य मुख्यतः समाज के कम समृद्ध हिस्से से आते थे। इनमें छोटे दुकानदार और कारीगर–जैसे जूता बनाने वाले, पेस्ट्रो बनाने वाले, घड़ीसाज़, छपाई करने

वाले और नौकर व दिहाड़ी मजदूर शामिल थे। उनका नेता मैक्समिलियन रोबेस्पेयर था। जैकोबिनो के एक बड़े वर्ग ने गोदी कामगारों की तरह धारीदार लंबी पतलून पहनने का निर्णय किया। ऐसा उन्होंने समाज के फैशनपरस्त वर्ग, खासतौर से घुटने तक पहने जाने वाले ब्रीचेस (घुटन्ना) पहनने वाले कुलीनों से खुद को अलग करने के लिए किया। यह ब्रीचेस पहनने वाले कुलीनों की सत्ता समाप्ति के एलान का उनका तरीका था।

(1) जौकोबिन क्लब में समाज के किस वर्ग के लोग शामिल थे।

(2) मैक्समिलियन रोबेस्प्येर कौन था ?

(3) जैकोबिन क्लब के लोग किस तरह के कपड़े पहनते थे ?

(4) उनका ब्रीचेस पहने का क्या कारण था ?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्न

1. a) लुई XVI
2. b) रूसों
3. a) बूर्बो
4. b) लिव्रे
5. a) 1804
6. 1815
7. मार्सिले
8. कवि रॉजेट दि लाइल ने
9. 1848
10. मैक्समिलियन रोबेस्प्येर
11. तृतीय एस्टेट
12. फ्रांसीसी सम्राट को सुझाव देने वाली प्रतिनिधि सभा
13. 21 सितम्बर 1792
14. बास्तील का किला
15. नेपोलियन
16. टाइद
17. द स्पिरिट ऑफ लॉ
18. सरकार द्वारा लिया जाने वाला प्रत्यस कर
19. जॉन लॉक
20. 'द सोशल कॉन्ट्रेक्ट
21. कानून का मानवीय रूप

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3 /4 अंक)

1. क) राजकोष का खाली होना

ख) युद्धों के कारण वित्तीय संसाधनों का नष्ट होना।
ग) शानों शौकत के लिए फिजूलखर्ची।
घ) दस अरब लिव्रे से अधिक का कर्ज।
ड) सरकार से कर्ज़दाताओं की ब्याज की माँग।

2. क) साधारण वर्ग था।
ख) राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं था
ग) सभी प्रकार के कर देने पड़ते थे।
घ) बड़े व्यवसायी व्यापारी, किसान, अदालती कर्मचारी आदि उस वर्ग में शामिल थे।

3. क) सामंती व्यवस्था का उन्मूलन।
ख) पादरी वर्ग के अधिकारों को छोड़ देने के लिए विवश किया
ग) धार्मिक कर समाप्त।
घ) चर्च के स्वामित्व वाली भूमि जब्त कर ली गई।

4. क) तृतीय एस्टेट की महिलाएँ जीविका निर्वाह के लिए काम करती थी।
ख) बाजारों में समान बेचना।
ग) सम्पन्न घरों में नौकरी।
घ) अपने परिवार का पालन–पोषण। केवल संपन्न घरों की महिलाएँ कुछ पढ़ाई करती थी।
ड) मज़दूरी पुरूषों से कम।

5. क) राजनीतिक क्लबों और अखबारों की शुरूआत।
ख) पुरूषों जैसे समान अधिकार की मांग की।
ग) असेंबली के लिए चुने जाने और राजनीतिक पदों की मांग।

6. क) समाज का कम समृद्ध हिस्सा।
ख) दुकानदार और कारीगर।
ग) घड़ीसाज़, दिहाड़ी मज़दूर आदि।

7. क) स्वतंत्रता का विचार
ख) समानता का सिद्धांत
ग) बंधुत्व की भावना
घ) प्रजातांत्रिक विचार
ड) सामंतवाद का अंत

8. क) 1799 में डिरेक्ट्री के शासन का अंत करके वह फ्रांस का प्रथम काउंसिल बन गया।
ख) 1793 – 96 के मध्य पश्चिमी यूरोप पर विजय।
ग) सत्ता पर कब्जे के बाद खोए हुए भूखंड पुनः वापस ले लिए।
घ) आस्ट्रिया, प्रशा और रूस को परास्त किया।

9. • उन्होंने क्रांति को विचार प्रदान किया।
• फ्रांस के लोगों को अधिकारों के लिए लड़ने हेतु प्रेरित किया।
• सम्राट के अधिकारों को चुनौती दिया।
• जॉन लॉक ने राजा के दैवीय शक्ति को नकार दिया।
• रूसों ने लोगों और प्रतिनिधियों के बीच सामाजिक करार पर आधारित सरकार का विचार सामने रखा।
• दार्शनिकों ने अपने विचारों को अखबारों द्वारा जन–साधारण तक पहुँचाया।

10. • राजा की शक्तियों को समाप्त कर दिया गया ।
• फ्रांस संवैधानिक गणतंत्र बन गया।
• विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में शक्तियों का बँटवारा।
• नेशनल असेम्बली को कानून बनाने का अधिकार।
• 25 साल के ऊपर सभी पुरूषों को वोट डालने को अधिकार।

11. • जैकोबिन क्लब के सदस्य गोदी कामगारों की तरह बिना घुटनों वाली धारीदार लंबी पतलून पहनते थे।
• यह अपने आप को कुलीनों से अलग करने का तथा उनकी सत्ता समाप्ति के एलान का उनका तरीका था।
• अपने इसी बिना घुटनों वाली पोशाक पहनने के कारण उन्हें सौं कुलॉत भी कहा जाता था।

12. • सार्वजनिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतविरोध थे।
• घोषणापत्र की शुरूआत ही पुरूषों के एकाधिकार की पुष्टि करती है।
• महिलाओं का स्थान दूसरे दर्जे का कर दिया गया।
• बिना संपत्ति वाले लोगों को भी बराबरी का हक नहीं था।
• दास प्रथा जैसे गलत प्रथाओं को भी नज़र अंदाज किया गया।
• महिलाओं को मताधिकार 1946 में जाकर मिला।

13. • रोबेस्प्येर ने 1793 में फ्रांस की सत्ता पर कब्जा कर लिया।
• 1793 से 1794 के बीच रोबेस्पयेर ने नियंत्रण और दंड की सख्त नीति अपनाई।
• उसकी कायशैली से असहमति रखने वाले विरोधियों और पार्टी सदस्यों को मौत की सजा सुना दी जाती थी।
• इन्ही सख्तियों के कारण 1793 से 1794 के शासनकाल को आतंक का राज कहा जाता था।

स्रोत आधारित प्रश्न का उत्तर।

14. (1)समाज के कम समृद्ध
(2)जैकोबिन क्लब का नेता
(3)धारीदार लम्बी पतलून
(4)खुद को कुलीनों से अलग दिखाने के लिए।

एस्टेट्स का समाज.

ध्यान दें कि तृतीय एस्टेट में कुछ लोग धनी हैं तो कुछ निर्धन भी हैं।

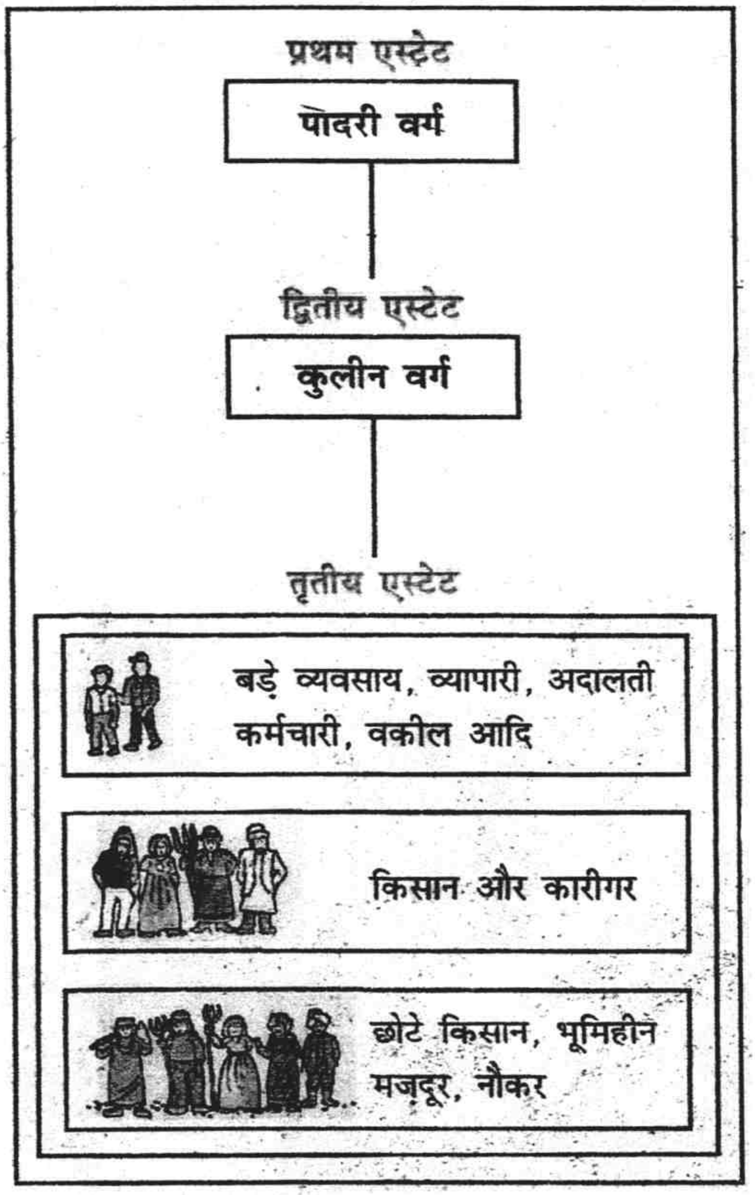

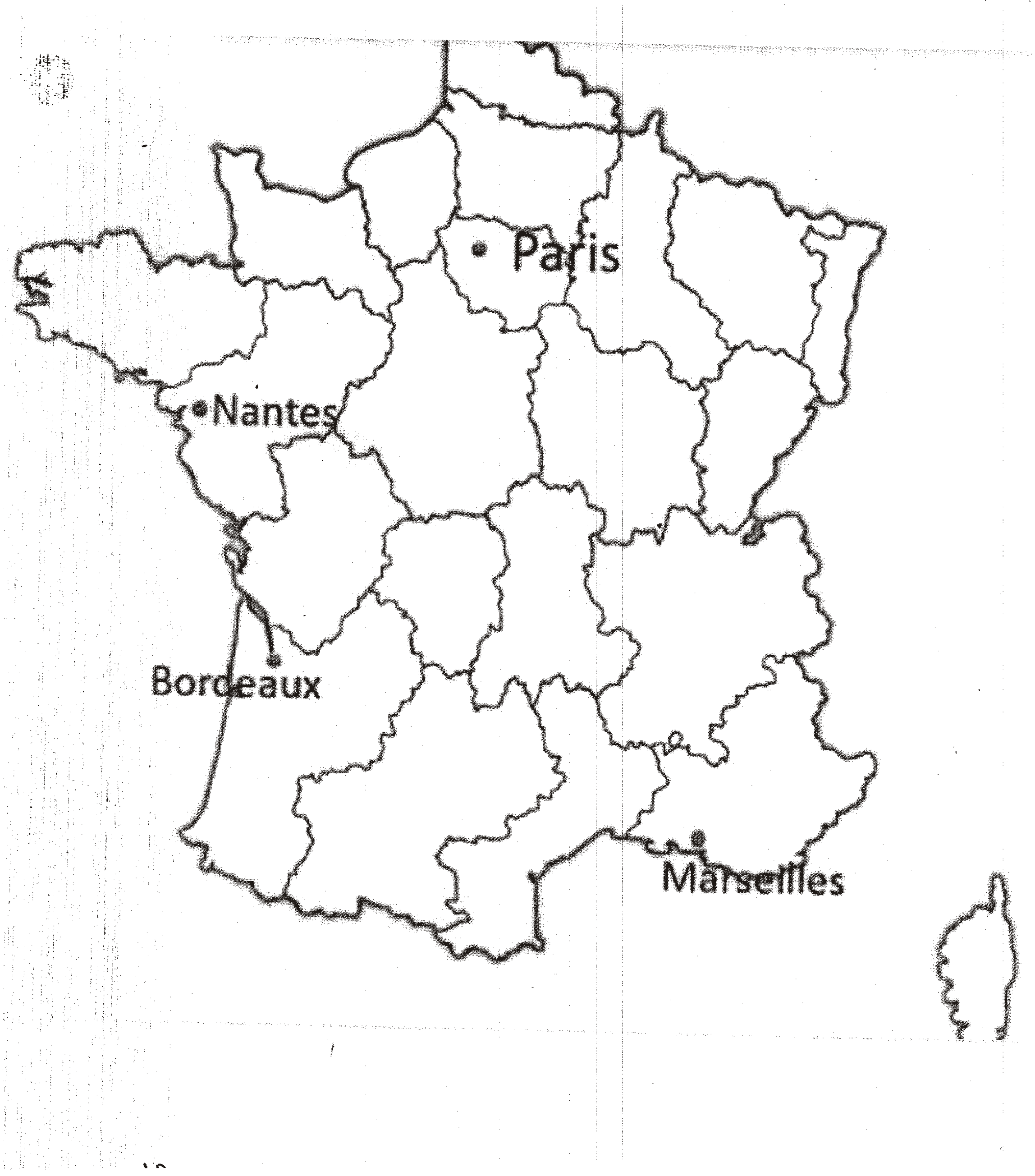
Paris
Nantes
Bordeaux
Marseilles

अध्याय – 2

यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

याद रखने योग बातें :–

- फ्रांसीसी क्रांति ने समाज में परिवर्तन की संभावनाओं के द्वार खोल दिए।
- इन्हीं संभावनाओं को मूर्त्त रूप देने में तीन अलग–अलग विचारधाराओं का विकास हुआ – उदारवादी रूढ़िवादी और परिवर्तनवादी।
- **रूढ़िवादियों के मुख्य विचार**
    1. उदारवादियों और परिवर्तनवादियों का विरोध
    2. अतीत का सम्मान
    3. बदलाव की प्रक्रिया धीमी हो
- **उदारवादियों के मुख्य विचार**
    1. सभी धर्मों का आदर एवं सम्मान।
    2. अनियंत्रित सत्ता के विरोधी।
    3. व्यक्ति मात्र के अधिकारों की रक्षा के पक्षधर।
    4. प्रतिनिधित्व पर आधारित निर्वाचित सरकार और स्वतंत्र न्यायपालिका के पक्ष में
    5. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के स्थान पर संपत्तिधारकों को वोट के अधिकार के पक्ष में।
- **परिवर्तनवादियों के मुख्य विचार :–**
    1. बहुमत आधारित सरकार के पक्षधर।
    2. बड़े जमींदारों और सम्पन्न उद्योगपतियों को प्राप्त विशेषाधिकार का विरोध।
    3. सम्पत्ति के संकेद्रण का विरोध लेकिन निजी सम्पत्ति का विरोध नहीं।
    4. महिला मताधिकार आंदोलन का समर्थन।
- यह दौर गहन सामाजिक और आर्थिक बदलावों का था।
- औद्योगिक क्रांति के दुष्परिणाम जैसे – काम की लंबी अवधि, कम, मजदूरी, बेरोजगारी, आवास की कमी, साफ–सफाई की अयवस्था आदि ने लोगों को इस (औद्योगिक क्रांति) पर सोचने को विवश कर दिया।
- **समाजवादियों के मुख्य विचार :–**
    1. निजी सम्पत्ति का विरोध
    2. सामुहिक समुदायों की रचना (रॉवर्ट ओवेन)

3. सरकार द्वारा सामुहिक उद्यमों को बढ़ावा (लुई ब्लॉक)
4. सारी सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण एवं स्वामित्व (कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स)

- 1870 का दशक आते–आते समाजवादी विचार पूरे यूरोप में फैल चुका था।
- फरवरी 1917 में राजशाही के पतन से लेकर अक्टूबर 1917 में रूस की सत्ता पर समाजवादियों के कब्जे तक की घटनाओं को रूसी क्रांति कहा जाता है।
- **रूसी समाज**

1. बीसवीं सदी की शुरूआत में रूस की लगभग 85 प्रतिशत जनता खेती पर निर्भर थी।
2. कारखाने उद्योगपतियों की निजी सम्पत्ति थे जहाँ काम की दशाएँ बेहद खराब थीं।
3. यहाँ के किसान समय–समय पर सारी जमीन अपने कम्यून (मीर) को सौंप देते थे और फिर कम्यून परिवार की जरूरत के हिसाब से किसानों को जमीन बाँटता था।
4. रूस में एक निरंकुश राजशाही था।
5. 1904 ई. में जरूरी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं।
6. मजदूर संगठन भी बनने लगे जो मजदूरों की स्थिति में सुधार की माँग करने लगे।
7. इसी दौरान पादरी गौपॉन के नेतृत्व में मजदूरों के जुलूस पर जार के महल के सैनिकों ने हमला बोल दिया। इस घटना में 100 से ज्यादा मजदूर मारे गए और लगभग 300 घायल हुए। इतिहास में इस घटना को ''खूनी रविवार'' के नाम से याद किया जाता है।

- 1905 की क्रांति की शुरूआत इसी घटना से हुई।

1. सारे देश में हड़तालें होने लगी।
2. विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए।
3. वकीलों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य मध्यवर्गीय कामगारों ने संविधान सभा के गठन की माँग करते हुए यूनियन ऑफ यूनियन की स्थापना कर ली।
4. जार एक निर्वाचित परामर्शदाता संसद (ड्यूमा) के गठन पर सहमत हुआ परन्तु
5. मात्र 75 दिनों के भीतर पहली ड्यूमा, 3 महीने के भीतर दूसरी ड्यूमा को उसने बर्खास्त कर दिया।
6. तीसरे ड्यूमा में उसने रूढ़िवादी राजनेताओं को भर दिया ताकि उसकी शक्तियों पर अंकुश न लगे।

- 1914 ई. में प्रथम विश्व युद्ध शुरू हो गया जो 1918 तक चला। इसमें दो खेमों केंद्रीय शक्तियाँ (जर्मनी, ऑस्ट्रिया, तुर्की) और मित्र राष्ट्र (फ्रांस, ब्रिटेन व रूस) के बीच लड़ाई शुरू हुई जिसका असर लगभग पूरे विश्व पर पड़ा।

- **फरवरी क्रांति**

कारण	घटनाएँ	प्रभाव
1. प्रथम विश्व युद्ध का लंबा खिंचना। 2. रासपुतिन (एक सन्यासी) का प्रभाव 3. असंख्य रूसी सैनिकों की मौत 4. सैनिकों का मनोबल गिरना 5. शरणार्थियों की समस्या 6. खाद्यान्न की कमी 7. उद्योगों का बंद होना।	1. 22 फरवरी को एक फैक्ट्री में तालाबंदी 2. 50 अन्य फैक्ट्रियों के मजदूरों की हड़ताल 3. हड़ताली मजदूरों द्वारा सरकारी इमारतों का घेराव 4. राजा द्वारा कफ्यू लगाना 5. 25 फरवरी को ड्यूमा को बर्खास्त करना। 6. 27 फरवरी को प्रदर्शन कारियों ने सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया। 7. सिपाही एवं मजदूरों के संगठन (सोवियत) का गठन 8. सैनिक कमांडर की सलाह पर जार का गद्दी छोड़ना (2 मार्च 1917)	1. रूस में ज़ारशाही का अंत 2. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के आधार पर संविधान सभा का चुनाव। 3. अंतरिम सरकार में सोवियत और ड्यूमा के नेताओं की शिरकत।

- **अप्रैल थीसिस**

  महान बोल्शेविक नेता लेनिन अप्रैल 1917 में रूस लौटे। उन्होंने तीन माँगे कीं जिन्हें अप्रैल थीसिस कहा गया।

  1. युद्ध की समाप्ति
  2. सारी जमीनें किसानों के हवाले
  3. बैंको का राष्ट्रीयकरण

- अंतरिम सरकार और बोल्शेविकों के बीच टकराव बढ़ते गए।
- 24 अक्टूबर 1917 को विद्रोह शुरू हो गया और शाम ढ़लते–ढ़लते पूरा पैट्रोग्राद शहर बोल्शेविकों के नियंत्रण में आ गया। इस तरह अक्टूबर क्रांति पूर्ण हुई।
- अक्टूबर क्रांति के बाद क्या बदला –

  1. निजी सम्पत्ति का खात्मा
  2. बैंको एवं उद्योगों का राष्ट्रीयकरण

3. जमीनों को सामाजिक सम्पत्ति घोषित करना
4. अभिजात्य वर्ग की पुरानी पदवियों पर रोक
5. रूस एक दलीय व्यवस्था वाला देश बन गया।
6. जीवन के हरेक क्षेत्र में सेंसरशिप लागू।
7. गृह युद्ध का आरंभ

- **गृह युद्ध** :– क्रांति के पश्चात् रूसी समाज में तीन मुख्य समूह बन गए बोल्शेविक (रेड्स) सामाजिक क्रांतिकारी (ग्रीन्स) और जार समर्थक (व्हाइटस) इनके मध्य गृहयुद्ध शुरू हो गया 'ग्रीन्स और 'व्हाइटस' को फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन से भी समर्थन मिलने लगा क्योंकि ये समाजवादियों (रेड्स) से सशंकित थे।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. साम्यवादी विचार के संस्थापक कौन थे ?
   a) कार्ल मार्क्स b) रूसों c) मॉन्टेस्क्यू d) जॉन लॉक
2. रूस में आर्थिक नीति को किसने शुरू किया ?
   a) ओवेन b) लेनिन c) ट्रॉटस्की d) रूसों
3. खूनी रविवार का संबंध रूस की किस क्रांति से है ?
   a) 1905 की क्रांति b) फरवरी 1917 c) अक्टूबर 1917 d) इनमें से कोई नहीं
4. रूस के शासकों को क्या कहा जाता था ?
   a) राजा b) सम्राट c) ज़ार d) चाँसलर
5. 1917 की रूस की क्रांति का आरंभ किस शहर से हुआ ?
   a) पेत्रोग्राद b) पेरिस c) लंदन d) पर्थ
6. रूसी इतिहास में .... की तिथि को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।
7. रूस की संसद का नाम .... है।
8. रूस के शासक जार निकोलस II ने .... को त्याग पत्र दिया।
9. रूस में सामुहिक खेतों को .... कहा जाता था।
10. रूस में सम्पन्न किसानों को .... कहा जाता था।
11. मेनशेविकों के नेता कौन थे ?
12. अप्रैल थीसिस किसने दी ?
13. सामुहिकीकरण का कार्यक्रम किसने शुरू किया ?
14. रूस में राजशाही का अंत किस क्रांति से हुआ ?
15. रूसी गृहयुद्ध में बोल्शेविकों के समर्थकों को किस नाम से बुलाते थे ?
16. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। उन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए –

कथन (A) 1917 की अक्तूबर क्रांति के ज़रिए रूस की सत्ता पर समाजवादियों ने कब्ज़ा कर लिया।

कथन (R) फरवरी 1917 में राजशाही के पतन और अक्टूबर की घटनाओं को ही रूसी क्रांति कहा जाता है।

(a) कथन (A)और कारण (R) दोनो सही हैं और कारण (R) कथन की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनो सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कारण सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

17. निम्न चित्र में दिखाए गए व्यक्ति का नाम लिखिए ? ये 1914 में रूस और उसके पूरे साम्राज्य के शासक थे।

3 या 5 अंक वाले प्रश्न

1. 1905 से पहले रूस के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक हालात कैसे थे ?
2. 1917 में रूस में जार का शासन क्यों समाप्त हो गया ?
3. स्तालिन का सामूहिकीकरण का कार्यक्रम क्या था ?
4. लेनिन की अप्रैल थीसिस की मुख्य माँगें क्या थीं ?
5. अक्टूबर क्रांति के पश्चात् रूस में क्या बदलाव आए ?
6. रूसी क्रांति के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन करें।
7. खूनी रविवार की घटना का वर्णन करें।
8. 1917 की रूसी क्रांति से पहले रूस में श्रमिकों की क्या हालत थी ?
9. 1917 की रूस में हुई अक्टूबर क्रांति का वर्णन करें।
10. प्रथम विश्व युद्ध का रूस की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा ?
11. उदारवादियों एवं परिवर्तनवादियों में क्या अंतर था ? स्पष्ट करें।
12. आरंभिक समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

'मास्को बाकी यूरोपीय राजधानियों के मुकाबले कम साफ़–सुथरा दिखाई देता है। सड़क पर भागम–भाग में लगा कोई व्यक्ति बहुत स्मार्ट नहीं लगता। सारी जगह मज़दूरों की है। यहाँ आम जनता रईसों के साए में किसी तरह दबती दिखाई नहीं देती। जो लोग सदियों से नेपथ्य में छिपे हुए थे आज सामने आ खड़े हुए हैं। मैं अपने देश के किसानों और मजदूरों के बारे में सोचने लगा। मेरे सामने जो कुछ था उसे देखकर लगता था कि यह अरेबियन नाइट्स के किसी जिन्न की करामात है यहाँ महज़ एक दशक पहले ये भी हमारे लोगों जितने ही अनपढ़ लाचार और भूखे थे। ये देखकर मेरे जैसे अभागे हिंदुस्तानी से ज़्यादा अचंभा और भला किसको होगा कि इन लोगों ने इतने थोड़े से सालों में अज्ञानता और बेसहारेपन के पहाड़ को उतार फेंका है। (रूस से रबीन्द्रनाथ टैगोर, 1930)

(i) यह वर्णन निम्न में से किस काल का है –

(a) रूसी क्रांति से पहले का

(b) रूसी क्रांति के दौरान का

(c) रूसी क्रांति के बाद का

(b) वर्तमान समय का

(ii) कौन लोग सदियों से नेपथ्य में छिपे हुए थे –

(a) जार (b) कुलीन वर्ग

(c) एस्टेट मालिक (c) किसान और मज़दूर

(iii) महज़ एक दशक पहले किस घटना ने रूसी लोगों का कायाकल्प किया

(a) रूसी क्रांति

(b) फ्रांसीसी क्रांति

(c) 1857 की क्रांति

(d) अमेरिकी क्रांति

(iv) उपरोक्त वर्णन में 'सड़क पर भागम–भाग' का अर्थ है–

(a) दौड़ प्रतियोगिता चल रही है (b) सभी अपने–अपने काम में व्यस्त हैं

(c) सब डरे हुए हैं (d) आम जनता रईसों के साए में है

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. a) कार्ल मार्क्स
2. b) लेनिन
3. a) 1905 की क्रांति
4. c) ज़ार

5. a) पेत्रोग्राद
6. 22 फरवरी
7. ड्यूमा
8. 2 मार्च 1917
9. कोलखोज़
10. कुलक
11. केरेंस्की
12. लेनिन
13. स्तालिन
14. फरवरी क्रांति 1917
15. 'रेड्स'
16. (b)
17. जार निकोलस (II)

3 / 5 अंक वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर

1.
- ग्रामीण क्षेत्रों में समाज मजदूर, अभिजात वर्ग और चर्च के बीच बँटा था।
- लगभग 85% जनसंख्या कृषि कार्य से जुड़ी थी।
- कारखानों से प्राप्त लाभ पर मालिकों का हक था।
- मज़दूरों, भूमिहीन किसानों व महिलाओं को शासन में भाग लेने का अधिकार नहीं था।

2.
- प्रथम विश्वयुद्ध में लगभग 70 लाख रूसी मारे गए।
- सैनिक युद्ध लड़ने के पक्ष में नहीं थे, वे युद्ध को जारी रखने के सरकारी निर्णय के विरूद्ध थे।
- फौज और श्रमिकों ने पेत्रोग्राद सोवियत का निर्माण किया और जार के शासन का अंत किया।

3.
- रूस में अनाज की कमी को देखते हुए स्तालिन ने खेतों के सामूहिकीकरण की प्रक्रिया शुरू की।
- छोटे–छाटे भूमि के टुकड़ों को जोड़कर विशाल ज़मीन का फार्म बनाया जा सकता था।
- सामूहिक खेती करने के लिए बड़ी भूमि अर्जित करना ही स्तालिन की सामूहिकीकरण की प्रक्रिया कहलाई।

4.
- युद्ध समाप्त कर दिया जाए।
- ज़मीन किसानों को दे दी जाए।
- बैंको का राष्ट्रीयकरण किया जाए।

5.
- नवंबर 1917 में अधिकतर बैंको का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
- भूमि को सामाजिक सम्पत्ति घोषित किया गया।
- निरंकुश राजतंत्र द्वारा प्रदान की गई उपाधियों पर रोक लगा दी गई।

- व्यापार संघो पर नई पार्टी का नियंत्रण स्थापित कर दिया गया।
- बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर रशियन कम्युनिस्ट पार्टी रख दिया गया।

6.
- रूस में किसानो व श्रमिकों की सरकार स्थापित होने के कारण विश्व के अन्य देशों में कृषकों का सम्मान बढ़ा।
- 1917 की क्रांति के बाद रूस में साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई। कुछ समय बाद अनेक देशों में साम्यवादी सरकारें बनाई गईं।
- रूसी क्रांति के बाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पूंजीपतियों तथा श्रमिकों में संघर्ष छिड़ गया।
- अन्य देशो की सरकारें भी सोचने लगीं कि लोगो को रोटी–कपड़ा और मकान प्रदान करना उनका दायित्व है।

7.
- रूस के जार का शासन अत्याचारपूर्ण होना।
- जनवरी 1905 में एक रविवार को लोगों का जार से मिलना और याचिका देने का प्रयत्न।
- मिलने के स्थान पर मजदूरों पर हमला।
- हमले में 100 से ज्यादा मज़दूर मरे और 300 घायल हुए।
- यह घटना खूनी रविवार के नाम से जानी जाती है।

8.
- सामाजिक एवं आर्थिक बदलावों का दौर था।
- औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे थे।
- औद्योगिकरण ने औरतों, आदमियों और बच्चों को कारखानों में खड़ा कर दिया।
- काम के घंटे ज्यादा और मज़दूरी बहुत कम होती थी।
- वस्तुओं की माँग में गिरावट आने से बेरोज़गारी का बढ़ जाना भी एक समस्या थी।

9.
- यह क्रांति का दूसरा दौर था।
- फरवरी क्रांति के बाद रूस की सत्ता केरेंस्की ने संभाल ली थी।
- वह जनता की आवश्यकताएं पूरी न कर सका, मजदूरों को अधिकार व किसानों को भूमि न दिला सका।
- अस्थायी सरकार को भंग कर दिया गया।
- केरेंस्की देश छोड़ कर भाग गया। शासन लेनिन के हाथ में आ गया।

10.
- जागीरों को छीन कर किसानों में भूमि का बंटवारा।
- उद्योगों पर राज्यों का नियंत्रण
- विकास के लिए आर्थिक नियोजन।
- साम्राज्यवाद का अंत।
- अन्तराष्ट्रीयता को प्रोत्साहन

11. **उदारवादी**

1. सभी धर्मों का आदर

2. अनियंत्रित सत्ता के विरोध
3. व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा के पक्षधर
4. प्रतिनिधित्व आधारित निर्वाचित सरकार के पक्ष में।

परिवर्तनवादी

1. बहुमत आधारित सरकार के पक्षधर
2. विशेषाधिकार का विरोध
3. संपत्ति के संकेद्रण का विरोध
4. महिला मताधिकार आंदोलन का समर्थन

12. 1. निजी संपत्ति का विरोध
2. सामुहिक समुदायों की स्थापना पर बल
3. सामुहिक उद्यमों की स्थापना में सरकार की भूमिका पर बल
4. सारी सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण एवं स्वामित्व

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक) के उत्तर

1. (i) c - रूसी क्रांति के बाद का।
(ii) d - किसान और मजदूर।
(iii) a - रूसी क्रांति।
(iv) c-सभी अपने–अपने काम में व्यस्त हैं।

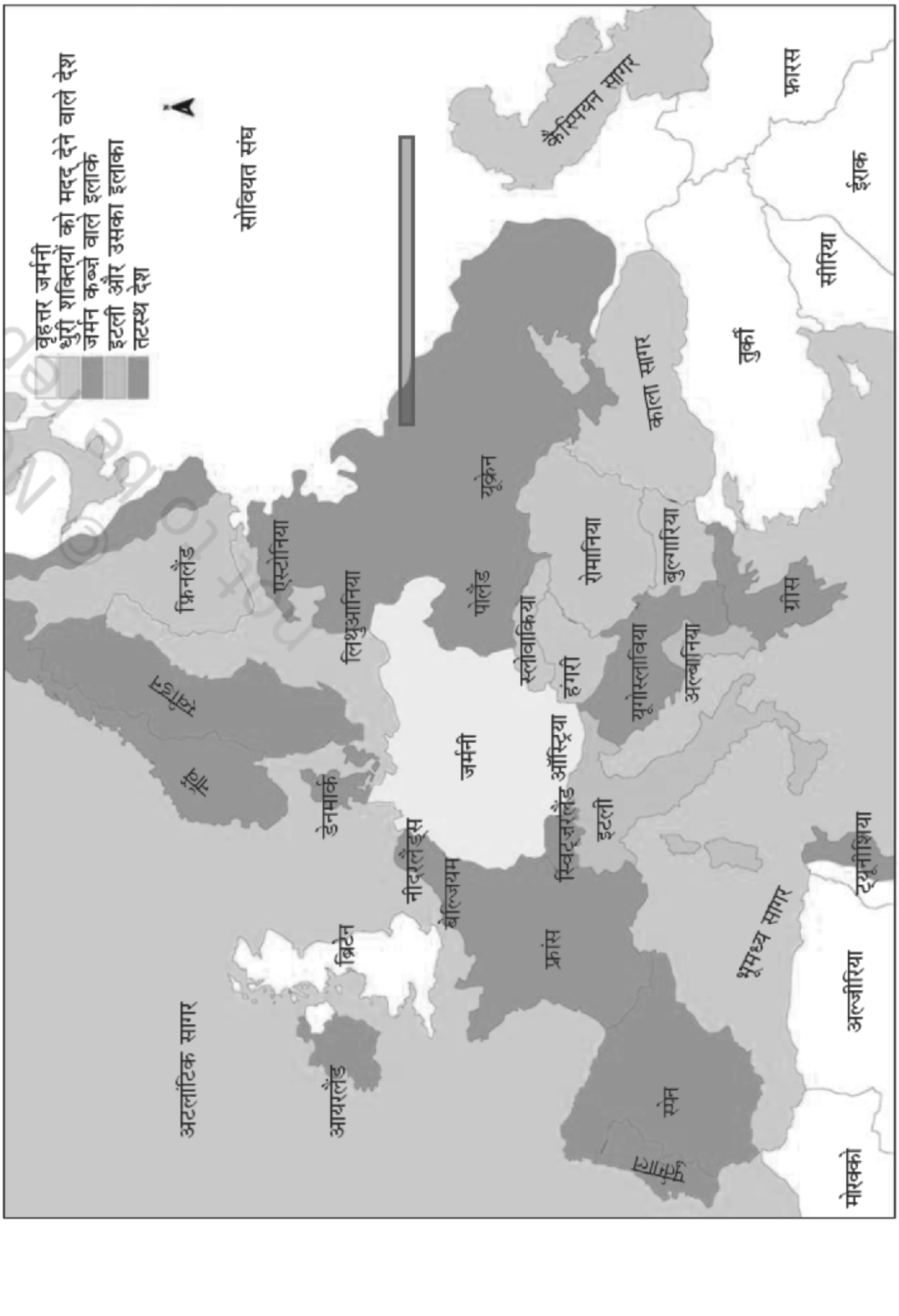

वृहत्तर जर्मनी
धुरी शक्तियों को मदद देने वाले देश
जर्मन कब्ज़े वाले इलाके
इटली और उसका इलाका
तटस्थ देश
सोवियत संघ
कैस्पियन सागर
फ़ारस
ईराक
सीरिया
तुर्की
काला सागर
यूक्रेन
रोमानिया
बुल्गारिया
ग्रीस
पोलैंड
एस्टोनिया
लिथुआनिया
फ़िनलैंड
स्वीडन
नॉर्वे
डेनमार्क
जर्मनी
स्लोवाकिया
हंगरी
ऑस्ट्रिया
यूगोस्लाविया
अल्बानिया
इटली
स्विट्ज़रलैंड
नीदरलैंड्स
बेल्जियम
फ्रांस
ब्रिटेन
आयरलैंड
अटलांटिक सागर
स्पेन
पुर्तगाल
भूमध्य सागर
ट्यूनीशिया
अल्जीरिया
मोरक्को

अध्याय – 3
नात्सीवाद और हिटलर का उदय

याद रखने योग बातें :–

- प्रथम विश्वयुद्ध (1914–1918) दो प्रमुख गुटों के बीच लड़ा गया –

मित्र शक्तियाँ	केंद्रीय शक्तियाँ
मुख्य देश	मुख्य देश
1. फ्रांस	1. जर्मनी
2. ब्रिटेन	2. ऑस्ट्रिया
3. रूस	3. तुर्की

- प्रथम विश्वयुद्ध का अंत जर्मनी की हार के साथ हुआ।

द्वितीय विश्वयुद्ध (1939–1945) भी दो प्रमुख गुटों के बीच लड़ा गया–

मित्र राष्ट्र	धुरी शक्तियाँ
मुख्य देश	मुख्य देश
1. ब्रिटेन	1. जर्मनी
2. फ्रांस	2. इटली
3. सोवियत यूनियन	3. जापान
4. संयुक्त राज्य अमेरिका	

- जून 1919 में वर्साय की संधि पर हस्ताक्षर हुए जिसमें जर्मनी के ऊपर मित्र राष्ट्रो ने कई अपमानजनक शर्ते थोपीं जैसे–

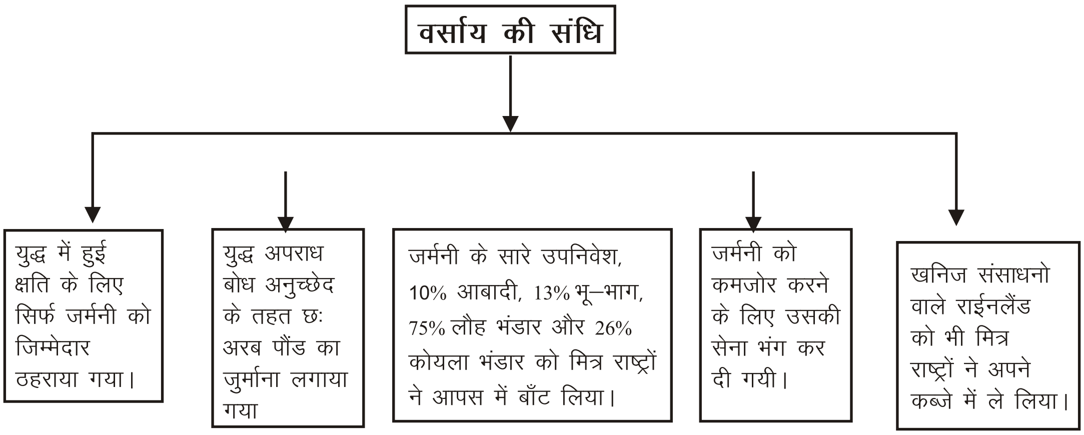

वाइमर गणराज्य

वर्साय की संधि के बाद जर्मनी में वाइमर गणराज्य की स्थापना हुई जिसे कइ सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा –

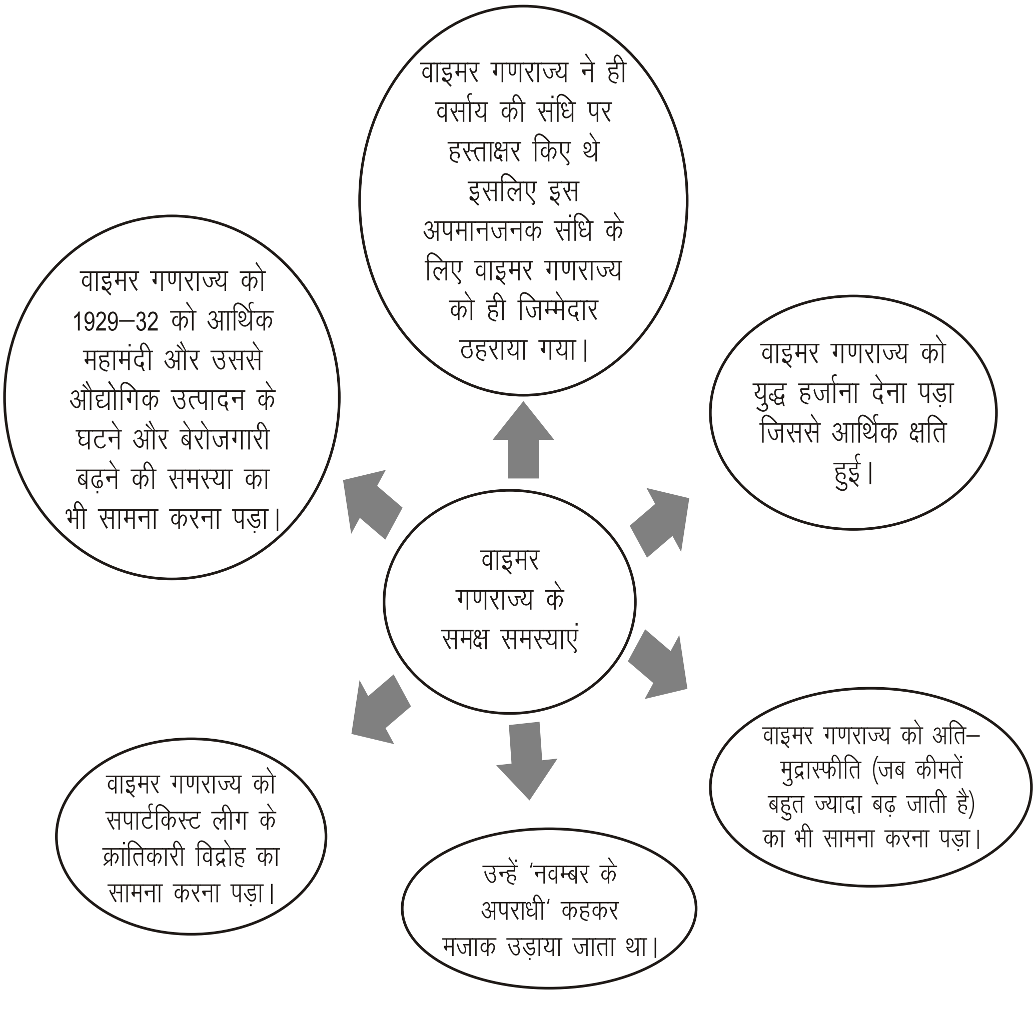

उपर्युक्त कारणों से लोगों का विश्वास वाइमर गणराज्य से उठ गया और वे एक इंतजार में थे जो उन्हें उनके दुःखों से छुटकारा दिला सके। इसी पृष्ठभूमि में हिटलर का उदय हुआ।

हिटलर का उदय और पतन

1889 में ऑस्ट्रिया में जन्म। जर्मनी की सेना में शामिल हुआ और बहादुरी के लिए कुछ तमगे भी हासिल किए।

→

नेशनल सोशलिस्ट पार्टी (जर्मन वर्कर्स पार्टी) का प्रमुख बना। बाद में यही पार्टी नात्सी पार्टी के नाम से जानी गयी।

→

30 जनवरी 1933 को हिटलर जर्मनी का चांसलर बिना।

↓

28 फरवरी 1933 को जरी किए गए अग्नि अध्यादेश (फायर डिक्री) के द्वारा अभिव्यक्ति, प्रेस एवं सभा करने की आज़ादी जैसे नागरिक अधिकारों को अनिश्चितकाल के लिए निलम्बित कर दिया गया।

←

3 मार्च 1933 को प्रसिद्ध विशेषाधिकार अधिनियम (इनेबलिंग एक्ट) पारित किया गया। इन कानून ने हिटलर को संसद को हाशिए पर धकेलने और केवल अध्यादेशों के द्वारा शासन करने का निरंकुश अधिकार प्रदान कर दिया। इस प्रकार, जर्मनी में तानाशाही की स्थापना हो गयी।

←

1933 में 'लीग ऑफ़ नेशंस, से जर्मनी को बाहर कर लिया।

↓

1936 में राईनलैंड पर दोबारा कब्ज़ा कर लिया।

→

'एक जन, एक साम्राज्य, एक नेता' के नारे आड़ में 1938 में ऑस्ट्रिया को जर्मनी में मिला लिया।

→

सितम्बर 1939 में पोलैंड पर हमला कर दिया और इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध की शुरूआत हुई।

↓

सितम्बर 1940 में जर्मनी, इटली और जापान के बीच त्रिपक्षीय संधि हुई और ये देश धुरी शक्तियों के नाम से जाने गए।

←

मित्र राष्ट्रों में फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका, सोवियत यूनियन आदि थे।

←

हिटलर द्वारा जून 1941 में सोवियत यूनियन पर हमला कर दिया।

↓

मई 1945 में जर्मनी की हार और हिटलर का पतन।

→

अगस्त 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के हिरोशिमा और नागाशाकी पर परमाणु बम गिराया जाना और जापान की हार।

→

जापान के हार के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध की समपत्ति। मित्र राष्ट्र विजयी हुए।

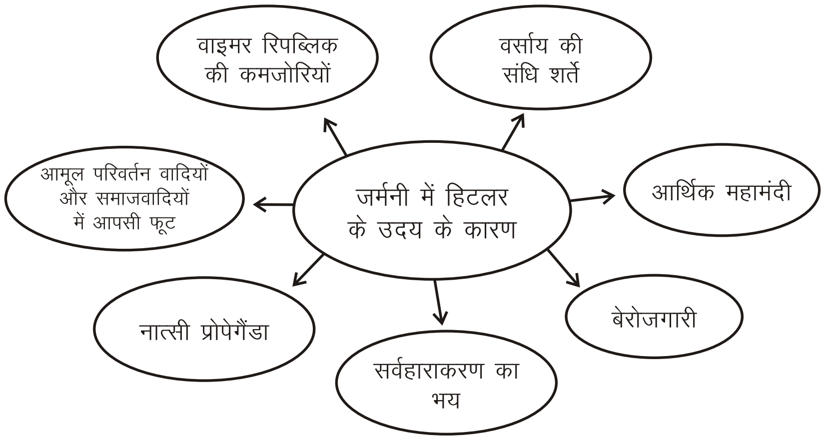

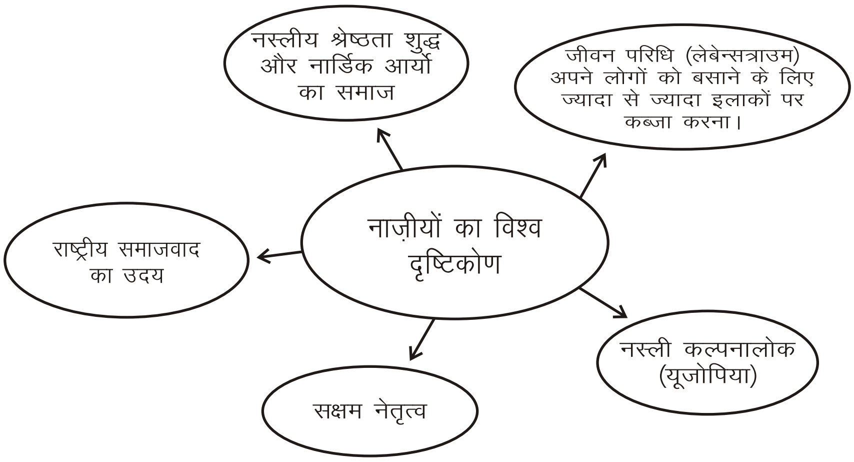

- **नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति :–**
  1. जर्मन और यहूदियों के बच्चे एक साथ बैठ नहीं सकते थे।
  2. जिप्सयों, शारीरिक रूप से अक्षम तथा यहूदियों को स्कूल से निकाल दिया गया।
  3. स्कूली पाठ्य पुस्तक को फिर से लिखा गया जहाँ 'नस्लीय भेदभाव को बढ़ावा दिया गया।
  4. 10 साल की उम्र के बच्चों को 'युगफोंक' में दाखिल करा दिया जाता था जो एक युवा संगठन था।
  5. 14 साल की उम्र में सभी लड़कों को 'हिटलर यूथ' की सदस्यता अनिवार्य कर दी गई।
- **महिलाओं की स्थिति**
  1. लड़कियों को अच्छी माँ और शुद्ध रक्त वाले बच्चों को जन्म देना उनका प्रथम कर्तव्य बताया जाता था।
  2. नस्ल की शुद्धता बनाए रखना, यहूदियों से दूर रहना और बच्चों का नात्सी, मूल्य–मान्यताओं की शिक्षा देने का दायित्व उन्हें सौंपा गया।
  3. 1933 में हिटलर ने कहा – मेरे राज्य की सबसे महत्वपूर्ण नागरिक माँ है।

4. नस्ली तौर पर वांछित बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को अस्पताल में विशेष सुविधाएँ, दुकानों में ज्यादा छूट, थियेटर और रेलगाड़ी के सस्ते टिकट और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाली माताओं को कांसे, चाँदी और सोने के तमगे दिए जाते थे।

5. लेकिन अवांछित बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को दंडित किया जाता था। आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उन्हें गंजा कर मुँह पर कालिख पोत पूरे समाज में घुमाया जाता था। न केवल जेल बल्कि उनसे तमाम नागरिक सम्मान और उनके पति व परिवार भी छीन लिए जाते थे।

- **नात्सी प्रोपेगैंडा**

एक अंक वाले प्रश्न

1. निम्न में से कौन सा देश धुरी शक्ति समूह का देश है –

   a) फ्रांस b) जर्मनी c) ब्रिटेन d) अमेरिका

2. प्रथम विश्वयुद्ध का अंत किस संधि के द्वारा हुआ ?

   a) वर्साय की संधि b) कस्तुनिया कर संधि

   c) म्यूनिख समझौता d) इनमें से कोई नहीं

3. हिटलर का जन्म कहाँ हुआ था ?

   a) ऑस्ट्रिया b) ऑस्ट्रेलिया c) इंग्लैड़ d) इटली

4. प्रथम विश्वयुद्ध के बाद जर्मनी में कौन सी सरकार थी ?

a) वाइमर गणराज्य b) ब्रूवो c) जारशाही d) स्टूवर्ट

5. आर्थिक महामंदी की शुरूआत कब हुई –

a) 1929 b) 1920 c) 1919 d) 1905

6. जर्मनी की संसद को .... कहा जाता है।

7. द्वितीय विश्वयुद्ध में .... ने जापान पर परमाणु बम गिराए।

8. हिटलर की गुप्तचर पुलिस का नाम .... था।

9. .... में हिटलर जर्मनी का चांसलर बना।

10. द्वितीय विश्वयुद्ध 1939 से लेकर .... तक चला।

11. युंगफोक क्या था ?

12. सर्वहाराकरण किसे कहते है ?

13. मित्र राष्ट्र के किसी एक देश का नाम लिखे।

14. 'नवंबर के अपराधी' किन्हें कहा जाता था ?

15. प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी के किस प्रदेश पर अधिकार कर लिया था ?

16. गलत मिलान की पहचान किजिएः

(i) जर्मनी ––––––– धुरी शक्ति

(ii) ब्रिटेन –––––––– मित्र शक्ति

(iii) इटली –––––––– धुरी शक्ति

(iv) ऑस्ट्रिया ––––––––मित्र शक्ति

17. चित्र में दिखाए गए प्रसिद्ध व्यक्तित्व को पहचान कर उसका नाम लिखिए :

18. नीचे दिए गए प्रश्न में दो प्राक्कथन दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क)। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिएः

संकल्पना (स) : आर्थिक महामंदी 1929–32 में आई थी।

कारण (क) : आर्थिक महामंदी के दौरान औद्योगिक उत्पादन बढ़ गया और बेरोजगारी का स्तर भी कम हो गया।

विकल्प :

(i) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनो सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(ii) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(iv) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंक वाले प्रश्न

1. वर्साय में हुई संधि की शर्ते बताएँ ?
2. नात्सी सोच के खास पहलू कौन से थे ?
3. नाजी समाज में औरतों की क्या भूमिका थी ?
4. नात्सीवादी आन्दोलन की मुख्य विशेषताएँ क्या थी ?
5. जर्मनी पर नाजीवाद के क्या प्रभाव पड़े ?
6. 1930 तक आते आते जर्मनी में नाजीवाद को लोकप्रियता क्यों मिलने लगी ?
7. नात्सीवाद का प्रचार यहूदियों के विरूद्ध घृणा उत्पन्न करने में किस प्रकार प्रभावी सिद्ध हुआ ?
8. वर्साय की संधि द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण क्यों बनी ?
9. 1929–32 की आर्थिक महामंदी का अमेरिका पर क्या प्रभाव पड़ा?
10. जर्मनी में प्रसिद्ध विशेषाधिकार अधिनियम कब पारित किया गया ? इसके क्या परिणाम हुए?

स्त्रोत आधारित प्रश्नः

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शासन के लिए समर्थन हासिल करने और नात्सी विश्व दृष्टिकोण को फैलाने के लिए मीडिया का बहुत सोच–समझ कर इस्तेमाल किया गया। नात्सी विचारों को फैलाने के लिए तस्वीरों, फिल्मों, रेडियों, पोस्टरों, आकर्षक नारों और इश्तहारी पर्चों का खूब सहाया लिया जाता था। पोस्टरों में जर्मनों के 'दुश्मनों' की रटी–रटाई छवियाँ दिखाई जाती थीं, उनका मज़ाक उड़ाया जाता था, उन्हें अपमानित किया जाता था, उन्हें शैतान के रूप में पेश किया जाता था। समाजवादियों और उदारवादियों को कमज़ोर और पथभ्रष्ट तत्वों के रूप में प्रस्तुत किया जाता था। उन्हें विदेशी एजेंट कहकर बदनाम किया जाता था। प्रचार फिल्मों में यहूदियो के प्रति नफरत फैलाने पर ज़ोर दिया जाता था। 'द एटर्नल ज्यू' (अक्षय यहूदी) इस सूची को सबसे कुख्यात फिल्म थी। नात्सी शासन ने भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया और उसका जबर्दस्त

फायदा उठाया। उन्होंने अपने तौर–तरीकों को बयान करने के लिए जो शब्द ईजाद किए थे वे न केवल भ्रामक बल्कि दिल दहला देने वाले शब्द थे। नात्सियों ने अपने अधिकृत दस्तावेज़ों में 'हत्या' या 'मौत' जैसे शब्दों का कभी इस्तेमाल नहीं किया। सामूहिक हत्याओं को विशेष व्यवहार, अंतिम समाधान (यहूदियों के संदर्भ में), यूथनेज़िया (विकलांगों के लिए), चयन और संक्रमण–मुक्ति आदि शब्दों से व्यक्त किया गया था। 'इवैक्युएशन' (खाली कराना) का आशय था लोगों को गैंस चेंबरों में ले जाना। क्या आपको मालूम है कि गैंस चेंबरों को क्या कहा जाता था ? इन्हें 'संक्रमण मुक्ति–क्षेत्र' कहा जाता था। गैस चेंबर स्नानाघर जैसे दिखाई देते थे और उनमें नकली फव्वारे भी लगे होते थे।

(i) विकलांगों के लिए सामूहिक हत्याओं के लिए किस शब्द के प्रयोग किया जाता था ?

(a) विशेष व्यवहार (b) यूथनेजिया (c) अंतिम समाधान (d) इनमें से कोई नहीं

(ii) .... का आशय था लोगों को गैंस चैम्बरों में ले जाना।

(iii) यहूदियों के प्रति नफरत फ़ैलाने के लिए किस फिल्म का निर्माण किया गया था ?

(iv) किन्हें कमजोर और पथभ्रष्ट तत्वों के रूप में प्ररूतुत किया जाता था ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. b) जर्मनी
2. a) वर्साय की संधि
3. a) ऑस्ट्रिया
4. a) वाइमर गणराज्य
5. a) 1929
6. राइखस्टैग
7. अमेरिका
8. गेस्तापो
9. 30 जनवरी 1933
10. 1945
11. 10 से 14 वर्ष के बच्चों का नात्सी युवा संगठन
12. समाज के मध्यम वर्ग का गरीब होते–होते मजदूर वर्ग की आर्थिक स्थिति में पहुँच जाना सर्वहारा करण कहलाता है।
13. अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस (कोई एक)
14. जर्मन समाजवादी, कैथोलिक एवं डेमोक्रैट खेमे के लोग जो वाइमर गणराज्य के हिमायती थे, को नवंबर का अपराधी कहा जाता था।
15. राइनलैंड
16. (iv) ऑस्ट्रिया – मित्र व्यक्ति
17. हिटलर
18. (iii) संकल्पना (स) सही है और कारण (क) गलत है।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. • युद्ध के लिए जर्मनी को जिम्मेदार ठहराना।
   • अपने सारे उपनिवेश छोड़ने पड़े।
   • कोयले के भंडार फ्रांस को देने पड़े।
   • छः अरब पौंड का जुर्माना
   • सेना पर अंकुश / खनिज संसाधनों पर कब्जा
2. • आर्य (जर्मन) विश्व की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है, उसे अपनी शुद्धता बनाए रखनी है।
   • नात्सियों का मानना था कि श्रेष्ठ जाति (जर्मन) जीवित रहेगी तथा हीन (यहूदी) को नष्ट होना पड़ेगा।
   • नात्सी विचारधारा में हिटलर को एक मसीहा के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो उन्हें सभी विपत्तियों से छुटकारा दिला सकता है।
3. • नात्सी समाज में औरतों को आर्य संस्कृति और नस्ल का ध्वजवाहक माना जाता था।
   • उनका कर्तव्य अच्छी माँ बनना, शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चों को जन्म देना और उनका पालन–पोषण करना है।
   • ऐसा पालन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता था, उल्लंघन करने वाली महिलाओं को दण्डित किया जाता था।
4. • जर्मनी में हिटलर के अधीन नाजीवाद का उत्थान हुआ।
   • तानाशाही आन्दोलन था।
   • संसदीय संस्थाओं का विरोध।
   • एक ही नेता के शासन का गुणगान।
   • विभिन्न संगठनों के विरूद्ध।
5. • नाजी विरोधी नेताओं की हत्या।
   • नाजी दल के अतिरिक्त सभी राजनीतिक दलों पर पाबंदी।
   • श्रमसंघों को कुचल दिया गया और हजारों कम्युनिस्टों और समाजवादियों को शिविरों में भेज दिया गया।
6. • वाइमर गणराज्य के असफल होने पर नात्सी पार्टी सब से बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई।
   • हिटलर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था।
   • हिटलर यूथ जर्मन युवाओं को सेना में भर्ती होने का जनसमर्थन प्राप्त हुआ।
7. • नात्सियों ने यहूदी लोगों को घटिया शारीरिक रचना वाले लोग तथा अवांछित वर्ग का दर्जा दिया।
   • नात्सियों ने यहूदी लोगों को ईसा मसीह का हत्यारा बताया है।
   • उनके विचार में धर्म परिवर्तन मात्र से ही यहूदियों की समस्या से नहीं निपटा जा

सकता, इसका समाधान पूर्णतया समाप्ति है।

8.
- प्रथम विश्वयुद्ध का अंत तो हो गया, परन्तु सदा के लिए युद्ध को समाप्त नहीं किया।
- पराजित राष्ट्र जर्मनी पर अपमानजनक वर्साय की संधि थोपी गई।
- विजित राष्ट्रों की आशाएँ पूरी नहीं हुई।
- जर्मनी पर छः अरब पौंड का जुर्माना लगाया गया और राइनलैन्ड पर मित्र राष्ट्रों ने कब्जा कर लिया।
- एक दूसरा युद्ध ही उनकी आशाओं को पूरा कर सकता था।

9.
- इन तीन सालों में अमरीका की राष्ट्रीय आय आधी रह गई।
- फैक्टियाँ बंद हो गई।
- निर्यात गिरता जा रहा था।
- किसानों की हालत खराब थी।
- सट्टेबाज बाजार से पैसा खींच रहे थे।

10.
- विशेषाधिकार अधिनियम 3 मार्च 1933 को पारित किया गया।
- इसके द्वारा कानूनन जर्मनी में तानाशाही व्यवस्था स्थापित की गई।
- इस कानून ने हिटलर को केवल अध्य देशों के जरिए शासन चलाने का अधिकार दे दिया।
- नाजी पार्टी व उससे जुड़े संगठनों के अलावा सभी पार्टियों, ट्रेड युनियनों पर पाबंदी लगा दी गई।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

(i) (b) यूथनेजिया

(ii) इवैक्युएशन

(iii) द एटर्नल ज्यू

(iv) समाजवादियों और उदारवादियों को।

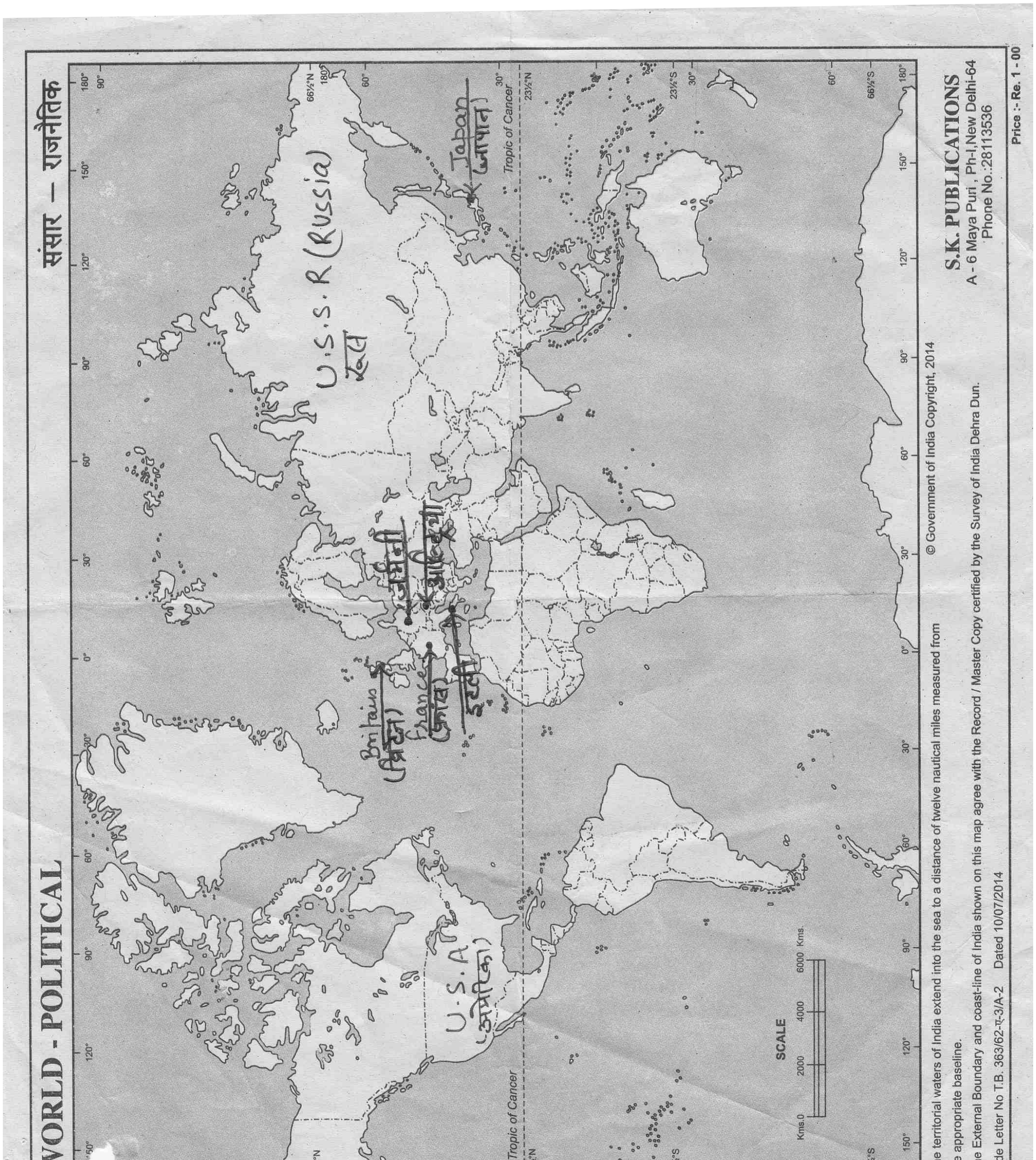
WORLD - POLITICAL
संसार — राजनैतिक
U.S.S.R (Russia)
रूस
U.S.A
(अमेरिका)
Britain
(ब्रिटेन)
France
(फ्रांस)
इटली
जर्मनी
आस्ट्रिया
Japan
(जापान)
Tropic of Cancer
SCALE
Kms.0 2000 4000 6000 Kms.
1. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate baseline.
2. The External Boundary and coast-line of India shown on this map agree with the Record / Master Copy certified by the Survey of India Dehra Dun.
Vide Letter No T.B. 363/62-ए-3/A-2 Dated 10/07/2014
© Government of India Copyright, 2014
S.K. PUBLICATIONS
A - 6 Maya Puri , Ph-I,New Delhi-64
Phone No.:28113536
Price :- Re. 1 - 00

अध्याय – 4

वन्य समाज और उपनिवेशवाद

याद रखने योग बातें :–

- **वनों से प्राप्त होने वाली वस्तुओं को उदाहरणः**

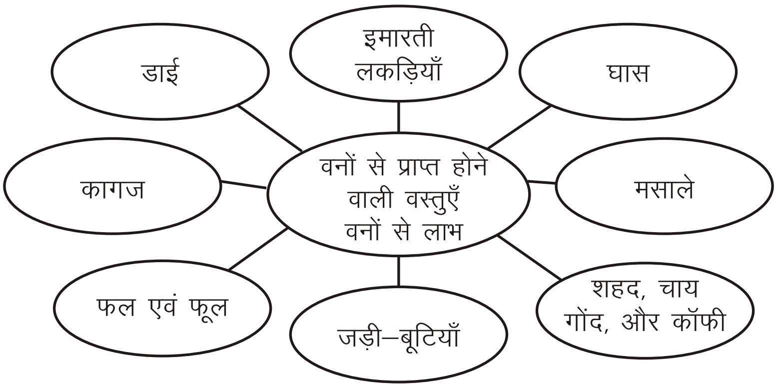

- वृक्षों का बड़े पैमाने पर कटाई 'वनोन्मूलन' या वनों का विनाश कहलाता है।
- 1700 ई. से 1995 के बीच के बीच 139 लाख वर्ग किलोमीटर जंगल यानी दुनिया का कुल क्षेत्रफल का 9.3 प्रतिशत भाग विभिन्न उपयोग की वजह से साफ कर दिए गए।

  वनोन्मूलन के कारण

  → औद्योगिक इस्तेमाल
  → खेती–बाड़ी के लिए
  → चरागाहों के लिए
  → ईंधन लकड़ी के लिए

- अंग्रेजों ने डायट्रिच ब्रैंडिस नामक जर्मन विशेषज्ञ को स्थानीय लोगों द्वारा जंगलों का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ों को अंधाधुंध कटाई से जंगल को नष्ट होने के लिए नियुक्त किया।
- डायट्रिच ब्रैंडिस को भारत का पहला वन महानिदेशक बनाया गया।
- ब्रैंडिस ने 1864 में भारतीय वन सेवा की स्थापना की और 1865 में भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबद्ध करने में सहयोग दिया।
- वर्ष 1878 के वन अधिनियम के द्वारा वनों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया।
- वन विनाश के कारण प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीव–जगत की विविधता तेजी से लुप्त होती जा रही है
- डायट्रिच ब्रांडिस द्वारा जंगलों के प्रबंधन के लिए सुझाव :

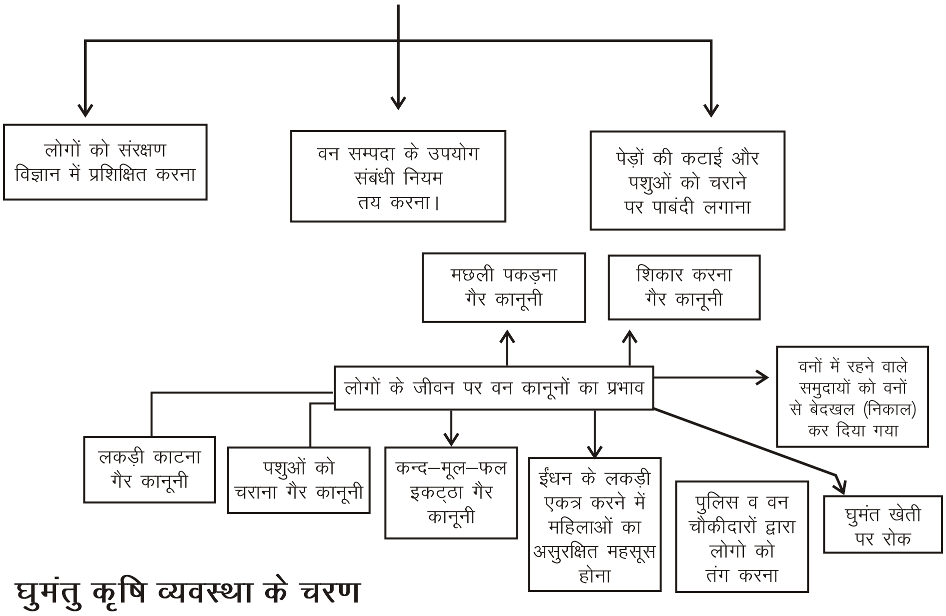

- **घुमंतु कृषि व्यवस्था के चरण**

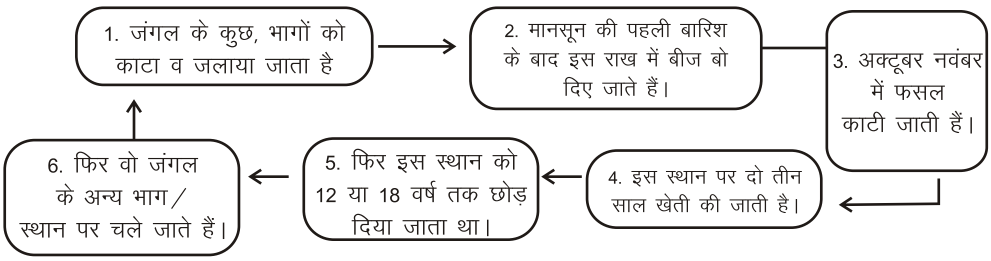

- जार्ज यूल नामक अंग्रेज अफसर ने अकेले 400 बाधों को मारा था।
- इन वन कानूनों के विरोध में कई सारे विद्रोह हुए जिनमें प्रमुख थे :–

क्र. स.	विद्रोह	नेता	स्थान
1.	संथाल विद्रोह (1855–56)	सीधू और कानू	संथाल परगना (झारखंड)
2.	मुंडा विद्रोह (1898–1899)	बिरसा मुंडा	छोटा नागपुर (झारखंड)
3.	रम्पा विद्रोह (1922–24)	अल्लूरी सीताराम राजू	आंध्र प्रदेश
4.	बस्तर (1908–10)	गुण्डा धुर	बस्तर (छत्तीसगढ़)

- बस्तर के कुछ गाँवों को आरक्षित वनों के इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे वन विभाग के लिए पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त में करेंगे और जंगल को आग से बचाऐंगे। बाद में इन गाँवों को वनग्राम कहा गया।
- **बस्तर के लोग**

1. धरती के साथ–साथ वे नदी, जंगल और पहाड़ों का भी सम्मान करते हैं।
1. बस्तर, छत्तीसगढ़ के सबसे दक्षिणी छोर पर आंध्र प्रदेश, उड़ीसा व महाराष्ट्र की सीमाओं से लगा हुआ क्षेत्र है।
2. मरिया और मुरिया गोंड, धुखा, भतरा, हलवा आदि अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं।
3. इन समुदायों की भाषा अलग–अलग हैं पर इनके रीति–रिवाज और विश्वास एक जैसे हैं।
4. इन्द्रावती नदी बस्तर के आर–पार पूरब से पश्चिम की ओर बढ़ती है।

1. आरक्षित	सर्वोत्तम वन	ग्रामीण किसी भी संसाधन का उपयोग नहीं कर सकते।
2. सुरक्षित	उत्तम वन	ग्रामीण वन संसाधन अनुमति से उपयोग में ला सकते हैं।
3. ग्रामीण	सामान्य वन	वन संसाधनों का उपयोग, अनुमति के साथ

- 1906 ई. में देहरादून मे 'इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इस्टीट्यूट' की स्थापना की गई जहाँ 'वैज्ञानिक वानिकी' पद्धति की शिक्षा दी जाती थी।
- 'वैज्ञानिक वानिकी' एक ऐसी पद्धति थी जिसमें प्राकृतिक वनों की कटाई कर उसके स्थान पर कतारबद्ध तरीके से एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए जाते थे। इसे बागान व्यवस्था भी कहा जाता है।
- झूम या घुमंतू खेती के क्षेत्र अनुसार विभिन्न नाम

क्र.सं.	क्षेत्र (स्थान)	घुमंतु खेती का नाम
1.	दक्षिण–पूर्व एशिया	लादिंग
2.	मध्य अमेरिका	मिलपा
3.	अफ्रीका	चितमेन या तावी
4.	श्रीलंका	चेना
5.	भारत	धया, पेंदा, बेवर, नेवड़, झूम, पोडू खंदाद, कुमरी

- वन संबंधी कानूनों से शिकार करना गैर–कानूनी हो गया। अंग्रेजों की नज़र में बड़े जानवर जंगली, बर्बर और आदि समाज के प्रतीक चिन्ह थे इसलिए अंग्रेजों का मानना था कि खतरनाक जानवरों को मारकर वे हिन्दुस्तान को सभ्य बनाएँगे।
- अंग्रेजों द्वारा बड़े जानवरों के शिकार पर घोषित किए गए इनाम के लालच में 1875 से 1925 के बीच 80000 से ज्यादा बाघ, 1,50,000 तेंदुए और 200000 भेड़िए मारे गए
- नए व्यापार और रोज़गार : वन कानूनों के बाद विभिन्न समुदायों ने अपने परम्परागत काम छोड़कर नए काम शुरू कर दिए : (कुछ उदाहरण)

I

ब्राजीली एमेज़ॉन के मुनदुरूकु समुदाय के लोगों ने जंगली रबड़ के वृक्षों से लेटेक्स एकत्र करना प्रारम्भ कर दिया।

II

भारत में बंजारा समुदाय हाथियों और दूसरे सामानों का व्यापार करते थे।

III

मद्रास के कोरावा, कराचा व येरूकला जैसे समुदाय फैक्ट्रियों, खदानों व बागानों में काम करने लगे।

- बस्तर विद्रोह के मुख्य कारणः
  - वनों का 2 / 3 भाग आरक्षित करने का प्रस्ताव
  - घुमंतू खेती पर रोक
  - शिकार पर रोक
  - वनों से उत्पाद एकत्र करने पर रोक
  - बिना किसी सूचना व क्षतिपूर्ति के गाँव वालों को विस्थापित करना
  - बढ़ी हुई लगान व्यवस्था से भयभीत होना
  - औपनिवेशिक अफसरों के हाथों बेगार और चीजों की मांग से परेशान होना
- वर्ष 1910 में आग की टहनियों, मिट्टी के देले, मिर्च और तीर के माध्यम से गाँव वालों ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का संदेश प्रसारित किया।
- विद्रोह के दौरान बाज़ार लूटे गए, अफसरों और व्यापारियों के घर, स्कूल और पुलिस थानों को लूटा और जलाया गया। विद्रोहियों की सबसे बड़ी जीत ये रही कि आरक्षण का काम कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया और आरक्षित क्षेत्र को भी प्रस्तावित क्षेत्र का आधा कर दिया गया।
- जावा आजकल इंडोनिशिया के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में आता है।
- यहाँ रहने वाले 'कलांग' समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और घुमंतु किसान थे।
- डचों ने पहले जंगलों में खेती की जमीनों पर लगान लगा दिया और बाद में कुछ गाँवों को इस शर्त पर इससे मुक्त कर दिया कि वे सामुहिक रूप से पेड़ काटने व लकड़ी ढोने के लिए

भैंसे उपलब्ध कराने का काम मुफ्त में करेंगे। इस व्यवस्था को 'ब्लैं डाँग डिएन्स्टेन कहा गया।

- जावा में डचों द्वारा वन कानून बनाने के बाद –
  1. ग्रामीणों का वनों में प्रवेश निषेध कर दिया गया।
  2. वनों से लकड़ियों की कटाई कुछ विशेष कार्यों जैसे नाव बनाने या घर बनाने के लिए किया जा सकता था वह भी विशेष वनों से निगरानी में।
  3. मवेशियों के चारण परमिट के बिना लकड़ियों की ढुलाई और वन के अंदर घोड़ागाड़ी या मवेशी पर यात्रा करने पर दंड का प्रावधान था।
- डचों के इस कानून के खिलाफ सामिनों ने विरोध किया
  1. सुरोंतिको सामिन ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया जिनका मत था कि जब राज्य ने हवा, पानी, धरती या जंगल नहीं बनाए तो यह उस पर कर भी नहीं लगा सकते।
  2. विद्रोह के तरीकों में :–
     - सर्वेक्षण करने आये डचों के सामने जमीनों पर लेटना
     - लगान या जुर्माना न भरना।
     - बेगार से इंकार करना
- जावा पर जापानियों के कब्जे से ठीक पहले डचों ने भस्म कर भागो नीति के तहत सागौन और आरा मशीनों के लट्ठे जला दिए ताकि वे जापानियों के हाथ न पड़े।
- इसके बाद जापानियों ने वनवासियों को जंगल काटने के लिए बाध्य कर अपने युद्ध उद्योग के लिए जंगलों का निर्मम दोहन किया।

  मिजोरम से लेकर केरल तक हिंदुस्तान में हर कहीं घने वन सिर्फ इसलिए बच पाए कि ग्रामीणों ने सरना, देवराकुडु, कान, राई इत्यादि नामों से पवित्र बगीचा समझ कर इनकी रक्षा की।

1 अंक वाले प्रश्न

1. भारत के प्रथम वन महानिदेशक कौन थे ?
   a) डायट्रिच बैंडिस b) जार्ज चूल c) सुरोतिको सामिन d) इनमें से कोई नहीं
2. भारतीय वन सेवा की स्थापना कब की गई ?
   a) 1888 b) 1850 c) 1864 d) 1865
3. 'इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना कहाँ की गई ?
   a) हैदराबाद b) देहरादून c) लखनऊ d) शिमला
4. किस अंग्रेज अधिकारी ने 400 बाघों का शिकार किया था ?
   a) जार्ज यूल b) डायट्रिच ब्रैंडिस c) जॉन डॉसन d) होजेनड्रॉप
5. किस वन कानून के द्वारा वनों को–आरक्षित, सुरक्षित और ग्रामीण में बाँटा गया ?
   a) 1865 b) 1878 c) 1899 d) 1906
6. .... नदी बस्तर में पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।
7. बस्तर विद्रोह के नेता .... थे।

8. सुरोंतिको सामिन ने जावा में .... के खिलाफ विद्रोह किया।
9. इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना .... ई. में की गई।
10. श्रीलंका में घुमंतु कृषि को .... नाम से जाना जाता है।
11. 'वनोन्मूलन' किसे कहते हैं ?
12. 'वैज्ञानिक वानिकी' किसे कहते हैं ?
13. देवसारी क्या था ?
14. कालांग क्यों महत्वपूर्ण थे ?
15. 'वन ग्राम' किसे कहते थे ?

3 और 5 अंक वाले प्रश्न :–

1. औपनिवेशिक काल में खेती के तेज़ी से फैलने के क्या कारण थे ?
2. इंग्लैंड में बलूत (ऑक) के जंगल लुप्त होने से क्या प्रभाव पड़ा ?
3. 1850 के दशक से रेलवे के विस्तार ने भारतीय वनों से अपेक्षित किन नई माँगों को जन्म दिया और उन्हें कैसे पूरा किया गया ?
4. वन उत्पादों के विभिन्न उपयोग बताएँ ?
5. घुमंतू कृषि को समझाएँ ?
6. बस्तर के लोगों ने विद्रोह क्यों किया ?
7. यद्यपि अंग्रेजों ने बस्तर विद्रोह को कुचल डाला, फिर भी इसे विद्रोहियों की प्रमुख विजय क्यों माना जाता है ?
8. वन अधिनियम से गाँव वालों की मुश्किलें कैसे बढ़ गई ?
9. युद्धों से जंगल क्यों प्रभावित हुए ?
10. बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में क्या समानताएँ थी ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. a) डायट्रिच ब्रैंडिस
2. c) 1864
3. b) देहरादून
4. a) जार्ज यूल
5. b) 1878
6. इंद्रावती
7. गुंडाधुर
8. डचों
9. 1906
10. चेना
11. वनों का बड़े पैमानें पर नष्ट करना वनोन्मूलन (वन विनाश) कहलाता है।
12. वन लगाने की एक ऐसी पद्धति जिसमें प्राकृतिक वनों को साफ कर उसके स्थान पर

कतारबद्ध तरीके से एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए जाते थे।

13. बस्तर क्षेत्र में एक गाँव द्वारा किसी दूसरे गाँव के जंगल से लिए गए उत्पाद के बदले में दिया जाने वाला शुल्क।

14. क्योंकि वे एक कुशल लकड़हारे थे जो सागौन की कटाई से निपुण थे।

15. आरक्षित वर्गों के अंदर कुछ गाँवों को इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे वन विभाग के लिए पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त कोंगे तथा जंगल करे आग से बचाएँगे। ऐसे गाँवो को वन ग्राम कहा गया

4 अंक का प्रश्न

दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :–

हिन्दुस्तान में वन–उत्पादों का व्यापार कोई अनोखी बात नहीं थी। मध्यकाल से ही आदिवासी समुदायों द्वारा बंजारा आदि घुमंतू समुदायों के माध्यम से हाथियों और दूसरे सामान जैसे खाल, सींग, रेशम के कोये, हाथी–दाँत, बाँस, मसाले, रेशे, घास, गोंद और राल के व्यापार के सबूत मिलते हैं।

लेकिन अंग्रेजों के आने के बाद व्यापार पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में चला गया। ब्रिटिश सरकार ने कई बड़ी यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में वन–उत्पादों के व्यापार की **इजारेदारी** सौंप दी। स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पर बंदिशें लगा दी गई। इस प्रक्रिया में मद्रास प्रेसीडेंसी के कोरावा, कराचा व येरूकुला जैसे अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय अपनी जीविका से हाथ धो बैठे। इनमें से कुछ को 'अपराधी कबीले' कहा जाने लगा और ये सरकार की निगरानी में फैक्ट्रियों, खदानों व बगानों में काम करने को मजबूर हो गए।

सही विकल्प चुने

1. निम्नलिखित में से कौन सा समुदाय हिन्दुस्तान में वन–उत्पादों के व्यापार से संबंधित है ?

(a) कोरावा	(b) कराचा
(c) येरूकुला	(d) बंजारा

2. रिक्त स्थान भरें

   इनमें से कुछ आदिवासी समुदाय को .... कहा जाने लगा

3. कौन से आदिवासी समुदाय अपनी जीविका से हाथ धो बैठे ?

4. व्यापार से संबंधित किन्हीं दो वन–उत्पादों के उदाहरण दीजिए।।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. क) अंग्रेजों ने व्यवसायिक फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया।

   ख) बढ़ती शहरी आबादी का पेट भरने के लिए।

   ग) औद्योगिक उत्पादन के लिए कच्चे माल की जरूरत।

2. इंग्लैंड में बलूत के जंगल लुप्त होने के अनेक प्रभाव पड़े :–

   क) बलूत की लकड़ी में कमी के कारण शाही नौसेना के समक्ष लकड़ी की आपूर्ति की समस्या आ खड़ी हुई।

ख) मजबूत तथा निरंतर आपूर्ति में कमी आने के कारण इंग्लैंड में जहाजों के निर्माण में कठिनाई आने लगी।

ग) भारत से बड़े पैमाने पर लकड़ी का निर्यात होने लगा। इसके लिए भारतीय वनों की कटाई होने लगी।

3. क) ये रेल लाइनें शाही सेना के आवागमन और औपनिवेशिक व्यापार के लिए अति आवश्यक थी।

ख) इंजनों को चलाने के लिए इंधन के रूप में लकड़ी की जरूरत पड़ती थी।

ग) रेलवे लाइनों को जोड़ने के लिए लकड़ी के स्लीपर भी चाहिए थी।

4. क) वन उत्पाद के उपयोग : फल और कंद पोषक खाद्य के लिए।

ख) जड़ी बूटियाँ दवाओं के लिए

ग) लकड़ी का हल जैसे औजार के लिए

घ) बांस की बाड़ें, छतरियाँ तथा टोकरी बनाने के लिए रस्सी बनाई जाती हैं।

5. क) जंगल के कुछ भागों को काटना और जलाना।

ख) मानसून की पहली बारिश के बाद जली राख में बीज बोना।

ग) अक्टूबर – नवंबर में फसल काटना।

घ) इस खेत पर एक – दो साल खेती करना।

ड) इसके बाद उसे 12 से 18 साल तक के लिए छोड़ देना।

6. क) वनों से लकड़ी का ना मिलना।

ख) वन उत्पादों से वंचित होना।

ग) वनीय भागों में घुमंतू खेती से वंचित हो गए।

घ) अंग्रेजों द्वारा लगाए गए कर और बेगार में नौकरी से तंग आ गए थे।

7. क) वनों के आरक्षण का कार्य तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया तथा आरक्षित किए जाने वाले क्षेत्र भी कम कर दिए गए।

ख) अंग्रेजों द्वारा दो तिहाई वनों को आरक्षित करने का फैंसला किया गया तथा झूम खेती, शिकार तथा वन उत्पादों के संग्रह पर रोक को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

ग) आरक्षित वन् क्षेत्र को 1910 से पहले की योजना के भाग का आधा कर दिया गया।

घ) यह बस्तर के लोगों की नैतिक विजय थी।

8. क) रोजमर्रा की गतिविधियाँ गैर कानूनी बन गई।

   ख) लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

   ग) पकड़े जाने पर रक्षकों की दया और घूस।

   घ) लकड़ी एकत्र करने वाले विशेष तौर पर परेशान।

9. क) वन विभाग से जंगी जरूरतों को पूरा करने के लिए पेडों की कटाई।

   ख) भस्म–कर–भागो नीति' के तहत सागौन के लट्ठों के ढेर जला दिए।

   ग) जापानियों ने युद्ध उद्योग के लिए जंगल कटवाए।

   घ) गाँव वालों ने इस अवसर का लाभ उठाया।

   ड) जंगलों में खेती का विस्तार किया।

10. क) दोनों जगहों पर वन कानूनों द्वारा वनों पर नियंत्रण स्थापित किया गया।

   ख) दोनों जगहों पर वैज्ञानिक वानिकी की शुरूआत की गई।

   ग) अंग्रेजों की तरह डच भी जहाज के लिए लकड़ी हासिल करना चाहते थे।

4 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (d) बंजारा
2. अपराधी कबीले
3. कोरावा, कराचा, येरूकला
4. हाथी–दांत, बाँस, मसाले

अध्याय – 5
आधुनिक विश्व में चरवाहे

याद रखने योग बातें :–

- वे लोग जो जीवन–यापन की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते हैं, **घुमंतू** कहलाते हैं।
- वे लोग जो मवेशियों को पालकर अपना जीवन यापन करते हैं **चरवाहे** कहलाते हैं।
- वे लोग जो अपने मवेशियों के लिए चारे की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते हैं उन्हें **घुमंतू चरवाहा** कहते हैं। वे जिन समूहों में घूमते हैं, उन्हें 'काफिला', कारवाँ कहते हैं।
- गढ़वाल और कुमाऊँ के इलाके में पहाड़ियों के निचले हिस्से के आस–पास पाया जाने वाला सूखे जंगल के इलाके को **'भाबर'** कहा जाता है।
- ऊँचे पहाड़ों पर स्थित घास के मैदानों' को **'बुग्याल** कहा जाता है।
- वह फसल जो वर्षा ऋतु के आरंभ में बोया जाता है तथा शीत ऋतु के आरंभ में काट लिया जाता है **'खरीफ'** फसल कहलाता है। जैसे – चावल आदि।
- वह फसल जो शीत ऋतु के आरंभ में बोया जाता है तथा ग्रीष्म ऋतु के आरंभ में काट लिया जाता है **'रबी'** फसल कहलाती है। जैसे–गेहूँ, दलहल आदि
- भारत तथा विश्व में पाए जाने वाले प्रमुख घुमंतु चरवाहे :–

भारत		
क्र.स.	**घुमंडु चरवाहों के नाम**	**स्थान**
1.	गुज्जर बकरवाल	जम्मू, कश्मीर
2.	गद्दी	हिमाचल प्रदेश
3.	भोटिया	उत्तराखंड
4.	राइका	राजस्थान
5.	बंजारा	राजस्थान, मध्य प्रदेश
6.	मलधारी	गुजरात
7.	धंगर	महाराष्ट्र
8.	कुसमा, कुरूवा, गोल्ला	कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना
9.	मोनपा	अरूणाचल प्रदेश

विश्व		
क्र.स.	घुमंडु चरवाहों के नाम	स्थान
1.	मसाई	केन्या, तंजानिया
2.	बेदुइस	उत्तरी अफ्रीका
3.	बरबेर्स	उत्तर–पश्चिमी अफ्रीका
4.	तुर्काना	उगांडा
5.	बोरान	कीनिया
6.	मूर्स	मोरिटानिया
7.	सोमाली	सोमालिया
8.	नाम, जुलू	दक्षिण अफ्रीका
9.	बेजा	मिश्र, सूडान

घुमंतू चरवाहों के भ्रमण के कारण	उपयोगिता	विनिमय की वस्तुएँ
1. सालों भर फसन उगाने वाले कृषि क्षेत्र की कमी 2. मवेशियों के लिए चारे और पानी की खोज 3. विषम मौसमी दशाओं से स्वयं एवं मवेशियों को बचाने के लिए 4. अपने उत्पादों को बचेने के लिए।	1. प्राकृतिक वनस्पतियों के दुबारा पनपने के लिए पर्याप्त समय 2. भ्रमण वाले स्थान पर प्राकृतिक खाद की पूर्ति 3. मवेशी और अन्य जानवरों से प्राप्त उत्पादों का आदान–प्रदान 4. दो विभिन्न समुदायों के बीच परस्पर सौहार्द एवं सहअस्तित्व विकसित होना।	माँस, दूध, ऊन, जानवरों की खालें, अन्य उत्पाद

• औपनिवेशिक काल में घुमंतु चरवाहों के जीवन में आए परिवर्तन एवं उसके प्रभाव

क्र.स.	उपयोगिता	प्रभाव
1.	भूमिकर बढ़ाने के लिए चारागाहों का कृषि भूमि में बदलना।	1. मवेशियों की संख्या कम होती चली गई। व्यापार और आय कम हो जाना।
2.	वन कानूनों के द्वारा वनों का वर्गीकरण	2. स्वतंत्र आवाजाही पर रोक तथा परमिट के बिना आने–जाने पर जुर्माने की व्यवस्था।
3.	1871 में अपराधी जनजाति नियम लागू किया गया। बहुत से चरवाहा समुदायों को अपराधी समुदाय घोषित किया।	3. उन्हें अपराधी घोषित कर दिया गया तथा एक क्षेत्र विशेष में ही उन्हें रहने का निर्देश दिया गया। स्थानीय पुलिस के सतर्क निगरानी में परमिट के आधार पर ही किये जा सकते थे।
4.	आमदनी बढ़ाने के लिए, भूमि, नहर, नमक, व्यापार यहाँ तक कि जानवरों पर भी टैक्स लगा दिया गया।	4. प्रत्येक समूह को मवेशियों की संख्या के आधार पर पास जारी किया गया जो उन्हें चारागाहों में घुसने से पहले दिखाना पड़ता था। इस प्रकार इस टैक्स व्यवस्था ने उनका जीवन और दूभर कर दिया।

औपनिवेशिक शासन का चरवाहों के जीवन पर प्रभाव

चरागाहों का इलाका सिकुड़ने लगा

↓

मवेशियों को सीमित क्षेत्र पर चराना

↓

चरागाहों का स्तर गिरना

↓

जानवरों के लिए चारा कम पड़ना

↓

कमज़ोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।

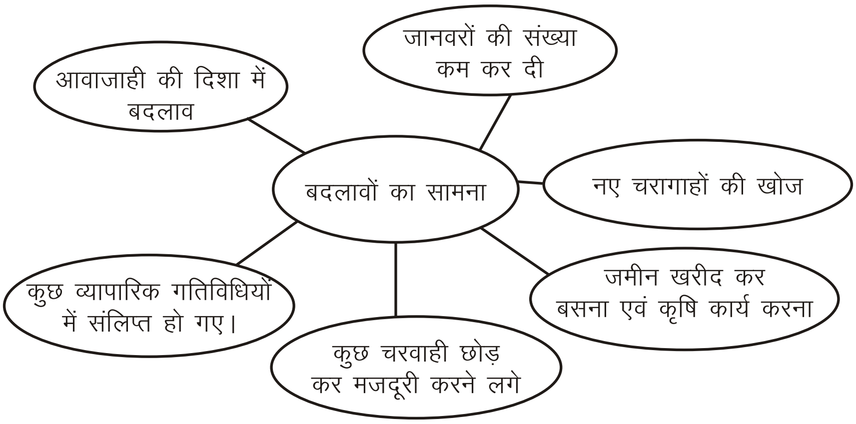

- अफ्रीका में मसाई लोगों अधिकार क्षेत्र का लगभग 60% भाग औपनिवेशिक शासकों ने छीन लिया।
- उन्हें यूरोपीय बस्तियों में जाने की मनाही थी।
- उन्हें ऐसे सूखे इलाकों में कैद कर दिया गया जहाँ न अच्छी बारिश होती थी और न ही हरे–भरे चारागाह थे।
- बहुत सारे चारागाहों को शिकारगाह बना दिया गया। जैसे – कीनिया में मसाईमारा और सांबुरू नेशनल पार्क तथा तंजानिया में सेरेन्गेटी पार्क
- 1885 में मसाईलैंड को एक अंतरराष्ट्रीय रेखा द्वारा दो भागों ब्रिटिश कीनिया और जर्मन तांगान्यिका में बाँट दिया गया।
- 1919 में प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी का हार के बाद जर्मन तांगान्यिका भी ब्रिटिश शासक के अंतर्गत आ गया।
- 1961 में इसे स्वतंत्रता मिली तथा जंजीवार के साथ मिलाकर 1964 में इसे तंजानिया नाम दिया गया।

- मसाई समाज दो सामाजिक समूहों

वरिष्ठजन (ऐल्डर्स)
1. शासन चलना
2. समुदाय से जुड़े मामलों पर विचार विमर्श करना
3. आपसी झगड़े सुलझाना

योद्धा (वॉरियर्स)
1. ज्यादातर नौजवान
2. कबीले की सुरक्षा तथा युद्ध
3. दूसरा कबीलों से जानवर छीन कर लाना जो धन समझा जाता था।

- अंग्रेजों ने इन हमलों और लड़ाईयों पर पाबंदी लगा दी।
- मसाई उपसमूहों के मुखिया तय कर दिए गए जो कबीले के मामलों के लिए उत्तरदायी था।
- इन प्रतिबंधों के चलते ओपनिवेशिक शासन के दौरान मसाईयों के समाज में दो स्तरों पर बदलाव आए।
  - वाष्ठिजनों एवं योद्धाओं के बीच उम्र पर आधारित परंपरागत फर्क पूरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गया।
  - अमीर एवं गरीब चरवाहों के बीच नया भेदभाव पैदा हुआ।

1 अंक वाले प्रश्न

1. राइका समुदाय के लोग कहाँ रहते थे ?
   a) महाराष्ट्र b) राजस्थान c) गुजरात d) हिमाचल प्रदेश
2. पश्चिमी राजस्थान में किस जगह ऊँट मेला लगता है :–
   a) पुष्कर b) भरतपुर c) कोटा d) इसमें से कोई नहीं
3. इनमें से कौन रबी की फसल है :–
   a) चावल b) गेहूँ c) गन्ना d) मक्का
4. ऊँचे पहाड़ों पर स्थित घास के मैदानों को क्या कहते हैं ?
   a) भाबर b) मसाइलैंड c) बुग्याल d) खादर
5. कीनिया का एक घुमंतू चरवाहा समूह हैं :'
   a) मसाई b) सोमाली c) जुलू d) बेज़ा
6. रबी की फसल .... ऋतु से पहले काटी जाती है।
7. गुज्जर बकरवाल .... राज्य में रहते हैं।
8. घुमंतू चरवाहा समुदाय एक स्थान से दूसरे स्थान क्यों जाते हैं ? कोई एक कारण लिखो।
9. मसाई समाज में दो सामाजिक समूह थे – वरिष्ठजन और ....
10. अपराधी जनजाति अधिनियम .... ई. में पारित किया गया।
11. घुमंतु चरवाहा किसे कहते हैं ?
12. गद्दी समुदाय के लोगों द्वारा व्यापार किए जाने वाले किन्हीं दो उत्पादों के नाम लिखें।
13. भाबर क्या है ?
14. मसाई समुदाय के लोगों को श्वेत क्षेत्र के बाजारों में प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं थी ?
15. औपनिवेशिक सरकार ने घुमंतुओं को अपराधी जनजाति के रूप में क्यों वर्गीकृत किया ?
16. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) : चारे की कमी और अकाल से और कमज़ोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।

कारण (क) : चरवाहों की आवाजाही पर लगी बंदिशों और चरागाहों के बेहिसाब इस्तेमाल से चरागाहों का स्तर गिरने लगा।

विकल्प : (a) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंक वाले प्रश्न

1. कोंकणी क्षेत्र में घंगर समुदाय के लोगों के आगमन से वहाँ की कृषि भूमि को किस प्रकार लाभ पहुँचता था ?
2. कीनिया एवं तंजानिया के चरागाहों में औपनिवेशिक सरकार द्वारा विकसित दो शिकारगाहों के नाम बताइए। इसमें मासाई पशुपालकों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ?
3. वर्णन कीजिए कि कुरूमा एवं कुरूबा समुदाय के लोगों की आवाजाही किस प्रकार उनके पशुओं की जरूरतों से प्रेरित थी ?
4. घुमंतू समुदाय अपने स्थान क्यों बदलते थे ?
5. वन कानूनों का चरवाहों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?
6. अंग्रेज सरकार चरागाहों को कृषि की ज़मीन में क्यों बदल देना चाहती थी ?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

'राजस्थान के रेगिस्तानों में राइका समुदाय रहता था। इस इलाके में बारिश का कोई भरोसा नहीं था। होती भी थी तो बहुत कम। इसीलिए खेती की उपज हर साल घटती–बढ़ती रहती थी। बहुत सारे इलाकों में तो दूर–दूर तक कोई फसल नहीं होती थी। इसके चलते राइका खेती के साथ–साथ चरवाही का भी काम करते थे। बरसात में तो बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर के राइका अपने गाँवों में ही रहते थे क्योंकि इस दौरान वही चारा मिल जाता था। पर अक्टूबर आते आते ये चारागाह सूखने लगते थे। नतीजन ये लोग नए चरागाहों की तलाश में दूसरे इलाकों की तरफ निकल जाते थे और अगली बरसात में ही वापस लौटते थे।'

1. राइका समुदाय किस राज्य में रहता था ?
2. कथन को सही कीजिए –
   राइका समुदाय की खेती की उपज हर साल निश्चित रहती थी।
3. बरसात में राइका समुदाय के लोग गाँवों में क्यों रहते थे ?
4. राइका समुदाय खेती के साथ चरवाही कैसे करते थे –
   (a) वे अपने गाँवो में रहकर बरसात का इंतजार करते थे।

(b) सूखे मौसम में चरवाही करते थे और बरसात में खेती।

(c) उन्होंने खेती करनी बंद कर दी थी।

(d) उपरोक्त सभी।

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. b) राजस्थान
2. a) पुष्कर
3. b) गेहूँ
4. c) बुग्याल
5. a) मसाई
6. ग्रीष्म
7. जम्मू और कश्मीर
8. पशुओं के चारे की खोज में
9. योद्धा
10. 1871 ई.,
11. वैसे समूह जो पशुओं के साथ अजीविका की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान घूमते रहते हैं घुमंतू चरवाहा कहते हैं।
12. ऊन दुग्ध उत्पाद
13. गढ़वाल और कुमाऊँ के इलाके में पहाड़ियों के निचले हिस्से के आस–पास पाए जाने वाले सूखे जंगलों का क्षेत्र।
14. क्योंकि यूरोपीय शासक उन्हें बर्बर और खतरनाक मानती थी।
15. संदेह की दृष्टि से देखना / नियंत्रण की चेष्टा।
16. (a)

3 या 5 अंक वाले प्रश्न के उत्तर

1. क) धंगर अक्टूबर–नवंबर में चारो की कमी के कारण महाराष्ट्र के मध्य पठारों से चल पड़ते हैं।

   ख) वे कोंकण में जाकर डेरा डालते हैं। अच्छी बारिश और उपजाऊ मिट्टी की बदौलत इस इलाके में खूब खेती होती है।

   ग) कोंकणी किसान इन चरवाहों का दिल खोलकर स्वागत करते हैं। कोंकण के किसानों को रबी की फसल के लिए अपने खेतों को दोबारा उपजाऊ बनाना होता है।

   घ) घंगरो के मवेशी खेतों में बची रह गई ठूठों को खाते हैं और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती है।

   ड) मानसून की बारिश शुरू होते ही घंगर कोंकण और तटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते हैं, क्योंकि भेड़े गीले मानसूनी हालात को बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं।
2. औपनिवेशिक सरकार ने बहुत सारे चरागाहों को शिकारगाहों में बदल दिया। उनमें से

कीनिया के मासाईमारा तथा साम्बूरू नैशनल पार्क इलाकों में मासाई पशुपालकों को शिकार करने, जानवरों को चराने या घुसने की मनाही थी।

3. क) कुरूमा और कुरूबा समुदाय के लोगों की आवाजाही पशुओं की जरूरतों से प्रेरित होती थी।
   ख) ये लोग बरसात व सूखे मौसम के हिसाब से अपनी जगह बदलते थे।
   ग) सूखे के महीनों में वे लोग तटीय इलाकों की तरफ चले जाते थे और बरसात शुरू होने पर वापस चल देते थे।
   घ) मानसून के दिनों में तटीय इलाकों में ज़मीन दलदली हो जाती थी जो भैंसों को रास आती थी।
   ड) अन्य जानवरों को सूखे पठारी इलाकों में ले जाया जाता था।
4. क) अच्छे चरागाह की खोज
   ख) मौसमों के बदलने के कारण
   ग) पानी की खोज
   घ) कंदमूल फल सब्जियों की खोज
   ड) उत्पादों को बेचने के लिए
5. क) वनों में पशुओं को चराने पर रोक लगा दी गई थी।
   ख) वनों में आने जाने का समय तय करा दिया गया।
   ग) जंगलों में जाने का परमिट लेना पड़ता था।
   घ) जलावन की लकड़ी नहीं ले पाते थे।
   ड) नियमों को न मानने पर भारी जुर्माना।
6. क) सरकार का मानना था कि इससे कर लगाकर आमदनी बढ़ेगी।
   ख) ऐसा सोचना कि वन बेकार होते हैं जबकि कृषि फायदेमंद है।
   ग) चरवाहों को वनो से दूर करना।
   घ) ऐसे वन जहाँ टीक, साल, सागौन व शीशम के पेड़ थे उनसे लकड़ी का मिलना।
   ड) इससे जूट (पटसन) कपास, गेहूँ, आदि का उत्पादन बढ़ जाता था जिनकी इंग्लैंड में बहुत मांग थी।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. राजस्थान
2. राइका समुदाय की खेती की उपज हर साल घटती बढ़ती रहती थी।
3. क्योंकि इस दौरान वही चारा मिल जाता था।
4. (b) सूखे मौसम में चरवाही करते थे और बरसात में खेती।

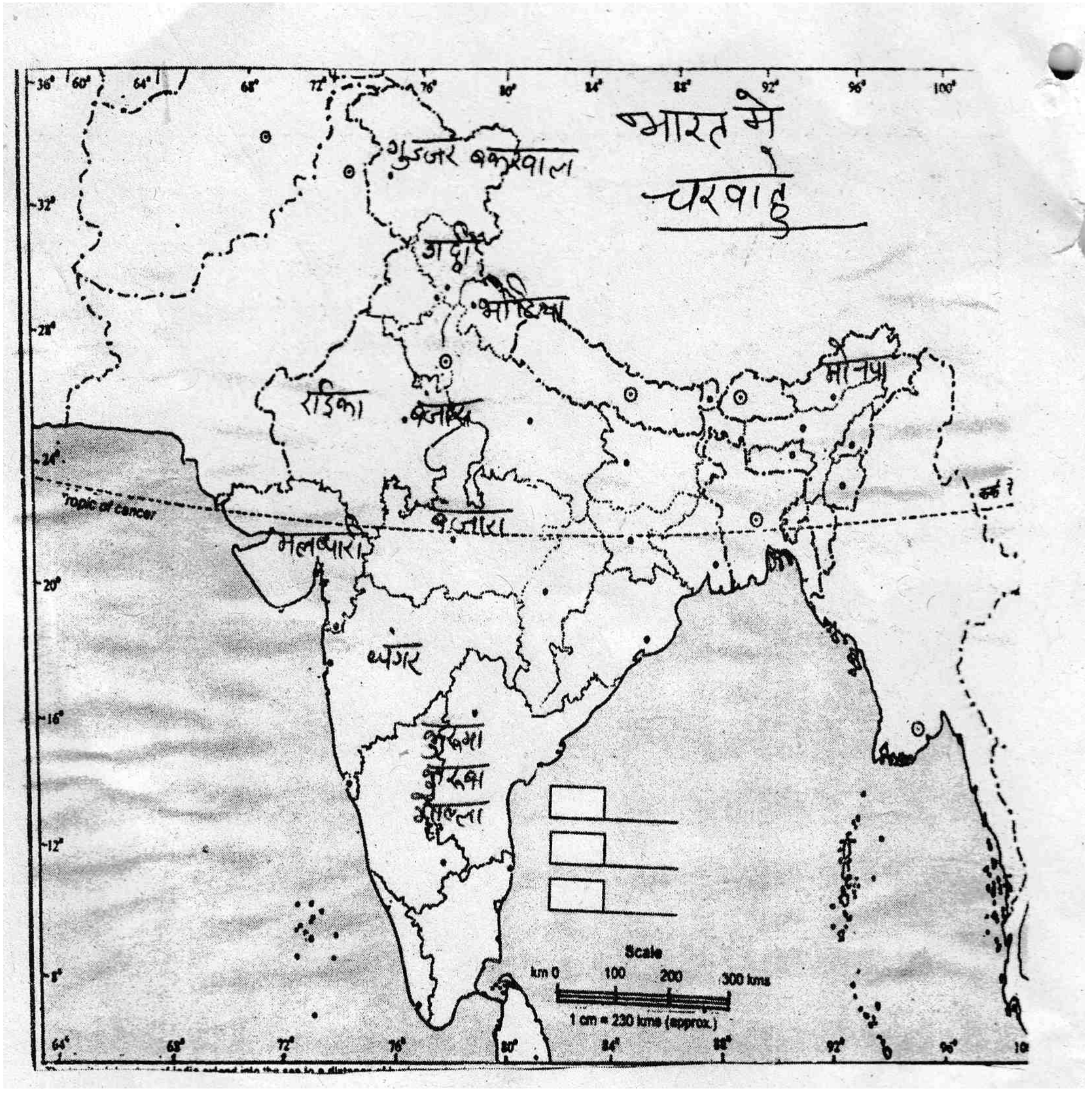
भारत मे
चरवाहे
गुज्जर बकरवाल
गद्दी
भोटिया
मोनपा
राइका
मलधारी
धंगर
Tropic of cancer
Scale
km 0 100 200 300 kms
1 cm = 230 kms (approx.)

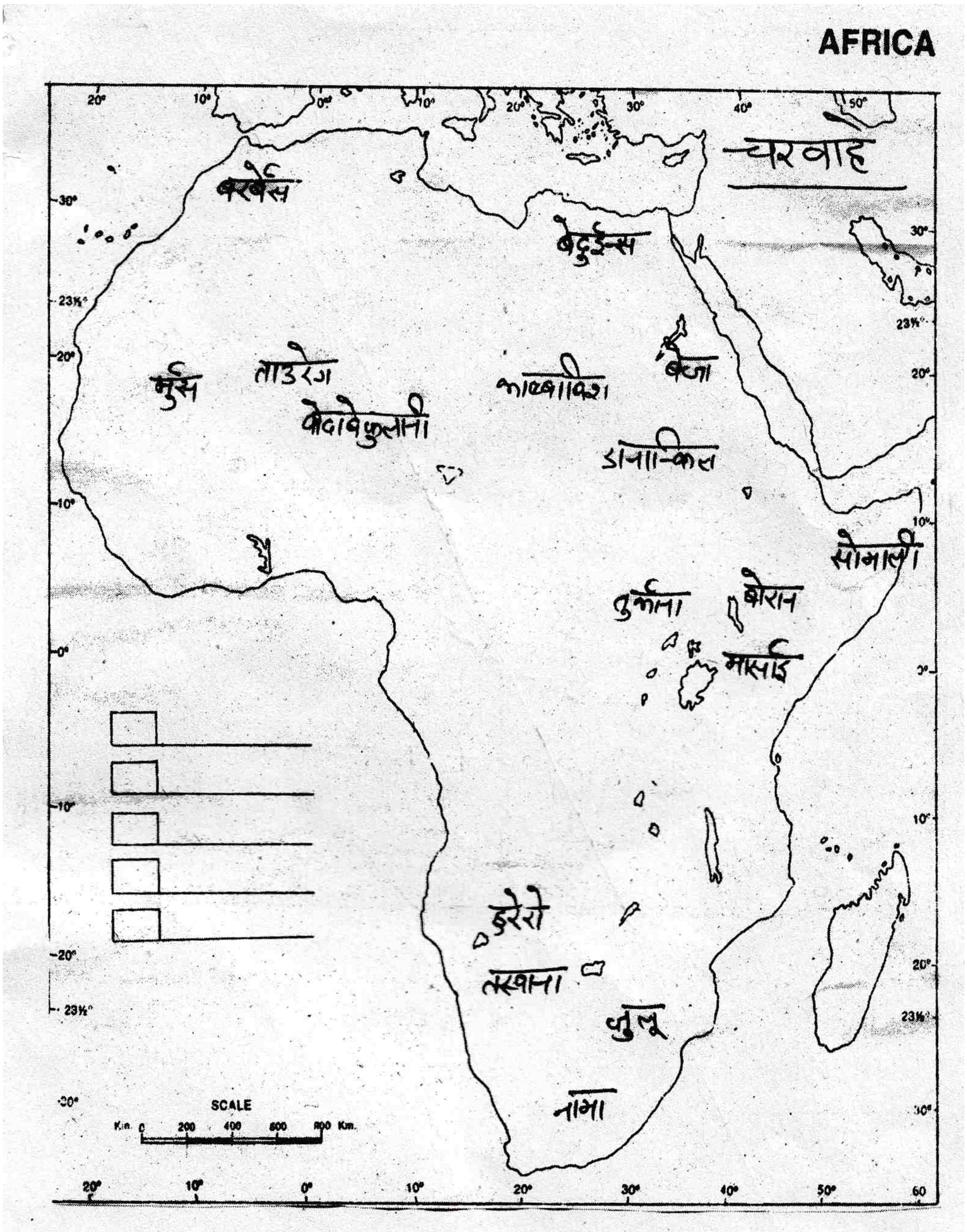

AFRICA
चरवाहे
बेदुइन्स
मुर्स
ताउरेग
बेजा
डानाकिल
सोमाली
तुर्काना
बोरान
मासाई
जुलू
नामा
SCALE

भूगोल : समकालीन भारत – 1
भारत आकार और स्थिति

भारत : एक दृष्टि में

- भारत उत्तरी गोलार्ध में स्थित है।
- जनसंख्या – 121 करोड़ (2011 की जनगणना)
- क्षेत्रफल – 32.8 लाख वर्ग कि.मी.
- राज्यो की संख्या – 28
- केन्द्र शासित प्रदेश – 08
- विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत – 2.4%
- विश्व के कुल जनसंख्या में प्रतिशत – 17.5%
- जनसंख्या के अनुसार भारत का स्थान – दूसरा
- क्षेत्रफल के अनुसार भारत का स्थान – सातवाँ
- भारत की स्थल सीमा रेखा – 15,200 कि.मी.
- भारत की समुद्री तट रेखा – 7516.6 कि.मी.
- भारत की मानक याम्योत्तर रेखा – 82°30′ पूर्व देशांतर
- भारत की अक्षाशीय विस्तार – 8°4′ उत्तरी अक्षांश से लेकर
  37°6′उत्तरी अक्षांश तक
- भारत का देशांतरीय विस्तार – 68°7′ पूर्वी देशांतर से लेकर
  97°25′ पूर्वी देशांतर तक
- भारत के पड़ोसी देश
  पाकिस्तान और अफगानिस्तान (उत्तर–पश्चिम)
  चीन (तिब्बत), नेपाल और भूटान (उत्तर)
  मयान्मार और बंगला देश (पूर्व)
  श्रीलंका और मालदीव (द्विपीय पड़ोसी दक्षिण)
- भारत और श्रीलंका पाक जलसंधि और मन्नार की खाड़ी के द्वारा एक दूसरे से अलग होते हैं।
- मालद्वीप, लक्षद्वीप समूह के दक्षिण में स्थित है।

- कर्क रेखा या 23°30′ उत्तरी अक्षांश वृत्त देश को दो बराबर भागों में बाँटती है।
- भारत में क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है और सबसे छोटा राज्य गोवा है।
- भारत की उत्तर से दक्षिण तक की लंबाई 3214 कि.मी.
- भारत की पूर्व से पश्चिम तक की चौड़ाई 2933 कि.मी.
- कर्क रेखा गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों से होकर गुज़रती है।
- बंगाल की खाड़ी में स्थित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप भारत का हिस्सा है।

1 अंक वाले प्रश्न

1. निम्न में से कौन सा अक्षांश वृत्त भारत दो बराबर भागों में विभक्त करता है।

   क) 23½° उत्तरी अक्षांश या कर्क रेखा

   ख) 23½° दक्षिणी अक्षांश या मकर रेखा

   ग) 66½° उत्तरी अक्षांश

   घ) 66½° दक्षिणी अक्षांश

2. भारत का सबसे पूर्वी देशांतर कौन सा है ?

   क) 96°25"

   ख) 97°25"

   ग) 90°75"

   घ) 93°50"

3. भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली .... जल संधि है।
4. कवस्ती जाने के लिए आप .... केन्द्र शासित प्रदेश में जाएंगे।
5. भारत का अक्षांशीय विस्तार .... है।
6. भारत के स्थल भाग का कुल क्षेत्रफल .... है।
7. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में ....स्थान है।
8. निम्न में से भारत को मानक याम्योत्तर देशांतर रेखा कौन सी है।

   क) 80½° पूर्वी देशांतर ख) 82½° पश्चिमी देशांतर

   ग) 80½° पश्चिमी देशांतर घ) 82½° पूर्वी देशांतर

9. विश्व के भौगोलिक क्षेत्रफल का कुल कितने प्रतिशत भारत के पास है।

   क) 2.9 ख) 3.4

   ग) 2.4 घ) 3.8

10. भारत की स्थल सीमा रेखा .... कि.मी. है।

11. अरब सागर में स्थित द्वीप समूहों को किस नाम से जाना जाता है।

क) अंडमान द्वीप समूह   ख) निकोबार द्वीप समूह

ग) लक्षद्वीप समूह   घ) सोकोतरा द्वीप

12. बंगाल की खाड़ी में .... द्वीप समूह स्थित है।

13. भारत को याम्योत्तर देशांतर रेखा किस स्थान से होकर गुज़रती है।

क) मिर्जापुर   ख) लखनऊ

ग) दिल्ली   घ) भोपाल

14. बांग्लादेश की सीमा से जुड़े किसी एक राज्य का नाम बताइए।

क) गुजरात   ख) तमिलनाडू

ग) बिहार   घ) असम

15. स्वेज़ नहर से.......................... और .... के बीच की दूरी 7000 कि.मी. कम हो जाती।

16. निम्न में से कौन सा देश भारत का पड़ोसी देश है।

क) मंगोलिया   ख) मलेशिया

ग) म्यांमार   घ) यमन

17. निम्न में से ऐसा कौन सा राज्य है जिसकी न तो अंतराष्ट्रीय सीमा है और न ही तटीय सीमा।

क) महाराष्ट्र   ख) मध्य प्रदेश

ग) जम्मू व कश्मीर   घ) केरल

18. निम्न में से सबसे लंबी तट रेखा वाला राज्य बताइए।

क) पश्चिम बंगाल   ख) केरल

ग) गुजरात   घ) महाराष्ट्र

19. भारत का कौन सा राज्य तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है।

क) असम   ख) त्रिपुरा

ग) पश्चिम बंगाल   घ) बिहार

20. नीचे दिए गए प्रश्न में, दो प्राक्कथन दिए गए हैं एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

संकल्पना (स) : गुजरात से अरूणाचल प्रदेश के समय में दो घंटे का अंतर है।

कारण (क) 82°3′0 पूर्व देशान्तर रेखा को भारत की याम्योत्तर रेखा माना जाता है।

विकल्प :

A. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है।

B. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं परन्तु कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

C. संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

D. संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है।

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 23½° उत्तरी अक्षांश या कर्क रेखा
2. ख) 97°25" पूर्वी देशांतर
3. पाक जल–संधि
4. लक्षद्वीप
5. 8°4′ उत्तर से 37°6′ उत्तर अक्षांश के मध्य
6. 32.8 लाख वर्ग कि.मी.
7. सातवाँ
8. 82½° पूर्वी देशांतर
9. 2.4%
10. 15200 कि.मी
11. लक्षद्वीप समूह
12. अंडमान व निकोबार
13. मिर्जापुर
14. असम
15. भारत और यूरोप
16. म्यांमार
17. मध्य प्रदेश
18. गुजरात
19. त्रिपुरा
20. (A) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं और कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. उन देशों के नाम बताइये जो क्षेत्रफल में भारत से बड़े हैं ?
2. भारके के किन–किन राज्यों से कर्क रेखा गुजरती है ? नाम बताइये ?
3. भारत की तट रेखा कितनी लंबी है ? इसके के दो लाभो का उल्लेख कीजिये ?
4. अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी भाग तथा गुजरात के पश्चिमी भाग के मध्य सूर्योदय में दो घंटो का अंतर क्यों है ?
5. भारत को मानक समय की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?
6. प्राचीन काल से भारत के विभिन्न देशों से संपर्क के कारण किन चीजों का आदान–प्रदान हुआ ? उल्लेख करो ।
7. भारत के पड़ोसी राष्ट्रों के नाम दिशाओं के अनुसार लिखिये ?

8. हिन्द महासार में भारत का केन्द्रीय स्थिति का इसे किस प्रकार लाभ प्राप्त होता है ? (कोई तीन बिन्दु बताएँ)

उत्तरमाला

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. i) रुस
   ii) कनाडा
   iii) संयुक्त राज्य अमेरिका
   iv) चीन
   v) ब्राजील
   vi) आस्ट्रेलिया
2. कर्क रेखा गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम से होकर गुजरती है।
3. भारत की तट रेखा की लंबाई 7516.6 कि.मी. है।
   i) बहुत से महत्वपूर्ण बंदरगाहो को स्थापित करने में मदद मिलती है। ये बंदरगाह भारत के लिए विदेशी व्यापार के द्वार हैं।
   ii) मत्स्य उद्योग को विकसित करने में सहायक बनी है। इस उद्योग में हजारों मछुआरों को रोजगार मिलता है।
4. i) भारत का पूर्वी देशान्तर $97^0$25' पूर्व है जबकि पश्चिमी भाग को देशान्तर $68^0$7' पूर्व है। इस प्रकार यह विस्तार 30^0 के लगभग है।
   ii) एक डिग्री देशान्तर को पार करने में सूर्य 4 मिनट का समय लेता है।
   iii) इस प्रकार 30° देशान्तर को पार करने में 4x30=120 मिनट अर्थात् 2 घंटे हुए।
5. i) भारत के पूर्वी तथा पश्चिमी छोर के मध्य 30^0 देशान्तरों का अन्तर है।
   ii) देशान्तर के इस अन्तर के कारण समय में लगभग दो घंटो का अंतर होता है।
   iii) समूचे देश के समय को व्यवस्थित रखने के लिए एक समय की आवश्यकता पड़ती है। अतः इसीलिए $82^0$30' पूर्वी देशान्तर को भारत का मानक समय मान लिया गया है।
6. भारत के विभिन्न देशों में जाने वाली वस्तुऐं तथा विचार
   i) उपनिषदों के विचार, रामायण तथा पंचतंत्र की कहानियाँ
   ii) भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली
   iii) मसाले, मलमल आदि।

   विभिन्न देशों से भारत में आने वाल चीजें :–
   i) यूनानी स्थापत्य कला
   ii) पश्चिमी एशिया से वास्तुकला के प्रतीक मीनरों तथा गुंबदों का विचार।
7. i) उत्तर पश्चिम दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) पाकिस्तान (ख) अफगानिस्तान।
   ii) उत्तर दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) चीन (तिब्बत) (ख) नेपाल (ग) भूटान
   iii) पूर्व दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) म्यांमार (ख) बांग्लादेश

iv) दक्षिण में भारत के पड़ोसी देश (द्वीपीय) (क) श्रीलंका (ख) मालदीव

8. i) हिन्द महासागर में कोई भी देश ऐसा नहीं है, जिसकी तट रेखा इतनी लम्बी हो।

ii) समुद्री मार्ग से यूरोप, पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और अफ्रीका के राष्ट्र व्यापार करने के लिये भारत से होकर गुजरते है। जिसका लाभ भारत को होता है।

iii) इन सभी लाभों के भारत से जुड़े होने के कारण भारत के नाम पर ही महासागर का नाम हिन्द महासागर रखा गया।

स्त्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

भारत का पश्चिम–मध्य और पूर्वी एशिया से तथा दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों के साथ एक अद्भुत संपर्क रहा है। इसी प्रकार उपनिषदों के विचार, रामायण तथा पंचतंत्र की कहानियाँ, भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली आदि संसार के विभिन्न भागों तक पहुँच सके। मसाले, मलमल आदि कपड़े तथा व्यापार के अन्य सामान भारत से विभिन्न देशों को ले जाये जाते थे। इसके विपरीत यूनानी स्थापत्यकला तथा पश्चिमी एशिया की वास्तु कला के प्रतीक मीनारों तथा गुंबदो का प्रभाव हमारे देश की विभिन्न मात्रा में देखा गया है।

(a) प्राचीन काल में भारत से किन वस्तुओं का व्यापार दूसरे देशों में किया जाता था ?

(b) .... और .... की कहानियाँ भारत से विभिन्न देशों में पहुँचे।

(c) किस देश के स्थापत्यकला का प्रभाव हमारे देश में देखा जा सकता है।

(d) गणित की कौन सी विद्या भारत से संसार के दूसरे भागों में पहुँचा।

उत्तर :

1. मसाले, मलमल
2. रामायण तथा पंचतंत्र
3. यूनान
4. अंक एवं दशमलव प्रणाली

भारत – विस्तार एवं मानक रेखा

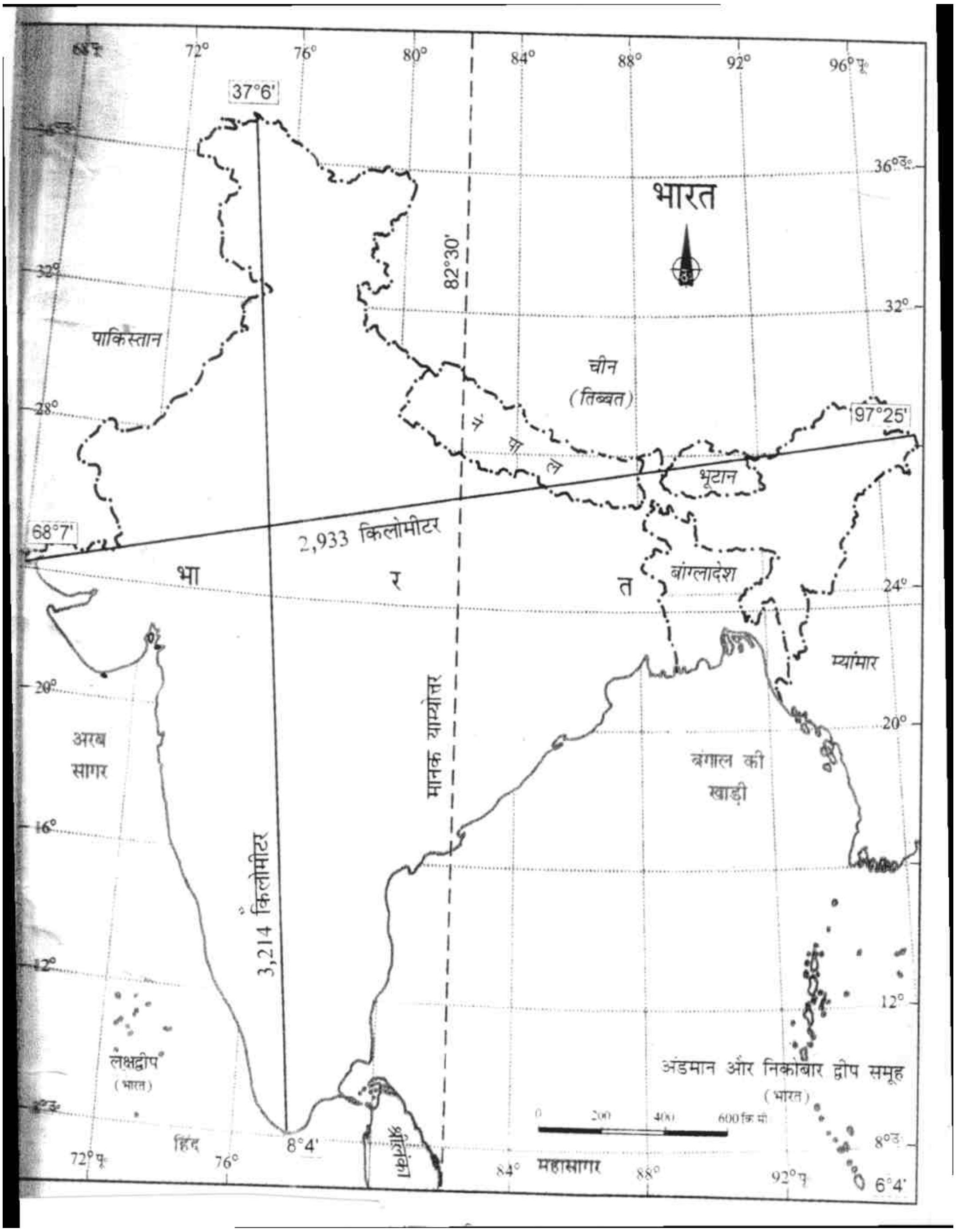

भूगोल :– समकालीन भारत–1 (भुगोल)
कक्षा – नौवीं
अध्याय–2, भारत का भौतिक स्वरुप

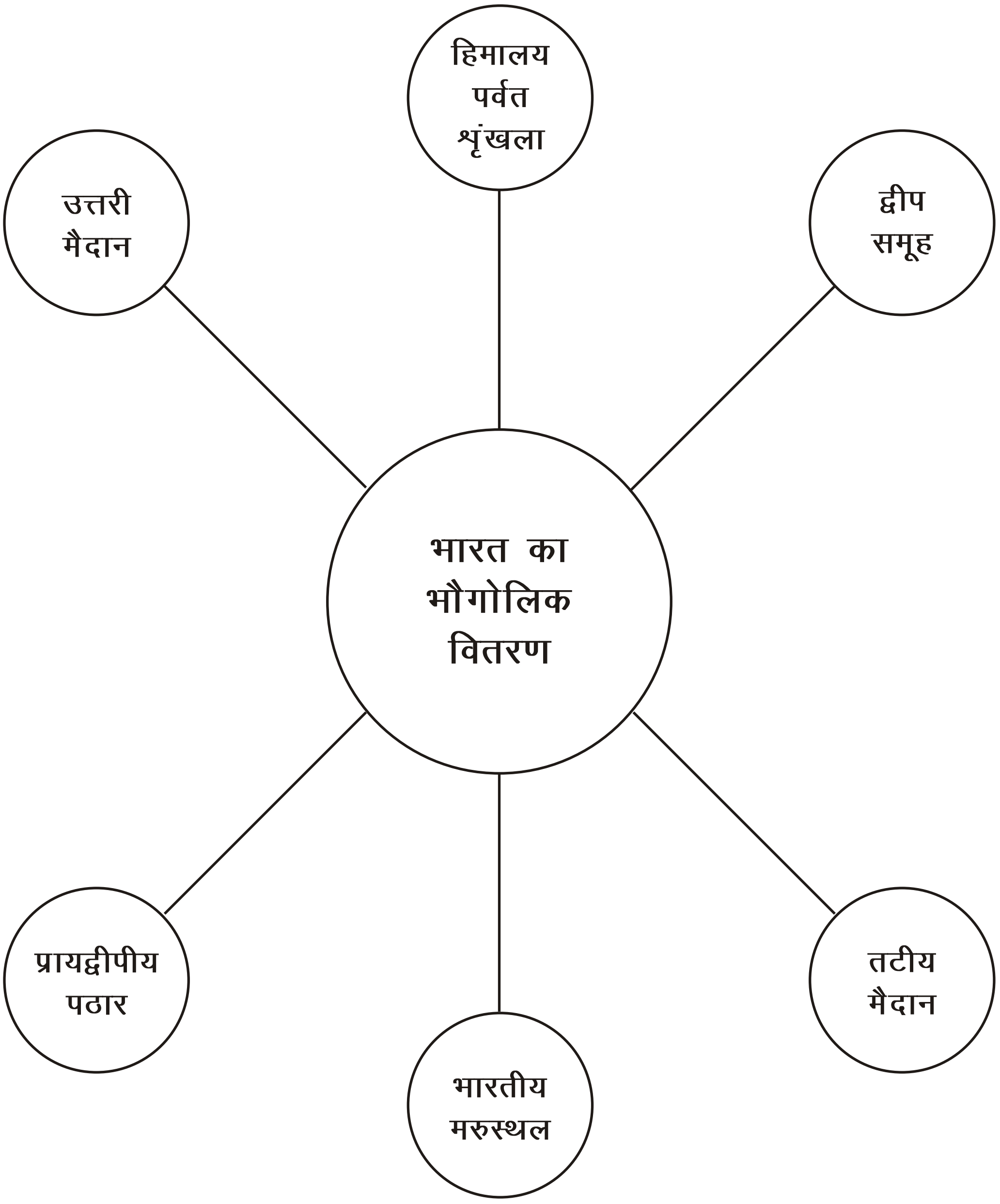

याद रखने योग्य बातें :–

1. हिमालय को नवीन वलित पर्वत कहा जाता है।

2. हिमालय की लम्बाई 2400 किलोमीटर है तथा चौड़ाई कश्मीर में 400 किलोमीटर तथा अरुणाचल प्रदेश में 150 किलोमीटर है।

3. देशान्तरीय विस्तार के अनुसार हिमालय को उत्तर से दक्षिण की ओर तीन श्रेणियों में बाँटा जाता है।

   (क) हिमाद्री हिमालय (ख) हिमाचल हिमालय (ग) शिवालिक हिमालय

4. हिमालय का पूर्वी भाग पूर्वांचल पटकोई, नागा, मिज़ो तथा मणिपुर की पहाड़ियों से मिलकर बनता है।

5. अनाईमुदी पश्चिमी घाट की सबसे ऊँचा शिखर है जिसकी ऊँचाई 2695 मीटर है जबकि महेंद्रगिरी पूर्वी घाट का सबसे ऊँची शिखर है जिसकी ऊँचाई 1501 मीटर है।

6. प्रायद्वीपीय पठार का वह क्षेत्र जहाँ काली मृदा पाई जाती है वह दक्कन ट्रैप कहलाता है।

7. लक्षद्वीप का नाम 1973 में पड़ा इससे पहले इनको लकादीव, मीनिकाए और ऐमिनदीव कहा जाता था।

8. दोआब का अर्थ है दो नदियों के बीच की भूमि।

9. चिल्का झील भारत में खारे पानी की सबसे बड़ी झील है यह उड़ीसा में स्थित है।

10. नदी के सागर में मिलने से पहले उसके प्रवाह में हल्का सा अवरोध आने पर मलबे का निक्षेपण होने लगता है। इससे अवसाद जमा होकर एक त्रिभुजाकार रुप ले लेता है। जिस डेल्टा कहते है।

11. हिमाचल में पाए जाने वाले प्रमुख दर्रे : काराकोरम दर्रा, रोहतांग दर्रा, बुर्जिल दर्रा, जोलिला दर्रा, पीरपंजाल दर्रा, शिपकिला दर्रा।

12. अक्षांशीय विस्तार के अनुसार हिमालय के पश्चिम से पूर्व की ओर चार भागों में विभाजित किया जाता है।

    (i) पंजाब हिमालय (ii) कुमायूँ हिमालय (iii) नेपाल हिमालय

    (iv) असम हिमालय

13. उत्तर के मैदान का निर्माण तीन प्रमुख नदी प्रणालियों सिंधु गंगा एवं ब्रहमपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों से बना है।

14. उत्तर का मैदान का विस्तार 7 लाख वर्ग कि.मी. क्षेत्र में है। यह मैदान 2400 कि.मी. लंबा तथा 240 से 250 किमी. चौड़ा है।

15. प्रायद्वीपीय पठार के दो मुख्य भाग है :–

    (i) मध्य उच्च भूमि (ii) दक्कन का पठार

16. पश्चिमी घाट की ऊँचाई पूर्वी घाट से अधिक है।

17. लूनी मुख्यस्थलीय भाग की सबसे बड़ी नदी है।

18. पश्चिमी तटीय मैदान के तीन भाग है :– कोंकण मैदान, कन्नड़ मैदान एवं मालावार तट

19. पूर्वी तटीय मैदान के दो भाग हैं उत्तरी सरकार एवं कोरोमंडल तट

20. प्राकृतिक भिन्नता के आधार पर उत्तरी मैदानों को चार भागों में विभाजित किया जा सकता है।

    1. भाबर :– नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढ़ाल पर 8 से 16 किमी. के चौड़ी पट्टी में गुटिका का निक्षेपण करती है। इसे भावर के नाम से जाना जाता है। सभी सरिताएँ इस भावर पट्टी में विलुप्त हो जाती है।

    2. तराई :– यह भावर के दक्षिण में स्थित है। यहाँ सरिताएँ एवं नदियाँ पुनः निकल आती हैं एवं नम तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं।

    3. भांगर :– यह उत्तर मैदान का सबसे बड़ा भाग है और पुराने गलोढ़ से बना है। ये नदियों के बाढ़ वाले मैदान के उपर स्थित है तथा वेदिका जैसी आकृति प्रदर्शित करते हैं।

    4. खादर :– बाढ़ वाले मैदानों के नए तथा युवा निक्षेपों को खादर कहा जाता है। ये काफी उपजाऊ होती है।

21. अरावली पहाड़ो के पश्चिमी किनारे पर थार का मरूस्थल है।

22. यह बालू के टिब्बों से ढ़ँका एक तरंगित मैदान है।

23. इस क्षेत्र में 150 मि. मी. से भी कम वर्षा होती है।

24. इस क्षेत्र में शुष्क जलवायु है और वनस्पति बहुत कम है।

25. यहाँ बहुत अधिक क्षेत्र पर बरकान का विस्तार है।

26. भारतीय द्वीप समूह दो भागों में बँटा है।

    1. लक्ष्द्वीप 2. अंडमान निकोबार द्वीप

27. लक्षद्वीप द्वीपों का छोटा समूह है जो प्रवाल द्वीपों से बना है।

28. यह 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है और कावारत्ती द्वीप इसका प्रशासनिक मुख्यालय है।

29. इस द्वीप समूह पर पादप तथा जंतु के बहुत से प्रकार पाये जाते हैं।

    अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में उत्तर से दक्षिण की तरफ फैला है।

    यह द्वीप समूह मुख्यतः दो भागों में बँटा है उत्तर में अंडमान तथा दक्षिण में निकोबार

30. ऐसा माना जाता है कि यह द्वीप समूह निमज्जित पर्वत श्रेणियों के शिखर है।

31. ये द्वीप समूह विषुवत् वृत के समीप हैं एवं यहाँ की जलवायु विषुवत्तीय है तथा घने जंगलों से आच्छादित है।

1 अंक वाले प्रश्न

1. हिमालय के रुप में ऊपर उठने के कारण किस समुद्र की समाप्ति हुई थी।
   क) अराल सागर ख) लाल सागर
   ग) टेथिस सागर घ) अरब सागर
2. भारत में हिमालय का सबसे ऊँचा शिखर .... है।
3. ...., ... और ...., नदी तंत्र है जिनसे उत्तर के विशाल मैदान का निर्माण हुआ।
4. पुरानी तथा नई जलोढ़ मृदा को क्रमशः .... तथा .... के नामों से जाना जाता है।
5. प्रायद्वीपीय पठार को .... व .... में बाँटा जाता है।
6. भारत का कौन सा द्वीप समूह प्रवाल से निर्मित है
   क) लक्षद्वीप ख) अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
   ग) दोनों सही हैं घ) इनमें से कोई नहीं
7. एक स्थलीय भाग जो तीन ओर से समुद्र से घिरा हो क्या कहलाता है?
   क) जल संधि ख) स्थल संधि
   ग) खाड़ी घ) प्रायद्वीप
8. भारत के पूर्वी भाग में म्यांमार की सीमा का निर्धारण करने वाल पर्वतों का संयुक्त नाम क्या है?
   क) पूर्वांचल ख) कारा कोरम
   ग) पीर पंजाल घ) छोटा नागपुर
9. दोआब क्या है?
   क) दो नदीयों की बीच की भूमि
   ख) दो पर्वतों के बीच बहने वाली नदी
   ग) उपर्युक्त दोनों
   घ) इनमें से कोई नहीं
10. चिल्का झील किस राज्य में स्थित है?
   क) महाराष्ट्र ख) उड़ीसा
   ग) गुजरात घ) केरल
11. बरकान क्या है ?
   क) मरुस्थलीय भागों में स्थित छोटे तालाब
   ख) मरुस्थलीय भागों में अर्धचंद्रकार बालू के टीले
   ग) उपयुक्त दोनों
   घ) इनमें से कोई नहीं
12 भारतीय मरुस्थलीय क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी कौन सी है?
   क) चंबल ख) कोसी
   ग) लूनी घ) तुंगभ्रद्रा

13. भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी कहाँ स्थित है ?

क)	लक्षद्वीप	ख)	मालवा का पठार
ग)	बैरनद्वीप, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	घ)	कंचनजंगा

14. नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढाल पर 8 से 16 किलोमीटर की चौड़ी पट्टी पर गुटिका का निक्षेपण करती है जहाँ सभी सरिताएँ इस पट्टी में विलुप्त हो जाती है। इस पट्टी को .... कहते हैं।

15. भाबर के दक्षिण में सरिताएँ एवं नदियाँ पुनः निकल आती हैं तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं इसी क्षेत्र को .... कहा जाता है।

16. नीचे दिए प्रश्न में, दो प्राक्कथन दिए गए हैं। एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

संकल्पना (स) नदी के निचले भागों में ढ़ाल कम होने के कारण नदी की गति कम हो जाती है।

कारण (क) ये नदियाँ अपने निचले भाग में गाद एकत्र हो जाने के कारण बहुत–सी धाराओं में बँट जाती है।

A. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है।
B. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।
C. संकल्पना (स) यही है एवं कारण (क) गलत है।
D. संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. भारत में हिमालय के ऊँचे शिखर के नाम बताइए तथा उनकी ऊँचाई भी लिखिए ?
2. हिमाद्री की पाँच विशेषताएँ बताइए ?
3. हिमाचल हिमालय की तीन विशेषताएँ बताइए ?
4. शिवालिंक की तीन विशेषताएँ बताइए ?
5. नदी घाटियों की सीमाओं के आधार पर हिमालय का वर्गीकरण कीजिए ?
6. उत्तरी मैदान को मोटे तौर पर कितने वर्गों में विभाजित किया जाता है ?
7. उत्तरी मैदान की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
8. प्रायद्वीपीय पठार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
9. पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट के मध्य अंतर स्पष्ट करें ?
10. भारतीय मरुस्थल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
11. पश्चिमी तटीय मैदान तथा पूर्वी तटीय मैदान के मध्य अंतर स्पष्ट करें ?
12. भारतीय द्वीप समूह की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?
13. आज के कौन से महाद्वीप गौंडवाना लैंड के भाग थे ?
14. हिमालय भारत के लिए वरदान स्वरुप कैसे हैं ? बताइए

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. टेथिस सागर
2. कंचनजंगा (8598 मी.)
3. सिन्धु, गंगा, ब्रह्मपुत्र
4. भांगर, खादर
5. मध्य उच्चभूमि, ढककन का पठार
6. लक्षद्वीप
7. प्रायद्वीप
8. पूर्वांचल
9. दो नदियों के बीच की भूमि
10. उड़ीसा
11. मरुस्थलीय भागों में अर्धचंद्रकार बत्लू के टीले
12. लूनी
13. बैरेन द्वीप, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह।
14. भाबर
15. तराई
16. (A) संकल्पना 'स' एवं कारण 'क' दोनों सही हैं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए अनुच्छेद को बढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पाइ जाने वाली काली मृदा है। जिसे दक्कन ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है। इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है, इसलिए इसके शैल आग्नेय है। वास्तव में इन शैलों का समय के साथ अपरदन हुआ है, जिनमें काली मृदा का निर्माण हुआ है। अरावली की पहाड़ियों प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर पश्चिमी किनारे पर स्थित है। ये बहुत अधिक अपरदित एवं खण्डित पहाड़ियाँ है। ये गुजरात से लेकर दिल्ली तक दक्षिण पश्चिम एवं उत्तर पूर्व दिशा में फैली है।

(a) काली मृदा को .... काम से भी जाना जाता है।

(b) प्रायद्वीपीय पठ़ार के शैल आग्नेय क्यों है ?

(c) अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के किस किनारे पर स्थित है?

(d) काली मृदा का निर्माण कैसे हुआ है ?

प्रश्न के उत्तर

(a) दक्कन ट्रैप

(b) क्योंकि इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है।

(c) पश्चिम एवं उत्तर पश्चिम किनारे पर

(d) आग्नेय शैलों के अपरदन से।

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. कंचनजंगा (8598 मीटर)

   नंगा पर्वत (8126 मीटर)

   कोमेट (7756 मीटर)

   नामचा बरुआ (7756 मीटर)

2. i) यह सब से अधिक सतत श्रृंखला जिसमें 6000 मीटर की औसत ऊंचाई वाले सर्वाधिक ऊँचे शिखर हैं।

   ii) उसमें हिमालय के सभी मुख्य शिखर है।

   iii) हिमालय के इस भाग का क्रोड ग्रेनाइट का बना हुआ है।

   iv) उस भाग के हिमालय की प्रकृति असंममित है।

   v) यह श्रृंखला सदैव बर्फ से ढकी रहती है तथा इससे बहुत सी हिमानियों का प्रवाह होता है।

3. i) इन श्रृंखलाओं का निर्माण मुख्यतः अत्यधिक संपीडित तथा परिवर्तित शैलों से हुआ है।

   ii) इनकी ऊंचाई 3700 मीटर से 4500 मीटर के बीच है तथा चौड़ाई 50 किलोमीटर है, पीर पंजाल श्रृंखला सबसे लंबी है तथा धौलाधर एवं महाभारत श्रृंखलाएं भी महत्वपूर्ण हैं।

   iii) कश्मीर की घाटी तथा हिमाचल की काँगड़ा तथा कुल्लू की घाटियाँ इसी में स्थित हैं।

4. i) उसकी चौड़ाई 10 से 50 किलोमीटर तथा ऊंचाई 900 से 1100 मीटर के बीच है।

   ii) ये श्रृंखलाएँ उत्तर में स्थित मुख्य हिमालय की श्रृंखलाओं से नदियो के द्वारा लायी गई असंपीडित अवसादों से बनी है।

   iii) निम्न हिमालय तथा शिवालिक के बीच में स्थित लंबवत घाटी को दून के नाम से जाना जाता है। जैसे देहरादून कोटलीदून तथा पाटलीदून।

5. i) सिन्धु तथा सतलुज नदियों के बीच स्थित हिमालय को पंजाब हिमालय कहते हैं।

ii) सतलुज तथा काली नदियों के बीच स्थित हिमालय को कुमाँऊ हिमालय कहते हैं।

iii) काली तथा तीस्ता नदियों के बीच के हिमालय को नेपाल हिमालय कहते हैं।

iv) तीस्ता तथा दिहांग नदियों के बीच के हिमालय को असम हिमालय कहते हैं।

6. i) सिन्धु तथा उसकी सहायक नदियों झेलम, चेनाब, रावी, व्यास, तथा सतलुज का मैदान जो अधिकतर दोआबों का निर्माण करती हैं पंजाब का मैदान कहलाता है। इसका अधिकतर भाग पाकिस्तान में स्थित है।

ii) गंगा, घघ्घर तथा तीस्ता नदियों के बीच स्थित मैदान गंगा के मैदान के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र में भारत के राज्य हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड के कुछ भाग तथा पश्चिम बंगाल आते हैं।

iii) ब्रह्मपुत्र का क्षेत्र विशेषतः असम का मैदान कहलाता है।

7. i) इस मैदान का निर्माण मुखतः हिमालय की नदियों तथा प्रायद्विपीय नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी मृदा के कारण हुआ है।

ii) इसका विस्तार 7 लाख वर्ग किलोमीटर है यह मैदान लगभग 2400 किलोमीटर लम्बा और 240 किलोमीटर से 320 किलोमीटर चौड़ा है।

iii) पर्याप्त पानी की उपलब्धता एवं अनुकूल जलवायु के कारण यह मैदान अत्यधिक उपजाऊ है।

iv) यह मैदान भारत का सघन आबादी वाला भू–भाग है।

v) इस मैदान की नदियाँ समुद्र में गिरते हुए डेल्टा का निर्माण करती हैं। यह क्षेत्र भी उपजाऊ होते हैं।

8. i) यह प्राचीनतम भू–भाग गोंडवाना भूमि का हिस्सा है जो एक मेज की आकृति वाला स्थल है यह आग्नेय, पुराने क्रिस्टलीय तथा रूपांतरित शैलों से बना हैं।

ii) इस के दो भाग हैं, नर्मदा नदी के दक्षिण में एक त्रिभुजाकार भू–भाग हैं इसे दक्षिण का पठार कहते हैं जबकि उत्तरी भाग को मध्य उच्च भूमि कहते हैं। इसमें छोटा नागपुर का पठार, बुंदेलखंड का पठार और मालवा का पठार सम्मिलत हैं।

iii) इस पठार का एक भाग उत्तर पूर्व में भी देखा जा सकता है इसे मेघालय तथा कार्बी आंगलौंग पठार भी कहते हैं।

iv) दक्षिणी पठार के पश्चिमी तथा पूर्वी किनारे क्रमशः पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट कहलाते हैं।

v) प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पायी जाने वाली काली मृदा है जिसे दक्कने ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है।

9. **पश्चिमी घाट :–**

क) पश्चिमी घाट पश्चिमी तट के सामानांतर सतत श्रृंखला है जिसे केवल दर्रों से पार ही किया जाता है।

ख) पश्चिमी घाट की ऊँचाई 900 से 1600 मीटर है, पश्चिमी घाट की ऊंचाई उत्तर से दक्षिण की ओर बदलती जाती है।

ग) अनाईमुदी इसका सबसे ऊँचा शिखर है।

पूर्वी घाट :–

क) पूर्वी घाट पूर्वी तट के सामानांतर असतत श्रृंखला है जिसे बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों ने काट दिया है।

ख) पूर्वी घाट की औसत ऊंचाई 600 मीटर है।

ग) महेंद्रगिरी इसका सबसे ऊँचा शिखर है।

10. i) इस क्षेत्र में 150 मि.मी. से कम वार्षिक वर्षा होती है।

ii) इस क्षेत्र में वनस्पति बहुत कम है।

iii) इस क्षेत्र की नदियाँ कम जल होने के कारण समुद्र तक कम जल होने के कारण नहीं पहुँच पाती और केवल वर्षा ऋतु में ही दिखाई देती हैं।

iv) बरकान (अर्धचन्द्राकार बालू का टीला) इस क्षेत्र में अधिक मिलते हैं, लम्बवत बालू के टीले भारत–पाकिस्तान की सीमा के निकट जैसलमेर में दिखाई देते हैं।

v) लूनी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी है।

11. **पश्चिमी तटीय मैदान :–**

क) पश्चिमी घाट तथा अरब सागर के मध्य स्थित मैदान हैं।

ख) पश्चिमी तटीय मैदान के तीन भाग हैं।

ग) उत्तरी भाग को कोंकण, मध्य भाग को कन्नड़ तथा दक्षिणी भाग को मालाबार कहते है।

घ) पश्चिमी तटीय मैदान कम चौड़ा है।

पूर्वी तटीय मैदान :–

क) पूर्वी घाट तथा बंगाल की खाड़ी के मध्य स्थित मैदान है।

ख) पूर्वी तटीय मैदान दो भागों में विभाजित है उत्तरी भाग को उत्तरी सरकार तथा दक्षिणी भाग को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।

ग) यह मैदान विस्तृत है।

12. भारत के द्वीप समूह को दो भागों में विभाजित किया जाता है।

1. लक्षद्वीप समूह

क) ये द्वीप समूह प्रवाल से निर्मित हैं एवं अरब सागर में स्थित हैं।

ख) इनका क्षेत्रफल कुल 32 कि.मी. है। कावारत्ती इस का प्रशासनिक मुख्यालय है।

ग) इस द्वीप समूह में पादप तथा जन्तुओं की अनगिनत प्रकार की प्रजाति पाई जाती है।

(ii) अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

क) ये द्वीप समूह उत्तर से दक्षिण की ओर फैले हुए हैं और दो भागों में विभाजित है, उत्तर में अंडमान और दक्षिण मे निकोबार।

ख) ये द्वीप जलमग्न पर्वतों का हिस्सा माने जाते हैं।

ग) इनकी जलवायु विषुवतीय है। इस द्वीप समूह में पादक तथा जन्तुओ की बहुत विविधता पाई जाती है। यह द्वीप देश की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पोर्ट ब्लेयर इस का प्रशासनिक केंद्र है।

13. दक्षिणी अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, प्राय–द्वीपीय भारत और ऑस्ट्रेलिया, गोंडवाना लैंड के भाग थे।

14. i) भारत को अविजित सीमा प्रदान करता है।

ii) मानसूनी हवाओं को रोक कर भारत में वर्षा का कारण बनता है।

iii) सदानीरा नदियों का एकमात्र स्रोत।

iv) प्राकृतिक संसाधनों का अक्षय भंडार।

v) सुन्दर घाटियों और स्वास्थ्यवर्धक आश्रय स्थल।

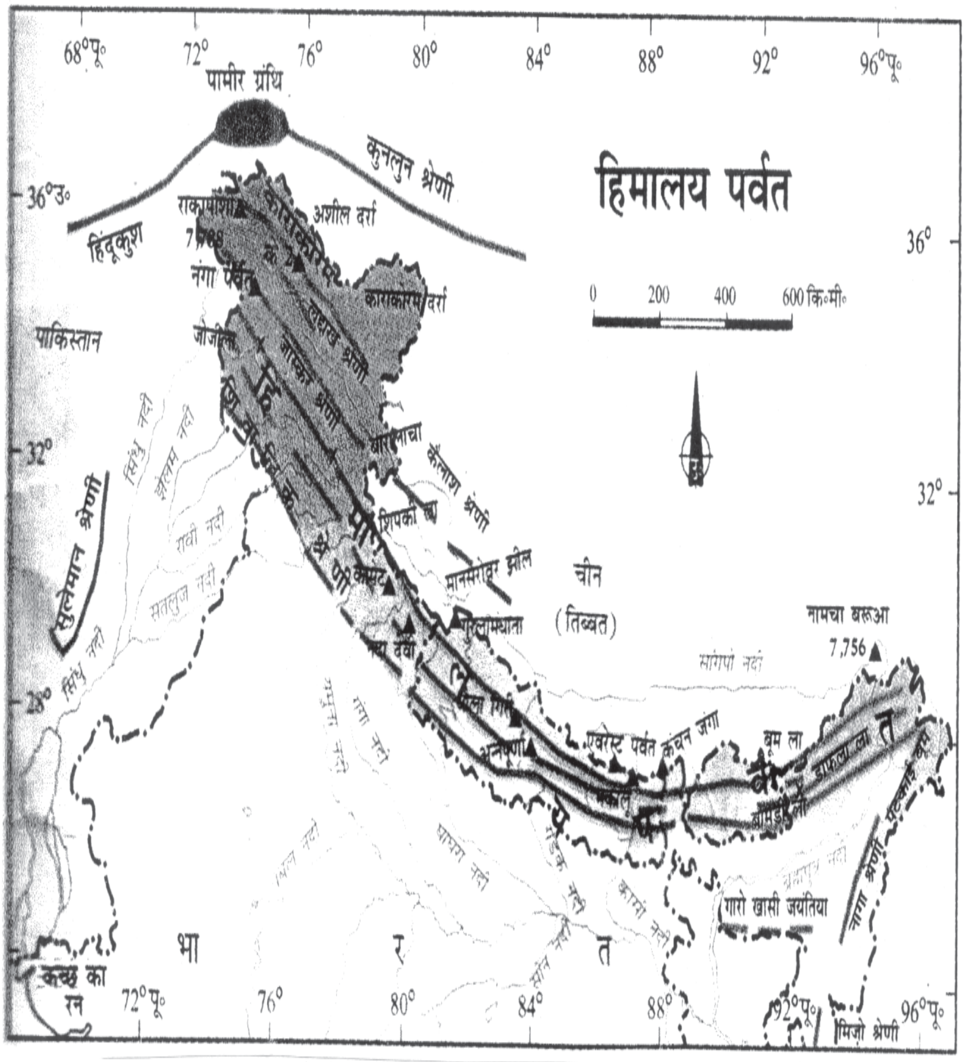

हिमालय पर्वत
68°पू॰
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°पू॰
पामीर ग्रंथि
कुनलुन श्रेणी
36°उ॰
36°
हिंदूकुश
अशील दर्रा
नंगा पर्वत
काराकारम दर्रा
0
200
400
600 कि॰मी॰
पाकिस्तान
32°
32°
सुलेमान श्रेणी
शिपकी ला
मानसरोवर झील
चीन
(तिब्बत)
नामचा बरूआ
7,756
28°
एवरेस्ट पर्वत
बूम ला
गारो खासी जयंतिया
भा
र
त
कच्छ का रन
72°पू॰
76°
80°
84°
88°
92°पू॰
96°पू॰
मिजो श्रेणी

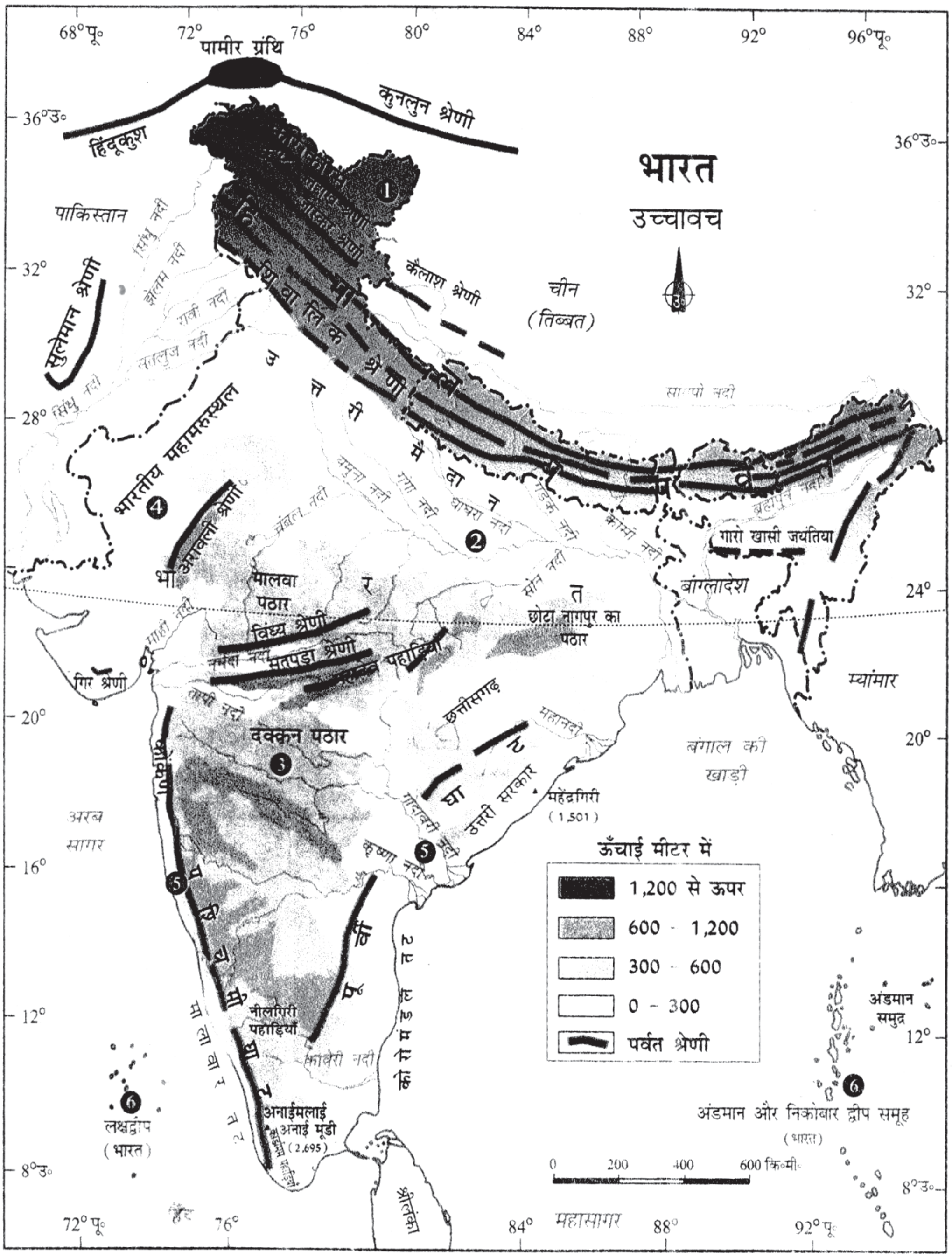

भारत— मुख्य भौगोलिक वितरण

भूगोल :– समकालीन भारत–1

कक्षा– नौवीं

अध्याय–3, अपवाह

याद रखने की बातें :–

1. ''अपवाह'' शब्द एक क्षेत्र के नदी तंत्र की व्याख्या करने के लिए उपयोग होता है।
2. एक नदी तंत्र द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित होता है उसे अपवाह द्रोणी कहते हैं।
3. विश्व की सबसे बड़ी अपवाह द्रोणी अमेज़न नदी है।
4. भारत में गंगा नदी की अपवाह द्रोणी सबसे बड़ी है।
5. जल विभाजक एक ऊँचा क्षेत्र, जैसे–पर्वत या उच्च भूमि है जो दो पड़ोसी द्रोणियों को एक दूसरे से अलग करती है

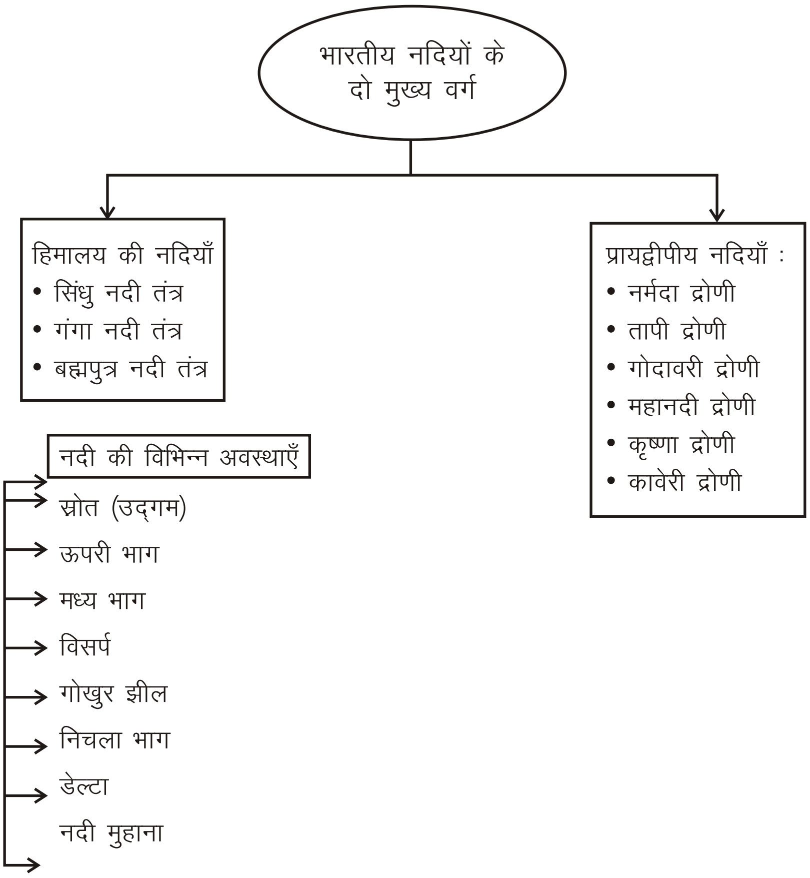

हिमालय की नदियाँ

नदी तंत्र	उदगम	लम्बाई	सहायक नदियाँ (मुख्य)	श्रेणी क्षेत्र	विशेषताएँ
• सिंधु नदी	मानसरोवर झील (तिब्बत)	2900 कि.मी.	• सतलुज • ब्यास • रावी • चेनाव • झेलम	• भारत • लद्दाख • जम्मू–कश्मीर • हिमाचल • पंजाब • पाकिस्तान	• सुंदर दर्शनीय गार्ज का निर्माण करना • इसकी सहायक नदियाँ मिठानकोट में सिंधु नदी से मिलती हैं। • विश्व की लम्बी नदियों में इसको शामिल किया जाता है।
• गंगा नदी	गंगोत्री हिमानी	2500 कि.मी. से अधिक (लगभग 2525 कि.मी)	• यमुना • घाघरा • गंडक • कोसी • सोन • बेतवा	• उत्तराखंड • उत्तर प्रदेश • बिहार • बंगाल	• गंगा नदी का ढाल में प्रति 6 कि.मी. की दूरी पर 1 मीटर की गिरावट आती है। • इस नदी तंत्र से मिट्टी का उपजाऊपन बढ़ता है • कृषि योग्य भूमि के निर्माण में सहायक
• ब्रह्मपुत्र नदी	मानसरोवर झील (तिब्बत)		• दिबांग • लोहित • केनुला	• तिब्बत • अरूणाचल प्रदेश • असम • बांगलादेश	• यह हिमाय के समानान्तर पूर्व की ओर बहती है। • नामचा बाखा शिखर के पास पहुंचकर यह यू अक्षर जैसे मोड़ बनाकर भारत में प्रवेश करती है। • इस नदी में जल एवं सिल्ट की मात्रा बहुत कम होती है।

मुख्य प्रायद्वीपीय नदी द्रोणियों की महत्वपूर्ण जानकारी

नदी तंत्र	उदगम	लम्बाई	सहायक नदियाँ (मुख्य)	द्रोणी क्षेत्र	अन्य विशेषताएँ
• नर्मदा द्रोणी	मध्य प्रदेश के निकट अमरकंटक की पहाड़ियों से	1.312 कि.मी.	शक्कर, दुधि, तवा, गंजल आदि	मध्य प्रदेश तथा गुजरात आदि	समुद्र तक पहुँचने से पहले जबलपुर के निकट संगमरमर में गोर्ज और धुँआधार प्रपात का निर्माण नदी द्वारा किया जाता है।
• तापी द्रोणी	मध्य प्रदेश के बेतुल जिले में सतपुड़ा में श्रृंखला से	724	पूर्ण,गिरना और पंझरा	मध्य प्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र	यह नर्मदा के सामानांतर एक अंश घटी में बहती है
• गोदावरी द्रोणी	महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिमी घाट की ढालों से निकलती है	1500 कि.मी.	पूर्ण, वर्धा, प्रहिन्ता मांजरा, वेनगंगा, पेनगंगा	महाराष्ट्र मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना	यह दक्षिण की सबसे लम्बी नदी है इसे दक्षिण गंगा भी कहते हैं
• महानदी द्रोणी	छत्तीसगढ़ की उच्च भूमि	860 कि.मी.	शिवनाथ, मांड, दया आदि	ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ, झारखण्ड,	बंगाल की खाड़ी में गिरती है
• कृष्णा द्रोणी	महाराष्ट्र के महाबालेश्वर के निकट से	1400 कि.मी.	तुंगभद्र, कोयना, घटप्रभा, मूसी, तथा भीमा	महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश	बंगाल की खाड़ी में गिरती है
• कावेरी द्रोणी	पश्चिमी घाट के ब्रहमगिरी श्रृंखला से	760 कि.मी.	अमरावती, भवानी, हेमावती तथा काबिनी	तमिलनाडू, केरल तथा कर्नाटक	कुद्लुर के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी में गिरती है

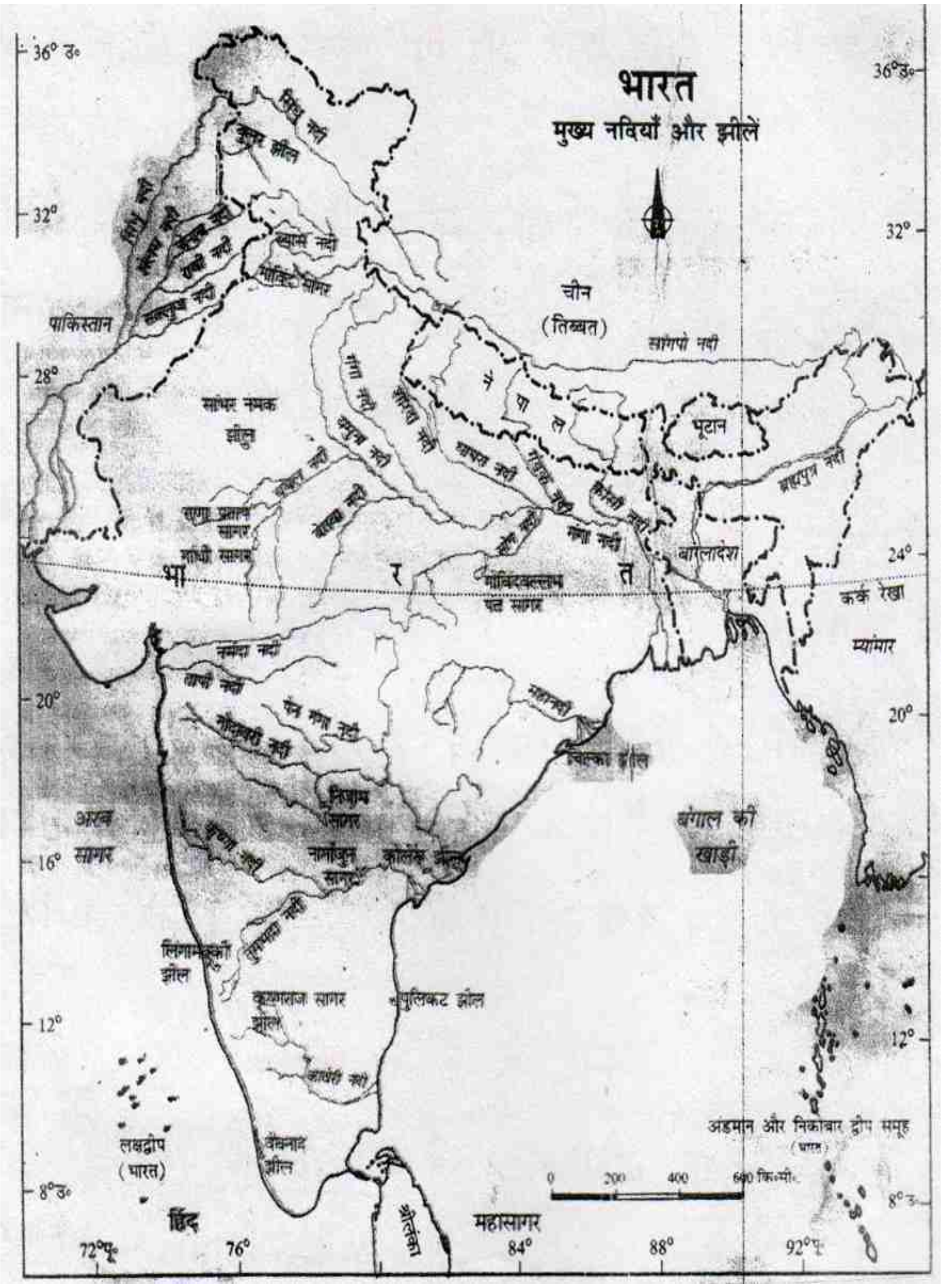
भारत
मुख्य नदियाँ और झीलें
36° उ॰
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8° उ॰
72° पू॰
76°
84°
88°
92° पू॰
सिंधु नदी
वुलर झील
व्यास नदी
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
सांगपो नदी
ने
पा
ल
भूटान
ब्रह्मपुत्र नदी
गंगा नदी
यमुना नदी
सांभर नमक
झील
नर्मदा नदी
भा
र
त
बांग्लादेश
कर्क रेखा
म्यांमार
गोविंदवल्लभ
पंत सागर
महानदी
चिल्का झील
निज़ाम
सागर
बंगाल की
खाड़ी
अरब
सागर
नागार्जुन
सागर
कोलेरू झील
पुलिकट झील
कावेरी नदी
लक्षद्वीप
(भारत)
हिंद
महासागर
श्रीलंका
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
0
200
400
600 कि॰मी॰

- जिन नदियों में वर्ष भर पानी रहता है उन्हें बारहमासी नदियाँ कहते हैं।
- किसी नदी और उसकी सहायक नदियों के समूह को नदी तंत्र कहते हैं।
- सिंधु जल समझौता (1960) के अनुसार भारत इस नदी तंत्र के कुल जल का 20% जल उपयोग कर सकता है।
- हिमालय की नदियाँ अपने मार्ग के ऊपरी भागों में तीव्र अपरदन क्रिया करती हैं तथा अपने साथ भारी मात्रा में सिल्ट एवं वालू का संवहन करती है।
- हिमालय की नदियाँ मध्य एवं निचले भागो में विसर्प, गोखुर झील तथा निक्षेपण आकृतियों का निर्माण करती है। ये पूर्ण विकसित डेल्टाओं का भी निर्माण करती हैं।
- हिमालय और प्रायद्वीपीय नदियों में अंतर

हिमालय की नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
1. हिमालय से निकलने वाली नदियाँ।	1. अधिकतर नदियाँ पश्चिमी थार से निकलती है।
2. इन नदियों को पर्वतों से पिघलने वाले हिम व वर्षा का जल प्राप्त होता है।	2. नदियों का प्रवाह वर्षा पर निर्भर करता है।
3. इनकी लम्बाई अधिक है।	3. इनकी लम्बाई कम है।

- गंगा की मुख्य धारा 'भागीरथी' गंगोत्री हिमानी से निकलती है तथा 'अलकनंदा उत्तराखण्ड के देवप्रयाग में इससे मिलती है।
- हरिद्वार के पास गंगा पर्वतीय भाग को छोड़कर मैदानी भाग में प्रवेश करती है।
- ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में सांगपो एवं बंग्लादेश में जमुना कहा जाता है। तथा अरूणाचल प्रदेश में इस दिहाँग के नाम से जाना जाता है।
- सुंदरवन डेल्टा विश्व का सबसे बड़ा एवं तेजी से वृद्धि करने वाला डेल्टा है।
- ''नमामि गंगे परियोजना'' एक एकीकृत संरक्षण मिशन है जो राष्ट्रीय नदी गंगा से सम्बन्धित दो उद्देश्यों – प्रदूषण के प्रभाव को कम करना तथा उसके संरक्षण और कायाकल्प को पूरा करने का प्रयास है।
- प्रायद्वीपीय नदी नर्मदा एवं तापी पश्चिम की तरफ बहती है और ज्वारनदमुख का निर्माण करती है।
- नर्मदा नदी धुँआधार प्रपात का निर्माण करती है।

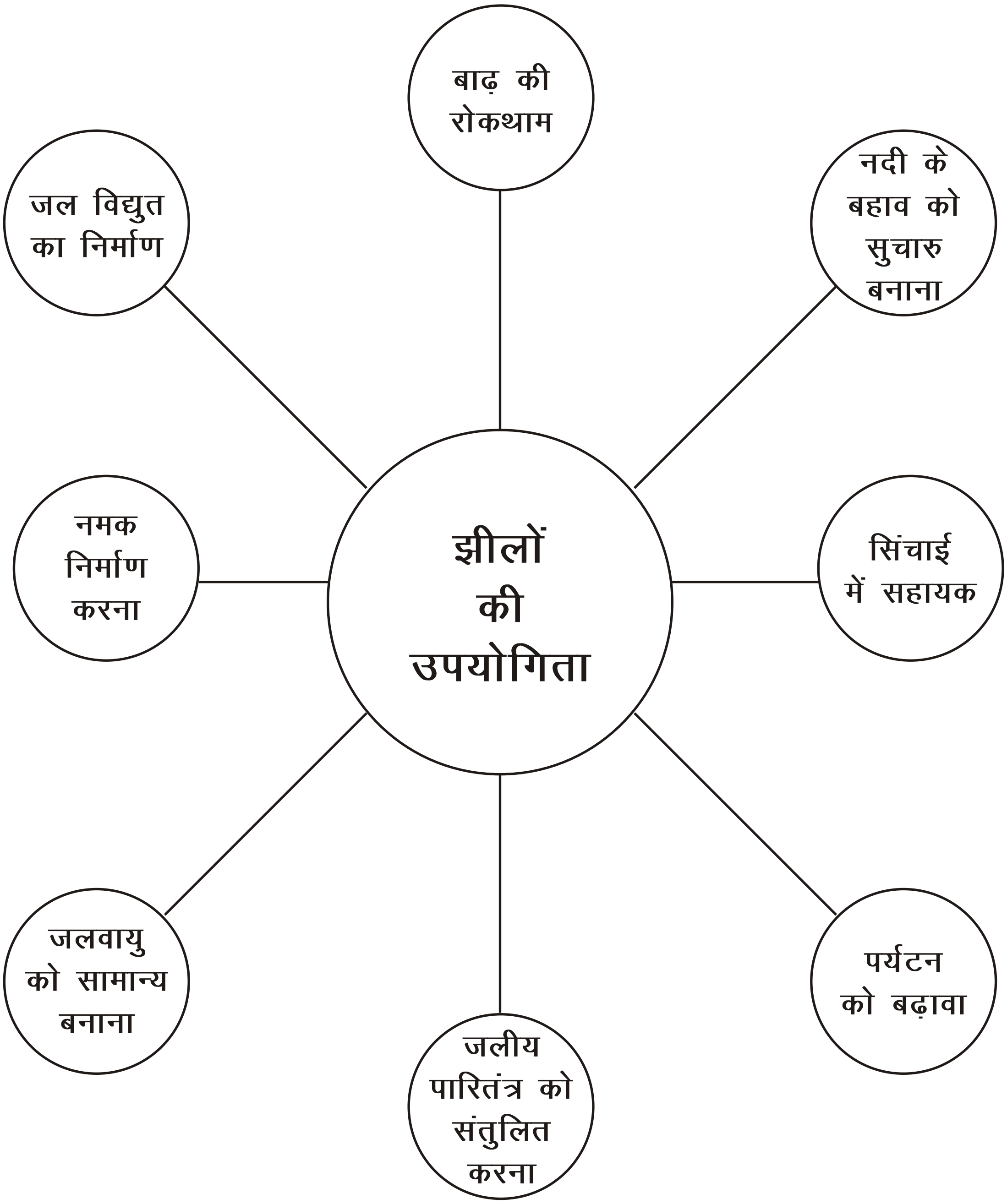
बाढ़ की रोकथाम
नदी के बहाव को सुचारु बनाना
सिंचाई में सहायक
पर्यटन को बढ़ावा
जलीय पारितंत्र को संतुलित करना
जलवायु को सामान्य बनाना
नमक निर्माण करना
जल विद्युत का निर्माण
झीलों की उपयोगिता

1 अंको वाले प्रश्न

1. पर्वत या उच्च भूमि जो पड़ोसी अपवाह द्रोणियों को एक दूसरे से अलग करती है उसे .... कहते है।

2. दक्षिण गंगा किस नदी को कहते है।

   क) कृष्णा ख) गोदावरी

   ग) तुगंभ्रदा घ) चंबल

3. निम्न में से कौन सी नदी अरब सागर में गिरती है और ज्वारनदमुख का निमार्ण करती है।

   क) नर्मदा ख) गंगा

   ग) सिंधु घ) कोसी

4. धुआंधार प्रपात किस नदी के द्वारा बनाया जाता है।

   क) व्यास ख) कावेरी

   ग) नर्मदा घ) ब्रह्मपुत्र

5. सबसे बड़ी मीठे पानी की झील कौन सी है ?

   क) वुलर झील ख) साम्भर झील

   ग) दोनों सही है घ) इनमें से कोई नहीं

6. अंतर्देशीय खारे पानी की झील कौन–सी है?

   क) पुलिकट झील ख) साम्भर झील

   ग) दोनों सही है घ) इनमें से कोई नहीं

7. खारे पानी की झील जो समुद्र से बालू अवरोधों जीवओं के कारण बनती है उसे .... कहते है ?

8. बिहार का शोक किस नदी को कहते है ?

   क) तापी ख) कोसी

   ग) चंबल घ) सोन

9. हिमालय से निकलने वाली प्रमुख नदी का नाम बताइए ?

   क) कृष्णा ख) गोदावरी

   ग) गंगा घ) इनमें से कोई नहीं

10. सिंधु नदी का उद्गम स्थल क्या है ?

क)	मानसरोवर झील	ख)	कंचन जंगा पर्वत
ग)	नंगा पर्वत	घ)	अरावली

11. किस स्थान पर गंगा पर्वतीय भाग में मैदानी भाग में प्रवेश करती है।

क)	हरिद्वार	ख)	कोटद्वार
ग)	देहरादून	घ)	ऋषिकेश

12. प्रायद्वीपीय उच्चभूमि से आने वाली गंगा की सहायक नदियाँ .... और .... हैं ।

13. ब्रह्मपुत्र नदी किस राज्य से भारत में प्रवेश करती है।

क)	अरूणाचल प्रदेश	ख)	हिमाचल प्रदेश
ग)	असम	घ)	पश्चिम बंगाल

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. हिमालय की नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. सिन्धु नदी तंत्र की व्याख्या करें।
3. गंगा नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
4. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
5. झीलें मानव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है नदियों के आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए? (कोई तीन बिन्दु)
6. नदियों के आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए ? (कोई तीन बिन्दु)
7. नदियों में प्रदूषण के कारणों की समीक्षा करें ? (कोई तीन बिन्दु)
8. लम्बी धारा होने के बावजूद तिब्बत के क्षेत्र में ब्रह्ममपुत्र में कम गाद क्यों होती है ? (कोई तीन बिन्दु)
9. ज्वारनदमुख क्या होते है ?
10. सहायक नदियों और वितार्निकाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए ?
11. नदियों के द्वारा निर्मित विभिन्न अपवाह प्रतिरुपों की व्याख्या कीजिए ?

4 अंक प्रश्न

नीचे दिए गए स्रोत को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :–

गोदावरी सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी हैं यह महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिम घाट की ढालों से निकलती है। इसकी लंबाई लगभग 1,500 कि.मी. है। यह कहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है। प्रायद्वीपीय नदियों में इसका अपवाह तंत्र सबसे बड़ा है। इसकी द्रोणी

महाराष्ट्र (नदि द्रोणी का 50 प्रतिशत भाग) मध्य प्रदेश, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश में स्थित है। गोदावरी में अनेक सहायक नदियाँ मिलती हैं, जैसे – पूर्णा, वर्धा, प्रान्हिता, मांजरा, वेनगंगा तथा पेनगंगा। इनमें से अंतिम तीनों सहायक नदियाँ बहुत बड़ी हैं। बड़े आकार और विस्तार के कारण इसे 'दक्षिण गंगा' के नाम से भी जाना जाता है।

सही उत्तर चुनें :–

1. निम्नलिखित में से कौन सी सबसे लम्बी नदी है ?

   (क) महानदी (ग) गोदावरी

   (ख) तापी (घ) कावेरी

2. गोदावरी नदी की दो सहायक नदियों के नाम बताइए ?

3. रिक्त स्थान भरें :–

   गोदावरी नदी बहकर .... में गिरती है।

4. गोदावरी को दक्षिण गंगा क्यों कहा जाता है।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. जल विभाजक
2. गोदावरी
3. नर्मदा
4. नर्मदा
5. वुलर झील
6. साम्भर झील
7. लैगून
8. कोसी
9. गंगा
10. मानसरोवर झील
11. हरिद्वार
12. चंबल, बेतवा, सोन (कोई दो)
13. अरुणाचल प्रदेश

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. हिमालय की नदियाँ :–

   i) हिमालय की अधिकतर नदियाँ बारामासी होती है।

   ii) ये नदियाँ अपनी उत्पत्ति से समुद्र तक लम्बा रास्ता पार करती है।

iii) ये अपने बाढ़ वाले मैदानों में बहुत सी निक्षेपण आकृतियों का निर्माण करती है और पूर्ण विकसित डेल्टाओं का भी निर्माण करती है।

iv) गंगा, ब्रह्मपुत्र आदि इसके उदाहरण है।

प्रायद्विपीय नदियाँ :–

1) अधिकतर प्रायद्विपीय नदियाँ मौसमी होती हैं।

2) प्रायद्वीपीय नदियों की लम्बाई कम होती है और ये छिछली होती है।

3) बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ डेल्टा बनती है।

4) महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इसके उदाहरण है।

2. 1) सिन्धु नदी का उद्‌गम मानसरोवर झील के निकट तिब्बत में है ये नदी पश्चिम की ओर बहती हुई भारत में जम्मू एवं कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में प्रवेश करती है।

2) ज़ास्कर, नुबरा, श्योक, हुन्ज़ा, सतलुज, ब्यास, रावी, चेनाब, तथा झेलम इसकी सहायक नदियाँ हैं।

3) सिन्धु नदी का ढाल बहुत धीमा है।

4) इसका एक तिहाई भाग ही भारत के जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, तथा पंजाब में है, शेष पाकिस्तान में है।

5) इस की लम्बाई 2900 कि.मी. है।

3.

– गंगा भारत की सबसे लम्बी नदी है, इसकी लम्बाई 2500 कि.मी. से अधिक है।

– यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, गंगा की हिमालय की इसकी सहायक नदियाँ हैं जबकि चंबल, सोन, बेतवा प्रायद्विपीय नदियाँ हैं।

– गंगा पूर्व दिशा में फरक्का तक बहती है और फिर दो भागों में विभाजित हो जाती है एक भागीरथी हुगली जो बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

– दूसरी शाखा बांग्लादेश में जाकर ब्रह्मपुत्र के साथ मिल कर विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुंदरवन बनाती है।

– गंगा नदी तंत्र उत्तर के विशाल मैदान के बहुत बड़े भाग को सींचता है।

4.

– ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत के निकट मानसरोवर झील के पूर्व से निकलती है और पूर्व की ओर बहती है।

- इसकी लम्बाई 2900 कि.मी. है। पर इसका अधिकतर भाग भारत से बाहर है।
- नामचा बरुखा शिखर के पास पहुंच कर ये यू अक्षर जैसा मोड़ लेती है और अरुणाचल प्रदेश में एक गौर्ज के माध्यम से प्रवेश करती है।
- दिबांग, लोहित, केनुला, इसकी मुख्य सहायक नदियाँ हैं।
- भारत में असम के मैदान को यह नदी मुख्यतः सींचती है परन्तु वर्षा ऋतु में इसकी बाढ़ असम में अधिक नुकसान करती है।
- असम में इस में गाद बहुत होती है।

5.

- झीलें नदी के बहाव को सुचारू बनाने में सहायक होती है।
- अत्यधिक वर्षा के समय यह बाढ़ को रोकती हैं तथा सूखे के मौसम में ये पानी के बहाव को संतुलित करने में सहायता करती है।
- झीलों का प्रयोग जल विद्युत् उत्पन्न करने में भी किया जा सकता है।
- झीलें आस–पास के क्षेत्रों की जलवायु को सामान्य बनाती है।
- झीलें जलीय पारितंत्र को संतुलित रखती है।
- झीलें पर्यटन को भी बढ़ावा देती है।

6.

- नदियों का जल प्राकृतिक संसाधन है और अनेक मानवीय क्रिया कलापों के लिए है।
- नदियों के तट प्राचीन काल से ही निवास स्थान रहे हैं ये गाँव अब बड़े–बड़े शहर बन चुके हैं जो आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हैं।
- सिंचाई, नौसंचालन, जलविद्युत निर्माण में नदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

7.

- नदी जल की घरेलु, औद्योगिक तथा कृषि में बढ़ती मांग के कारण इसकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है।
- उद्योगों के द्वारा अपरिष्कृत कचरे को नदियों में बहा देने से प्रदूषण बढ़ा है।
- शहरीकरण के कारण भी प्रदूषण बढ़ा है।

8. – तिब्बत ठंडा तथा शुष्क क्षेत्र है

– वर्षा कम होने की वजह से इसकी सहायक नदियों में भी जल की मात्रा कम होती है।

– जल कम होने के कारण इसकी अपरदन शक्ति कम है जिसके कारण इसमें गाद की मात्रा कम होती है।

9. जब नदी समुद्र में तीव्र ढाल के साथ गिरती है तो उसकी गति भी तीव्र होती है जिसके कारण उसके मुहाने पर कोई निक्षेपण नहीं हो पाता यही मुहाने ज्वरनदमुख कहलाते है।

10. **सहायक नदी** :–

– वह नदी जो किसी बड़ी नदी में आकर मिल जाती है उसे सहायक नदी कहते है।

– यह नदी मुख्य नदी का जल स्तर बढ़ा देती है और उस के प्रवाह को भी तेज़ कर देती है।

– जैसे यमुना गंगा की सहायक नदी है।

वितार्निका :–

– वह नदी जो किसी नदी से अवरोध के कारण अलग हो कर बहने लगती है वितार्निका कहलाती है।

– यह नदी के जल स्तर को घटा देती है और उसके प्रवाह को भी धीमा कर देती है।

– जैसे हुगली गंगा की वितार्निका है।

11. —– द्रुमाकृतिक प्रतिरूप

—– जालीदार प्रतिरूप

—– आयताकार प्रतिरूप

—– आरीय प्रतिरूप

—– अंतर्देशीय अपवाह प्रतिरूप

4 अंक वाले प्रश्न का उत्तर

1. (c) गोदावरी
2. पूर्णा नदी, वर्धा नदी
3. बंगाल की खाड़ी
4. अकार व विस्तार के कारण गोदावरी को दक्षिण गंगा कहा जाता है।

अध्याय – 4

जलवायु

याद रखने योग्य बातें :–

1. मानसून शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के शब्द मौसिम से हुई है। जिसका अर्थ है – मौसम।
2. किसी क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक– अक्षांश, ऊँचाई, वायुदाब, पवन तन्त्र, समुद्र से दूरी, महासागरीय धारायें तथा उच्चावच हैं।
3. लू–ये धूलभरी, गर्म और शुष्क पवनें होती हैं जो मई–जून में दिन के समय भारत के उत्तर एवं उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में चलती हैं।
4. विश्व में सबसे अधिक वर्षा मासिनराम में होती है।
5. भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है।
6. जेट धारा–ऊपरी क्षोभमंडल के संकीर्ण क्षेत्र में तीव्र वेग से बहने वाली पवन।
7. एलनीनो एक गर्म जलधारा है। यह पेरु के तट पर उत्पन्न होती है, और पेरु की शीतलधारा को अस्थायी रूप से हटाकर उसका स्थान ले लेती है।
8. मानसून का फटना– अचानक ही कई दिनों तक वर्षा का लगातार होना और प्रचंड रूप रखना मानसून का फटना कहलाता है।
9. वर्षा ऋतु में भारत में हवायें समुद्र से स्थल की ओर चलने लगती हैं,जिन्हें हम मानसूनी हवायें कहते हैं।
10. मानसूनी हवाओं को दो भागों में बांटा जाता है
    1) दक्षिणी–पश्चिमी मानसून
    2) उत्तरी–पूर्वी मानसून।
11. भारत में अधिकांश वर्षा दक्षिणी–पश्चिमी मानसून से होती है।
12. भारत की ऋतुएँ – भारत में मुख्य रूप से चार ऋतुएँ पायी जाती हैं।
    i) शीत ऋतु – मध्य नवम्बर से फरवरी तक
    ii) ग्रीष्म ऋतु – मार्च से मई तक
    iii) वर्षा ऋतु – जून से सितम्बर
    iv) लौटते हुए मानसून की ऋतु–अक्टूबर से नवम्बर

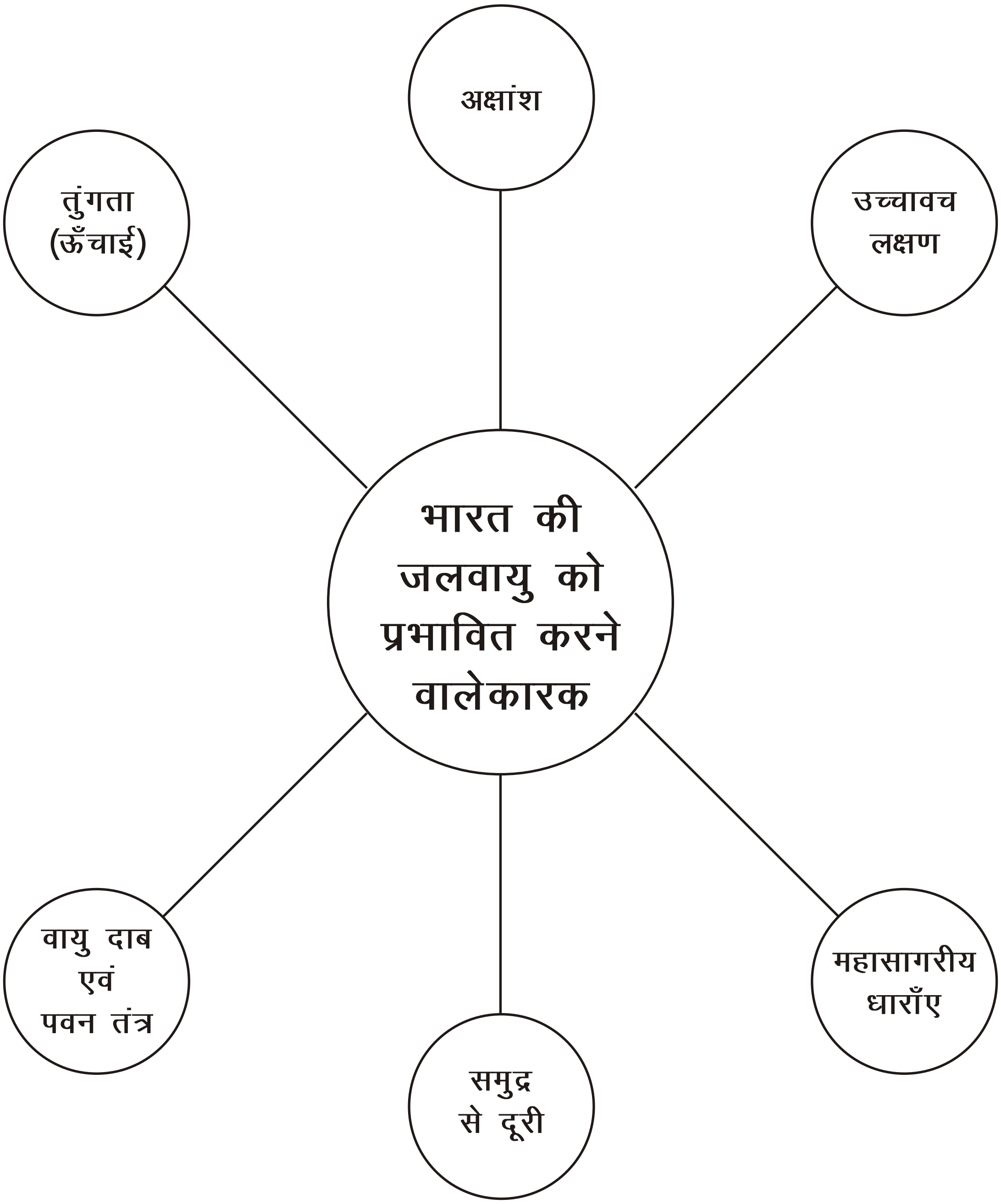
अक्षांश
तुंगता (ऊँचाई)
उच्चावच लक्षण
भारत की जलवायु को प्रभावित करने वालेकारक
वायु दाब एवं पवन तंत्र
समुद्र से दूरी
महासागरीय धाराँए

1 अंक वाले प्रश्न

1. विश्व में सबसे अधिक वर्षा कहाँ होती है ?

क) चेरापूंजी ख) गँगटाक

ग) मासिनराम घ) गुवाहाटी

2. गर्मी के मौसम में उत्तरी मैदानो में बहने वाली गर्म एवं शुष्क पवन को क्या कहा जाता है ?

क) काल वैशाखी ख) लू

ग) इनमे से दोनो घ) इनमे से कोई नहीं

3. भारत मे सबसे ठंडा स्थान कौन सा है ?

क) द्रास ख) श्रीनगर

ग) मनाली घ) माऊंट आबू

4. पश्चिमी बंगाल में तीव्र हवाओं के साथ होने वाली मूसलाधार वर्षा जो भारी तबाही का कारण बनती है .... कहलाती है।

5. वह प्रदेश जहाँ दिन और रात के तापमान में अधिक अंतर नही पाया जाता है ?

क) केरल ख) मध्य प्रदेश

ग) जम्मू कश्मीर घ) हरियाणा

6. भारत में मानसून का आगमन कब होता है।

क) जून के प्रारंभ में ख) जुलाई के प्रारंभ में

ग) अगस्त के प्रारंभ में घ) इनमें से कोई नहीं

7. भारत में शीतऋतु में स्थल से समुद्र की ओर बहने वाली पवनों को क्या कहा जाता है।

क) उत्तरी–पूर्वी व्यापारिक पवनें ख) दक्षिणी पश्चिमी मानसून पवनें

ग) इनमें से कोई नहीं घ) उपयुक्त दोनों

8. भारत में ...., ..., ..., और ...., ऋतु पाई जाती है।

9. आम्रवृष्टि किसे कहते हैं ?

10. नीचे दिए गए लक्षणों के आधार पर भारत की इस प्रमुख ऋतु का नाम लिखिए :–

(a) दक्षिण पश्चिम मानसून पवनों का कमजोर पड़ना और धीरे–धीरे उत्तरी मैदानों से लौटना।

(b) स्वच्छ आकाश, तापमान में वृद्धि और नम भूमि।

(c) क्वार की उमय होना।

(d) भारत की पूर्वी तट पर चक्रवातों का आना।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. एलनीनों की व्याखा कीजिये।
2. दक्षिणी–पश्चिमी मानसून और उत्तरी पूर्वी मानसून के बीच तीन अंतर बताइये।
3. भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु क्यों है ? (कोई तीन बिन्दु)
4. भारत के किस भाग में दैनिक तापमान अधिक होता है एवं क्यों ?
5. जेट धाराएँ क्या हैं, तथा वे किस प्रकार भारत की जलवायु को प्रभावित करती हैं ?
6. भारत में वर्षा का वितरण असमान क्यों है ? (कोई तीन बिन्दु)
7. कोरिऑलिस बल क्या है ?
8. पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ की व्याख्या कीजिए ?
9. उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र क्या है ?
10. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक कौन–कौन से हैं? व्याख्या कीजिये।
11. भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की विशेषताएँ बताइये।
12. भारत की जलवायु अवस्थाओं की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को उदाहरण सहित समझाइये ?
13. मौसम और जलवायु में अंतर स्पष्ट कीजिए।
14. भारत की शीत ऋतु की विशेषतायें लिखिये । (कोई तीन बिंदु)

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. मासिनराम

2. लू

3. द्रास

4. काल वैशाखी

5. केरल

6. जून के प्रारंभ में

7. उत्तरी पूर्वी व्यापारिक पवनें

8. शीतऋतु, ग्रीष्म ऋतु, बढ़ता हुआ मानसून, लौटते हुए मानसून की ऋतु

9. केरल और कर्नाटक में होने वाली मानसून पूर्व को वर्षा जो आम की फसल पकने में सहायक होती है।

10. लौटता हुआ मानसून (शरद ऋतु)

3/5 अंको वाले प्रश्नों के उत्तर

1. एलनीनो एक गर्म जलधारा है। यह पेरु के तट पर उत्पन्न होती है और पेरु की शीत जलधारा को अस्थायी रूप से हटाकर उसका स्थान ले लेती है। एलनिनो एक स्पैनिश शब्द है, जिसका अर्थ होता है बच्चा, जोकि बेबी क्राइस्ट को व्यक्त करता है। क्योंकि यह धारा क्रिसमस के समय बहना शुरु करती है।

2. **दक्षिणी – पश्चिमी मानसून**

   1) यह मानसून अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उत्तर की ओर बढ़ता है।

   2) ये मानसूनी पवनें जून से सितम्बर माह में बहती हैं।

   3) ये पवनें देश व्यापी वर्षा करती हैं।

   उत्तरी – पूर्वी मानसून

   1) यह मानसून उत्तर – पूर्व से समुद्र की ओर बढ़ता है।

   2) ये पवनें अक्टूबर – नवम्बर माह में चलती हैं।

   3) ये पवनें तमिलनाडु में वर्षा करती है।

3. 1) भारतीय जलवायु मानसूनी पवनों से नियन्त्रित रहती है।

2) भारत उष्ण–कटिबन्धीय क्षेत्र में स्थित है। इसका आधा भाग कर्क रेखा से दक्षिण की ओर पड़ता है।

3) यहाँ पृथ्वी का घूर्णन सक्रिय रहता है। जो उत्तरी ओर दक्षिणी गोलार्द्ध की पवनों को दाएं ओर बाएं मोड़ता है।

4. 1) यह भारत का उत्तरी–पश्चिमी हिस्सा है। यहाँ का तापमान 48 डिग्री तक बढ़ जाता है।

2) मई–जून माह में भारत के उत्तर–पश्चिमी हिस्सो में न्यून वायुदाब की दशायें तीव्र हो जाती हैं।

3) भारत में दक्षिणी–पश्चिमी मानसूनी हवायें प्रवेश करती हैं। जिससे इन भागों में आर्द्रता एवं उमस बढ़ जाती है।

4) मई जनू के माह में धूल भरी, गर्म और शुष्क पवनें चलती हैं, जिन्हें लू कहा जाता है।

5. ऊपरी क्षोभमण्डल के संकीर्ण क्षेत्र में तीव्र वेग से बहने वाली पवन जेट धारा कहलाती है। इसके प्रवाह की दिशा जलधाराओं की तरह निश्चित होती है इसलिए इसे जेट धारा कहा जाता है। ये धरातल से 6 से 14 किमी. की ऊँचाई पर लहरदार रूप में बहती है।

1) भारत की जलवायु पर जेट धाराओं की गति का गहरा प्रभाव पड़ता है।

2) शीत ऋतु में हिमालय के दक्षिणी भाग के ऊपर समताप मंडल में पश्चिमी जेट धाराओं की स्थिति रहती है। जून के महीने में यह उत्तर की ओर खिसक जाती है।

6. 1) मानसूनी पवनें नियमित नहीं हैं।

2) उष्ण कटिबन्धीय स्थल व समुद्रों के ऊपर प्रवाह के दौरान ये विभिन्न वायुमंडलीय अवस्थाओं से प्रभावित होती हैं।

3) मानसून का समय जून से लेकर सितम्बर तक होता है।

7. पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न आभासी बल को कोरिआलिस बल कहते हैं। इस बल के कारण पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में दाएं और दक्षिणी गोलार्द्ध में बाँईं ओर मुड़ जाती हैं। इसे फेरेल का नियम भी कहते हैं।

8. सर्दी के महीनों में उत्पन्न होने वाला पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ भूमध्यसागरीय क्षेत्रों से आने वाले पश्चिमी प्रवाह के कारण होता है। वे प्रायः भारत के उत्तर एवं उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात मानसूनी महीनों के साथ–साथ अक्टूबर व नवम्बर के महीनों में भी आते हैं। तथा ये पूर्वी प्रवाह के एक भाग होते हैं एवं देश के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं।

9. विषुवतीय अंक्षाशो में विस्तृत गर्त एवं निम्न दाब का क्षेत्र होता है। यहीं पर उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण–पूर्वी व्यापारिक पवनें आपस में मिलती हैं। यह अभिसरण क्षेत्र विषुवत वृत्त के लगभग समानान्तर होता है। लेकिन सूर्य की आभासी गति के साथ–साथ यह उत्तर या दक्षिण की ओर खिसकता है।

10
1) अक्षांश – विषुवत्त वृत्त (0° अक्षांश) से दूरी होने पर जलवायु ठंडी होती चली जाती है।
2) ऊँचाई – ऊँचाई के बढ़ने पर तापमान में कमी होती जाती है।
3) समुद्र से दूरी – समुद्र तट से दूर होने पर विषम जलवायु तथा निकट होने पर सम जलवायु होती है।
4) महासागरीय धारायें – गर्म महासागरीय धाराओं के प्रभाव के कारण जलवायु सम और ठंडी धाराओं के कारण जलवायु विषम होती है।
5) वायुदाब – किसी भी क्षेत्र का वायुदाब उस स्थान के अक्षांश तथा ऊँचाई पर निर्भर करता है।

11.
1) वर्षा का समय व मात्रा – देश की अधिकांश वर्षा मानसूनी पवनों द्वारा गर्मी के मौसम में होती है।
2) असमान वितरण – देश में वर्षा का वितरण समान नहीं है।
3) अनिश्चितता – भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की मात्रा पूरी तरह निश्चित नहीं है।
4) मूसलाधार वर्षा – मानूसनी वर्षा अत्याधिक मात्रा में और कई–कई दिनो तक लगातार होती है।
5) शुष्क अन्तराल – कई बार शुरुआत में मानसूनी वर्षा लगातार न होकर कुछ दिन या सप्ताह के अंतराल से होती है।

12. 1) गर्मी के मौसम में राजस्थान के कुछ रेगिस्तानी भागों में तापमान 50 डिग्री तक हो जाता है वहीं पहलगाम और जम्मू कश्मीर में 20 डिग्री के आस पास रहता है।

2) स्थान विशेष पर दिन और रात के तापमानों में बड़ा अंतर होता है। थार के रेगिस्तान में दिन का तापमान 50^0से. हो सकता है और उसी रात यह नीचे गिरकर 15^0से. तक पहुँच सकता है।

13. एक विशाल इलाके में एक लंबी समयावधि (30 वर्ष से अधिक) में मौसम की अवस्थाओ तथा विविधताओं का कुल योग ही जलवायु है। मौसम एक विशेष समय में एक क्षेत्र के वायुमंडल की स्थिति को बताता है।

14. 1) मध्य नवंबर से फरवरी तक।

2) दिन सामान्यतः गर्म और राते ठंडी होती है।

3) इस ऋतु में आसमान साफ, तापमान और आद्रता कम एवं पवनें शिथिल एवं परिवर्तित होती हैं।

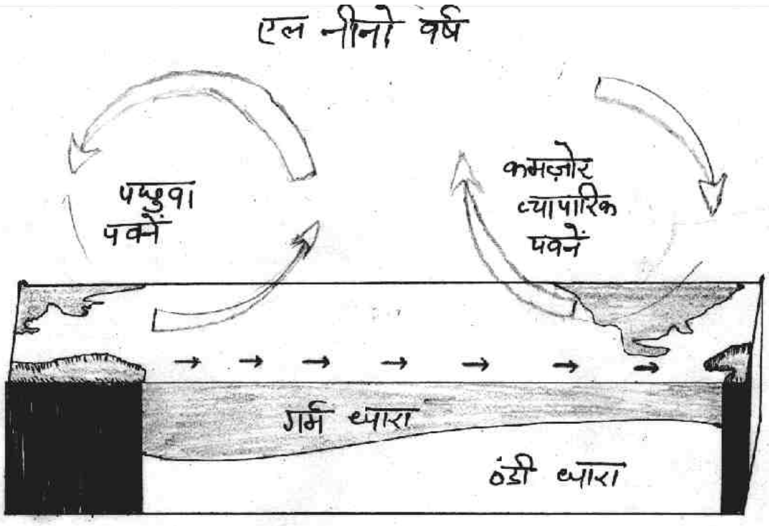
एल नीनो वर्ष
पछुवा पवनें
कमज़ोर व्यापारिक पवनें
गर्म धारा
ठंडी धारा

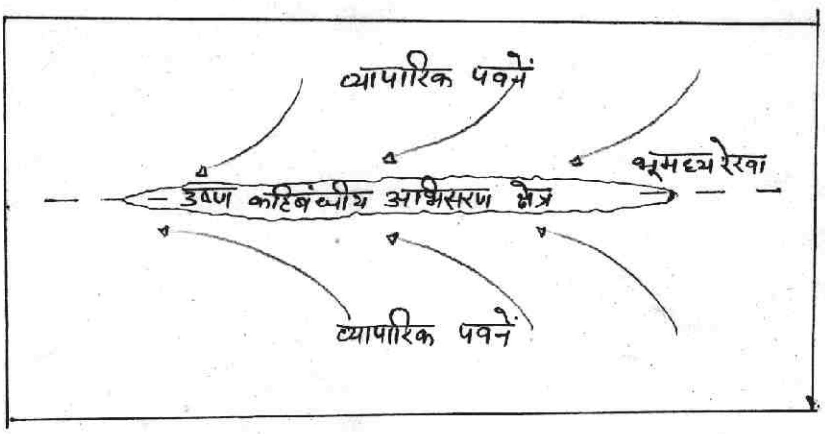
व्यापारिक पवनें
भूमध्य रेखा
उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र
व्यापारिक पवनें

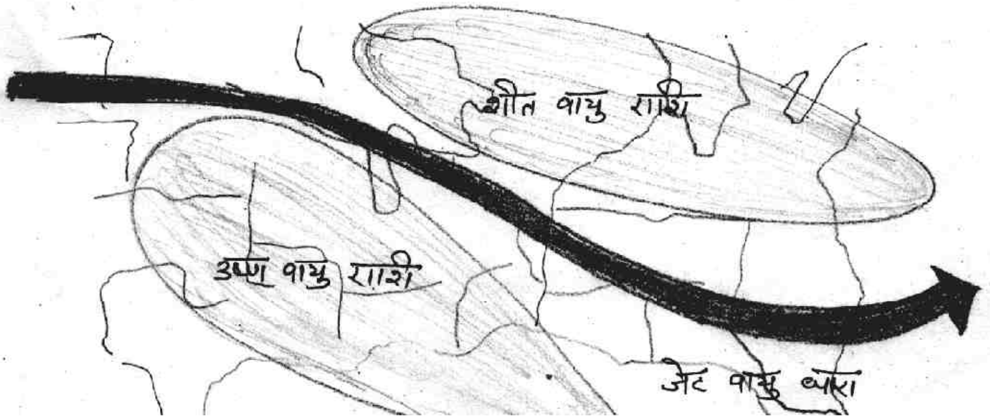
शीत वायु राशि
उष्ण वायु राशि
जेट वायु धारा

अध्याय – 5

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

याद रखने योग्य बातें :–

1. प्राकृतिक वनस्पति – वनस्पति का वह भाग जो मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता प्राकृतिक वनस्पति (अक्षत वनस्पति) कहलाता है।

वनस्पति
- देशज — मूलरूप से भारतीय
- विदेशज — भारत के बाहर से आए

2. वनस्पति जगत : किसी विशेष क्षेत्र में, किसी समय में पौधों की उत्पत्ति।
3. प्राणी जगत : प्राणी जगत जानवरों के विषय में बतलाता है।

वनस्पति और प्राणी जगत को प्रभावित करने वाले कारक

- भू–भाग — उपजाऊ भूमि पर प्रायः कृषि की जाती है और असमतल भू–भाग पर घास के मैदान होते हैं।
- मृदा — विभिन्न स्थानों पर विभिन्न मृदा, विभिन्न वनस्पति का आधार। उदाहरण–बलुई मृदा में कंटीली झाड़ियाँ।
- तापमान — विभिन्न ताप कटिबंधों में विभिन्न वनस्पति पैदा होती है। उष्ण कटिबंध में सदाबहार और शीतोष्ण में शंकुधारी।
- सूर्य का प्रकाश — अधिकाधिक सूर्य प्रकाश मिलने से पौधे जल्दी बढ़ते हैं।
- वर्षण — अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की अपेक्षा सघन वन पाये जाते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem)

- जैविक तत्व (वनस्पति, जीव–जन्तु)
- अजैविक तत्व (मृदा, भूमि, खनिज, वर्षा, वायु आदि)

बायोम – भूमि पर स्थित एक बहुत बड़ा पारितन्त्र जिसमें विविध प्रकार की वनस्पतियों तथा जन्तु शामिल होते हैं। इसे बायोम कहते हैं।

वनस्पति के प्रकार

	वनस्पति प्रकार	वार्षिक वर्षा	विशेषताएँ	मुख्य वनस्पति	मुख्य वन्य प्राणी	राज्य
1.	उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन	200 सेमी. से अधिक	1. गरम और आर्द्र जलवायु 2. वृक्षों में पतझड़ का कोई निश्चित समय नहीं। 3. वृक्षों की ऊँचाई 60 मी. से अधिक 4. अत्यधिक घने और हर भरे।	आबनूस (Ebony) महोगनी, रोज़वुड, रबड़, और सिंकोना।	हाथी, बंदर लैमूर, हिरण, कई प्रकार के पक्षी, चमगादड़ तथा रेंगने वाले जीव।	पश्चिमी घाट, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप असम, तमिल नाडू।
2.	उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन (मानसूनी वन)	आर्द्र पर्णपाती 100 से.मी. 200 से.मी.	वृक्ष शुष्क ग्रीष्म ऋतु में छः से आठ सप्ताह के लिए अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।	बाँस, साल, शीशम, चंदन, शहतूत।	सिंह, शेर, सूअर, हिरण हाथी। विविध प्रकार के पक्षी, छिपकली, साँप, कछुए आदि।	झारखंड, उड़ीसा छत्तीसगढ़ उत्तर पूर्वी राज्य।
		शुष्क पर्णपाती 70–100 से.मी.		सागोन, साल, पीपल, नीम।		बिहार उत्तर प्रदेश

	वनस्पति प्रकार	वार्षिक वर्षा	विशेषताएँ	मुख्य वनस्पति	मुख्य वन्य प्राणी	राज्य
3.	कंटीले वन तथा झाड़ियाँ	70 सेमी. से कम	1. कंटीले तथा झाड़ियाँ। 2. पेड़ों की लंबी जड़ें। 3. पत्तियाँ छोटी और काँटेदार जिससे कम वाष्पीकरण हो।	अकासिया खजूर, यूफोरबिया और नागफनी	चूहे, खरगोश, लोमड़ी, भेड़िए, शेर, सिंह, जंगली गधा, घोड़े तथा ऊँट।	गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, और छत्तीसगढ़ के अर्ध शुष्क क्षेत्र।
4.	पर्वतीय वन	1000मी. से 2000 मी. ऊँचाई (आर्द्र, शीतोष्ण कटिबंधीय वन)	चौड़ी पत्ती वाले पेड़। कोमल लकड़ी	ओक, चेस्टनट	कश्मीरी महामृग, चितरा हिरण, जंगली भेड़, खरगोश,	जम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड।
		1500 मी.से. 3000 मी. ऊँचाई	शंकुधारी वृक्ष, अधिक ऊँचाई पर घास के मैदान।	चीड़, देवदार सिल्वर फर, स्प्रूस, सीडर		
		3600 मी. से अधिक (अल्पाइन)	पशुचारण के लिए प्रयोग।	जनिपर, पाईन, बर्च।	लाल पांडा, हिम तेंदुआ।	
		टुंड्रा वनस्पति	ना वृक्ष, ना ही घास के मैदान	मोसेस, लीचिन।	—	
5.	मैंग्रोव वन	—	सुंदरी पौधे की जड़े पानी में डूबी रहती हैं। मज़बूत लकड़ी प्राप्त होती है।	सुंदरी पाम (ताड़) नारियल, ऐंगार।	रॉयल बगाल टाइगर, कछुए मगरमच्छ, घड़ियाल, साँप।	महानदी डेल्टा, कावेरी, गोदावरी डेल्टा। पश्चिम बंगाल।

वन्य प्राणी (Wild Life)

- भारत में वन्य जीवों की लगभग 90000 प्रजातियाँ मिलती हैं। पक्षियों की 2000 से अधिक प्रजातियाँ और मछलियों की 2546 प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- भारत जीव सुरक्षा अधिनियम सन् 1972 में लागू किया गया था।
- भारत विश्व का अकेला देश है जहाँ शेर तथा बाघ दोनो पाए जाते हैं।
- भारतीय शेरो का प्राकृतिक वास स्थल गुजरात के गिर जंगल है।

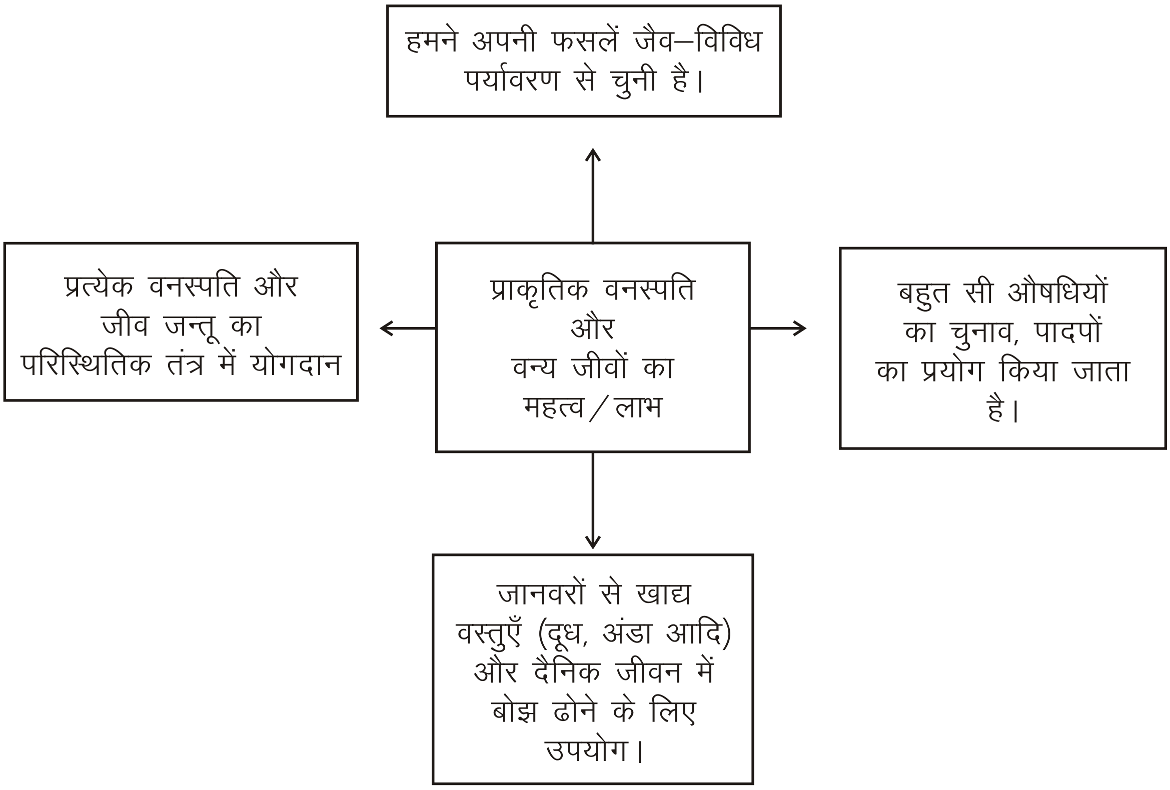

वनों के लाभ
वर्षा लाने में सहायक
ऑक्सीजन की आपूर्ति
खाद की प्राप्ति
औषधि की प्राप्ति
बाढ़ तथा भूमि कटाव की रोकथाम
ईंधन धंधो के लिए सहायक
वन्य प्राणियों का आश्रय स्थल
खाद्य पदार्थों की प्राप्ति
जलवायु को सामान्य बनाना

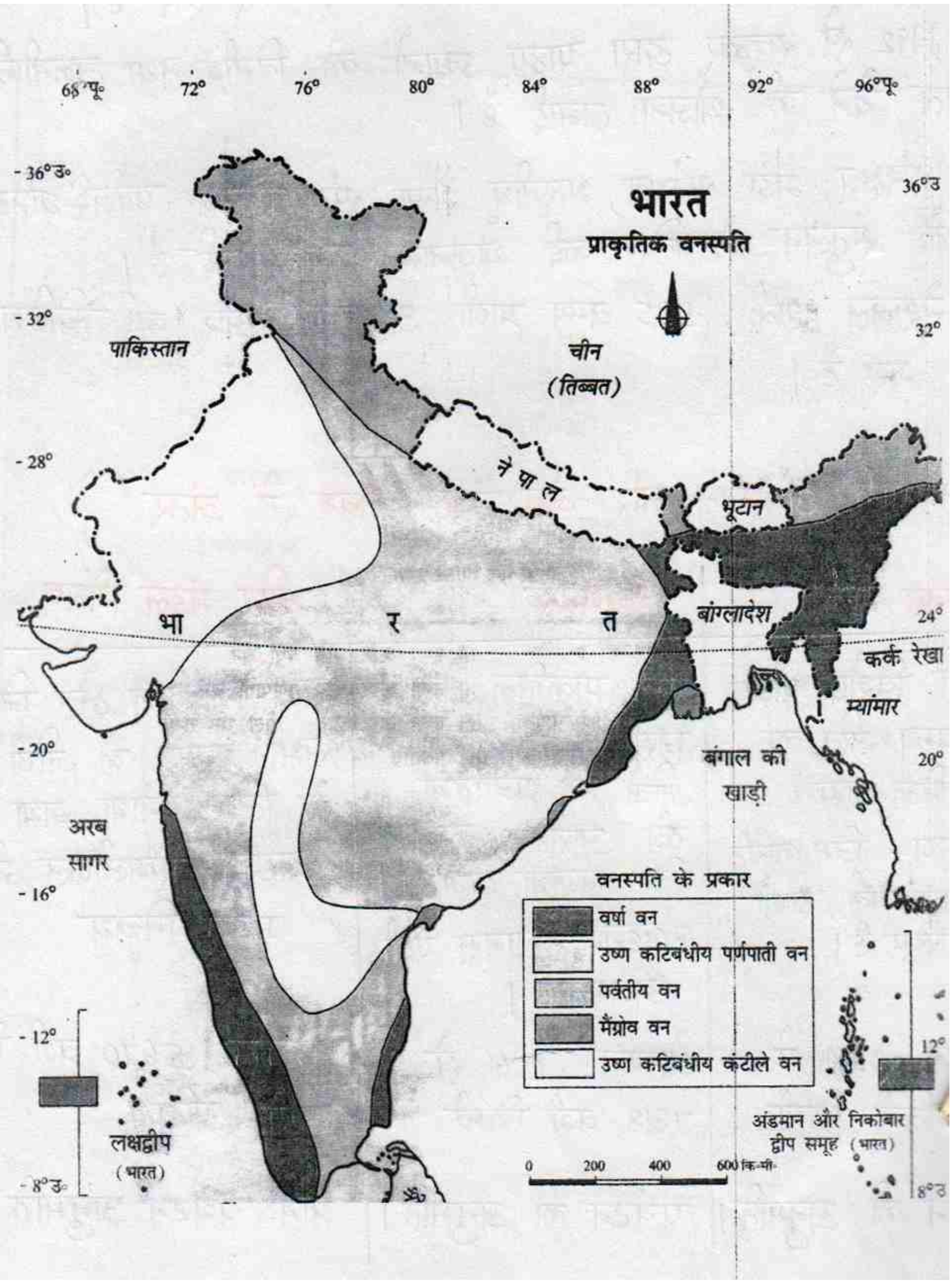

भारत
प्राकृतिक वनस्पति
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
कर्क रेखा
म्यांमार
भा र त
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
वनस्पति के प्रकार
वर्षा वन
उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
पर्वतीय वन
मैंग्रोव वन
उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
0 200 400 600 कि.मी.
68°पू. 72° 76° 80° 84° 88° 92° 96°पू.
36°उ. 32° 28° 24° 20° 16° 12° 8°उ.

पादप और जीव संपत्ति की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम

- देश में उठारह (18) जीव मंडल निचय स्थापित किए गए हैं।
- सन् 1992 से सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई है।
- शेर संरक्षण, गैंडा संरक्षण, भारतीय भैंसा संरक्षण तथा पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन के लिए कई योजनाएँ बनाई गई हैं।
- 103 नेशनल पार्क, 535 वन्य प्राणी अभयवन और कई चिड़ियाघर बनाए गए हैं।

नेशनल पार्क, अभयवन और जीव मंडल निचय में अंतर

नेशनल पार्क	अभयवन	जीव मंडल निचय
1. किसी विशेष पौधे या वन्य जीव का प्राकृतिक वास उदाहरण – जिम कार्बेट नेशनल पार्क, बाघों के लिए है।	एक प्राकृतिक क्षेत्र, जिसे पौधों और जीवों की प्रजातियों को आरक्षित करने के लिए बनाया गया हो उदाहरण : मानव पक्षी अभयवन।	एक प्राकृतिक क्षेत्र जिसे सभी प्रकार के जीवों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। उदाहरण : सिमलीपाल जीव मंडल निचय
2. क्षेत्रफल : 0.04 से 3162 वर्ग किमी	क्षेत्रफल : 0.61 से 7818 वर्ग किमी	क्षेत्रफल : 5670 वर्ग कि.मीत्र से अधिक
3. पर्यटन की अनुमति।	पर्यटन की अनुमति।	प्रायः पर्यटन अनुमति नहीं।

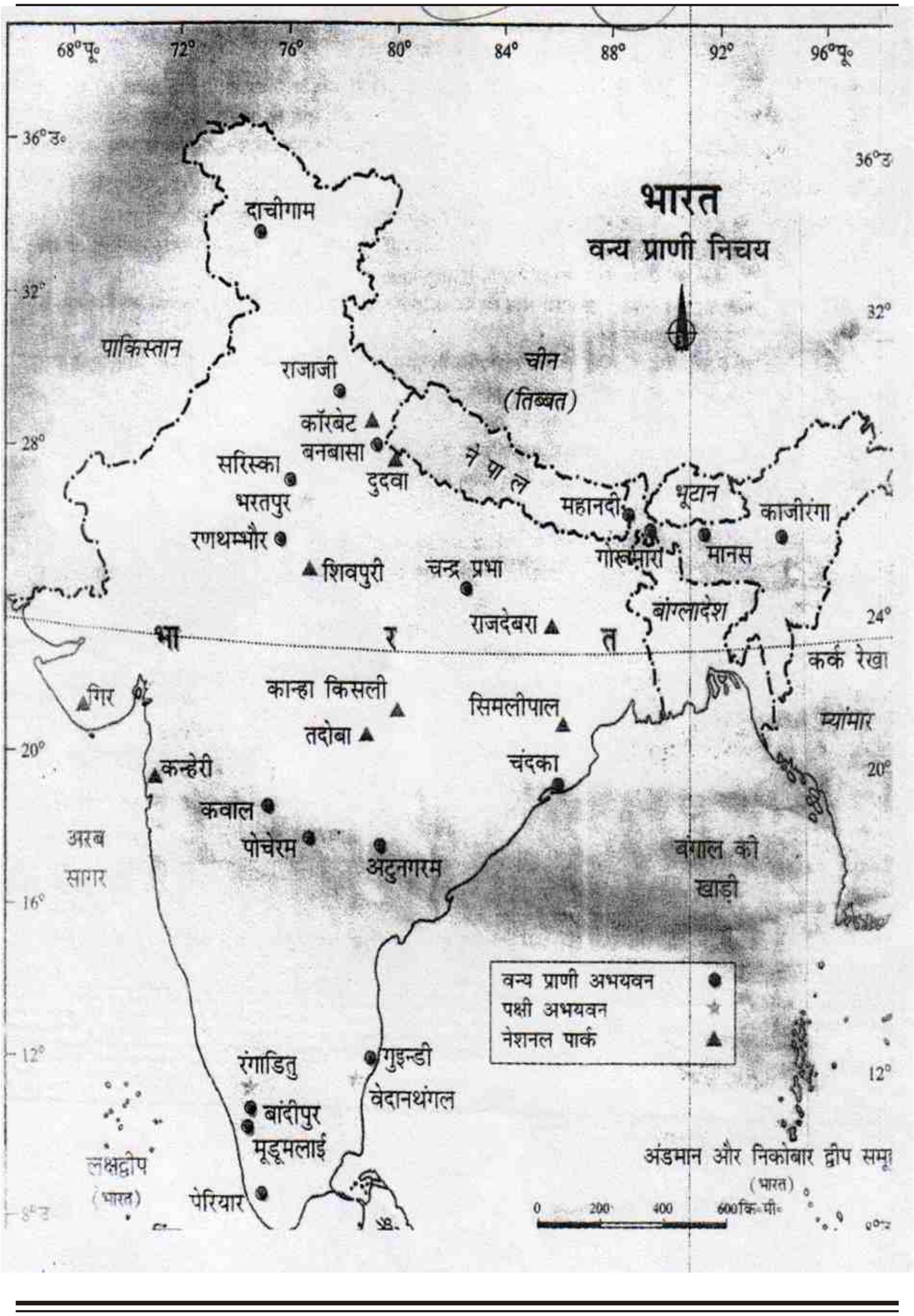
68°पू॰
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°पू॰
36°उ॰
32°
28°
24°
20°
16°
12°
भारत
वन्य प्राणी निचय
दाचीगाम
पाकिस्तान
राजाजी
चीन
(तिब्बत)
कॉरबेट
बनबासा
दुदवा
सरिस्का
भरतपुर
रणथम्भौर
शिवपुरी
चन्द्र प्रभा
ने पा ल
महानदी
भूटान
काजीरंगा
मानस
बांग्लादेश
राजदेबरा
भा र त
कर्क रेखा
गिर
कान्हा किसली
सिमलीपाल
तदोबा
म्यांमार
कन्हेरी
चंदका
कवाल
पोचेरम
अटुनगरम
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
वन्य प्राणी अभयवन
पक्षी अभयवन
नेशनल पार्क
रंगाडितु
गुइन्डी
वेदानथंगल
बांदीपुर
मूडूमलाई
लक्षद्वीप (भारत)
पेरियार
अंडमान और निकोबार द्वीप समू
(भारत)
0 200 400 600कि॰मी॰

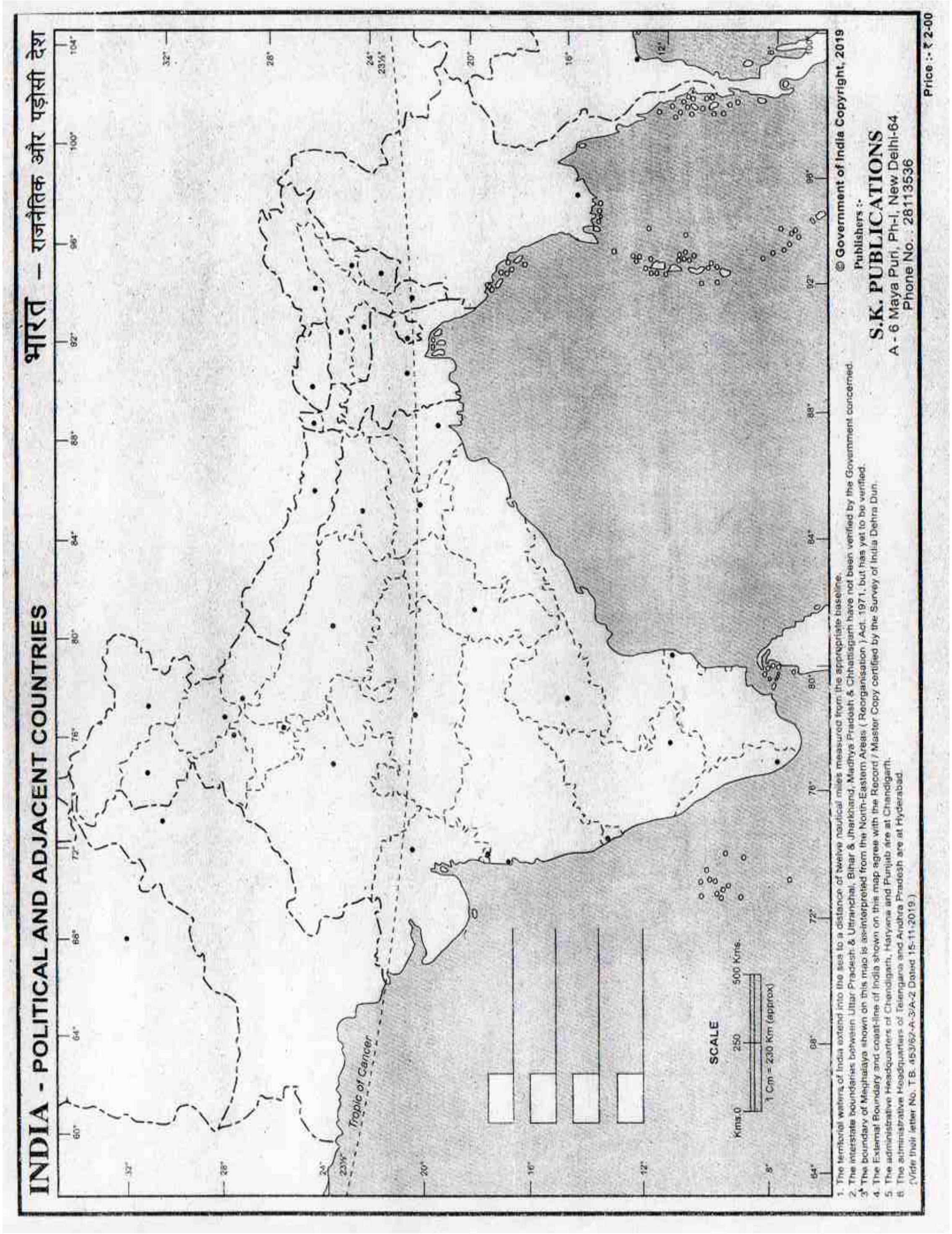
INDIA - POLITICAL AND ADJACENT COUNTRIES
भारत – राजनैतिक और पड़ोसी देश
Tropic of Cancer
SCALE
Kms.0 250 500 Kms.
1 Cm = 230 Km (approx)
1. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate baseline.
2. The interstate boundaries between Uttar Pradesh & Uttranchal, Bihar & Jharkhand, Madhya Pradesh & Chhattisgarh have not been verified by the Government concerned.
3. The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act. 1971, but has yet to be verified.
4. The External Boundary and coast-line of India shown on this map agree with the Record / Master Copy certified by the Survey of India Dehra Dun.
5. The administrative Headquarters of Chandigarh, Haryana and Punjab are at Chandigarh.
6. The administrative Headquarters of Telengana and Andhra Pradesh are at Hyderabad.
(Vide their letter No. T.B. 453/62-A-3/A-2 Dated 15-11-2019.)
© Government of India Copyright, 2019
Publishers :-
S.K. PUBLICATIONS
A - 6 Maya Puri, Ph-I, New Delhi-64
Phone No. . 28113536
Price :- ₹ 2-00

1 अंको वाले प्रश्न

1. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन में पाए जाने वाले दो वृक्षो के नाम .... और .... है।
2. कौन सी वनस्पति व्यापरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है ?
   क) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनस्पति
   ख) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
   ग) उपरोक्त दोनो
   घ) इनमे से कोई नही
3. एशियाई शेर भारत के किस राज्य में पाए जाते हैं।
   क) महाराष्ट्र   ख) गुजरात
   ग) उत्तर प्रदेश   घ) बिहार
4. सिमलीपाल जैव मंडल निचय कौन से राज्य में स्थित है।
   क) उड़ीसा   ख) तेलंगाना
   ग) तमिलनाडू   घ) त्रिपुरा
5. भारत में जीव जंतुओं की .... प्रजातियाँ पाई जाती है।
6. भारत में जैव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया है।
   क) 1978   ख) 1985
   ग) 1972   घ) 1965
7. तटीय प्रदेशो में कौन से वन ज्वार से प्रभावित होते हैं।
   क) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
   ख) मैग्रोव वन
   ग) इनमे से दोनो
   घ) इनमे से कोई नही
8. .... और .... औषधीय पौधों (पादप) के उदाहरण है।
9. भारत में कितने प्रकार की वनस्पति पाई जाती है।
   क) 45000   ख) 4700
   ग) 50000   घ) 60000
10. एक व्यक्ति एक ऐसे वन में गया जहाँ दोपहर में भी अँधेरा है। यह कौन–सा वन है ?
11. एक सींग वाला गैंडा किस राज्य में पाया जाता है ?
12. कौन से वन भारत में सबसे बड़े क्षेत्र में फैले हुए हैं ?
13. वाक्य को सही कीजिएः–
    उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वल 200 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

14. नीचे दिए गए चित्र को देखकर वन प्रकार बताइए :—

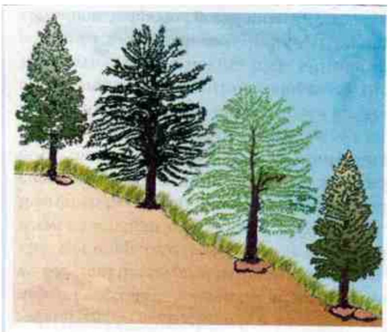

15. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) : उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन साल भर हरे भरे लगते हैं।

कारण (क) : वृक्षों में पतझड़ होने का कोई निश्चित समय नहीं होता

विकल्प :

(a) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं हैं।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही हैं।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं ?
2. भारत में पादपों तथा जीवों का वितरण किन तत्वों द्वारा निर्धारित होता है ?
3. काँटेदार वन के वृक्षों की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
4. भारत में जैव विभिन्नता के क्षरण के तीन कारण बताइये।
5. भारत में किन्हीं तीन नेशनल पार्कों के नाम बताइये।
6. पारिस्थितिक तन्त्र किसे कहते हैं ?
7. भारत के प्रमुख वनस्पति क्षेत्रों का वर्णन कीजिये।
8. प्राकृतिक वनस्पति किस प्रकार के उद्योगों के लिये आधार प्रदान करती है ?
9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभों का वर्णन कीजिये ?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

जिन क्षेत्रों में 70 सेमी से कम वर्षा होती है, वहाँ प्राकृतिक वनस्पति में कंटीले वन तथा झाड़ियाँ पाई जाती हैं। इस प्रकार की वनस्पति देश के उत्तरी–पश्चिमी भागों में पाई जाती है इन वनों के वृक्ष बिखरे हुए होते हैं। इनकी जड़े लंबी तथा जल की तलाश में चारों ओर फैली होती हैं। पत्तियाँ प्रायः छोटी होती हैं जिनसे वाष्पीकरण कम से कम हो सके। शुष्क भागों में झाड़ियाँ और कंटीले पादप पाए जाते हैं। इस जंगलों में प्रायः चूहे, खरगोश, लोमड़ी, भेड़िए, शेर, सिंह, जंगली गधा, घोड़े तथा ऊँट पाए जाते हैं।

1. कंटीले वन तथा झाड़ियाँ .... से मी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
2. कंटीले पेड़ों की जड़े लंबी तथा फैली हुई क्यों होती हैं।
   (a) पानी को बचत करने के लिए
   (b) जल की तलाश में
   (c) वाष्पीकरण कम से कम हो
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. कंटीले वनों में पत्तियाँ प्रायः छोटी क्यों होती हैं ?
4. कंटीले व सूखे जंगलों में पाए जाने वाले 2 जानवरों के नाम लिखिए।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. महोगनी, रबड़
2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनस्पति
3. गुजरात
4. उड़ीसा
5. 90000 लगभग
6. 1972 में
7. मैंग्रोव वन
8. नीम और तुलसी
9. 47000

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. जो वनस्पति मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होती है । लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता । प्राकृतिक वनस्पति कहलाती है।
2. 1) तापमान – वनस्पति की विविधता तथा विशेषतायें तापमान और वायु की नमी पर

निर्भर करती है।

2) सूर्य का प्रकाश – प्रकाश अधिक समय तक मिलने के कारण वृक्ष गर्मी की ऋतु में जल्दी बढ़ते है।

3) वर्षण – अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की अपेक्षा सघन वन पाये जाते हैं।

3. 1) ये वन 70 से.मी. से कम वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

2) इन पेडों के तनों की प्रकृति अवशोषक प्रकार ही होती है। जो संरक्षण के लिये आवश्यक है।

3) इन पेड़ों की पत्तियाँ मोटी तथा आकार में छोटी होती है।

4. 1) जनसंख्या बढ़ने के कारण कृषि की माँग को पूरा करने के लिये वन काटे जा रहे हैं।

2) मानव जाति तथा वन्य पशु अपनी आजीविका के लिये भी वनों का उपयोग करते हैं।

3. प्रदूषण तथा रासायनिक औद्योगिक कचरा वनों की हानि के लिये उत्तरदायी है।

5. 1) कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड)

2) गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात)

3) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मध्यप्रदेश)

6. पारिस्थितिक तन्त्र आहार श्रंखला की दृष्टि से पादप और जन्तुओं द्वारा की गई एक व्यवस्था है, जिसके द्वारा वे अपने भौतिक पर्यावरण में परस्पर अन्तः निर्भरता और अन्तः सम्बन्ध बनाये रखते हैं।

7. भारत को प्राकृतिक वनस्पति के आधार पर वनस्पति क्षेत्रों भागों में बाँटा गया है।

1) उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन

2) उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन।

3) कंटीले वन और झाड़ियाँ

4) पर्वतीय वन

5) मैंग्रोव वन

8. प्राकृतिक वनस्पति अनेक प्रकार के उद्योगों का आधार है।

1) दियासलाई उद्योग – वनों से प्राप्त नरम प्रकार की लकड़ी दियासलाई बनाने के काम आती है।

2) लाख उद्योग – लाख एक प्रकार के कीड़े से प्राप्त होती है।

3) कागज उद्योग – कागज उद्योग में बाँस, सफेदा तथा कई प्रकार की घास प्रयोग की जाती है।

4) वार्निश तथा रंग – वार्निश तथा रंग गंदे बिरोजे से तैयार होते हैं जो वनों से प्राप्त होता है।

5) औषधि निर्माण – वनों से प्राप्त कुछ वृक्षों से उपयोगी औषधियाँ भी बनाई जाती हैं। जैसे – सिनकोना से कुनैन बनती है।

9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभ निम्नलिखित हैं –

1) वर्षा लाने में सहायक – वृक्ष वर्षा लाने में सहायक होते हैं।

2) ऑक्सीजन की आपूर्ति – वृक्ष जीव जन्तुओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कराते है तथा कार्बन डाईऑक्साइड को अपने में जज्ब कर लेते हैं।

3) खाद की प्राप्ति – वनों से हमें उत्तम प्रकार की खाद प्राप्त होती है। पत्ती, जड़ आदि मिट्टी में सड़ जाते है। ये सड़–गल कर खाद का निर्माण करते हैं।

4) बाढ़ तथा भूमि कटाव की रोकथाम :– ये अचानक बाढ़ों को आने से रोकते हैं, ये पानी के बहाव को कम कर देते हैं। वृक्षों की जड़े मिट्टी के कणों को जकड़े रखती हैं।

5) वन्यप्राणी – वनों में कई प्रकार के पशु पक्षी पाये जाते हैं। कई लोग उनका शिकार करते हैं या उन्हें देखने को जाते हैं।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक) के उत्तर

1. 70 सेमी
2. (b) जल की तलाश में
3. वाष्पीकरण कम से कम हो।
4. चूहे, खरगोश, लोमड़ी, शेर आदि

अध्याय – 6

जनसंख्या

याद रखने योग्य बातें :–

1. जनगणना – एक निश्चित समयांतराल में जनसंख्या की आधिकारिक गणना जनगणना कहलाती है।
2. भारत में सबसे पहले 1872 में जनगणना की गई थी। हालांकि 1881 में पहली बार एक संपूर्ण जनगणना की जा सकी। उसी समय से प्रत्येक 10 वर्ष पर जनगणना होती है।
3. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1210193422 है। जो विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत है।
4. 2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। जहाँ की कुल आबादी 199281477 है। उत्तर प्रदेश में देश की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है।
5. 2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम है। जहाँ की कुल आबादी 607688 है।
6. भारत की लगभग आधी आबादी पाँच राज्यों में निवास करती है। ये राज्य हैं –
   उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आन्ध्र प्रदेश ।
7. 2011 की जनगणना के अनुसार सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य पश्चिम बंगाल है। यहाँ जनसंख्या घनत्व 1028 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
8. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य अरूणाचल प्रदेश है, यहाँ जनसंख्या घनत्व 17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
9. 2011 की जनगणना के अनुसार केरल में लिंगानुपात 1084 है। जबकि दिल्ली में लिंगानुपात 866 है।
10. 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर 74.08 प्रतिशत है। जिसमें पुरूषों की साक्षरता 82.14 प्रतिशत एवं महिलाओं की 65.46 प्रतिशत है।
11. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में लिंगानुपात 940 है।

12. भारत में सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य केवल (93.9 प्रतिशत) है।

13. भारत में सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार (63.82 प्रतिशत) है।

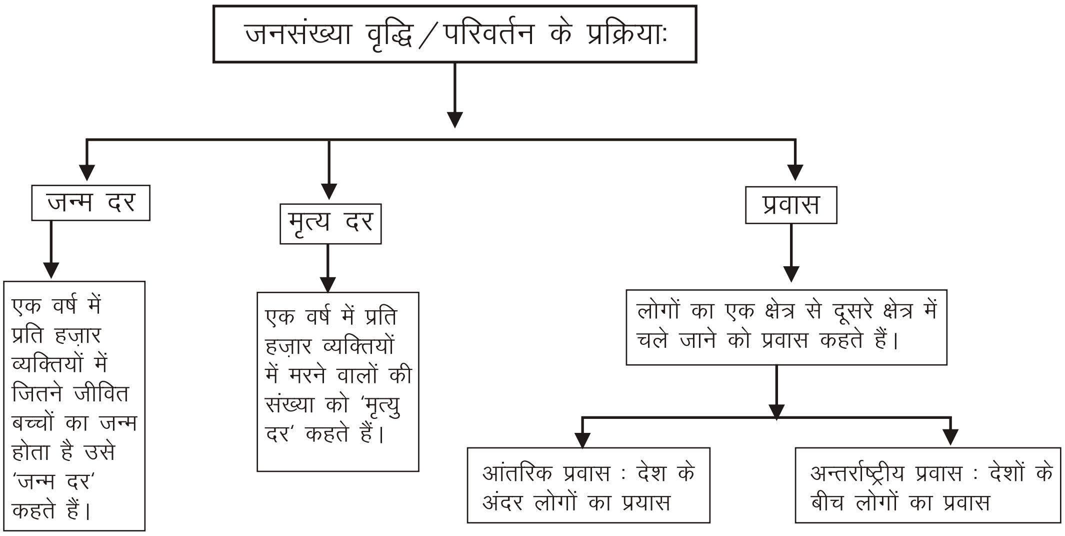

आयु संरचना : किसी देश में, जनसंख्या की आयु संरचना बहों के विभिन्न आयु समूहों के लोगों की संख्या को बताता है। किसी देश की आबादी को सामान्यतः तीन वर्गों में बाँटा जाता है :

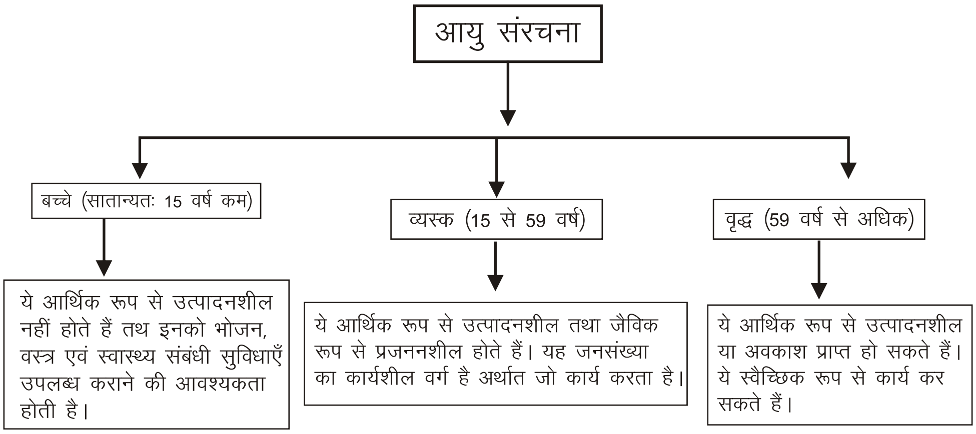

व्यावसायिक संरचना : विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के अनुसार किए गए जनसंख्या के वितरण को व्यावसायिक संरचना कहा जाता है। सामान्यतः व्यवसायों को प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

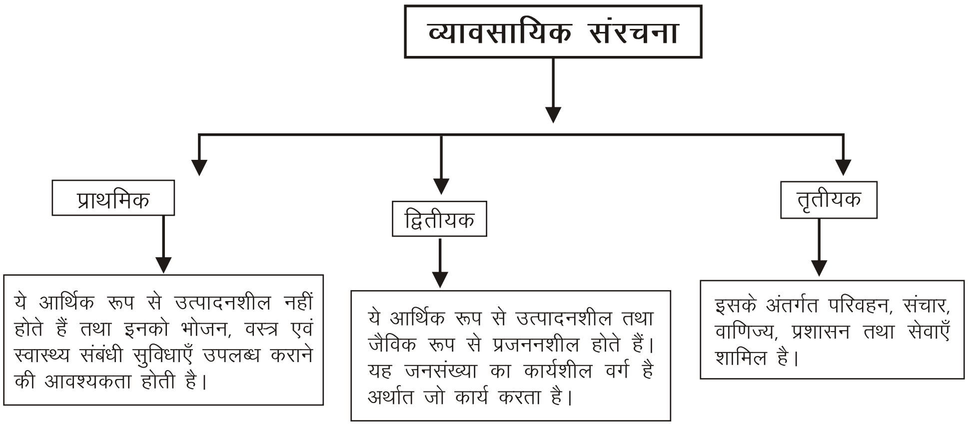

- जनसंख्या घनत्व : प्रति इकाई क्षेत्रफल में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति कि. मी. है।
- लिंग अनुपात : प्रति 1,000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लिंग अनुपात 943 है।
- साक्षरता दर : 2011 की जनगणना के अनुसार, एक व्यक्ति जिसकी आयु 7 वर्ष या उससे अधिक है, जो किसी भाषा को समझकर लिखा या पढ़ सकता है उसे साक्षर की श्रेणी में रखा जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की साक्षरता दर 73 प्रतिशत है।

1 अंको वाले प्रश्न

1. एक निश्चित समय अंतराल में जनसंख्या की अधिकारिक गणना को क्या कहते है।

   क) जनगणना   ख) जनसंख्या

   ग) जन्मदर   घ) मृत्यु दर

2. विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन सा है।

   क) भारत   ख) चीन

   ग) इंडोनेशिया   घ) अमेरीका

3. वर्तमान में भारत में जनसंख्या धनत्व कितना है।

   क) 485 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.   ख) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

   ग) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी   घ) 400 व्यकित प्रति वर्ग कि.मी.

4. विश्व में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश .... है।

5. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंग अनुपात क्या है ?

   क) 750   ख) 990

   ग) 940   घ) 880

6. सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है ?

क) त्रिपुरा ख) सिक्किम

ग) केरल घ) हिमाचल प्रदेश

7. एक वर्ष में प्रति हज़ार व्यक्तियों में मरने वालों की संख्या को .... कहा जाता है।

8. भारत की जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या कितना प्रतिशत है।

क) 31.16 ख) 45.32

ग) 50 घ) 65

9. जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण क्या है।

क) जन्म दर में बढ़ोतरी ख) मृत्यु दर में गिरावट

ग) उपरोक्त दोनों घ) इनमें से कोई नहीं

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. स्वस्थ जनसंख्या कैसे लाभकारी है ? (कोई तीन बिन्दु)
2. 1981 से भारत में जनसंख्या वृद्धि दर से क्यों घट रही है ?
3. जनसंख्या अध्ययन के तीन प्रमुख पक्ष (पहलू) कौन–कौन से हैं ?
4. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की मुख्य विशेषतायें क्या हैं ? (कोई तीन)
5. जनसंख्या के असमान वितरण के लिये उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिये ?
6. व्यवसायों को कौन–कौन से तीन वर्गो में बांटा गया है ?
7. जनसंख्या का अध्ययन प्रत्येक नागरिक के लिये क्यों आवश्यक है ?
8. लिंग अनुपात क्या है ? भारत में लिंग अनुपात प्रतिकूल होने के प्रमुख कारण बताइये ?
9. भारत में जनसंख्या के घनत्व में इतनी अधिक विविधता क्यों पायी जाती है ?
10. जनसंख्या को प्रभावित करने वाले मूल घटकों का वर्णन कीजिये ?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक वाला प्रश्न)

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यवसायों को सामान्यतः प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। **प्राथमिक** : इनमें कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण एवं मछली पालन तथा खनन आदि क्रियाएँ शामिल हैं। **द्वितीयक** क्रियाकलापों में उत्पादन करने वाले उद्योग, भवन एवं निर्माण कार्य आते हैं। **तृतीयक** क्रियाकलापों में परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन तथा सेवाएँ शामिल हैं। विकसित एवं विकासशील देशों में विभिन्न क्रियाकलापों में कार्य करने वाले लोगों का अनुपात अलग–अलग होता है। विकासशील देशों में द्वितीयक एवं तृतीयक क्रियाकलापों में कार्य करने वाले लोगों की संख्या का अनुपात अधिक होता है। भारत में कुल जनसंख्या का 64 प्रतिशत भाग केवल कृषि कार्य करता है। द्वितीयक एवं तृतीयक

क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की संख्या का अनुपात क्रमशः 13 तथा 20 प्रतिशत है। वर्तमान समय में बढ़ते हुए औद्योगीकरण एवं शहरीकरण में वृद्धि होने के कारण द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में व्यवसायिक परिवर्तन हुआ है।

(i) भारत की जनसंख्या का सर्वाधिक हिस्सा .... क्रियाकलापों में कार्यरत है।

(ii) संचार .... क्रियाकलाप है।

(iii) द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में व्यावसायिक परिवर्तन होने के क्या कारण हैं ?

(iv) विकसित देशों में सर्वाधिक लोक किन क्रियाकलापों में होते हैं ?

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. जनगणना
2. चीन
3. 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.
4. भारत
5. 940
6. सिक्किम
7. मृत्यु दर
8. 31.16%
9. मृत्यु दर में गिरावट

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. क) एक स्वस्थ व्यक्ति अधिक घंटो तक कार्य कर सकता है। इससे उसकी आय में वृद्धि होती है।

   ख) स्वस्थ जनसंख्या उत्पादन को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

   ग) अधिक सकारात्मक सोच रख सकती है।

2. क) भारत में जन्म दर को नियन्त्रित करने के लिये कई प्रयास किये जा रहे हैं।

   ख) शिक्षा का प्रसार ।

   ग) महिला जागरूकता ।

3. क) जनसंख्या का आकार तथा वितरण – देश में कितने लोग है और वे कहाँ बसे हुए हैं।

   ख) जनसंख्या में वृद्धि तथा जनसंख्या के परिवर्तन की प्रक्रिया – जनसंख्या में किस प्रकार वृद्धि हुई और समय के साथ साथ उसमें क्या परिवर्तन आया।

   ग) जनसंख्या की गुणवत्ता – इसमें लोगों की आयु, लिंग – संरचना, शिक्षा का स्तर, स्वास्थ्य संबंधी दशायें शामिल हैं।

4. 1) 14 वर्ष के सभी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा।
   2) व्यापक स्तर पर टीकाकरण द्वारा बीमारियों से बच्चों को छुटकारा।
   3) लड़कियों की शादी की उम्र को बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित करना।

5. 1) भौतिक कारक :— पर्वत, पठार बहुत ठंडे तथा बहुत गर्म भाग विरल आबादी वाले हैं। जबकि उपजाऊ मृदा के मैदान अधिक घने बसे हैं।
   2) सांस्कृतिक कारक :— धार्मिक स्थान तथा तीर्थ स्थान अधिक घने बसे हैं।
   3) मानवीय कारक :— मानवीय कारक में व्यवसाय आदि भी जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं।

6. 1) प्राथमिक व्यवसाय :— ये कच्चे माल से संबंधित व्यवसाय है। इनमें कृषि, पशुपालन मछली पकड़ना आदि व्यवसाय शामिल हैं।
   2) द्वितीयक व्यवसाय :— इन व्यवसायों में कच्चे माल को संसाधित करके उसे मूल्यवान वस्तु में बदला जाता है। इनमें निर्माण उद्योग, भवन एवं अन्य निर्माण कार्य आते हैं।
   3) तृतीयक व्यवसाय—इन व्यवसायों में परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन तथा सेवाएँ शामिल हैं।

7. 1) लोगों की संख्या का सही बोध :— जनगणना करके हम अपने देश में रहने वाले लोगो की संख्या आयु,संरचना, जन्म और मृत्युदर, व्यवसाय के ढाँचे के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
   2) जनसंख्या वितरण और क्षेत्र विकास की जानकारी :— लोगों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र को पलायन करने तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके उद्योग, व्यापार के क्षेत्रों में एक दशक के भीतर की गई प्रगति का ज्ञान कराता है।
   3) लिंग अनुपात की स्थिति :— जनांकिकी के आँकड़े लिंग अनुपात को बताते हैं।
   4) व्यवसायिक ढाँचे की जानकारी :— हमारे देश में कितने लोग प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक व्यवसाय में काम कर रहे हैं, इसकी जानकारी मिलती है।
   5) साक्षरता का स्तर :— जनांकिकी के आकड़े देश की साक्षरता दर बताते हैं।

8. जनसंख्या में प्रति एक हजार पुरूषों पर उपलब्ध महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं।

1) भारत में तुलनात्मक रुप से बालिका शिशु मृत्यु दर अधिक है।

2) भारतीय समाज में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों का अच्छे ढंग से पालन–पोषण किया जाता है।

3) महिलाओं में अभी भी प्रसव काल में होने वाली मृत्युदर अधिक है।

4) ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का सामाजिक आर्थिक स्तर पुरूषों की अपेक्षा नीचा है।

5) गैर कानूनी भ्रूण लिंग परीक्षण बालिका शिशु के साथ किये जाने वाले अन्यायपूर्ण व्यवहार।

9. 1) भूमि का उपजाऊपन :– भारत के जिन राज्यों में उपजाऊ भूमि का विस्तार अधिक है वहाँ जनसंख्या घनत्व अधिक है।

2) वर्षा की मात्रा – अधिक वर्षा वाले भागों में जनसंख्या घनत्व अधिक होता है।

3) जलवायु :– जहाँ जलवायु स्वास्थ्य के लिये अनुकूल हो, तो वहाँ भी जनसंख्या घनत्व अधिक होता है। इसके विपरीत जहाँ जलवायु स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं है वहाँ जनसंख्या घनत्व कम होता है।

4) परिवहन के साधन – परिवहन के साधनों के अधिक विकास के कारण व्यापार की प्रगति तीव्र हो जाती है, जिससे जनसंख्या का घनत्व भी अधिक हो जाता है।

5) औद्योगिक विकास :– जिन स्थानों पर उद्योग स्थापित हो जाते है। वहाँ जनसंख्या घनत्व बढ़ जाता है।

10. 1) जन्मदर – एक वर्ष में प्रति हजार लोगों पर जन्म लेने वाले जीवित बच्चों की संख्या जन्मदर कहलाती हैं।

2) मृत्युदर – एक वर्ष में प्रति हजार लोगों पर मरने वाले व्यक्तियों की संख्या मृत्यु दर कहते हैं।

3) आप्रवासन :– एक क्षेत्र की अनुकूल दशायें होने के कारण उसमें बाहर से एक प्रजाति के लोगों का बस जाना आप्रवासन है।

4) उत्प्रवासन – एक क्षेत्र विशेष में प्रतिकूल दशायें रहने से वहाँ के लोगों का अन्य स्थान पर चले जाना उत्प्रवासन है।

5) पर्यावरणीय प्रतिरोध – समस्त जैविक कारणों का सफल योग है जिनका निदान उस क्षेत्र विशेष में रहने वाली जनसंख्या नहीं कर पाती है। ये लोगों को संबन्धित क्षेत्र से त्याग करने को विवश कर देते हैं।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

1. प्राथमिक
2. तृतीयक
3. औद्योगीकरण एवं शहरीकरण
4. द्वितीयक एवं तृतीयक

राजनीतिक विज्ञान

कक्षा– नौवीं

अध्याय–1, लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?

याद रखने योग्य बातें :–

– डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) यूनानी शब्द 'डेमोक्रेशिया' से बना है।

– यूनानी में 'डेमोस' का अर्थ होता है 'लोग' और 'क्रेशिया' का अर्थ होता है 'शासन'। इस प्रकार डेमोक्रेसी अर्थात् लोकतंत्र का अर्थ है लोगों का शासन।

– लोकतंत्र – शासन का वह रूप है जिसमें शासकों का चुनाव जनता करती है।

– ''लोकतंत्र ऐसी सरकार है जो लोगों की हो, लोगों के लिए हो और लोगों द्वारा बनाई गई हो'' (अब्राहम लिंकन)

– लोकतंत्र निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों पर आधारित होता है।

– लोकतंत्र में हर वयस्क नागरिक का एक वोट होता है।

– लोकतान्त्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों और नागरिक अधिकारों के आधार पर ही काम करती है।

– चीन की संसद को राष्ट्रीय जनसंसद कहा जाता है। इस संसद को देश का राष्ट्रपति नियुक्त करने का हक है।

– चुनाव लड़ने से पूर्व सभी उम्मीदवारों को चीनी कम्युनिस्ट दल से मंजूरी लेनी होती है। सरकार सदैव कम्युनिस्ट पार्टी की ही बनती है।

– पाकिस्तान में जनरल परवेज मुशर्रफ ने अक्टूबर 1999 में सैनिक तख्तापलट की। वर्तमान में यहाँ एक लोकतांत्रिक सरकार है।

– यद्यपि लोकतांत्रिक प्रकार की शासन प्रणाली सर्वोत्तम भी नहीं कही जा सकती, फिर भी यह अन्य किसी शासन प्रणाली से बेहतर है।

– 'लोकतंत्र' मात्र एक शासन का प्रकार या कुछ प्रकार की संस्थाएँ ही नहीं हैं बल्कि बृहत्तर अर्थों में यह एक ऐसा सिद्धांत है जो कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनाया जाना चाहिए।

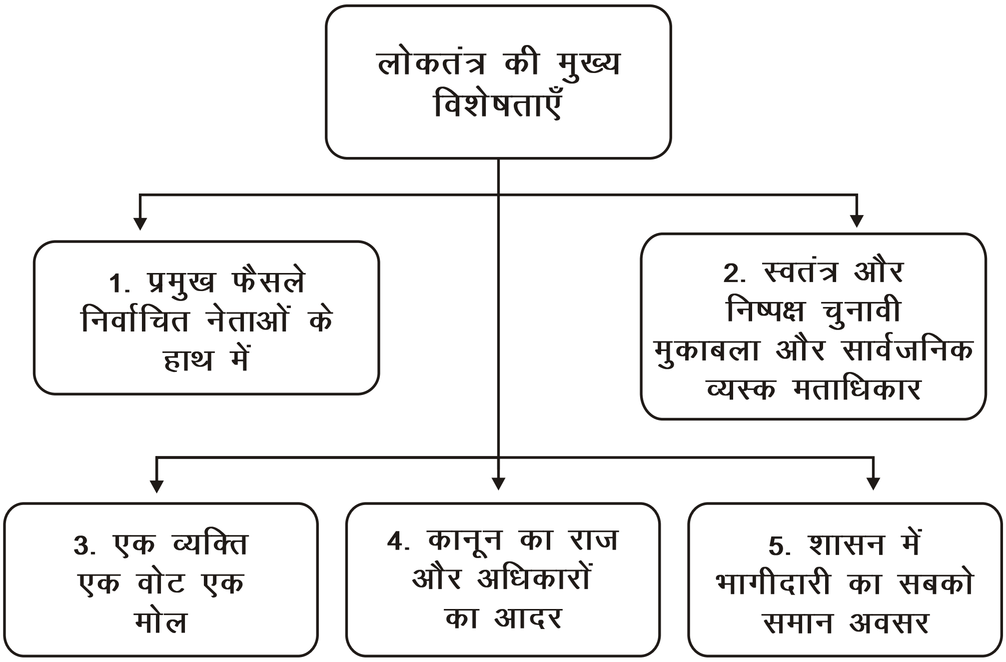
लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ
1. प्रमुख फैसले निर्वाचित नेताओं के हाथ में
2. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी मुकाबला और सार्वजनिक व्यस्क मताधिकार
3. एक व्यक्ति एक वोट एक मोल
4. कानून का राज और अधिकारों का आदर
5. शासन में भागीदारी का सबको समान अवसर

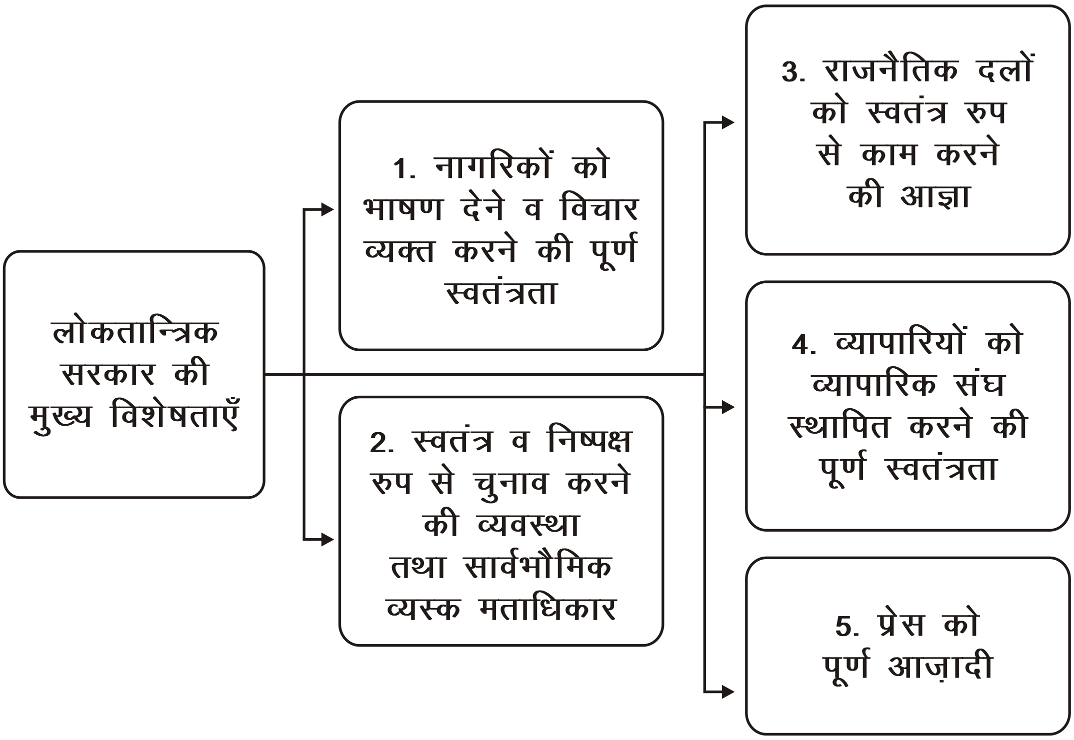
लोकतान्त्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएँ
1. नागरिकों को भाषण देने व विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता
2. स्वतंत्र व निष्पक्ष रुप से चुनाव करने की व्यवस्था तथा सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार
3. राजनैतिक दलों को स्वतंत्र रुप से काम करने की आज्ञा
4. व्यापारियों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की पूर्ण स्वतंत्रता
5. प्रेस को पूर्ण आज़ादी

लोकतंत्र के पक्ष में तर्क

1. शासन का अधिक जवाबदेही वाला रुप
2. बेहतर निर्णय लेने की सम्भावना
3. नागरिकों का सम्मान
4. मतभेदों और टकराव को सँभालने का तरीका उपलब्ध
5. गलतियों के सुधार के अवसर

लोकतंत्र के खिलाफ तर्क

1. बार–बार नेता बदलने के कारण अस्थिरता की संभावना
2. निरन्तर विचार विमर्शों के कारण फैसलों में देरी व कई बार गलत फैंसलों का परिणाम।
3. चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण भ्रष्टाचार की संभावना
4. चुनावी प्रक्रिया महंगी
5. सामान्य लोगों को सरकार चुनने का फैसला लेने में कठिनाई

1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी अलोकतांत्रिक देश का कोई एक लक्षण लिखिए।
2. उस नेता का नाम बताइए जिस ने जर्मनी में तानाशाही सरकार की स्थापना की थी ?
3. किसी एक ऐसे देश का नाम बताएँ जो लोकतान्त्रिक नहीं है ?
4. अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र को कैसे परिभाषित किया ?
5. निम्नलिखित में से किस ने अक्टूबर 1999 में पाकिस्तान में सैनिक तख्तापलट की अगुवाई की :

   क) आसिफ जरदारी   ख) नवाज़ शरीफ

   ग) परवेज मुशर्रफ   घ) शौकत अज़ीज़
6. लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति किस के पास होनी चाहिए?
7. निम्नलिखित में से किस देश में केवल शासक दल ही चुनाव लड़ सकता है :

   क) चीन   ख) नेपाल

   ग) पाकिस्तान   घ) चिले
8. सऊदी अरब में समाज के किस वर्ग को वोट डालने का अधिकार नहीं था:

   क) गरीब   ख) अल्पसंख्यक

   ग) आदिवासी   घ) महिलाएँ
9. इनमें से कौन सा/से लोकतान्त्रिक कार्य हैं :

   क) स्वतंत्र न्यायपालिका   ख) समानता का अधिकार

   ग) निष्पक्ष चुनाव   घ) ऊपर के सभी
10. निम्नलिखित का मिलान कीजिये :

क)	फिजी	i)	राजा ने अपने अधिकार छोड़ने पर सहमति दी
ख)	नेपाल	ii)	सैनिक तानाशाही की समाप्ति
ग)	चीन	iii)	मूल निवासियों के वोट का मूल्य अधिक
घ)	चिले	iv)	बाथ पार्टी
ड)	सीरिया	v)	राष्ट्रीय जनसंसद

11. रिक्त स्थान भरिए –

    लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य शासन व्यवस्थाओं से .... मानी जाती है।
12. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। इन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए –

    कथन (A) – किसी देश में महिलाओं को मताधिकार न देना अलोकतांत्रिक है।

    कारण (R) – लोकतंत्र नागरिकों के सम्मान में वृद्धि करता है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कारण (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. क्या नेपाल 2005 तक एक लोकतांत्रिक देश था ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
2. आप कैसे कह सकते हैं की म्यांमार अब एक लोकतांत्रिक देश नहीं है ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
3. क्या सऊदी अरब एक लोकतांत्रिक देश है ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
4. क्या चीन एक लोकतांत्रिक देश है ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
5. लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।
6. ''एक व्यक्ति–एक वोट–एक मोल'' से क्या अभिप्राय है ?
7. लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।
8. गैर–लोकतांत्रिक सरकार के कुछ सामान्य लक्षण लिखिए।
9. लोकतंत्र के पक्ष में कोई पाँच तर्क दीजिये।
10. लोकतंत्र के विपक्ष में कोई पाँच तर्क दीजिये।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

लोकतंत्र की जिन विशेषताओं की चर्चा हमने की है वे लोकतंत्र की न्यूनतम शर्ते हैं। पर इनसे यह आदर्श लोकतंत्र नहीं बनता। एक आदर्श लोकतंत्र में निर्णय लेने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक होनी चाहिए। हर लोकतंत्र को इस आदर्श को पाने का प्रयास करना चाहिए। यह स्थिति एक बार में और एक साथ सभी के लिए हासिल नहीं की जा सकती। इसके लिए लोकतांत्रिक फैसले लेने की प्रक्रिया को बचाए रखने और मजबूत करते जाने की जरूरत होती है। नागरिक के तौर पर हम जो भी काम करते हैं वह भी हमारे देश के लोकतंत्र को अच्छा या खराब बनाने में मदद करता है। यही लोकतंत्र की ताकत है और यही कमजोरी भी। देश का भविष्य शासकों के कामकाज से भी ज़्यादा नागरिकों के कामकाज पर निर्भर करता है। यही चीज लोकतंत्र को अन्य शासन व्यवस्थाओं से अलग करती है। राजशाही, ताना–शाही या एक दल के शासन जैसी अन्य व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत नहीं रहती। दरअसल, अधिकांश गैर–लोकतांत्रिक सरकारें चाहती ही नहीं कि लोग राजनीति में हिस्सा लें। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर ही निर्भर करती है।

(i) रिक्त स्थान भरिए –

अधिकांश .... सरकारें चाहती ही नहीं कि लोग राजनीति में हिस्सा लें।

(ii) वाक्य को सही करके पुनः लिखिए :–

राजशाही, तानाशाही या एक दल के शासन जैसी व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत रहती है।

(iii) लोकतांत्रिक देश का भविष्य शासकों के कामकाज से भी ज्यादा किसके कामकाज पर निर्भर करता है ?

(iv) लोकतंत्र में नागरिकों की क्या भूमिका है ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्न के उत्तर

1. चुनाव आयोग का स्वतंत्र ना होना (या अन्य कोई)
2. हिटलर
3. चीन
4. ऐसी सरकार जो लोगों की हो, लोगों के लिए हो और लोगों द्वारा बनाई गई हो।
5. (ग) परवेज़ मुशर्रफ
6. जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के पास।
7. (क) चीन
8. (घ) महिलाएँ
9. (घ) ऊपर के सभी
10.

क)	फिजी	iii)	मूल निवासिओं के वोट का मूल्य अधिक
ख)	नेपाल	i)	राजा ने अपने अधिकार छोड़ने पर सहमति दी
ग)	चीन	v)	राष्ट्रीय जनसंसद
घ)	चिले	ii)	सैनिक तानाशाही की समाप्ति
ड)	सीरिया	iv)	बाथ पार्टी

11. बेहतर
12. (b)

3/5 अंको वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर

1. नहीं।
   - नेपाल में लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं थी।
   - नेपाल का राजा राज घराने में पैदा होने के कारण शासक बनता था।
2. क्योंकि अब –
   - म्यांमार में लोकतांत्रिक शासन नहीं है।
   - शासन के फैसलों में लोगों की भागीदारी नहीं होती है।
   - पहले की तरह सैनिक अधिकारियों का दबदबा है। और लोगों की आज़ादी पर प्रतिबंध है।
3. नहीं।
   - सऊदी अरब के शाह लोगों के द्वारा नहीं चुने जाते राज परिवार में जन्म लेने के कारण यह हक पाया है।
4. नहीं।
   - चीन में चुनाव लड़ने से पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से मंजूरी अवश्य लेनी पड़ती है।
   - केवल कम्युनिस्ट पार्टी उससे सम्बद्ध कुछ छोटी पार्टियों के सदस्य ही चुनाव में भाग ले सकते हैं।
5. लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँः
   - प्रमुख फैसले निर्वाचित नेताओं के हाथ।
   - स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी मुकाबला।
   - एक व्यक्ति एक वोट एक मोल।
   - कानून का राज और मूल अधिकारों का आदर।
   - शासन में भागीदारी का सबको समान अवसर।
6. लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का एक मत होना चाहिए और प्रत्येक वोट का एक समान मूल्य होना चाहिए।
7. लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएं :–
   - नागरिकों को भाषण देने और विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता।
   - स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने की आज्ञा।
   - राजनैतिक दलों को स्वतंत्र रूप से काम करने की पूर्ण स्वतंत्रता।
   - मजदूरों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की पूर्ण स्वतंत्रता।

– प्रेस को पूर्ण आजादी।

8. गैर–लोकतान्त्रिक सरकार के कुछ लक्षण :

– लोग सरकार और उसकी नीतियों की आलोचना नहीं कर सकते ।

– शासनकर्ता सर्वेसर्वा होता है।

– विपक्षी दलों का कोई स्थान नहीं।

– मजूदरों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की अनुमति नहीं।

– प्रेस को पूर्ण आज़ादी प्राप्त नहीं।

9. लोकतंत्र के पक्ष में पाँच तर्क :–

– शासन का अधिक जवाबदेही वाला स्वरूप।

– बेहतर निर्णय लेने की संभावना।

– नागरिकों का सम्मान।

– मतभेदों और टकरावों को संभालने का तरीका उपलब्ध।

– गलतियों के सुधार के अवसर।

10. लोकतंत्र के खिलाफ पाँच तर्क :–

– अस्थिरता का संभावना।

– फैसलों में देरी।

– भ्रष्टाचार की संभावना।

– चुनावी प्रक्रिया महंगी।

– सामान्य लोगों को सरकार चुनने का फैसला लेने में कठिनाई।

(स्रोत आधारित प्रश्न का उत्तर)

1. (i) गैर–लोकतांत्रिक

(ii) राजशाही, तानाशाही या एक दल के शासन जैसी व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत नहीं रहती है।

(iii) नागरिकों को।

(iv) नागरिक के तौर पर हम जो भी काम करते हैं वह भी हमारे देश के लोकतंत्र को अच्छा या खराब बनाने में मदद करता है। यही लोकतंत्र की ताकत है और यही कमजोरी भी।

अध्याय–2

संविधान निर्माण

याद रखने की बातें

दक्षिण अफ्रीका का स्वतंत्रता संग्राम :

स्थानीय काले लोगों पर यूरोपीय अल्पसंख्यक गौरों की सरकार द्वारा अत्याचार

⬇

नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से चलने वाली शासन व्यवस्था के विरूद्ध आवाज उठायी

⬇

अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के झंडे तले गोरों के विरूद्ध मजदूर यूनियन और कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल हुई।

⬇

1950 से संघर्ष शुरू हुआ ओर 1994 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई

⬇

1994 में चुनाव की घोषणा; नेलसन मंडेला राष्ट्रपति बने

⬇

एक नए संविधान का निर्माण जिसमें नागरिकों को व्यापक अधिकार दिए गए।

- नेल्सन मंडेला द्वारा लिखित आत्मकथा का नाम 'द लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम' है।
- <u>रंगभेद:</u> दक्षिण अफ्रीका में काले लोगों के साथ नस्ली–अलगाव और ख़राब व्यवहार करने वाली शासन व्यवस्था।
- <u>संविधान</u> : संविधान लिखित नियमों की एक ऐसी पुस्तक है, जिसे किसी देश के निवासी सामूहिक रूप से मानते हैं। संविधान सर्वोच्च कानून है जिससे किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के मध्य के आपसी सम्बन्ध तय होने के साथ–साथ लोगों और सरकार के मध्य सम्बंध भी निर्धारित होते हैं।

- जिन देशों में संविधान है वे लोकतांत्रिक ही हों यह आवश्यक नहीं है लेकिन सभी लोकतांत्रिक देशों में संविधान होता है।

भारतीय संविधान निर्माण के समय की परिस्थितियाँ :

(i) भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था।

(ii) धार्मिक आधार पर देश के विभाजन

(iii) बड़ी मात्रा में हिंसा; 10 लाख से अधिक लोगों की मौत।

(iv) रिफ्यूजी समस्या

(v) देशी रियासतों का विलय

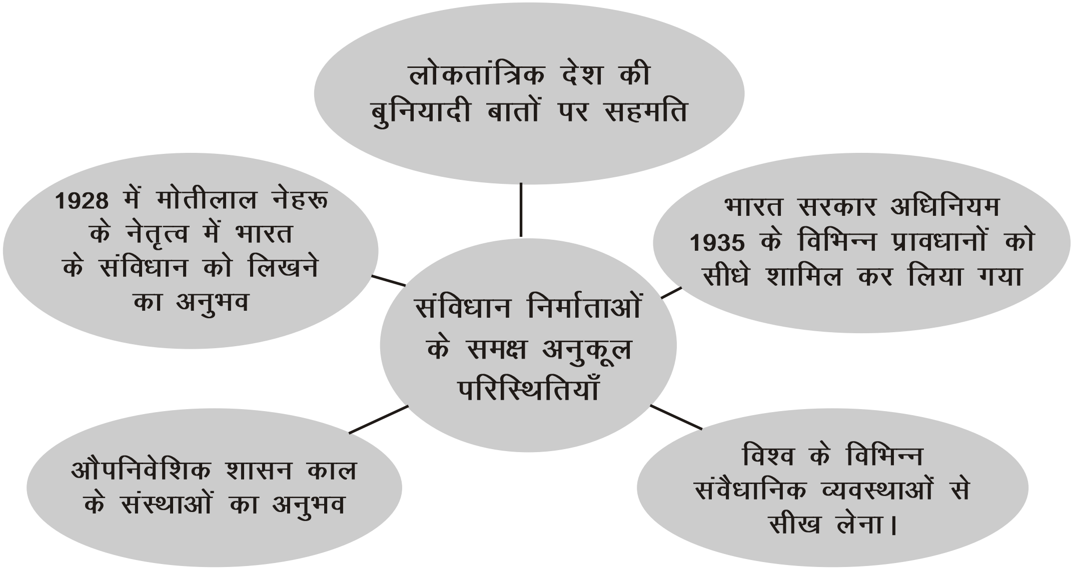

- **संविधान सभा :** चुने गए प्रतिनिधियों के वह सभा जो संविधान लिखने का कार्य करती है।
- भारतीय संविधान सभा के लिए जुलाई 1946 में चुनाव हुए थे।
- संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर 1946 में हुई थी।
- भारत का संविधान लिखने वाली संविधान सभा में 299 सदस्य थे। 26 नवम्बर 1949 में पूरा किया गया था।
- भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसलिए इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं।
- **डॉ भीम राव अम्बेडकर** भारतीय संविधान सभा के **प्रारूप समिति के अध्यक्ष** थे।
- **डॉ राजेन्द्र प्रसाद** भारतीय **संविधान सभा के अध्यक्ष** थे।
- गांधी जी ने **'यंग इंडिया'** नामक पत्रिका निकाली थी।

भारत के संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) :

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण
प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी,
पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक
गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की
स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सबके व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली
बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में
आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई.
(मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी)
को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत,
अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

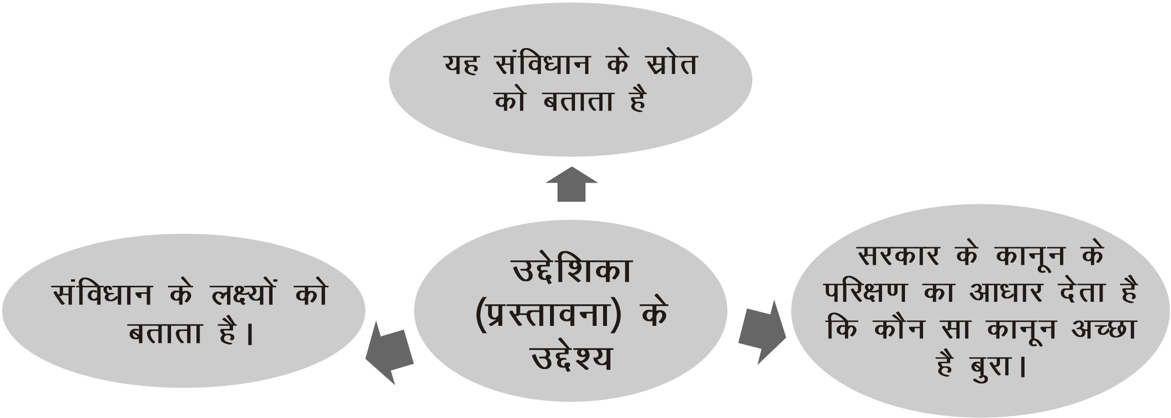

संविधान का दर्शनः

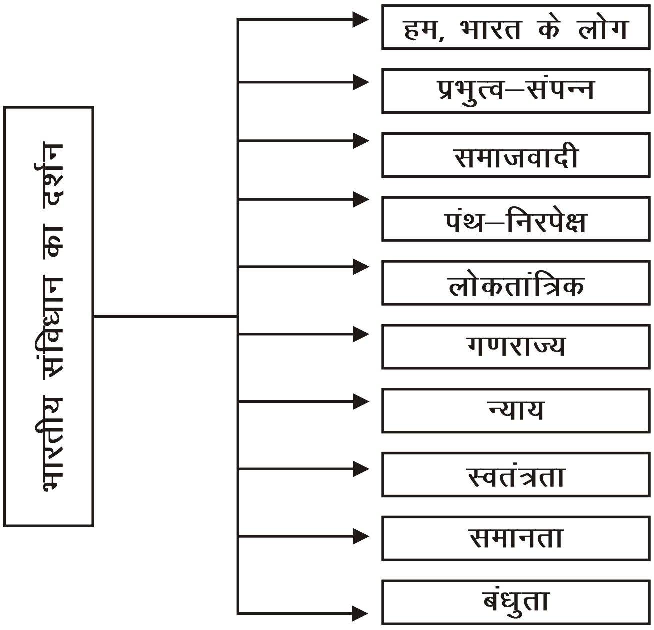

हम, भारत के लोग : इसका अर्थ यह है कि भारत के संविधान का निर्माण जनता ने अपने प्रतिनिधियों के द्वारा किया है ना कि किसी राजा या बाहरी आदमी ने उन्हें दिया है।

प्रभुत्व–सम्पन्न : लोगों को अपने से जुड़े हर फैसले को लेने का पूरा अधिकार है। भारत सरकार को कोई भी बाहरी शक्ति आदेश नहीं दे सकती है।

समाजवादी : समाज में संपत्ति सामूहिक रूप से पैदा होती है और समाज में उसका बंटवारा सामूहिक रूप से ही होना चाहिए। सरकार ज़मीन और संपत्ति से जुड़े कानून इस तरह बनाये कि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं कम हों।

पंथ–निरपेक्ष : लोगों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है। भारत का कोई भी अधिकारिक धर्म नहीं है और राज्य सभी धर्मों को समान सम्मान देती है।

लोकतंत्रात्मक : शासन का ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त होते हैं। लोग अपने शासन का चुनाव करते हैं और उसे जवाबदेह बनाते हैं।

गणराज्य : शासन का प्रमुख जनता के द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा न कि किसी वंश या राज खानदान का।

न्याय : नागरिकों के साथ उनकी जाति, धर्म या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रता : लोगों को अपने विचारों की अभिव्यक्ति की पूरी आज़ादी है। इस पर कोई पाबन्दी नहीं लगायी जा सकती है।

समानता : कानून के समक्ष सभी लोग समान हैं। पहले से चली आ रही असमानताएं समाप्त की जायेंगी। सरकार हर नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेगी।

बंधुता : हम सभी ऐसा आचरण करें कि हम सभी एक ही परिवार के सदस्य हों। कोई भी नागरिक किसी दूसरे को कमतर न समझे।

1 अंक वाले प्रश्नः

1. नेल्सन मंडेला द्वारा लिखित आत्मकथा का नाम क्या था ?
2. नेल्सन मंडेला कितने वर्षों तक जेल में रहे ?
3. दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का नया झंडा कब लहराया गया ?
4. दक्षिण अफ्रीका में किस नेता ने नस्ली भेदभाव का विरोध किया ?
5. रंगभेद की नीति से क्या तात्पर्य है ?

   क) आर्थिक शोषण ख) धार्मिक मतभेद

   ख) नस्ली भेदभाव घ) असहयोग
6. 1948 से 1994 तक रंगभेद की नीति किस देश में चलती रही ?

   क) भारत ख) रुस

   ख) दक्षिण अमेरिका घ) दक्षिण अफ्रीका
7. किस पार्टी ने दक्षिण अफ्रीका में आज़ादी की लड़ाई लड़ी ?

   क) रिपब्लिकन पार्टी ख) साम्यवादी दल

   ख) अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस घ) लोकतान्त्रिक दल
8. किस औपनिवेशिक कानून से भारतीय संविधान ने बहुत से धाराओं को अपनाया ?

   क) 1909 का भारत सरकार कानून ख) 1935 का भारत सरकार कानून

   ख) 1919 का भारत सरकार कानून घ) 1947 का भारत सरकार कानून

9. भारतीय संविधान निर्माण में निम्नलिखित नेताओं और उनकी भूमिका का मिलान कीजियेः

क)	मोती लाल नेहरु	i)	अध्यक्ष–संविधान सभा
ख)	भीम राव अम्बेडकर	ii)	सदस्य–संविधान सभा
ग)	राजेन्द्र प्रसाद	iii)	अध्यक्ष–प्रारुप कमेटी
घ)	सरोजनी नायडु	iv)	1928 में भारत का संविधान

10. निम्नलिखित रिक्त स्थानों को भरिए :

क) भारतीय संविधान 26 नवम्बर .... को तैयार हो गया था।

ख) भारतीय संविधान 26 जनवरी .... को लागू हुआ।

ग) भारतीय संविधान लिखने वाली सभा में कुल .... सदस्य थे।

घ) गाँधी जी ने 1931 में संविधान से अपनी अपेक्षा के बारे में .... पत्रिका में लिखा।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. रंगभेद से क्या तात्पर्य है ?
2. दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में लिखें।
3. संविधान के प्रमुख कार्य क्या हैं ?
4. भारतीय संविधान को दिशा देने वाले शब्द 'पंथ–निरपेक्ष', 'गणराज्य', 'लोकतंत्रात्मक', 'बंधुता' और समता का अर्थ लिखिए।
5. संविधान क्या है ?
6. संविधान क्यों आवश्यक है ?
7. संविधान संशोधन से क्या तात्पर्य है ?
8. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?
9. किसी क्लब, सहकारी संगठन या राजनैतिक दल के लिए लिखित नियम या उनका संविधान होना चाहिए। स्पष्ट करें।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

जिस तरह संविधान सभी ने काम किया, वह संविधान को एक तरह की पवित्रता और वैधता देता है। संविधान सभा का काम काफी व्यवस्थित, खुला और सर्वसम्मति बनाने के प्रयास पर आधारित था। सबसे पहले कुछ बुनियादी सिद्धांत तय किए गए और उन पर सबकी

सहमति बनाई गई। फिर प्रारूप कमेटी के प्रमुख डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने चर्चा के लिए एक प्रारूप संविधान बनाया। संविधान के प्रारूप की प्रत्येक धारा पर कई–कई दौर में चर्चा हुई। दो हज़ार से ज़्यादा संशोधन पर विचार हुआ। तीन वर्षों में कुल 114 दिनों की गंभीर चर्चा हुई। सभा में पेश हर प्रस्ताव, हर शब्द और वहाँ कही गई हर बात को रिकॉर्ड किया गया और संभाला गया। इन्हें **'कांस्टीट्यूएंट असेम्बली डिबेट्स** नाम से 12 मोटे–मोटे खंडो में प्रकाशित किया गया। इन्हीं बहसों से हर प्रावधान के पीछे की सोच और तर्क को समझा जा सकता है। संविधान की व्याख्या के लिए भी इस बहस के दस्तावेजों का उपयोग होता है।

1. संविधान सभा के प्रारूप कमिटी के प्रमुख कौन थे ?
2. संविधान बनाने में लगभग कितने वर्ष लगे ?
3. संविधान सभा में हुई चर्चा एवं प्रस्तावों को किस नाम से प्रकाशित किया गया ?
4. संवैधानिक सभा की बहसों को .... भागों में प्रकाशित किया गया।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. 'द लांग वॉक टू फ्रीडम'
2. 28 वर्ष
3. 26 अप्रैल 1994
4. नेल्सन मंडेला
5. (ग) नस्ली भेदभाव
6. (घ) दक्षिण अफ्रीका
7. (ग) अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस
8 (ख) 1935 का भारतीय सरकार कानून
9. क) ––(iv) ख) –– (iii) ग)––(i) घ)––(ii)
10. क) 1949 ख) 1950 ग) 299 घ) यंग इंडिया

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. रंगभेद –

रंगभेद नस्ली भेदभाव पर आधारित उस व्यवस्था का नाम है जो दक्षिण अफ्रीका में विशिष्ट तौर पर चलायी गई, दक्षिण अफ्रीका पर यह व्यवस्था यूरोप के गोरे लोगों ने लादी थी।

2. दक्षिण अफ्रीका का स्वतंत्रता संग्राम :–

– 1950 से ही स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जारी, 1994 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

– यूरोपीय अल्पसंख्यक गोरों की सरकार स्थानीय काले लोगों पर अत्याचार करती रहीं।

  – दक्षिण अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से चलने वाली शासन की व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई।

  – अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के झंडे तले गोरों के विरुद्ध मजदूर संघटन और कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल।

  – 1994 में चुनाव की घोषणा की गई जिसमें लोकप्रिय अफ़्रीकी नेता नेल्सन मंडेला की जीत हुई, उन्हें स्वतंत्र दक्षिण अफ्रीका का पहला राष्ट्रपति चुना गया।

3. संविधान के प्रमुख कार्य :

  – साथ रह रहे विभिन्न तरह के लोगों के बीच जरूरी भरोसा और सहयोग विकसित करना।

  – स्पष्ट करना की सरकार का गठन कैसे होगा और किसे फैसले लेने का अधिकार होगा।

  – सरकार के अधिकारों की सीमा तय करना और नागरिकों के अधिकार बताना।

  – अच्छे समाज के गठन के लिए लोगों की आकांक्षाओं को व्यक्त करना।

4. भारतीय संविधान को दिशा देने वाले शब्द :

  – पंथ –निरपेक्ष : नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन कोई धर्म अधिकारिक नहीं।

  – गणराज्य : शासन का प्रमुख लोगों द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा।

  – लोकतंत्रात्मक : सरकार का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त रहते हैं।

  – समता : कानून के समक्ष सभी लोग बराबर हैं।

  – बंधुता : हम सब ऐसा आचरण करें जैसे कि एक परिवार के सदस्य हों। कोई भी नागरिक किसी दूसरे नागरिक को अपने से कमतर न माने।

5. संविधान :

- संविधान लिखित नियमों की एक ऐसी किताब है जिसे किसी देश में रहने वाले लोग सामूहिक रूप से मानते है।
- संविधान सर्वोच्च कानून है।
- संविधान लोगों के बीच आपसी सम्बन्ध तथा लोगों और सरकार के बीच के सम्बन्ध तय करता है।

6. संविधान की आवश्यकता :

- लोकतान्त्रिक सरकार का निर्माण और उसके कार्य तय करने के लिए।
- सरकार के विभिन्न अंगों के अधिकार क्षेत्र तय करने के लिए।
- सरकार को अपनी शक्तियों के दुरूपयोग से रोकने के लिए।
- नागरिकों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए (या अन्य कोई)।
- अच्छे समाज के गठन के लिए (या अन्य कोई)

7. संविधान संशोधन :

- देश के सर्वोच्च विधायी संस्था द्वारा उस देश के संविधान में किए जाने वाले बदलाव को संविधान संशोधन कहते हैं।

8. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ :

- संघीय सरकार।
- संसदात्मक सरकार।
- प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य।
- पंथ–निरपेक्ष राज्य।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका।
- मूल अधिकार।
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।

9. लिखित नियम या संविधान होना चाहिए

- यह लोगों में भरोसा और सहयोग विकसित करता है।
- यह अधिकारों और जिम्मेदारियों को तय करता है।
- सभी लोगों की मान्यता होती है।

स्रोत आधारित प्रश्न

1. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
2. लगभग 3 वर्ष
3. कॉंस्टीट्यूएंट एसेंबली डिबेट्स
4. 12

अध्याय–3

चुनावी राजनीति

याद रखने योग्य बातें :–

- लोकतंत्र में जनमत की बहुत अहम भूमिका होती है उसके आधार पर सरकारों का गठन होता है।
- भारत में जनता प्रत्येक पांच वर्ष में अपने प्रतिनिधि चुनती है जो नीति निर्माण का कार्य करते हैं।
- हर पांच साल के बाद– **'आम चुनाव'**, निश्चित समय से पूर्व लोकसभा या विधानसभा के भंग होने पर – मध्यावधि चुनाव और किसी क्षेत्र के सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली सीट के लिए – **'उपचुनाव'** होता है।
- चुनाव के उद्देश्य से देश को अनेक क्षेत्रों में बाँट लिया गया है, इन्हें **निर्वाचन क्षेत्र** या सीट कहते हैं।
- लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं। अनुसूचित जातियों के लिए 84 और अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं।
- क्षेत्र के अनुसार देश का सबसे बड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र लद्दाख और सबसे छोटा चांदनी चौक है।
- मतदान की योग्यता रखने वाले लोगों की सूची को **मतदाता सूची** (वोटर लिस्ट) कहते हैं। इसे चुनाव से बहुत पहले तैयार किया जाता है।
- 18 वर्ष और उससे ऊपर की आयु वाले सभी नागरिक वोट डाल सकते हैं। यानी मतदान की योग्यता रखते हैं। इसे **सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार** कहा जाता है।
- भारत में चुनाव संपन्न कराने का कार्य एक निष्पक्ष व स्वतंत्र इकाई करती है जिसे चुनाव आयोग कहते हैं।
- चुनावी नारे : गरीबी हटाओ–इंदिरा गाँधी, लोकतंत्र बचाओ–जनता पार्टी, जमीन जीतने वाले को–वामपंथी दल, तेलुगु स्वाभिमान तेलुगु देशम पार्टी।

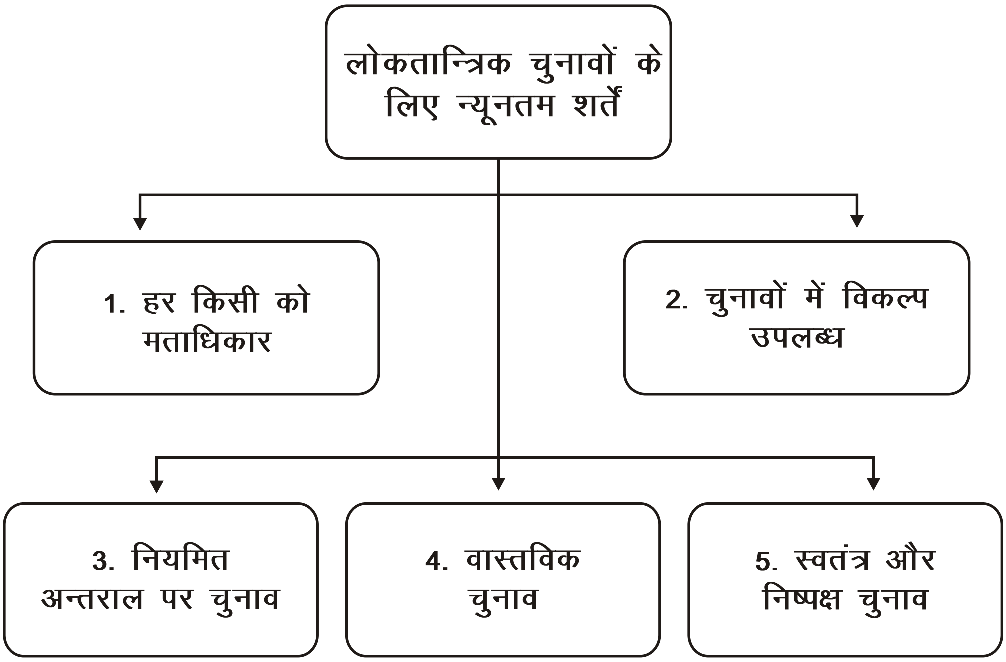

लोकतान्त्रिक चुनावों के लिए न्यूनतम शर्तें
1. हर किसी को मताधिकार
2. चुनावों में विकल्प उपलब्ध
3. नियमित अन्तराल पर चुनाव
4. वास्तविक चुनाव
5. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव

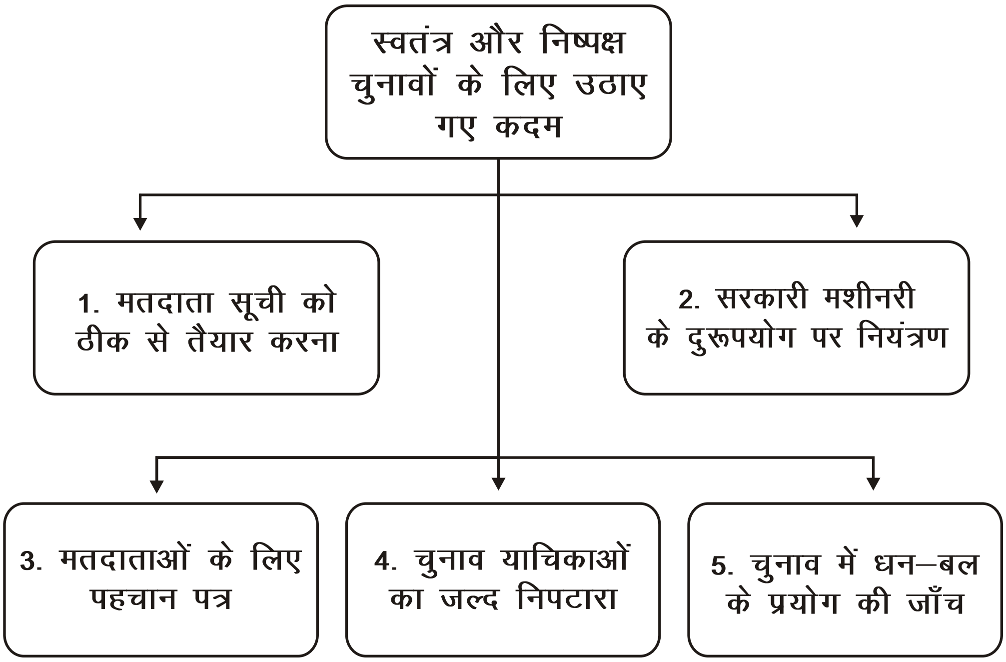

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए उठाए गए कदम
1. मतदाता सूची को ठीक से तैयार करना
2. सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग पर नियंत्रण
3. मतदाताओं के लिए पहचान पत्र
4. चुनाव याचिकाओं का जल्द निपटारा
5. चुनाव में धन–बल के प्रयोग की जाँच

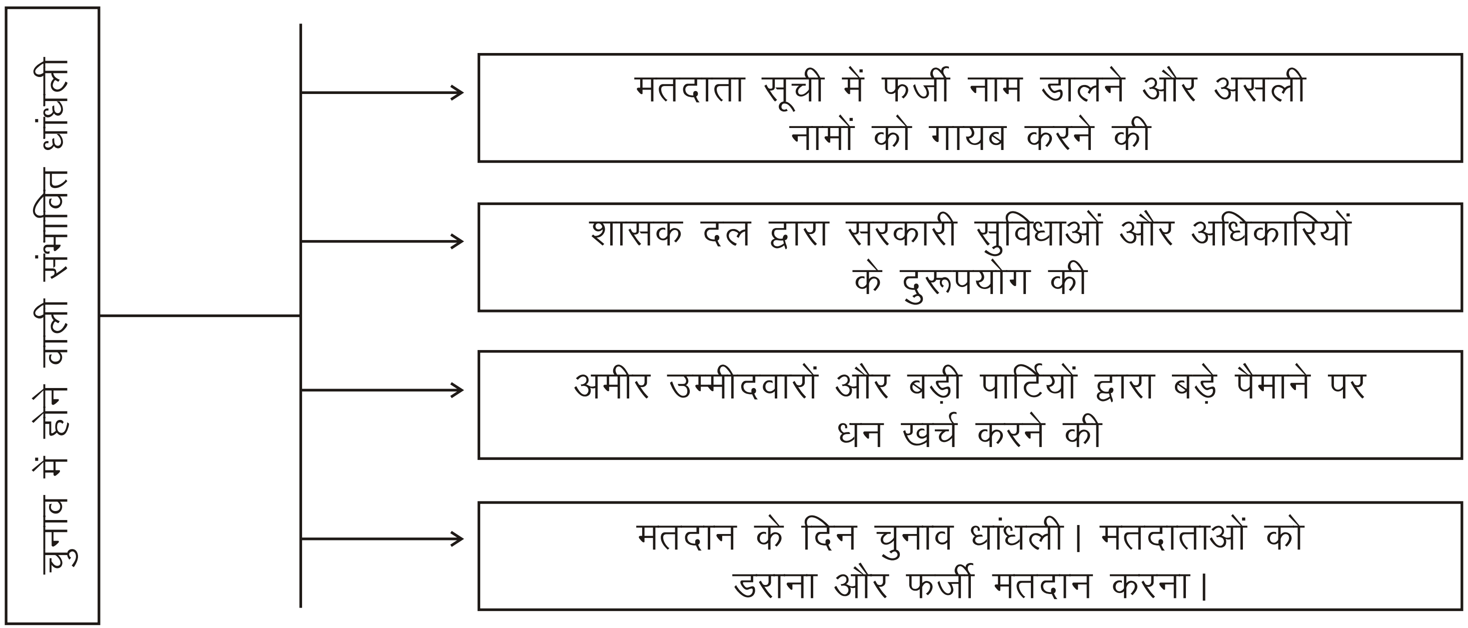
चुनाव में होने वाली संभावित धांधली
मतदाता सूची में फर्जी नाम डालने और असली नामों को गायब करने की
शासक दल द्वारा सरकारी सुविधाओं और अधिकारियों के दुरूपयोग की
अमीर उम्मीदवारों और बड़ी पार्टियों द्वारा बड़े पैमाने पर धन खर्च करने की
मतदान के दिन चुनाव धांधली। मतदाताओं को डराना और फर्जी मतदान करना।

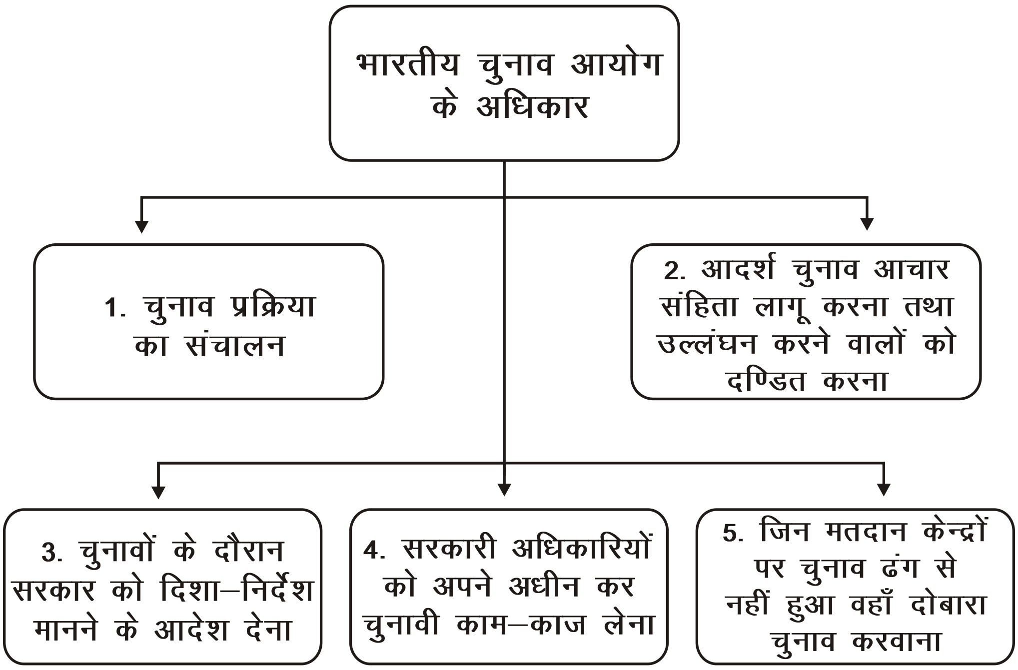
भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार
1. चुनाव प्रक्रिया का संचालन
2. आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करना तथा उल्लंघन करने वालों को दण्डित करना
3. चुनावों के दौरान सरकार को दिशा–निर्देश मानने के आदेश देना
4. सरकारी अधिकारियों को अपने अधीन कर चुनावी काम–काज लेना
5. जिन मतदान केन्द्रों पर चुनाव ढंग से नहीं हुआ वहाँ दोबारा चुनाव करवाना

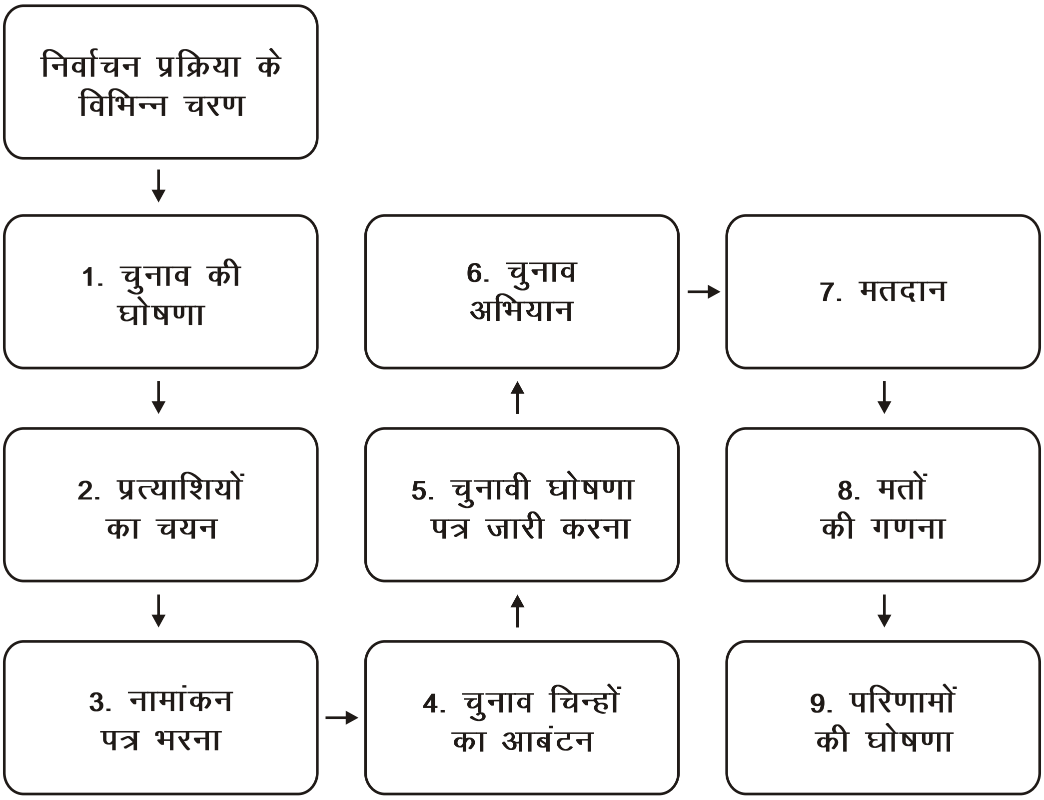
निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरण
1. चुनाव की घोषणा
2. प्रत्याशियों का चयन
3. नामांकन पत्र भरना
4. चुनाव चिन्हों का आबंटन
5. चुनावी घोषणा पत्र जारी करना
6. चुनाव अभियान
7. मतदान
8. मतों की गणना
9. परिणामों की घोषणा

1 अंको वाले प्रश्न

1. निर्वाचन क्षेत्र या सीट किसे कहते हैं ?

2. इस समय संसद के चुनाव के लिए कितने निर्वाचन क्षेत्र हैं ?

3. मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) किसे कहते हैं ?

4. मध्यावधि चुनाव से आप क्या समझते हैं ?

5. क्षेत्रफल के अनुसार देश का सबसे बड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है –

   क) लद्दाख ख) हैदराबाद

   ग) पूर्वी मुंबई घ) गुरदासपुर

6. क्षेत्रफल के अनुसार देश का सबसे छोटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है –

   क) गुड़गाँव ख) गाज़ियाबाद

   ग) चाँदनी चौक घ) बागपत

7. सरकारी अधिकारी चुनावों में किस के आदेश का पालन करते हैं ?

   क) न्यायालय ख) सरकार

   ग) संसद घ) चुनाव आयोग

8. लोकसभा में अनुसूचित जातियों के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं ?

   क) 49 ख) 59

   ग) 69 घ) 84

9. लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं ?

   क) 31 ख) 47

   ग) 51 घ) 61

10. निम्नलिखित रिक्त स्थानों को भरिए :

   क) गरीबी हटाओ नारा .... ने दिया ।

   ख) लोकतंत्र बचाओ नारा .... ने दिया ।

   ग) चौधरी देवी लाल ने .... नामक पार्टी का गठन किया।

   घ) भारत में आम चुनाव हर .... साल बाद होते हैं।

   ड) भारत में मतदान के लिए मतदाता की आयु .... साल निर्धारित है।

11. नीचे दिए गए प्रश्न में दो प्राक्कथन दिए गए हैं एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क)। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

संकल्पना (स) हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार देता है।

कारण (क) कुछ चुनाव क्षेत्र अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आरक्षित हैं।

विकल्प

(A) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनो सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है।

(B) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही है परंतु कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(C) संकल्पना (स) सही है एवं कारण क गलत है

(D) संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. लोकतांत्रिक चुनावों के लिए जरूरी न्यूनतम शर्ते क्या हैं?
2. आम चुनाव और उपचुनाव में क्या अंतर है?
3. राजनीतिक दलों द्वारा अपनाए जाने वाले चुनाव प्रचार की विभिन्न प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
4. भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?
5. चुनाव प्रचार की आचार आदर्श संहिता क्या है? इसके मुख्य प्रावधान क्या है?
6. चुनावी कानूनों के अनुसार चुनावों के दौरान कोई भी उम्मीदवार या पार्टी क्या काम नहीं कर सकती?
7. भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार क्या हैं?
8. भारतीय चुनाव आयोग के सामने कौन–कौन सी चुनौतियाँ हैं?
9. निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
10. भारतीय चुनावों को लोकतांत्रिक क्यों माना जाता है ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. चुनाव के उद्देश्य से देश को उनेक क्षेत्रों में बाँट दिया जाया है, हर क्षेत्र एक सीट कहलाता है।
2. 543
3. मतदान की योग्यता रखने वाले लोगों की सूची।
4. निश्चित समय से पूर्व लोकसभा के भंग होने पर पूरे देश में होने वाले चुनाव।
5. क) लद्दाख
6. ग) चाँदनी चौक
7. घ) चुनाव आयोग
8. घ) 84
9. ख) 47
10. क) इंदिरा गाँधी ख) जनता पार्टी
    ग) लोकदल घ) 5
    ड) 18
11. B) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं परंतु कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

हमारे संविधान निर्माताओं ने कमज़ोर वर्गों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की विशेष व्यवस्था सोची। इसी कारण कुछ चुनाव क्षेत्र अनुसूचित जातियों के लोगों के लिए आरक्षित हैं तो कुछ क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षीत सीट पर केवल अनुसूचित जाति का ही व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है। इसी तरह सिर्फ़ अनुसूचित जनजाति के ही व्यक्ति अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। अभी लोकसभा की 84 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए और 47 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं।

(A) आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था किसके द्वारा किया गया।

(B) अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट पर कौन चुनाव लड़ सकता है ?

(C) लोकसभा में कुल कितने आरक्षित सीट हैं ?

(D) निर्वाचन क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था क्यों की गई?

3/5 अंकों वाले प्रश्न के उत्तर

1. लोकतान्त्रिक चुनावों के लिए ज़रूरी न्यूनतम शर्तें :—
   - हर किसी को मताधिकार।
   - चुनावों में विकल्प उपलब्ध।
   - चुनाव का अवसर नियमित अंतराल पर।
   - वास्तविक चुनाव।
   - स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव।
2. आम चुनाव और उपचुनाव में अंतर :—
   - पांच साल बाद सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है, लोकसभा और विधानसभाएँ भंग हो जाती हैं, फिर सभी चुनावी क्षेत्रों में होने वाला चुनाव 'आम चुनाव' कहलाता है।
   - किसी क्षेत्र के सदस्य की मृत्य या इस्तीफे से खाली हुए सीट के लिए चुनाव 'उपचुनाव' कहलाता है।
3. चुनाव अभियान के विभिन्न माध्यम या साधन :—
   - पोस्टर लगाना।
   - सभाएं करना।
   - भाषण देना।
   - जुलूस निकालना।
   - घर—घर जा कर मुलाकात करना।
4. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उठाए गए कदम
   - चुनाव से पूर्व मतदाता सूचियों को ठीक करना।
   - सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग पर नियंत्रण।
   - मतदाताओं के लिए पहचान पत्र।
   - चुनाव याचिका का जल्द निपटारा।
   - चुनाव में धन—बल के प्रयोग की जाँच।
5. चुनाव अभियान के समय राजनीतिक दलों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों को चुनाव आचार संहिता कहा जाता है। मुख्य प्रावधानः—

- चुनाव के प्रचार के लिए किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- सरकारी वाहनों, विमानों और सरकारी अधिकारियों का चुनाव प्रचार में उपयोग नहीं किया जाएगा।
- चुनाव की घोषणा के बाद सरकार द्वारा कोई भी नीतिगत फैसला नहीं लिया जाएगा एवं कोई योजना का शिलान्यास नहीं किया जाएगा।

6. चुनावी कानूनों के अनुसार चुनावों के दौरान कोई भी उम्मीदवार या पार्टी निम्नलिखित काम नहीं कर सकती :–
   - मतदाता को प्रलोभन, घूस या धमकी।
   - जाति या धर्म के नाम पर वोट मांगना।
   - चुनावी अभियान में सरकारी साधनों का इस्तेमाल।
   - लोकसभा चुनाव में एक क्षेत्र में 25 लाख या विधानसभा क्षेत्र में 10 लाख से ज्यादा खर्च।
   - चुनाव प्रचार के लिए किसी धर्मस्थल का प्रयोग।

7. भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार :
   - चुनाव अधिसूचना जारी करने से लेकर नतीजों की घोषणा तक चुनाव प्रक्रिया का संचालन।
   - आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करना तथा उल्लंघन करने वाले उम्मीदवारों और दलों को दण्डित करना
   - चुनावों के दौरान सरकार को दिशा–निर्देश मानने का आदेश देना।
   - सरकारी अधिकारियों को अपने अधीन करके उनसे चुनावी काम–काज लेना।
   - जिन मतदान केन्द्रों पर चुनाव ढंग से नहीं हुआ हो वहां दोबारा चुनाव करवाना।

8. भारतीय चुनाव आयोग के सामने चुनौतियाँ :–
   - ज़्यादा रूपये–पैसे वाले उम्मीदवारों और पार्टियों द्वारा गलत तरीके अपनाने पर रोकथाम।
   - अपराधिक पृष्ठभूमि और संबंधों वाले उम्मीदवारों पर लगाम कसना।
   - पारिवारिक संबंधों की बुनियाद पर टिकट मिलने पर रोकथाम।

- मतदाता को चुनने के लिए ज्यादा से ज्यादा विकल्प उपलब्ध करना।
- छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों की परेशानियों का निपटारा।

9. निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणः
   - चुनाव की घोषणा।
   - प्रत्याशियों का चयन
   - नामांकन पत्र भरना।
   - चुनाव चिन्हों का आबंटन
   - राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करना।
   - चुनाव अभियान
   - मतदान
   - मतों की गणना
   - परिणामों की घोषणा।

10. - भारतीय चुनावों को लोकतांत्रिक मानने के करण :–
   - स्वतंत्र चुनाव आयोग
   - चुनाव में लोगों की बढ़ती भागीदारी
   - चुनाव नतीजों को स्वीकार करना

स्रोत आधारित प्रश्न

(A) संविधान निर्माताओं द्वारा

(B) अनुसूचित जनजाति के उम्मीद्वार

(C) 131 सीटें

(D) कमजोर वर्गों में प्रतिनिधित्व देने के लिए।

अध्याय–4

संस्थाओं का कामकाज

मंडल कमीशनः

- भारत सरकार ने 1979 में दूसरा पिछड़ी जाति आयोग गठित किया था। इसकी अध्यक्षता श्री बी. पी. मंडल ने की थी।
- इसे भारत में सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए मापदंड तय करने और उनका पिछड़ापन दूर करने के उपाय बताने का जिम्मा सौंपा गया।
- सन् 1980 में, आयोग ने सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश दी।
- सन् 1990 में, केन्द्रीय कैबिनेट ने आयोग की सिफारिशों को लागू करने का निर्णय किया, जिससे बहस और प्रदर्शन हुए।

लोकतंत्र में संस्थाएँ :–

- लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासकों को भी कुछ कायदे कानूनों को मानना होता है। उन्हें भी संस्थाओं के भीतर रहकर काम करना होता है।
- तीन प्रमुख संस्थाएँ – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

संसद : विधायिकाः निर्णय करने वाले

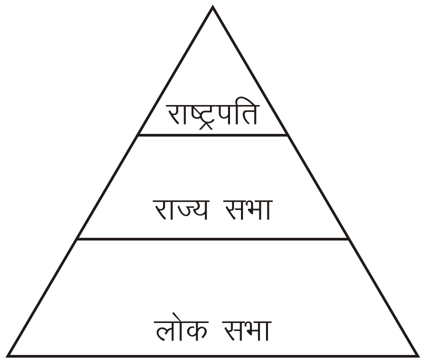

निर्णय करने वाले : विधायिका

- संसद एक ऐसा मंच है जहाँ पर नागरिकों द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि कानून निर्माण का कार्य करते हैं।

- राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष होता है और औपचारिक रूप से देश का सबसे बड़ा अधिकारी होता हैं
- प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। सरकार की ओर से अधिकांश अधिकारों का इस्तेमाल वही करता है।

  प्रधानमंत्री को लोकसभा के सदस्यों को बहुमत का समर्थन प्राप्त होना ज़रूरी है।

<u>संसद की आवश्यकता</u>

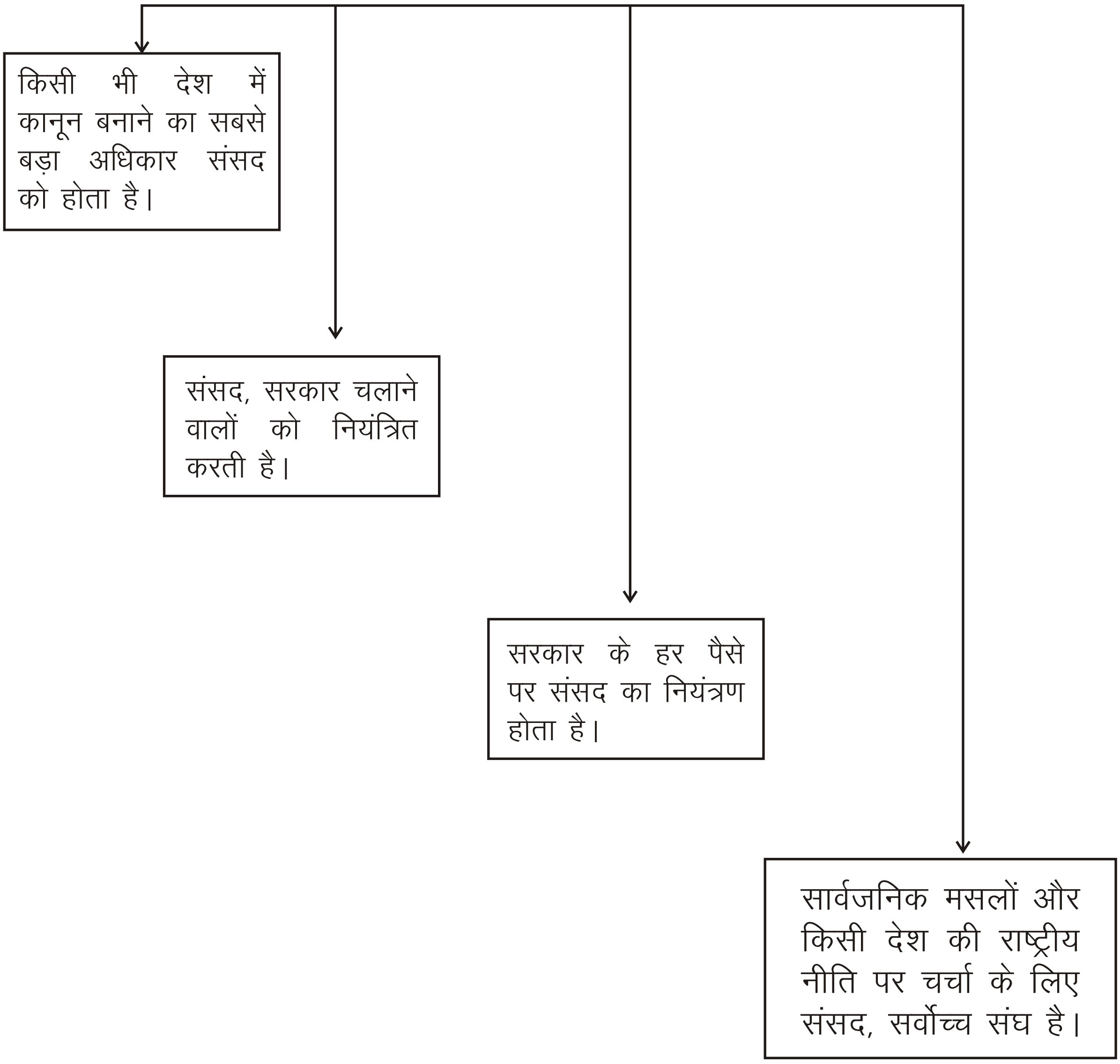

लोकसभा (लोअर हाउस)

- 543 सदस्य
- कार्यकाल–5 साल

1. सदस्यों का चुनाव लोगों द्वारा प्रत्यक्ष रुप से होता है
2. अधिकतर मामलों में सर्वोच्च अधिकार
3. सदस्य अधिक होने के कारण विचारों को प्राथमिकता मिलने की संभावना
4. पैसे के मामले में अधिक अधिकार
5. मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण

राज्यसभा (अपर हाउस)

- 250 सदस्य
- कार्यकाल–6 साल

1. सदस्यों का चुनाव अप्रत्यक्ष रुप से होता है
2. राज्यों के सम्बन्ध में विशेष अधिकार
3. सदस्य कम होने के कारण विचारों को प्राथमिकता न मिलने की संभावना
4. पैसे के मामले में कम अधिकार
5. मंत्रिपरिषद पर सीधा नियंत्रण नहीं

कार्यपालिका

किसी भी सरकार के विभिन्न स्तरों पर हमें ऐसे अधिकारी मिलते हैं जो रोज़मर्रा के फैसले करते हैं। सभी अधिकारियों को सामूहिक रूप से कार्यपालिका कहते हैं।

राजनैतिक कार्यपालिका
- जनता द्वारा खास अवधि तक के लिए निर्वाचित।
- राजनैतिक नेता इस श्रेणी में आते हैं।

स्थायी कार्यपालिका
- लंबे समय के लिए नियुक्त
- लोक सेवाओं में काम करने वाले सिविल सर्वेंट।
- राजनैतिक कार्यपालिका के तहत काम करते हैं।

प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद

- प्रधानमंत्री सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक पद है।
- राष्ट्रपति लोकसभा में बहुमत वाली पार्टी या पार्टियों के गठबंधन के नेता को ही प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर दूसरे मंत्रियों को नियुक्त करते हैं।
- मंत्रि परिषद उस निकाय का सरकारी नाम है जिसमें सारे मंत्री होते हैं।

मंत्रिपरिषद्
- कैबिनेट मंत्री – सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता। करीब 25 मंत्री होते हैं।
- स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री – अमूमन छोटे मंत्रालयों के प्रभारी
- राज्य मंत्री – अपने विभाग के कैबिनेट मंत्रियों से जुड़े होते हैं।

भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए अनिवार्य योग्यताएँ

1. भारत का नागरिक हो
2. आयु 35 वर्ष से अधिक हो
3. दिवालिया या सज़ायाफ्ता न हो
4. किसी सरकारी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो
5. लोकसभा का सदस्य बनने के योग्य हो

सरकार का मुखिया

भारतीय प्रधानमंत्री के अधिकार

विवादों में अंतिम निर्णयकर्त्ता

1. कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता
2. विभिन्न विभागों के कार्य का समन्वय
3. विभिन्न विभागों की सामान्य निगरानी
4. मंत्रियों को विभागों का वितरण
5. किसी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार

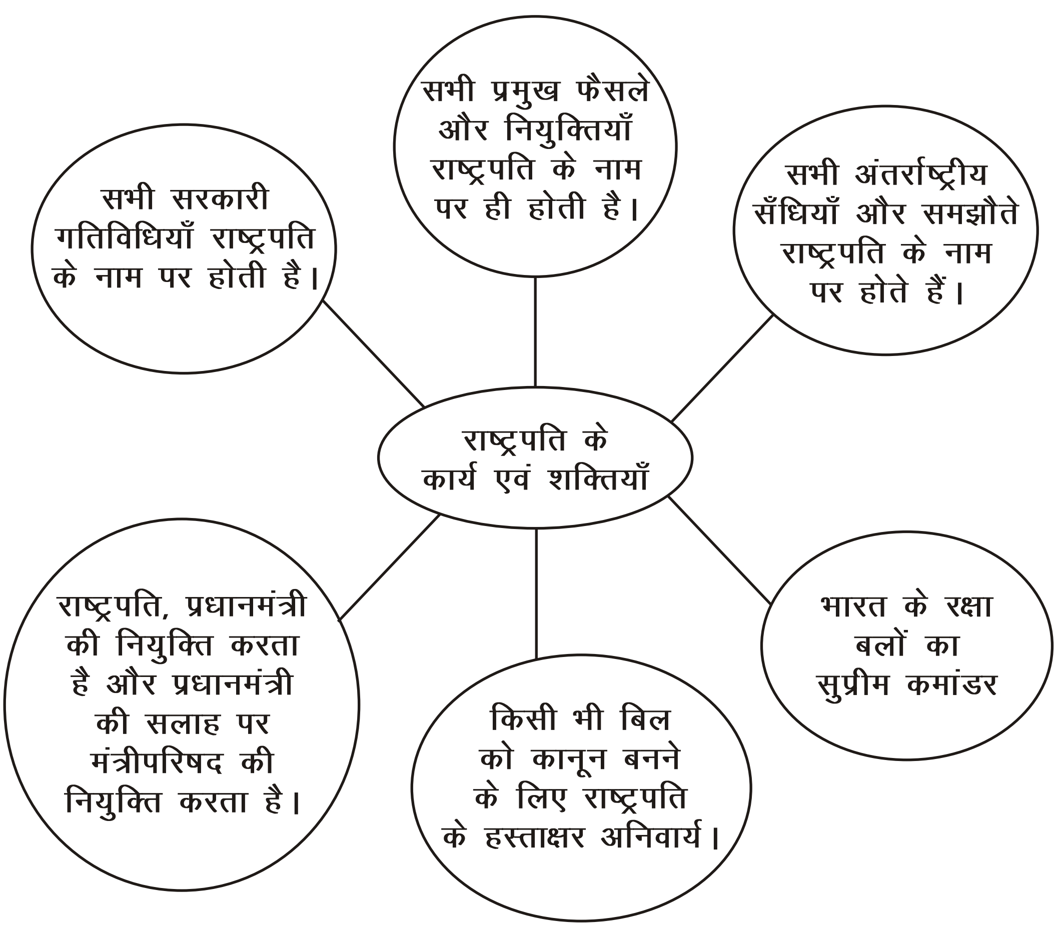

राष्ट्रपति की नियुक्ति प्रत्यक्ष रूप से नहीं होती। संसद सदस्य और राज्य की विधानसभाओं के सदस्य उसे चुनते है।

न्यायपालिका

- भारत में न्यायपालिका एकीकृत है। इसका अर्थ है कि सर्वोच्च न्यायालय देश में न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।

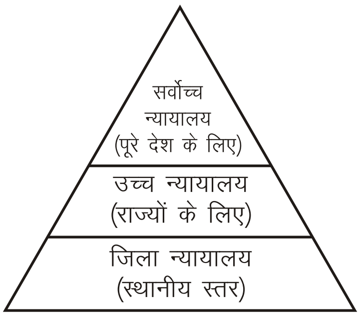

<u>न्यायपालिका की स्वतंत्रता</u>

- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं है।
- सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। परन्तु नियुक्ति के बाद उसे उसके पद से हटाना लगभग असंभव हो जाता है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को देश के संविधान की व्याख्या का अधिकार है।
- भारतीय न्यायपालिका के अधिकार और स्वतंत्रता उसे मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में काम करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

न्यायिक समीक्षा – सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय को देश के संविधान की व्याख्या का अधिकार है। यदि विधायिका का कोई कानून या कार्यपालिका का कोई कार्रवाई संविधान के खिलाफ़ है। तो वे केन्द्र और राज्य पर ऐस कानून को अमान्य घोषित कर सकते हैं।

1 अंको वाले प्रश्न

1. भारत में संसद किसे कहते हैं ?
2. राज्य स्तर पर विधायिका को क्या कहते हैं ?
3. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को किस प्रकार हटाया जा सकता हैं ?
4. गठबंधन सरकार क्या होती है ?
5. राज्य सभा में राष्ट्रपति कितने सदस्य मनोनीत कर सकता है ?

   क) 6　　　ख) 12

   ग) 18　　　घ) 24
6. भारतीय सेनाओं का मुख्य कमांडर कौन होता है ?

   क) राष्ट्रपति　　　ख) प्रधानमंत्री

   ग) मुख्य सेना अध्यक्ष　　　घ) गृह मंत्री
7. राष्ट्रपति मंत्रियों को किस की सिफारिश पर नियुक्त करता है ?

   क) उपराष्ट्रति　　　ख) गृह मंत्री

   ग) प्रधान मंत्री　　　घ) संसद
8. प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है ?

   क) राष्ट्रपति　　　ख) उप राष्ट्रपति

   ग) लोकसभा का अध्यक्ष　　　घ) गवर्नर
9. देश के वर्तमान संविधान में संशोघन कौन कर सकता है ?

   क) राष्ट्रपति　　　ख) उपराष्ट्रपति

   ग) प्रधानमंत्री　　　घ) संसद
10. रिक्त स्थानों को भरिए :

    क) भारतीय संसद के निम्न (लोअर) सदन को .... कहते हैं।

    ख) भारतीय संसद के उच्च (अपर) सदन को .... कहते हैं।

    ग) भारतीय संसद के निम्न (लोअर) सदन की वर्तमान सीटों की संख्या .... हैं।

घ) भारतीय संसद के उच्च (अपर) सदन की वर्तमान सीटों की संख्या ....हैं।

11. .... राष्ट्राध्यक्ष होता है और प्रधानमंत्री .... का प्रमुख होता है।

12. लोकतंत्र में, निर्णय .... द्वारा लिए जाते हैं, ... द्वारा लागू किये जाते हैं और .... द्वारा विवादों का निपटारा द्वारा किया जाता है।

13. वाक्य को सही कीजिए :
स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री, सताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता होते हैं।

14. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :
संकल्पना (स) : सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।
कारण (क) : यह उच्च न्यायालयों के फैसलों के खिलाफ सुनवाई कर सकता है।
विकल्प :
(a) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।
(b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।
(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।
(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. अन्य पिछड़ी जाति आयोग किस की अध्यक्षता में और कब गठित हुआ? यह पूरी तरह कब लागू हुआ?
2. कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और राज्यमंत्री में क्या अंतर है?
3. राजनैतिक व स्थायी कार्यपालिका में अंतर स्पष्ट कीजिये।
4. न्यायपालिका किसे कहते हैं? इसके क्या अधिकार हैं?
5. भारत के विभिन्न स्तर के न्यायालयों के नाम लिखिए?
6. संसद का सदस्य चुने जाने के लिए कौन–कौन सी योग्यताएं अनिवार्य हैं?
7. भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए कौन–कौन सी योग्यताएं अनिवार्य हैं?
8. संसद के राजनैतिक अधिकार क्या हैं?
9. भारतीय प्रधानमंत्री के क्या अधिकार हैं?
10. लोकसभा और राज्यसभा में क्या अंतर हैं?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

लोकतंत्र में संसद बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारे देश में संसद के दो सदन हैं। दोनों सदनों में एक को राज्यसभा (काउंसिल ऑफ स्टेट्स) और दूसरे को लोकसभा (हाउस ऑफ पीपल) के नाम से जाना जाता है। भारत का राष्ट्रपति संसद का हिस्सा होता है। हालांकि वह दोनों में से किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता। इसलिए संसद के फैसले राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद भी लागू होते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. हमारे देश में संसद के .... सदन हैं।
2. लोक सभा को कहा जाता है –
   (a) अपर हाउस
   (b) काउंसिल ऑफ स्टेट्स
   (c) हाउस ऑफ पीपल
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. लोकसभा और राज्यसभा के अलावा, ... भी संसद का हिस्सा होता है।
4. संसद के फैसले, किसकी मंजूरी के बाद ही लागू होते हैं ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. भारत में निर्वाचित सदस्यों की राष्ट्रीय सभा को संसद कहते हैं ।
2. विधान सभा।
3. दोनों सदनों में अलग–अलग दो तिहाई बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पारित करके ।
4. दो या दो से अधिक राजनैतिक दलों द्वारा मिल कर बनायी गई सरकार।
5. (ख) 12
6. (क) राष्ट्रपति
7. (ग) प्रधान मंत्री
8. (क) राष्ट्रपति
9. (घ) संसद
10. क) लोकसभा
    ख) राज्य सभा
    ग) 543
    घ) 250
11. राष्ट्रीय, सरकार
12. विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका
13. कैबिनेट मंत्री सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता होते हैं।
14. (a)

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. अन्य पिछड़ी जाति आयोग :–
   - 1979 में गठित।
   - अध्यक्ष – बी. पी. मंडल।
   - 8 सितम्बर 1993 में पूरी तरह लागू।

2. कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और राज्यमंत्री में अंतरः
   - प्रमुख मंत्रालयों के प्रभारी कैबिनेट मंत्री।
   - छोटे मंत्रालयों के प्रभारी स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री
   - अपने विभाग के कैबिनेट मंत्रियों से जुड़े सहायक मंत्री राज्य मंत्री।

3. राजनैतिक व स्थायी कार्यपालिका में अंतर :
   - जनता द्वारा खास अवधि के लिए निर्वाचित लोगों को राजनैतिक कार्यपालिका कहते हैं।
   - विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा लम्बे समय के लिए नियुक्त लोगों को स्थायी कार्यपालिका कहते हैं। उदाहरण – सिविल सर्वेंट
   - यह अधिकारी राजनैतिक कार्यपालिका के तहत काम करते हैं।

4. न्यायपालिका और इसके अधिकार :
   - न्यायपालिका संवैधानिक संस्था होती है।
   - इसके पास न्याय करने का अधिकार और
   - कानूनी विवादों के निपटारे का अधिकार होता है।
   - न्यायिक समीक्षा का अधिकार।

5. भारत के विभिन्न स्तर के न्यायालयों के नाम :
   - पूरे देश के लिए सर्वोच्च न्यायालय।
   - राज्यों में उच्च न्यायालय।
   - जिला न्यायालय और स्थायी स्तर के न्यायालय।

6. संसद का सदस्य चुने जाने के लिए अनिवार्य योग्यताएंः

- भारत का नागरिक हो।
- सरकार के अंतर्गत किसी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो।
- दिवालिया या सज़ायाफ्ता न हो।

7. भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए अनिवार्य योग्यताएं :

- भारत का नागरिक हो।
- चुनाव के वक्त आयु 35 वर्ष से अधिक।
- दिवालिया या सजायाफ्ता न हो।
- सरकार के अंतर्गत किसी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो।
- लोकसभा का सदस्य बनने के योग्य हो।

8. संसद के राजनैतिक अधिकार :

- कानून बनाने, संशोधन करने तथा पुराने कानून के स्थान पर नये कानून बनाने का अधिकार।
- सरकार चलाने वालों को नियंत्रित करने का अधिकार।
- सरकार के हर पैसे पर नियंत्रण का अधिकार।
- सार्वजनिक मामलों व राष्ट्रीय नीति पर चर्चा का अधिकार।

9. भारतीय प्रधानमंत्री के अधिकार :

- कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता।
- विभिन्न विभागों के कार्य का समन्वय।
- विभिन्न विभागों की सामान्य निगरानी।
- मंत्रियों के कामों का वितरण।
- किसी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार

10. लोकसभा और राज्यसभा में अंतर :

1 लोकसभा के सदस्यों का चुनाव लोगों द्वारा प्रत्यक्ष के रूप से होता है।

2 राज्यों के संबंध में राज्यसभा को कुछ विशेष अधिकार दिए गए हैं लेकिन अधिकतर मसलों पर सर्वोच्च अधिकार लोकसभा के पास ही है।

3 संयुक्त अधिवेशन में लोकसभा के सदस्य अधिक होने के कारण लोकसभा के विचार को प्राथमिकता मिलने की संभावना रहती है।

4 लोकसभा पैसे के मामले में अधिक अधिकारों का प्रयोग करती है।

5 लोकसभा मंत्रिपरिषद् को नियंत्रित करती है। राज्यसभा को यह अधिकार नहीं।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. दो
2. (c) हाउस ऑफ पीपल
3. राष्ट्रपति
4. राष्ट्रपति

अध्याय–5

लोकतान्त्रिक अधिकार

याद रखने योग्य बातें :–

- अधिकार लोगों को प्रदान किए जाने वाले वे तार्किक दावे हैं जिन्हें समाज से स्वीकृति और अदालतों द्वारा मान्यता मिली होती है। लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है।

मौलिक अधिकारः

समानता का अधिकार

समानता का अधिकार
- अनुच्छेद 14 : विधि के समक्ष समानता यानि सभी व्यक्तियों के लिए कानून समान रूप से लागू होता है।
- अनुच्छेद 15 : सरकार द्वारा व्यक्तियों से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करना।
- अनुच्छेद 16 : अवसर की समानता यानि सरकारी रोजगारों को प्राप्त करने में समान अवसर मिलना।
- अनुच्छेद 17 : अस्पृश्यता का अंत यानि समाज में छुआछूत को समाप्त करना।
- अनुच्छेद 18 : उपाधियों का अंत सेना या विद्या संबंधी सम्मान के अलावा अन्य उपाधियाँ प्रदान करना।

स्वतंत्रता का अधिकार

स्वतंत्रता का अधिकार

अनुच्छेद 19 : वाक्–स्वतन्त्र्य आदि कुछ अधिकारों का संरक्षण
- अभिव्यक्ति
- शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होना
- संगठन और संघ बनाना
- देश में कहीं भी आना–जाना
- व्यवसाय की स्वतंत्रता
- देश में कहीं भी रहना या बसना

अनुच्छेद 20 : अपराधों के लिए दोषसिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण
- एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सज़ा
- स्वयं के विरूद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं करना।

अनुच्छेद 21 : प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करना।

अनुच्छेद 21 कः शिक्षा का अधिकार 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना

अनुच्छेद 22 : कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण प्रदान करना।

• अधिकारों के बिना जीवन से सम्बन्धित कुछ वास्तविक

उदाहरण

- गुआंतानामों बे जेल में गिरफ्तार करके रखे गए लोगों का जीवन
- सऊदी अरब में महिलाओं को सीमित अधिकारों का मिलना
- कोसोवो में सर्ब बहुसंख्यक लोगों की सरकार द्वारा अल्बनियाई अल्प संख्यकों पर कठोर व्यवहार करना

लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता

- बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा
- सरकार के अनुचित कानूनों पर प्रतिबंध रखना
- लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए

शोषण के विरुद्ध अधिकार

अनुच्छेद 23 : मानव के खरीदने व बेचने पर रोक लगाना और किसी भी तरह की बेगार व जबरन काम कराने पर रोक

अनुच्छेद 24 : बाल मजदूरी पर रोक लगाना यानि किसी भी कारखाने, खदान, बंदरगाह या अन्य किसी भी खतरनाक काम में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम नहीं कराया जा सकता

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

अनुच्छेद 25 : अपना धर्म मानने, उस पर आचरण करने और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता

अनुच्छेद 26 : धार्मिक संस्थाओं की स्थापना व पोषण करने व उनके स्वामित्व और प्रशासन की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 27 : किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए कर नहीं लगाया जा सकता।

अनुच्छेद 28 : राज्य द्वारा संचालित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता

संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार

अनुच्छेद 29 : अल्पसंख्यक वर्ग की अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को सुरक्षित रखने का अधिकार

अनुच्छेद 30 : अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना व उनके प्रशासन का अधिकार

• भारतीय संविधान में अधिकार

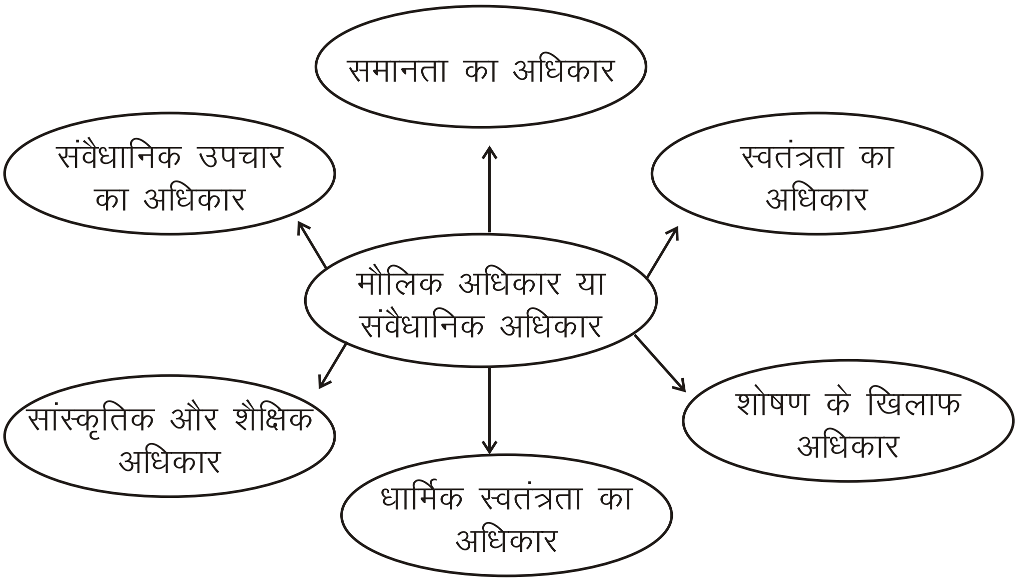

- संवैधानिक उपचारों का अधिकार : सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों को लागू कराने के मामले में निर्देश देने, आदेश या रिट जारी करने का अधिकार है जो निम्नलिखित है
  1. <u>बंदी प्रत्यक्षीकरण</u> : बंदी बनाए गए व्यक्ति को न्यायालय के सामने प्रस्तुत करना और उसकी बेगुनाही की जाँच करवाना
  2. <u>परमादेश</u> : पदाधिकार को कर्तव्य पालन करवाने के लिए आदेश देना।
  3. <u>प्रतिषेध लेख</u> : अधिनस्थ न्यायालयों को उच्च–न्यायालयों सम्बन्धित न्यायिक कार्यों को करने से रोकना
  4. <u>उत्प्रेक्षण लेख</u> : अधीनस्थ न्यायालयें को अपनी अधिकारिता का उल्लंघन करने से रोकना।
  5. <u>अधिकार पृच्छा लेख</u> : असंवैधानिक रूप से पद ग्रहण करने पर यह आदेश जारी होता है।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने इस संवैधानिक उपचार के अधिकार को भारतीय संविधान की आत्मा और हृदय कहा है।
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर 1993 को हुआ था। यह आयोग, मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अधिकारों का बढ़ता दायरा

- निजता का अधिकार
- स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार
- पर्याप्त आवास का अधिकार
- काम का अधिकार
- स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार

1 अंकों वाले प्रश्न

1. अधिकार शब्द का क्या अर्थ है ?
2. धर्मनिरपेक्ष शासन से क्या तात्पर्य है ?
3. समानता के अधिकार से आप क्या समझते हैं ?
4. शिक्षा के अधिकार से क्या अभिप्राय है ?
5. नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा कौन करता है ?

   क) नागरिक स्वयं   ख) गृह मंत्रालय

   ग) रक्षा मंत्रालय   घ) न्यायालय
6. सूचना का अधिकार क्या है ?

   क) सरकार को कोई सूचना देने का अधिकार

   ख) सरकारी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार

   ग) निजी दफ्तरों को कोई सूचना देने का अधिकार

   घ) निजी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार
7. वह कौन–सा देश है जहाँ अगर कोई व्यक्ति या उस पर आश्रित व्यक्ति अपने आप को पाल नहीं सकता तो सरकार उसको आर्थिक सहायता देगी ?

   क) मिस्र   ख) पाकिस्तान

   ग) डेनमार्क   घ) स्पेन
8. मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?

   क) 19 अक्टूबर   ख) 10 दिसम्बर

   ग) 26 जनवरी   घ) 15 अगस्त

स्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए स्रोत को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें –

लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है। लोकतंत्र में हर नागरिक को वोट देने और चुनाव लड़कर प्रतिनिधि चुने जाने का अधिकार है। लोकतांत्रिक चुनाव हो इसके लिए

लोगों को अपने विचारों को व्यक्त करने की राजनैतिक पार्टी बनाने और राजनैतिक गतिविधियों की आज़ादी का होना ज़रूरी है। लोकतंत्र में अधिकारों की एक खास भूमिका भी है। अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं। ये इस बात की व्यवस्था करते हैं कि बहुसंख्यक किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानी न करें। अधिकार स्थितियों के बिगड़ने पर एक तरह की गारंटी जैसे हैं। अगर कुछ नागरिक दूसरों के अधिकारों को हड़पना चाहें तो स्थिति बिगड़ सकती है। यह स्थिति आम तौर पर तब आती है जब बहुमत के लोग अल्पमत में आ गए लोगों पर प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। लेकिन कई बार चुनी हुई सरकार भी अपने ही नागरिकों के अधिकारों पर हमला करती है या संभव है, वह नागरिक के अधिकारों की रक्षा न करे। इसलिए कुछ अधिकारों को सरकार से भी ऊँचा दर्ज़ा दिए जाने की ज़रूरत है ताकि सरकार भी उनका उल्लंघन न कर सके। अधिकांश लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाओं में नागरिक के अधिकार संविधान में लिखित रूप से दर्ज़ होते हैं।

सही विकल्प का चयन करें

1. किसी शासन की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है?

(a) राजतंत्र (b) साम्यवाद

(c) सैनिक तंत्र (d) लोकतंत्र

2. अधिकार क्यों आवश्यक हैं?

3. रिक्त स्थान भरें

सरकार को .... के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

4. किन्हीं दो अधिकारों को बताएँ।

9. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

1. अपने धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता	(क) संवैधानिक उपचार का अधिकार
2. छुआछूत की समाप्ति	(ख) स्वतंत्रता का अधिकार
3. बेगार पर प्रतिबन्ध	(ग) समानता का अधिकार
4. देश में कहीं भी आने जाने की आज़ादी	(घ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
5. अपनी भाषा और संस्कृति बचाने का अधिकार	(ड) शोषण के विरूद्ध का अधिकार
6. मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर अदालत से अधिकारों की मांग करना	(च) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. भारत में हर नागरिक को कौन–से मौलिक अधिकार हासिल हैं?

2. समानता के अधिकार को स्पष्ट कीजिए।

3. स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत कौन–कौन सी स्वतंत्रताएँ आती हैं?

4. शोषण के खिलाफ अधिकार का वर्णन कीजिए।

5. धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार को स्पष्ट कीजिये।

7. संवैधनिक उपचार के अधिकार का क्या अर्थ है।

8. दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिकों को कौन–से नए अधिकार मिले हैं?

9. निम्नलिखित उदाहरणों में किस मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है :

   क) 14 साल से कम उम्र के बच्चों से कारखाने में काम करवाना।

   ख) रमेश के गाँव में लोगों को वोट देने से रोकना।

   ग) राहुल के गाँव में लोगों को वोट देने से रोकना।

   घ) बिहार से मुम्बई गये वरूण को वहां घर बनाने से रोकना।

   ङ) तमिलनाडु के एक गाँव में एक महिला को गाँव के तालाब से पानी भरने से रोकना।

10. भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों को किस तरह से सुरक्षित किया गया है?

अथवा

न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की किस तरह से रक्षा करती है?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. अधिकार लोगों के तार्किक दावे हैं, इन्हें समाज से स्वीकृति और आदलतों से मान्यता मिली होती है।

2. सरकार किसी धर्म को अधिकारिक धर्म की मान्यता नहीं देती।

3. धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, या जन्मस्थान के आधार पर किसी से भेदभाव न करना।

4. 6 से 14 साल तक सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना सरकार का उत्तरदायित्व है।

5. घ) न्यायालय

6. ख) सरकारी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार

7. ग) डेनमार्क

8. ख) 10 दिसम्बर

9. (i) (घ) (ii) (ग) (iii) (ङ), (iv) (ख) (v) (च) (vi) (क)

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. भारत में हर नागरिक को हासिल मौलिक अधिकार :–
   - क. समानता का अधिकार।
   - ख. स्वतंत्रता का अधिकार।
   - ग. धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार।
   - घ. शैक्षिक व सांस्कृतिक अधिकार।
   - ड़. शोषण के खिलाफ अधिकार।
   - च. संवैधानिक उपचारों का अधिकार

2. समानता का अधिकार :
   - सरकार किसी से भी उसके धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्म स्थल के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकती।
   - दुकान, होटल और सिनेमा घरों जैसे सार्वजनिक स्थलों में किसी के प्रवेश को रोका नहीं जा सकता।
   - सरकार में किसी पद पर नियुक्ति के मामले में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता।
   - किसी व्यक्ति का दर्जा या पद चाहे जो हो सब पर कानून समान रूप से लागू होता है।

- कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से अपने पद या जन्म के आधार पर विशेष अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

3. स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत स्वतंत्रताएंः
   - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
   - शांतिपूर्ण ढंग से जमा होने की स्वतंत्रता ।
   - देश में कहीं भी आने जाने की स्वतंत्रता ।
   - देश के किसी भी भाग में रहने–बसने की स्वतंत्रता ।
   - कोई भी काम करने, धंधा करने या पेशा करने की स्वतंत्रता।

4. शोषण के खिलाफ अधिकार :–
   - संविधान मनुष्य जाति के अवैध व्यापार को मना करता है।
   - संविधान किसी किस्म के बेगार या जबरन काम लेने को मना करता है।
   - संविधान बाल मज़दूरी को मना करता है।

5. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :
   - हर किसी को अपना धर्म मानने, उस पर आचरण करने और उसका प्रचार करने का अधिकार।
   - हर धार्मिक समूह को अपने धार्मिक कामकाज के प्रबंधन की आजादी है।
   - अपने धर्म का प्रचार करने के अधिकार का मतलब किसीको झाँसा या लालच दे कर उसका धर्म परिवर्तन कराना नहीं है।

6. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार :
   - नागरिकों में विशिष्ट भाषा या संस्कृति वाले किसी भी समूह को अपनी भाषा और संस्कृति बचाने का अधिकार है।
   - किसी भी सरकारी या सरकारी अनुदान पाने वाले शैक्षिक संस्थान में किसी नागरिक को धर्म या भाषा के आधार पर दाखिला लेने से रोका नहीं जा सकता।
   - सभी अल्पसंख्यको को अपनी पसंद का शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार है।

7. संवैधानिक उपचार का अधिकार :–
   - संवैधानिक उपचार के अधिकार के अंतर्गत हम संविधान में दिए गए मौलिक

अधिकारों के उल्लंघन की सूरत में अदालत से इन अधिकारों की माँग कर सकते है।

8. दक्षिण अफ्रीका के संविधान मे नागरिकों को मिले नए अधिकार :

(क) निजता का अधिकार।

(ख) पर्यावरण का अधिकार।

(ग) पर्याप्त आवास पाने का अधिकार।

(घ) स्वास्थ्य सेवाओं, पर्याप्त भोजन और उन तक पहुँच का अधिकार।

9. (क) शोषण के विरूद्ध अधिकार

(ख) शोषण के विरूद्ध अधिकार

(ग) स्वतंत्रता का अधिकार

(घ) स्वतंत्रता का अधिकार

(ङ) समता का अधिकार

10. (i) संवैधानिक उपचारों के अधिकार के द्वारा हम मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।

(ii) विधायिका या कार्यपालिका के किसी भी फैसले या काम से मौलिक अधिकारों का हनन हो या उनमें कोई कमी हो तो वह फैसला या काम अवैध हो जाएगा।

(iii) अदालतें गड़बड़ी का शिकार होने वाले को हर्जाना दिलवा सकती हैं और गड़बड़ी करने वालों को दंडित कर सकती हैं।

(iv) भारत में स्वतंत्र न्यायपालिका होने के कारण भारतीय अदालतें मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने में सक्षम है।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

1. (d) लोकतंत्र
2. व्यक्ति के विकास का अवसर प्रदान करने में अधिकार सहायक हैं।
3. नागरिकों
4. (a) समानता का अधिकार

   (b) स्वतंत्रता का अधिकार

अर्थशास्त्र

कक्षा – नौवीं

अध्याय–1, पालमपुर गाँव की कहानी

पाठ्य बिन्दुः– पालमपुर एक काल्पनिक गाँव है जिसको पाठ का मूल आधार बनाया गया है।

1. भारत के गांवों में कृषि उत्पादन की प्रमुख गतिविधि है।
2. पालमपुर में कृषि ही मुख्य क्रिया है।
3. अन्य उत्पादन गतिविधियों में ज़िन्हें गैर कृषि क्रियाएँ कहा गया है 'लघु विनिर्माण, परिवहन, दुकानदारी आदि शामिल हैं।
4. उत्पादन का उद्देश्य या प्रयोजन ऐसी वस्तुँए और सेवाएँ उत्पादन करना है जिनकी हमें आवश्यकता है।

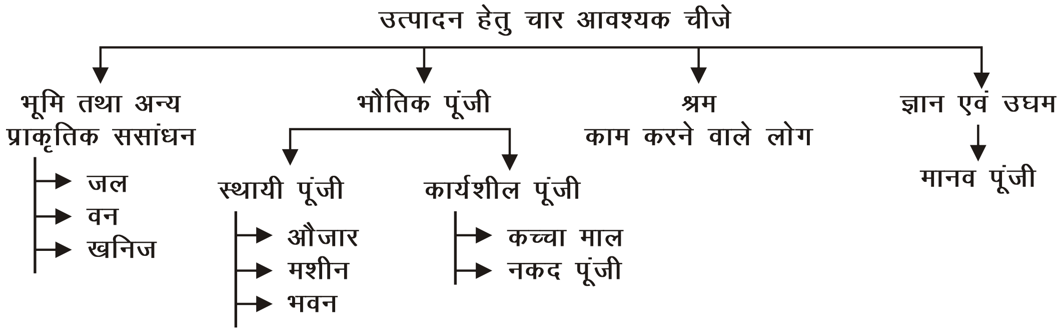

5. जमीन मापने की ईकाई – हेक्टेयर, 1 हेक्टेयर = 10,000 वर्ग मी.
6. **पालम पुर में कृषि**

   कृषि ऋतु को मुख्यतः तीन भागों में बाँटा गया है।

	ऋतु	अवधि	फसल
1.	वर्षा ऋतु (खरीफ़)	जुलाई–अक्टूबर	ज्वार, बाजरा, चावल कपास, गन्ना तम्बाकु – आदि
2.	शरद् ऋतु (रबी)	अक्टूबर–मार्च	गेहुँ, सरसों, दालें, आलु आदि
3.	ग्रीष्म ऋतु (जायद)	मार्च–जून	तरबूज, खीरा, फलियाँ सब्जियाँ फूल इत्यादि

7. बिजली के विस्तार से सिंचाई व्यवस्था में सुधार हुआ परिणाम स्वरूप किसान खरीफ़ (Kharif) और रबी (Rubi) दोनों ऋतुओं की फसल उगाने में सफल हो सके हैं।

8. बहुविघ फसल प्रणाली : एक ही भूमि के टुकड़े से उत्पादन बढ़ाने का तरीका (एक साल में किसी भूमि पर एक से अधिक फसल पैदा करना। पालमपुर के किसान कम से कम दो मुख्य फसल उगाते हैं, तीसरी फसल के रूप में आलू पैदा कर रहे हैं।

9. खेती करने के तरीके :–

आधार		पारम्परिक कृषि	आधुनिक कृषि
1.	श्रम	स्वयं तथा परिवार के सदस्यों द्वारा	खेतीहर मज़दूरों द्वारा
2.	बीज	पारंपरिक बीज	अति उपज, प्रजातियों वाले बीज (HYVS)
3.	उर्वरक	गाय का गोबर तथा अन्य प्राकृतिक खाद	रसायनिक उर्वरक व कीट नाशकों का प्रयोग
4.	जुताई	पांरपरिक हल व बैल का प्रयोग	ट्रैक्टर, थ्रेसर
5.	सिंचाई के स्त्रोत	कुएँ, रहट, तालाब नदियों व वर्षा के पानी द्वारा	बिजली चालित नलकूपों या डीजल से चलने वाले यंत्र
6.	पूँजी	कम पूँजी द्वारा संभव।	अधिक पूँजी की आवश्यकता

10. हरित क्रांति–1960 के दशक के अंत में भारतीय किसानों को आधुनिक कृषि के तरीकों से गेहूँ और चावल की खेती सिखाई गई।

हरित क्रांति
(आधुनिक कृषि)

- अधिक उपज वाले बीज (HYV)
- उर्वरक
- कीटनाशक
- आधुनिक सिंचाई
- ट्रैक्टर और मशीनें

लाभ (हरित क्रांति)–

- अधिक मात्रा में अनाज उत्पादन
- रोज़गार में वृद्धि
- कृषि और उद्योग के सुदृढ़ संबंध।
- किसानों की स्थिति में सुधार।

11. अनेक क्षेत्रों में हरित क्रान्ति के कारण उर्वरकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता कम हो गई। इसके अतिरिक्त नलकूपों से सिंचाई के कारण भौम जल स्तर कम हो गया और प्रदूषण बढ़ गया।

12. पालम पुर में गैर कृषि क्रियाएँ :–

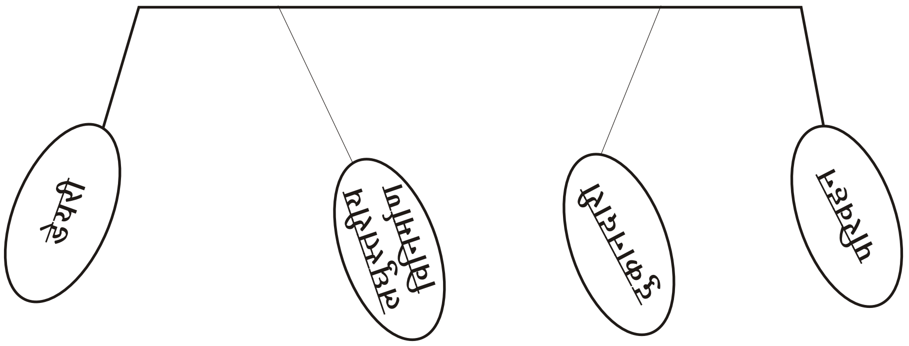

एक नज़र में पालमपुर :–

1. पालमपुर में कृषि ही प्रमुख उत्पादन प्रक्रिया है। गाँव में 450 परिवार रहते है। 150 परिवारों के पास, खेती के लिए भूमि नहीं है। बाकी 240 परिवारों के पास 2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले छोटे भूमि के टुकड़े हैं। गांव की कुल जनसंख्या का एक–तिहाई भाग दलित या अनुसूचित जातियों का है। गाँव में ज़्यादातर भूमि के स्वामी उच्च जाति के 80 परिवार है।

2. पालम पुर गांव में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए– एक हाई स्कूल दो प्राथमिक विद्यालय, एक स्वास्थ्य केन्द्र और एक निजी अस्पताल भी है।

3. गांव के कुल कृषि क्षेत्र के केवल 40 प्रतिशत भाग में सिंचाई होती है। अधिक उपज पैदा करने वाले बीज (HYV) की सहायता से गेहूँ की उपज 1300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 3200 किलोग्राम हो गई है।

4. पालम पुर गांव में 25 प्रतिशत लोग गैर कृषि–कार्यो में लगे हुए हैं जैसे – डेयरी – दुकानदारी, लघुस्तरीय निर्माण, उद्योग, परिवहन इत्यादि।

5. पालमपुर व आस पड़ोस के गाँवों, कस्बों और शहरों में दूध, गुड़, गेहुँ आदि सुलभ हैं। जैसे–जैसे ज्यादा गाँव, कस्बों और शहरों से अच्छी सड़कों, परिवहन और टेलीफोन से जुड़ेंगें, भविष्य में गाँवों में गैर–कृषि उत्पादन क्रियाओं के नये अवसर सृजित होगें।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. पालम पुर गाँव के लोगों की मुख्य आर्थिक क्रिया क्या है ?

   (1) दुकानदारी (2) कृषि (3) दोनों (4) इनमें से कोई नहीं

2. उत्पादन की प्रथम आवश्यकता क्या है ?

   (1) भूमि (2) श्रम (3) पूंजी (4) बाज़ार

3. पालमपुर के कृषक तीसरी फसल के रूप में कौन सी फसल बो रहे हैं ?

(1) बाजरा (2) आलू (3) गन्ना (4) इनमें से कोई नहीं

4. आधुनिक कृषि में .... बीजों का प्रयोग किया जाता है।

5. एक साल में किसी भूमि पर एक से ज़्यादा फसल उगाने की विधि को .... कहते हैं।

6. कृषि के आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग भारत के किन दो राज्यों में किया गया ?

7. छोटे किसान खेती के लिए आवश्यक पूंजी का प्रबंध किस प्रकार करते हैं ?

8. पालमपुर में लगभग कितने प्रतिशत लोग गैर कृषि व्यवसायों में लगे हुए हैं ?

9. भूमि मापने की मानक इंकाई क्या है ?

10. अधिशेष कृषि उत्पादों का किसान क्या करते हैं ?

11. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) : उत्पादन, भूमि, श्रम और पूँजी को संयोजित करके संगठित होता है।

कारण (क) : औज़ार, मशीनें और भवन को स्थायी पूँजी कहा जाता है।

विकल्प : (a) संकलपना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दानों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

लघु / दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3 / 5 अंक)

1. पालमपुर गाँव की किन्हीं तीन गैर–कृषि क्रियाओं का वर्णन कीजिए ?
2. 1960 के दशक के अन्त में आई हरित क्रान्ति ने भारतीय कृषि पर क्या प्रभाव डाला ? (कोई पाँच बिन्दू)
3. परम्परागत खेती व आधुनिक कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए (कोई पाँच)
4. पालमपुर में लघुस्तरीय विनिर्माण उद्योग की विशेषताएँ लिखिए (कोई पाँच)
5. आपके क्षेत्र में कौन–कौन सी गैर कृषि क्रियाएँ होती है ? (किन्हीं पाँच)
6. पालम पुर गांव में भूमिहीन किसानों को किस प्रकार का संघर्ष करना पड़ रहा है ?
7. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आवश्यक चीजों का वर्णन कीजिए ?
8. "कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना आवश्यक है" कोई तीन कारण लिखिए।

9. पालमपुर में भूमि कृषकों में किसी प्रकार वितरित है ?

10. पालमपुर के दुकानदार किस प्रकार व्यापार करते हैं ?

11. ''हरित क्रान्ति'' के कारण मिट्टी की उर्वरक क्षमता कम हुई है'', क्या आप इससे सहमत हैं। अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

12. ऐसे कौन–कौन से गैर–कृषि कार्य हैं जो पालमपुर जैसे गाँवो में प्रारम्भ किये जा सकते हैं।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

पालमपुर में एक वर्ष में किसान तीन अलग–अलग फसलें इसलिए पैदा कर पाते हैं, क्योंकि वहाँ सिंचाई की सुविकसित व्यवस्था है। एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करने को बहुविध फसल प्रणाली कहते हैं। पालमपुर में सभी किसान कम से कम दो मुख्य फसलें पैदा करते हैं। कई किसान पिछले पद्रंह बीस वर्षो से तीसरी फसल के रुप में आलू पैदा कर रहे हैं।

1. पालमपुर में एक वर्ष में किसान .... फसलें पैदा कर पाते हैं।
2. बहुविध फसल प्रणाली क्या है?
3. वाक्य को ठीक कीजिए :–

   सभी किसान पाँच मुख्य फसलें पैदा करते हैं।
4. .... की फसल, तीसरी फसल के रुप में पैदा की जाती हैं।

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. कृषि
2. भूमि
3. आलू
4. HYV
5. बहुविध फसल प्रणाली
6. पंजाब और हरियाणा
7. बड़े किसानों से या गाँव के साहूकारों से आवश्यक पूंजी लेते हैं।
8. लगभग 25 प्रतिशत
9. एक हेक्टेयर, जो 100 मी. वाली भुजा वाले वर्ग के क्षेत्रफल के बराबर है।
10. बाजार में बेचते हैं।
11. (b)

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3 / 5 अंक)

1. i) लघु स्तरीय विनिर्माण
   ii) डेयरी
   iii) परिवहन
   iv) दुकानदारी (कोई भी तीन)

2. i) हरित क्रान्ति ने भारतीय कृषकों को ज्यादा उपज वाले बीज HYV के द्वारा चावल और गेहूँ की कृषि करने के तरीके सिखाये।
   ii) परम्परागत बीजों की तुलना में HYV अधिक उपज वाले बीज सिद्ध हुए।
   iii) किसानों ने कृषि में ट्रेक्टर और फसल काटने की मशीनों का उपयोग करना प्रारम्भ कर दिया।
   iv) रसायनिक खादों का प्रयोग करना शुरू किया।
   v) प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया गया।

3.

परम्परागत कृषि	**आधुनिक कृषि**
i) कृषि में पारम्परिक बीजों का प्रयोग	i) कृषि में अधिक उपज देने वाले बीज HYV का प्रयोग
ii) कम सिचांई की आवश्यकता	ii) अधिक सिंचाई की आवश्यकता
iii) उर्वरको के रूप में गाय के गोबर अथवा दूसरी प्राकृतिक खाद का प्रयोग	iii) रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग।
iv) पारम्परिक हल का प्रयोग	iv) मशीनों का प्रयोग
v) कुओं नदी, रहट, तालाब से सिंचाई	v) नलकूपों और पम्पिंग सेट के द्वारा सिंचाई

4. i) सरल उत्पादन विधियों का इस्तेमाल।
   ii) पारिवारिक श्रम द्वारा घरों पर काम करना।
   iii) श्रमिकों को भी कई बार किराए पर रखा जाता है।
   iv) कम लागत पूंजी
   v) कम समय में तैयार माल

5. i) दुकानदारी
   ii) परिवहन संबंधित कार्य जैसे ई.रिक्शा, ट्रक का उपयोग आदि।
   iii) सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र तथा निजी पाठशालाएँ।
   iv) कम्प्यूटर का प्रशिक्षण देना। (या कोई अन्य)
   v) फर्नीचर बनाना।

6. i) भूमिहीन किसान दैनिक मज़दूरी पर काम करने के लिये मजबूर है।

ii) उन्हें अपने लिए प्रतिदिन काम ढूंढते रहना पड़ रहा है।

iii) सरकार द्वारा मज़दूर की दैनिक दिहाड़ी न्यूनतम रूप में 60 रू0 निर्धारित की गई है। परन्तु केवल 35–40 रुपये ही मिलते है।

iv) खेतिहर श्रमिकों में अधिक स्पर्धा के कारण ये लोग कम वेतन में भी कार्य करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

v) खेतीहर श्रमिक कर्ज के कारण अत्याधिक कष्ट झेल रहे हैं।

7. i) पहली आवश्यकता है भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन खनिज की भी आवश्यकता है।

ii) श्रम अर्थात् जो लोग काम करेगें। कुछ उत्पादन क्रियाओं में शिक्षित कर्मियों की भी आवश्यकता है।

iii) भौतिक पूंजी : उत्पादन के समय प्रत्येक स्तर पर काम आने वाली आगतें जैसे इमारतें, मशीनें औजार आदि। इसमें स्थायी और कार्यशील पूंजी दोनों शामिल हैं।

iv) मानव पूंजी : उत्पदन करने के लिये – भूमि श्रम और भौतिक पूंजी को एक साथ करने योग्य बनाने के लिए ज्ञान और उद्यम की आवश्यकता है जिसे मानव पूंजी कहा जाता है।

v) बाजार : उत्पादित वस्तुओं के अन्तिम उपभोग हेतु प्रतिस्पर्धा के लिये बाजार भी एक आवश्यक तत्व है।

8. सिंचित क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्र को बढ़ाना :–

i) कृषि की व्यवस्था सिंचित क्षेत्र पर निर्भर करती है।

ii) भारत के कुछ क्षेत्रों में (जैसे–पंजाब, राजस्थान, दक्कनी भाग तथा मध्य भारत) वर्षा अनियमित व अनिश्चित है। ऐसे क्षेत्रों में कृत्रिम सिंचाई की अधिक आवश्यकता है।

iii) कुछ फसलें ऐसी हैं जिसके लिये नियमित रूप से जलापूर्ति आवश्यक है जैसे – चावल, गेहूँ, गन्ना आदि।

iv) जिन क्षेत्रों में आधुनिक बीजों का प्रयोग किया जाता है वहां भी जल की अधिक आवश्यकता पाई जाती है। (या कोई अन्य)

v) भूमि का बहुत छोटा भाग भी सिंचाई के अंतर्गत है।

9. पालमपुर में भूमि का वितरण :–

i) पालमपुर में 450 परिवारों में से लगभग एक तिहाई अर्थात् 150 परिवारों के पास खेती के लिये भूमि नहीं हैं जो अधिकाशत : दलित है।

ii) 240 परिवारों जिनके पास भूमि हैं 2 हेक्टेयर से भी कम क्षेत्रफल वाले टुकड़ों पर खेती करते हैं।

iii) भूमि के ऐसे टुकड़ों पर खेती करने से किसानों के परिवार को पर्याप्त आमदनी नहीं होती।

iv) पालमपुर में मझोले किसान और बड़े किसानों के 60 परिवार हैं जो 2 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करते है।

v) कुछ बड़े किसानों के पास 10 हेक्टेयर या इससे अधिक भूमि है।

10. पालमपुर के दुकानदार :—

i) दुकानदार प्रतिदिन की वस्तुओं को थोक रेट पर खरीदते है और गाँव में बेचते है।

ii) पालमपुर में ज्यादा लोग व्यापार (वस्तु विनियम) नहीं करते।

iii) गाँव में छोटे जनरल स्टोरो में चावल, गेहूँ चाय, तेल बिस्कुट साबुन, टूथ पेस्ट, बेट्री, मोमबत्ती, कापियां पैन पेंसिल तथा कुछ कपड़े भी बेचे जाते हैं।

iv) कुछ परिवारों ने जिनके घर बस स्टैंड के निकट हैं अपने घर के एक भाग में ही छोटी दुकान खोल ली है।

v) वस्तुओं के साथ—साथ खाने की चीजे भी बेचते हैं।

11. हरित क्रान्ति :—

i) रासायनिक उर्वरकों के कारण मृदा की उर्वरता नष्ट होने लगी।

ii) भू—जल के अति प्रयोग से भौमजल स्तर (भूमि जलस्तर) गिरने लगा।

iii) रासायनिक उवर्रक आसानी से पानी में घुलकर मिट्टी से नीचे चले जाते हैं और जल को दुषित करते हैं।

iv) ये बैक्टीरिया और वैसे सुक्ष्म जीवाणु को नष्ट कर देते हैं जो मिट्टी के लिए उपयोगी हैं।

v) उर्वरकों के अति प्रयोग से भूमि खेती के योग्य नहीं रहती ।

12. पालमपुर में गैर कृषि कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं :—

i) लकड़ी से फर्नीचर बनाना

ii) घरेलु बर्तनो का निर्माण

iii) सिलाई, कढ़ाई, बुनाई से तैयार कपड़े

iv) टोकरियाँ बुनना

v) ईटे बनाना

स्रोत्र आधारित प्रश्न –

1. तीन

2. एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करना।

3. सभी किसान तीन मुख्य फसलें पैदा करते हैं।

4. आलू

अध्याय–2

संसाधन के रूप में लोग

पाठ्य बिन्दु :–

1. **मानव पूंजी :–** मानव पूंजी–कौशल और उनमें निहित उत्पादन के ज्ञान का स्टॉक है। अथवा भौतिक पूंजी पर लगने वाले श्रम को मानव पूंजी कहते हैं।
2. **मानव पूंजी निर्माण :–** मानव संसाधनों का अधिक शिक्षा कौशल तथा स्वास्थ्य द्वारा और विकसित किया जाना।
3. **मानव संसाधन :–** यह अन्य संसाधनों जैसे भूमि पूँजी इत्यादि से श्रेष्ठ है क्योंकि ये संसाधन स्वयं अपना उपयोग नहीं कर सकते। यह उत्पादन का एक सजीव, क्रियाशील तथा संवेदनशील कारक है।
4. **शिक्षा का महत्व :–** श्रम की गुणवत्ता बढ़ाती है, परिणाम स्वरूप उत्पादकता में हुई वृद्धि देश की संवृद्धि में योगदान देती है।
5. जापान में मानव संसाधन पर अधिक निवेश किया गया है।
6. अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्रियाकलापों को **तीन प्रमुख क्षेत्रकों** में बाँटा गया है– प्राथमिक, द्वितीय और तृतीयक।

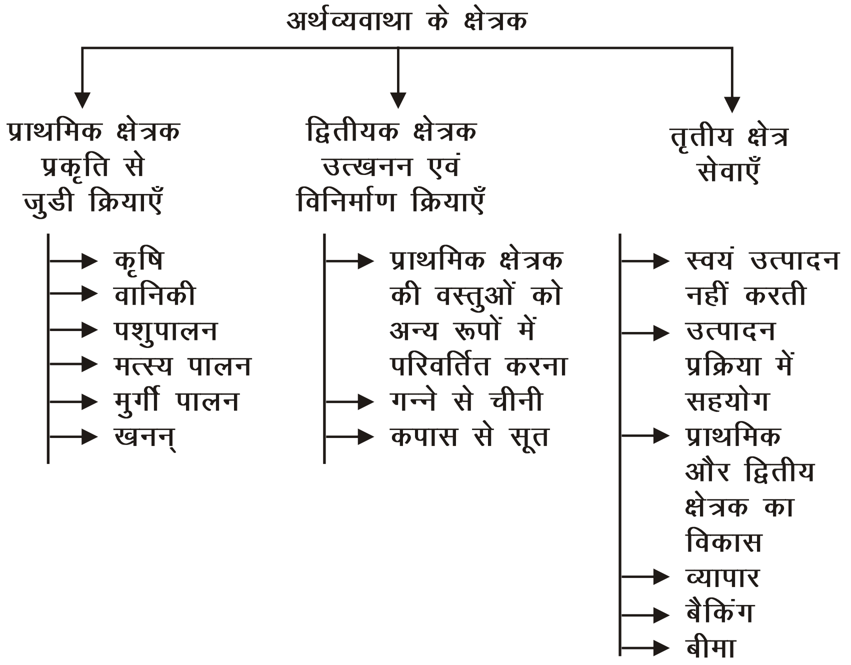

7. वह सभी क्रियाएँ जो राष्ट्रीय आय में मूल्यवर्धन करती हैं – आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है।

8. आर्थिक क्रियाएँ दो प्रकार की है :–

(i) बाजार क्रियाएँ (ii) गैर बाजार क्रियाएँ

- **बाजार क्रियाएँ** :– वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है।
- **गैर बाजार क्रियाएँ** :– स्व उपभोग के लिए उत्पादन है इनमें प्राथमिक उत्पादों का उपभोग तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है। उदाहरण–बागवानी

9. **जनसंख्या की गुणवत्ता** :–जनसंख्या की गुणवत्ता निर्धारित करने वाले कारक–साक्षरता दर तथा व्यक्ति का स्वास्थ्य।

10. **सर्वशिक्षा अभियान**:–प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

11. **मृत्यु दर** :– अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे मरने वाले लोगों की संख्या से है।

12. **जन्मदर** :– एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या से है।

13. **शिशु मृत्यु दर** :– अभिप्राय प्रति हजार जन्म लेने वाले शिशुओं में एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु से है।

14. **बेरोजगारी** :– वह दशा या वह स्थिति है जब प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए इच्छुक लोग रोजगार प्राप्त नहीं करते ।

15. **बेरोजगारी के प्रकार**

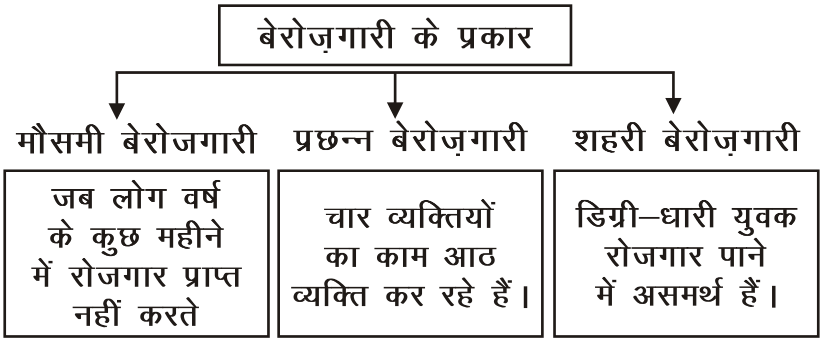

16. **राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य** :– जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है।

1 अंक वाले प्रश्न

1. सर्व शिक्षा अभियान किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए चलाया गया है ?
   (1) 7 – 15 वर्ष (2) 6 – 14 वर्ष (3) 8 – 13 वर्ष (4) 9 – 16 वर्ष
2. शिक्षित बेरोजगार कौन है ?
   (1) वह व्यक्ति जिसके पास डिग्री है रोजगार नहीं
   (2) शहर में रहने वाला निरक्षर बेरोज़गार
   (3) दैनिक मज़दूरी पर काम करने वाला मजदूर
   (4) इनमें से कोई नहीं
3. प्राथामिक क्षेत्रक में सम्पन्न की जाने वाली क्रियाएँ कौन सी हैं ?
   (1) कृषि और मत्स्य पालन
   (2) चरखा चलाना और सूत कातना
   (3) कृषि और परिवहन
   (4) इनमें से काई नहीं
4. जापान का .... संसाधन में अधिक निवेश है
5. जनसख्या की गुणक्ता .... और .... कारकों पर निर्भर करती है।
6. प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने में राज्य और स्थानीय सरकारों ने कौन सा महत्वपूर्ण कदम उठाया है ?
7. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा कार्यान्वित की गई एक योजना .... है।
8. भारत में किस राज्य की साक्षरता दर सर्वाधिक है ?
9. मिड. डे. मील या 'दोपहर का भोजन' योजना का लक्ष्य क्या है ?
10. गैर बाजार क्रियाकलाप क्या है ?
11. GNP का अर्थ, सकल .... उत्पाद है।
12. निम्नलिखित क्रियाओं में से कौन सी क्रिया सेवा क्षेत्रक क्रिया नहीं है।
    (a) बैंकिग (b) कृषि
    (c) परिवहन (d) संचार
13. वाक्य / कथन को सही कीजिए–
    भारत में कर्नाटक राज्य का सर्वाधिक साक्षरता दर है।
14. शिक्षित बेरोज़गारी मुख्यतः कहाँ होती है–
    (a) ग्रामीण क्षेत्र (b) शहरी क्षेत्र
    (c) तटीय क्षेत्र (d) इनमें से कोई नहीं

15. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों की पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) : साक्षर और स्वस्थ जनसंख्या परिसंपत्तियाँ होती हैं।

कारण (क) : जनसंख्या की गुणवत्ता अंततः देश की संवृद्धि दर निर्धारित करती है।

विकल्प :(a) संकलपना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दानों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

लघु दीर्घ प्रश्न (3 / 5 अंक)

1. प्राथमिक क्षेत्रक, द्वितीयक क्षेत्रक से किस प्रकार भिन्न हैं ?
2. मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती हैं ?
3. क्या शिक्षा की भांति स्वास्थ्य भी मानव पूंजी के निर्माण को प्रभावित करता है ? स्पष्ट कीजिए।
4. सर्वशिक्षा अभियान से आप का क्या अभिप्राय है ?
5. मानव पूंजी निर्माण से क्या अभिप्राय है ?
6. राष्ट्रीय नीति का क्या लक्ष्य है ?
7. बाजार क्रियाकलाप और गैर बाजार क्रिया कलाप में क्या अन्तर है ?
8. बेरोजगार कौन है ?
9. बेरोज़गारी से क्या अभिप्राय है ? अर्थव्यवस्था पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ?
10. बेरोज़गारी के विभिन्न प्रकार कौन–कौन से हैं?
11. मानव पूंजी अन्य संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी से किस प्रकार श्रेष्ठ है ?
12. अर्थव्यवस्था के कितने क्षेत्रक हैं ? प्रत्येक के विषय में उदाहरण सहित संक्षेप में लिखिए।
13. भारत में साक्षरता दर का वर्णन कीजिए तथा शिक्षा के माध्यम से सरकार ने क्या प्रयास किए है।
14. शिक्षित बेरोज़गारी भारत के लिये किस प्रकार एक चुनौती बन गई है? क्या आप कोई समाधान सुझा सकते है ?
15. भारत में बेरोजगारी के कारण लिखिए। बेरोजगारी दूर करने के लिए कुछ उपाय लिखिए।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक) –

A. जापान जैसे देशों ने मानव संसाधन पर निवेश किया है। उनके पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं था। यह विकसित धनी देश है। यह अपने देश के लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करता है। उन्होनें लोगों में विशेष रुप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश किया। उन लोगों ने भूमि और पूँजी जैसे अन्य संसाधनों का कुशल उपयोग किया है।

1. उपरोक्त स्रोत किस देश के विषय में है?

2. कथन को सही कीजिए–

   भारत देश आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करता है।

3. वे देश जिनके पास निम्न प्राकृतिक संसाधन है, वह विकसति धनी देश किस प्रकार हैं?

4. लोगों में निवेश, किस में निवेश द्वारा किया जाता है –

   (a) भूमि और पूँजी (b) शिक्षा और स्वास्थ्य

   (c) प्राकृतिक संसाधन (d) इनमें से कोई नहीं

B. 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी स्कूली बच्चों को वर्ष 2010 तक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्वशिक्षा अभियान एक महत्त्वपूर्ण कदम है। राज्यों, स्थानीय सरकारों और प्राथमिक शिक्षा सार्वभौमिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समुदाय की सहभागिता के साथ केंद्रीय सरकार की यह एक समयबद्ध पहल है। इसके साथ ही, प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए 'सेतु–पाठ्यक्रम' और 'स्कूल लौटो शिविर' एवं 'दोपहर के भोजन' जैसी योजनाएँ कार्यान्वित की जा रही है।

1. उपरोक्त उद्धरण किस अभियान के बारे में है?

2. सर्व शिक्षा अभियान किसकी समयबद्ध पहल है –

   (a) राज्य सरकार (b) पंचायती राज

   (c) केन्द्र सरकार (d) अभिभावक

3. प्राथमिक शिक्षा सार्वभौमिक लक्ष्य, निम्नलिखित में से किस वर्ग के लिए है –

   (a) 2–5 वर्ष के बच्चों के लिए (b) 6–14 वर्ष के बच्चों के लिए

   (c) 10–18 वर्ष के बच्चों के लिए (d) उपरोक्त सभी

4. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए, किन योजनाओं को कार्यान्वित किया गया?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए

2. जो युवक मैट्रिक, स्नातक, स्नातकोतर होने के बावजूद रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं, वे शिक्षित बेराज़गार है।

3. कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, खनन। (कोई दो)

4. मानव संसाधन।

5. साक्षरता दर एंव जीवन प्रत्याशा।

6. सर्वशिक्षा अभियान।

7. सेतु पाठ्यक्रम या स्कूल लौटे शिविर।

8. केरल

9. विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ावा और उनके पोषण स्थिति में सुधार।

10. स्वयं उपभोग के लिए उत्पादन करना।

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर :–

1.

प्राथमिक क्षेत्रक	द्वितीयक क्षेत्रक
i) क्रियाएँ सीधे भूमि और जल से संबंधित हैं।	i) क्रियाएँ वस्तुओं के निर्माण से जुड़ी हुई हैं।
ii) प्रकृति द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं पर आधारित होती है।	ii) प्राथमिक क्षेत्रक से प्राप्त कच्चे माल पर आधारित होती है।
iii) उदाहरण : कृषि, पशुपालन खनिज मत्स्य पालन।	iii) उदाहरण : उद्योग जैसे कागज़ तैयार करना, कपड़ा तैयार करना आदि।

2. i) शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति का स्वांगीण विकास होता है। जिसके द्वारा वह ज्ञान और कौशल में निपुण हो जाता है।

   ii) शिक्षा मानव को इस योग्य बनाती है कि वह अच्छी नौकरी या पेशा तथा अच्छी आय प्राप्त कर सके।

   iii) शिक्षा मानव के लिये क्षेत्रों का विस्तार करती है तथा नई दिशाएँ दती है।

3. i) स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक आवश्यक आधार है। अस्वस्थ लोग किसी भी संगठन के लिए बोझ बन जाते हैं।

   ii) स्वस्थ व्यक्ति अधिक काम, अधिक उत्पादन और अधिक आय का सृजन करता है।

   iiii) स्वस्थ व्यक्ति ही अच्छा उत्पादक होता है और अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक होता है।

4. सर्वशिक्षा अभियान 6 से 14 वर्ष आयुवर्ग के सभी स्कूल बच्चों को वर्ष 2010 तक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

5. i) जब विद्यमान मानव संसाधन को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा विकसित किया जाता है।

   ii) यह भौतिक पूंजी निर्माण की भांति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है।

6. **राष्ट्रीय जनसंख्या नीति का लक्ष्य :–** जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक आहार तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है।

   – ग्रामीण क्षेत्रों में नवोदय विद्यालय खोले जाना।

   – प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण करना।

   – व्यवसायिक और तकनीकी शिक्षा द्वारा जनसंख्या को कुशल बनाना।

7.

बाजार क्रिया कलाप	**गैर बाजार क्रिया कलाप**
i) वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ	i) स्वउपयोग के लिए उत्पादन करना गौर बाजार क्रिया है
ii) इनमें बस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है।	ii) प्राथमिक वस्तुओं का समायोजन करके स्वयं उपभोग किया जाता हैं।
iii) उदाहरण – जैसे डॉक्टर इंजीनियर इंजीनियर रिक्शा चालक आदि।	iii) उदाहरण : प्राथमिक उत्पादों का उपभोग तथा अचल संपत्तियों का स्वउपयोग।

8. बेरोजगार वह व्यक्ति है जो कि शारीरिक और मानसिक दृष्टि से कार्य करने के लिए सक्षम है परन्तु रोज़गार से वंचित है।

9. बेरोजगारी वह दशा या अवस्था है जब प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के इच्छुक लोग रोज़गार प्राप्त नहीं कर पाते।

   प्रभाव

   1. बेरोज़गारी में वृद्धि मंदीग्रस्त अर्थयवस्था का सूचक है।
   2. बेराजगारी में वृद्धि के कारण समाज के जीवन की गुणवत्ता पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

10. बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है।

    1. प्रछन्न बेराज़गारी
    2. मौसमी बेरोज़गारी
    3. शिक्षित बेरोज़गारी

(छात्र प्रत्येक के विषय में लिखें)

11. 1. अन्य संसाधन अपना स्वयं का उपयोग नहीं कर सकतें मानव विकास के लिये प्राकृतिक संसाधनों जैसे भूमि मृदा, जल, पेड़–पौधों का प्रयोग करता है।

2. खनिज और मूल्यवान संसाधन भूमि के नीचे ही दबे रहेगें यदि मानव उन्हें खोद कर न निकाले।

3. मानव अपने ज्ञान और कौशल से प्राकृतिक संसाधन को मूल्यवान वस्तुओं में परिवर्तन करता है।

4. शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आदि के द्वारा मानवपूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान देता है।

5. उदाहरण – जापान ने मानव पूंजी में निवेश कर विशेषतौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य में – कुशलता एवं तकनीक द्वारा अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया और देश अमीर हो गया।

12. विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को तीन प्रकार के प्रमुख क्षेत्रकों में बाँटा जा सकता हैः

1. प्राथमिक क्षेत्रक – उदाहरण, कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और खनिज ।

2. द्वितीयक क्षेत्रक – उदाहरण, लकड़ी चीरने का काम, कागज बनाना कपड़ा तैयार करना।

3. तृतीयक क्षेत्रक – उदाहरण, व्यापार, संचार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यटन आदि सेवाएँ।

13. साक्षरता प्रत्येक नागरिक का न केवल अधिकार है बल्कि यह नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों व अधिकारों का पालन करने व लाभ उठाने का माध्यम भी हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत की कुल साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत हो गई है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर 82.14 प्रतिशत तथा महिलाओं की साक्षरता दर 65.46 प्रतिशत हो गई है।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम :–

1. प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्वशिक्षा अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

2. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए 'सेतु पाठ्यक्रम' और स्कूल लौटो शिविर प्रारम्भ किए गए।

3. विद्यालयों में 'दोपहर के भोजन' (मिड–डे–मील) की व्यवस्था की गई।

14. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र में विकास की गुजांइश है। अधिकाशतः शिक्षित लोग तृतीयक क्षेत्रक की सेवाओं की ओर आकर्षित होते हैं जहाँ नौकरियाँ सीमित हैं अतः शिक्षित युवक डिग्रियाँ होते हुए भी बेरोज़गार हैं। विदेशों में नौकरी पाने वाले इच्छुक युवकों के पास इतनी सुविधाएँ नहीं है कि वह विदेश जा सकें। अतः यह समस्या भारत के लिये जटिल होती जा रही है।

उपाय :–

1. स्कूल और कालेजो में व्यवसायिक विषयों को पढ़ाने लिखने की व्यवस्था शुरू की जा सकती है ताकि वह अपना काई काम शुरू कर सकें।
2. औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आई.आई.टी) खोले जाएँ ताकि पढ़े लिखे विद्यार्थियों को वहाँ किसी व्यवासाय संबंधी ट्रेनिंग दी जा सके। फिर वह चाहें नौकरी प्राप्त करे या न करें अपना काम शुरू कर सकते हैं।

15. भारत में बेरोज़गारी के कारण

1. बढ़ती जनसंख्या
2. कृषि क्षेत्र में विकास की धीमी गति
3. औद्योगिक और सेवा क्षेत्रक सीमित है।
4. शिक्षा पद्धति व्यवहारिक नहीं है।
5. तकनीकी विकास अव्यवस्थित हैं
6. ग्रामीण लोगों का शहरों की ओर प्रस्थान (कोई पाँच)

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

A.
1. जापान
2. जापान देश आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करता है।
3. उन्होंने लोगों में, शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से निवेश किया।
4. b. शिक्षा और स्वास्थ्य

B.
1. सर्व शिक्षा अभियान
2. c. केन्द्र सरकार
3. b. 6–14 वर्ष के बच्चों के लिए
4. सेतू पाठ्यक्रम, स्कूल लौटे शिविर और दोपहर भोजन।

Source - CENSUS - 2011
POPULATION CHARACTERISTICS

		1991	2001	2011*
POPULATION	Million	846	1029	1210
Males	,,	439	532	624
Females	,,	407	497	586
Below 14 years	%		35	
Males	,,		36	
Females	,,		35	
Above 60 years	,,		8	
Males	,,		7	
Females	,,		8	
Dependency Ratio	,,		0.09	
Urban population	,,	26	28	
Sex ratio females/ 1000 males		927	933	940
Highest sex ratio(Kerala)				1084
Lowestt sex ratio(Daman & Diu)				618
		1981-91	1991-01	2001-11
Decadal Population	%	23.86	21.54	17.64
Maximum decadal growth rate(D&N Haveli)				25.50
Minimum decadal growth rate(Nagaland)				-0.47
		2007	2008	2009
Birth rate	(per 000)	23.1	22.8	22.5
Death rate	,,	7.4	7.4	7.3
Infant Mortality Rate	,,	55	53	50
Density of population	per Sq. Km	# 273	325	382
Highest population density(NCT of Delhi)				11297
Lowest population density(Arunachal Pradesh)				17
		1999-03	2000-04	2002-06
Expectation of life at birth(years)	Male	61.8	62.1	62.6
	Female	63.5	63.7	64.2

* : figures are provisional

#: excluding Jammu & Kashmir

अध्याय–3

निर्धनता : एक चुनौती

याद रखने योग्य बातें :–

1. निर्धनता से अभिप्राय जीवन के लिए न्यूनतम उपयोगी आवश्यकताओं की प्राप्ति के न होने से है। निर्धनों (गरीबों) की आमदनी इतनी कम होती है कि वे उससे अपनी सामान्य जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकते हैं।
2. भारत में हर चौथा व्यक्ति निर्धन है (विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़े)। दुनिया में सबसे अधिक गरीब भारत में ही हैं।
3. **शहरी निर्धनता** – शहरी क्षेत्रों में निर्धन लोगों में रिक्शा चालक, मोची, फेरी वाले, निम्न मजदूरी पाने वाले श्रमिक इत्यादि आते हैं। इनके पास भौतिक परिसंपत्ति नहीं होती है और ये अक्सर झुग्गी व मलिन बस्तियों में रहते हैं।
4. **ग्रामीण निर्धनता** – ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन किसान, खेतिहर मज़दूर, लघु एवं सीमान्त किसान आदि आते हैं।
5. सामाजिक वैज्ञानिक की दृष्टि में निर्धनता :–

   (क) सामान्यतः निर्धनता का सम्बन्ध आय अथवा उपभोग के स्तर से है।

   (ख) उपभोग के स्तर के अलावा निर्धनता को निरक्षरता स्तर, कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोज़गार के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता तक पहुँच की कमी आदि अन्य सामाजिक सूचकों के माध्यम से भी निर्धनता को देखा जाता है।
6. **निर्धनता रेखा** : आय अथवा उपयोग के न्यूनतम स्तर को निर्धनता रेखा कहा जाता है।
7. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण :– भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण निम्नलिखित दो आधारों पर किया जाता है :

   (क) **कैलोरी आवश्यकता** : ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन।

   (ख) **आय** : ग्रामीण क्षेत्रों में 816 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1000 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह (2011–12 के आंकड़े)। ये आंकड़े सुरेश तेंदुलकर कमिटी द्वारा दी गयी थी। इसके बाद गरीबी के आकलन के लिए सी. रंगराजन के नेतृत्व में एक और कमिटी बनायी

गयी थी जिसने अपनी रिपोर्ट जून 2014 में दी। इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 972 रूपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1407 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह निर्धारित किया गया है।

8. **असुरक्षित समूह** – अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ, ग्रामीण श्रमिकों के परिवार, नगरीय अनयित मजदूर परिवार आदि निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

9. **अंतरराज्यीय असमानताएं** – प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक समान नहीं है। बिहार और ओडिशा सर्वाधिक निर्धन राज्य हैं।

10. **वैश्विक निर्धनता परिदृश्य**– विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1.90 US डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह करने वाले निर्धन हैं।

11. **निर्धनता के कारण** –

(क) ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर।

(ख) उच्च जनसंख्या वृद्धि।

(ग) भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण।

(घ) सामाजिक और सांस्कृतिक कारण।

12. **राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन**– (नेशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाईजेशन) : वह संस्था जो भारत में निर्धनता रेखा का समय–समय पर आकलन करती है। (हर पांच साल में)

13. गरीबी कम हुई है :–

(क) पंजाब और हरियाणा में उच्च कृषि वृद्धि दर से।

(ख) केरल ने मानव संसाधनों पर ज्यादा ध्यान देकर निर्धनता को कम किया है।

(ग) आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु ने अनाज के सार्वजनिक वितरण के द्वारा निर्धनता को कम किया है।

(घ) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधारों के माध्यम से।

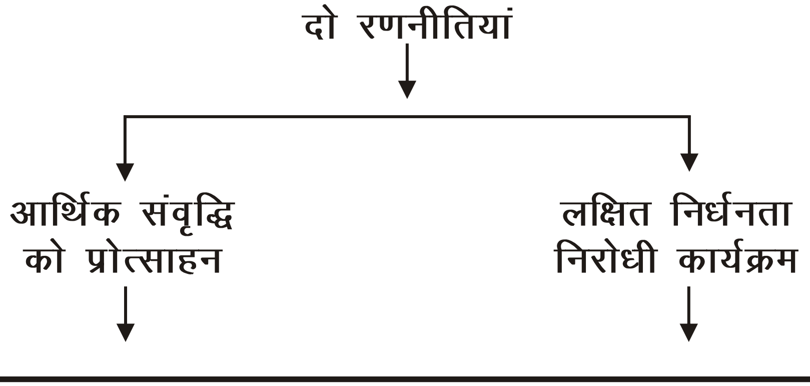

आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन में गहरा सम्बन्ध है। आर्थिक संवृद्धि अवसरों को व्यापक बना देती है जिससे मानव विकास में निवेश के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो पाती है। लेकिन, ऐसा संभव है आर्थिक संवृद्धि से निर्धन लोग प्रत्यक्ष लाभ नहीं उठा पायें इसलिए लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है।

(क) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम।

(ख) प्रधानमंत्री रोजगार योजना।

(ग) स्वर्ण जयंती ग्राम स्व–रोज़गार योजना।

(घ) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना।

(ड) अन्त्योदय अन्न योजना।

14. **निर्धनता निरोधी उपाय :–**

इसलिए, इन दोनों रणनीतियों को पूरक भी माना जाता है।

15. **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005–**

(क) उद्देश्य–ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षित करना।

(ख) साल में कम से कम 100 दिनों के रोज़गार की गारंटी।

(ग) एक तिहाई रोज़गार महिलाओं के लिए सुरक्षित।

(घ) आवेदक को 15 दिन के अंदर अगर रोज़गार नहीं उपलब्ध कराया जाता तो वह बेरोज़गारी भत्ते का हकदार होगा।

(च) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी का प्रावधान ।

16. प्रधानमंत्री रोजगार योजना :

(क) 1993 में प्रारंभ।

(ख) उद्देश्य–ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर का सृजन।

(ग) लघु व्यवसाय तथा उद्योग स्थापित करने में सहायता करना।

17.

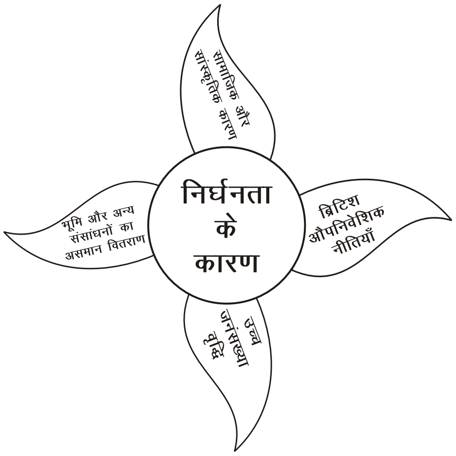

18. **निर्धनता के अन्य कारण**

- भूमिहीनता
- परिवार का बड़ा आकार
- खराब स्वास्थ्य /कुपोषण
- असहायता
- बेरोजगारी
- निरक्षरता
- बाल श्रम

19. अर्थिक सर्वेक्षण वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी किया गया राज्यवार गरीबी अनुपात 1999—2000

1.	उड़ीसा	47.2	2.	बिहार	37.4
3.	मध्यप्रदेश	37.4	4.	असम	36.1
5.	त्रिपुरा	34.4	6.	उत्तर प्रदेश	31.2
7.	प. बंगाल	27.1	8.	महाराष्ट्र	25.0
9.	तमिलनाडु	21.1	10.	कर्नाटक	20.0
11.	आंध्र प्रदेश	15.8	12.	राजस्थान	15.5
13.	गुजरात	14.0	14.	केरल	12.7
15.	हरियाणा	8.7	16.	दिल्ली	8.2
17.	हिमाचल	7.6	18.	पंजाब	6.2
19.	जम्मु कश्मीर	3.5	20.	संपूर्ण भारत	26.1

20. वैश्विक निर्धनता

1.	बंग्लादेश	36.0
2.	ब्राजील	8.2
3.	चीन	16.6
4.	भारत	35.5
5.	इंडोनेशिया	7.5
6.	नाइजिरिया	70.8
7.	पाकिस्तान	17.0
8.	श्री लंका	5.6

1 अंक वाले प्रश्न

1. निर्धनता से अभिप्राय है :–
    1. जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति न होना
    2. सुख–सुविधाओं का अभाव होना
    3. उपरोक्त दोनों
    4. इनमें से कोई नहीं
2. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों के स्वीकृत कैलौरी कितनी है?
    1. 2100 तथा 1800 कैलौरी
    2. 2200 तथा 2100 कैलौरी
    3. 2400 तथा 2000 कैलौरी
    4. 2400 तथा 2100 कैलौरी
3. विश्व बैंक ने निर्धनता रेखा के लिए कौन–सा मानक प्रयोग किया है ?
    1. प्रतिदिन 1.90 डालर से कम पाने वाले लोग
    2. प्रतिदिन 1.90 डालर से अधिक पाने वाले लोग
    3. प्रतिमाह 1.90 डालर से अधिक पाने वाले लोग
    4. इनमें से कोई नहीं
4. भारत में कौन–सा वर्ग निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित है ?
    1. अनुसूचित जातियाँ
    2. अनुसूचित जन–जातियाँ
    3. दोनों सही हैं।
    4. इनमें से कोई भी नहीं
5. भारत में कौन से दो राज्य सर्वाधिक निर्धन हैं ?
    1. बिहार और ओडिशा
    2. बिहार और उत्तर प्रदेश
    3. उत्तरप्रदेश और अरूणाचल प्रदेश
    4. तमिलनाडु तथा हरियाणा
6. पजांब और हरियाणा में निर्धनता में कमी आने के क्या कारण हैं ?
7. अमेरिका में वह व्यक्ति गरीब है जिसके पास .... नहीं है।
8. निर्धनता रेखा का आकलन सामान्यतः .... वर्ष के बाद होता है।
9. किस रोजगार योजना में ग्रामीण परिवार को 100 दिन के सुनिश्चित रोज़गार का प्रावधान है ?
10. ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं हेतु स्वरोज़गार किस योजना का लक्ष्य है ?
11. नगरीय क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की कैलोरी आवश्यकता अधिक क्यों हैं?

12. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन किस संस्था के द्वारा किया जाता है?

13. भारत में निर्धनता का ऐतिहासिक कारण क्या है?

14. निम्नलिखित में कौन–सा निर्धनता का कारण नहीं है?

(a) भूमिहीनता (b) बेरोजगारी

(c) आर्थिक संवृद्धि (d) निरक्षरता

15. निर्धनता रेखा का निर्धारक होता है–

(a) आय (b) उपयोग

(c) उपर्युक्त दोनों (d) साक्षरता

16. निम्नलिखित में कौन एक असुरक्षित समूह है?

(a) शहरी धनी वर्ग (b) ग्रामीण कृषि मजदूर परिवार

(c) ग्रामीण संपन्न वर्ग (d) सरकारी कर्मचारी

17. निम्नलिखित में कौन–सा निर्धनता उन्मूलन की रणनीति है?

(a) आर्थिक संवृहि को प्रोत्साहन (b) लक्षित–निर्धनता निरोधी कार्यक्रम

(c) उपर्युक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

16. निम्नलिखित में से कौन महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम–2005 की विशेषता है?

(a) कम–से कम 100 दिनों का प्रतिवर्ष रोजगार

(b) रोजगार न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता

(c) एक–तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित

(d) उपर्युक्त सभी

3 अंक वाले प्रश्न :–

1. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन कैसे किया जाता है ?

2. पंजाब, हरियाणा, केरल, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में निर्धनता में कमी होने के कारणों को लिखिए।

3. सामाजिक वैज्ञानिक निर्धनता को किन सूचकों के माध्यम से देखते हैं ?

4. निर्धनता के किन्हीं तीन कारणें को लिखिए।

5. निर्धनता के संदर्भ में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से असुरक्षित समूहों की व्याख्या कीजिए।

6. भारत में निर्धनता संबंधी चुनौतियों का उल्लेख कीजिए ?

7. किसी व्यक्ति को गरीब कब माना जाता है ?

8. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए किन जरुरतों पर विचार किया जाता है ?
9. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना और स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना के विषय में लिखिए।
10. भारत में निर्धनता दूर करने के तीन उपाय बताइए?

5 अंक वाले प्रश्न :–

1. निर्धनता के प्रमुख कारणों को लिखिए।
2. सिंचाई और हरित क्रान्ति के क्षेत्र विस्तार से कृषि क्षेत्र में रोज़गार के कई अवसर सृजित हुए लेकिन इनका असर भारत में कुछ भागों तक ही सीमित क्यों रहा? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए?
3. क्या आपको लगता है कि अगले 10 या 15 वर्षो में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों द्वारा निर्धनता दर को नियंत्रित कर सकेंगे – इस संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए?
4. वैश्विक निर्धनता परिदृश्य पर चर्चा कीजिए ?
5. भारत में निर्धनता के कारणों का वर्णन कीजिए?
6. भारत सरकार द्वारा लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए ?

स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

विकासशील देशों में अत्यंत आर्थिक निर्धनता (विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1.90 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह करना) में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 45 प्रतिशत से गिर कर 2008 में 22 प्रतिशत हो गया है। यद्यपि वैश्विक निर्धनता में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसमें बृहत क्षेत्रीय भिन्नताएँ पाई जाती हैं। तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में बृहत निवेश के कारण चीन और दक्षिण–पूर्व एशिया के दशों में निर्धनता में विशेष कमी आई है। चीन में निर्धनों की संख्या 1981 के 85 प्रतिशत से घट कर 2008 में 14 प्रतिशत और वर्ष 2011 में 6 प्रतिशत रह गई है। दक्षिण एशिया के देशों (भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बाँग्ला देश, भूटान) में निर्धनों की संख्या में थोड़ी ही कमी आई जो 1981 में 61 प्रतिशत से घट कर 2008 में 36 प्रतिशत रह गई है। भिन्न निर्धनता रेखा परिभाषा के कारण भारत में भी निर्धनता राष्ट्रीय अनुमान से अधिक है।

1. विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार .... से कम पर जीवन निर्वाह करने वाले निर्धन हैं।

2. चीन एवं दक्षिण–पूर्व एशिया के देशों में निर्धनता कम होने के क्या कारण हैं?

3. सत्य या असत्य बताइए:

'सपूर्ण विश्व में निर्धनता गिरावट एक समान रही है।'

4. चीन में 2008 में निर्धनों का प्रतिशत .... है।

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. निर्धनता से अभिप्राय जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति न होना।
2. (4) 2400 तथा 2100 कैलौरी
3. (1) प्रतिदिन 1:90 डालर से कम पाने वाले लोग
4. (3) दोनों सही हैं
5. (1) बिहार और ओडिशा
6. पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य उच्च, कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने से सफल रहे हैं।
7. जिसके पास कार नहीं है।
8. हर पाँच
9. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम। (MGNREGA)
10. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना।
11. क्योंकि, ग्रामीण क्षेत्रों मे रहने वाले लोग अधिक शारीरिक कार्य करते हैं।
12. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गनाइज़ेशन)
13. ब्रिटिश काल के दौरान निम्न आर्थिक विकास
14. (c) आर्थिक संवृद्धि
15. (c) उपर्युक्त दोनों
16. (b) ग्रामीण कृषि मजदूर परिवार
17. (c) उपर्युक्त दोनों।
18. (d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर माला

लघु प्रश्नों के उत्तर / 3 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (1) भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए खाद्य, शौक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं पर विचार किया जाता है।

(2) खाद्य आवश्यकता के आधार पर निर्धनता रेखा के आकलन का वर्तमान सूत्र वांछित कैलोरी आवश्यकताओं पर आधारित है।

(3) 2011–12 में किसी व्यक्ति के लिए निर्धनता रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में रूपये 816 और शहरी क्षेत्रों में रूपये 1000 रूपये प्रतिमाह किया गया था।

2. (1) पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने में सफल रहे।

(2) केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान दिया है।

(3) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधार उपायों से निर्धनता कम करने में सहायता मिली है।

3. (1) निरक्षरता स्तर

(2) कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी।

(3) स्वास्थ्य के अवसरों की कमी

(4) रोज़गार के अवसरों की कमी

(5) सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता (कोई तीन)

4. (1) भूमिहीनता

(2) परिवार का आकार

(3) बेरोज़गारी

(4) निरक्षरता (कोई तीन)

5. (1) सामाजिक समूहों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार।

(2) आर्थिक समूहों में सर्वाधिक असुरक्षित समूह ग्रामीण, कृषि श्रमिक, परिवार और नगरीय अनियत मज़दूर परिवार है।

(3) परिवार में भी महिलाओं, वृद्ध लोगों और बच्चियों को परिवार के उपलब्ध साधनों से वंचित किया जाता हैं।

6. (1) न्यूनतम आवश्यक आय की उपलब्धता।

(2) सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना।

(3) शिक्षा, रोज़गार व सुरक्षा उपलब्ध कराना।

7. किसी व्यक्ति को गरीब माना जाता हैः–

(1) जब उसकी आमदनी उसकी पूरी आवश्यकताओं की पूर्ति न कर पाए।

(2) उपभोग का स्तर कम हो।

(3) जब भुखमरी के साथ उसके पास आश्रय भी न हो।

8. (1) खाद्य जरूरतों, कपड़ों, जूतों इत्यादि।

(2) ईंधन और प्रकाश

(3) शैक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी जरूरतें।

9. **प्रधानमंत्री रोजगार योजना :–**

(1) यह योजना 1993 में शुरू हुई थी।

(2) प्रयोजन – ग्रामीण और छोटे शहरो में शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु स्वरोजगार के अवसर सृजित करना।

(3) लघु व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने में सहायता करना।

ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम

(1) यह योजना 1995 में आरम्भ हुई थी।

(2) प्रयोजन – ग्रामीण क्षेत्रों कस्बो और छोटे नगरों में स्वरोजगार के अवसर सृजित करना।

(3) दसवीं पंचवर्षीय योजना में इस कार्यक्रम के तहत 25 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया था।

10. (1) औद्योगीकरण पर अधिक ज़ोर

(2) शिक्षा के द्वारा – कौशल ज्ञान बढ़ाकर

(3) कृषि क्षेत्र में प्रगति द्वारा

(4) जनसंख्या को भी सीमित करना अति आवश्यक

5 अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. 1) भूमिहीनता 2) परिवार का आकार

3) खराब स्वास्थ्य 4) बालश्रम

5) बेरोज़गारी 6) निरक्षरता (कोई पाँच)

2. (1) भूमि संसाधनों की कमी

(2) छोटे किसानों को बीज, खाद, कीटनाशकों जैसे कृषि आगतों की खरीदारी के लिए पूँजी की कमी।

(3) साहुकार और महाजनों का बढ़ता कर्ज़ भूमिहीन किसानों के लिए अभिशाप था।

(4) संसाधनों का असमान वितरण।

(5) ग्रामीण क्षेत्रों में परिसंपत्तियों को पुनर्वितरण पर संक्षिप्त भूमि सुधार जैसी मुख्य नीति पहल को अधिकतर राज्य सरकारों ने प्रभावी ढंग से कार्यान्वित नहीं किया।

3. गरीबी उन्नमूलन हमेशा चलने वाली एक गतिशील प्रक्रिया है अतः विकास के साथ–साथ निर्धनता की परिभाषा अवश्य बदलेगी।

1) आय के संदर्भ में न्यूनतम आवश्यक आय उपलब्ध हो जाएंगी।

2) सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त होगी।

3) शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी।

4) रोजगार सुरक्षा सुलभ होगी।

5) लैंगिक समता तथा गरीबों को मान सम्मान भी प्राप्त होगा।

4. 1) विकासशील देशों में अत्यंत निर्धनता में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 28 प्रतिशत से गिरकर 2001 में 21 प्रतिशत हो गया है।

2) चीन और दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में बहुत निवेश के कारण निर्धनता में विशेष कमी आई है।

3) दक्षिण एशिया के देशों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान में निर्धनों की संख्या में गिरावट इतनी तीव्र नहीं है।

4) सब–सहारा अफ्रीका में निर्धनता 1981 के 41 प्रतिशत से बढ़कर 2001 में 46 प्रतिशत हो गई है।

5) लैटिन अमेरिका में निर्धनता का अनुपात वही रहा है।

5. 1) निर्धनता के कारणों में एक ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर रहा ।

2) गाँवों में रोज़गार न पाने के कारण,ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शहरों में गए। परंतु वहाँ नौकरी न पाने पर यह लोग अनियमित मज़दूर बन गए इनका जीवन निर्धनता से भरपूर था।

3) निर्धनता का एक कारण आय में असमानता है जिसके लिए भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण उत्तरदायी है।

4) सामाजिक–सांस्कृतिक कारण।

5) भूमि और अन्य संसाधनों का असीमित वितरण।

6. 1) प्रधानमंत्री रोज़गार योजना 1993 – इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं के लिए स्वरोज़गार के अवसर सृजित करना है।

2) ग्रामीण रोज़गार सृजन कार्यक्रम 1995 – इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों में स्वरोज़गार के अवसर सृजित करना है।

3) स्वर्ण जयंती ग्रामोदय योजना 1999 – इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहायता प्राप्त निर्धन परिवारों को स्वसहायता समूहों से संगठित कर बैंक ऋण और सरकारी सहायकी के संयोजन द्वारा निर्धनता रेखा से उपर लाना है।

4) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना 2000 – इसके अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, ग्रामीण आश्रय, ग्रामीण पेयजल और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसी मूल सुविधाओं के लिए राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है।

5) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 में प्रारंभ की गई इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में एक वर्ष में कम से कम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित हैं।

स्रोत आधारित प्रश्न

1. डॉलर 1.90
2. अर्थिक प्रगति एवं मानव विकास ससाधन में निवेश
3. असत्य
4. 14

अध्याय–4

भारत में खाद्य सुरक्षा

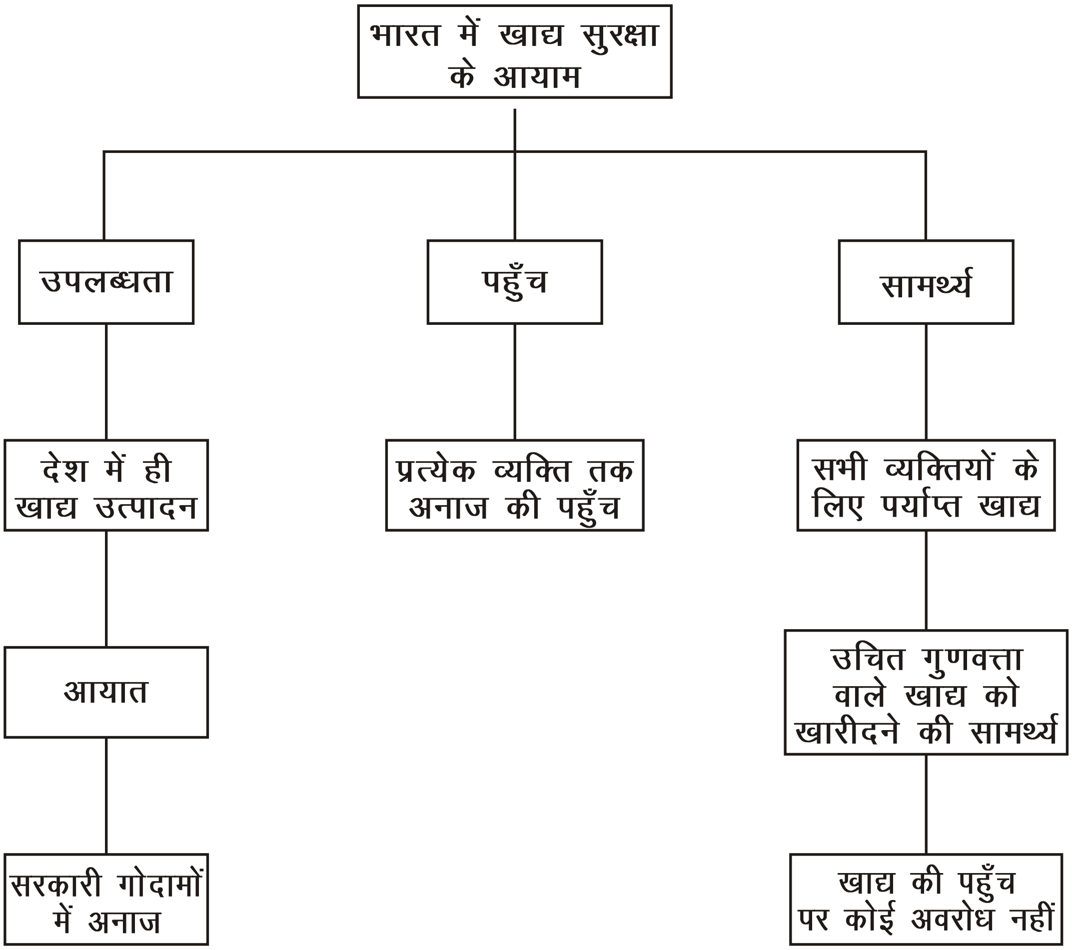

याद रखने योग्य बातें :–

- खाद्य सुरक्षा से अभिप्राय सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलबधता पहुँच और उसे प्राप्त करने का सामर्थ्य से है।
- राष्ट्रीय आपदाओं के समय अनाज की कमी से अन्य वर्गो पर भी इसका असर होता है।
- आपदाओं जैसे सूखा, भुखमरी, अकाल, बाढ़, महामारी आदि तथा अनाज की कमी, कीमतों में वृद्धि के समय खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है।
- खाद्य असुरक्षित कौन ? (क) भूमिहीन (ख) पारंपरिक दस्तकार (ग)निरक्षर (घ) भिखारी (ड) अनियमित श्रमिक आदि (च) अनुसूचित जन जातियाँ (आदिवासी) सर्वाधिक असुरक्षित हैं।
- खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता – स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नीति –निर्माताओं ने खाद्यान्नों में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के सभी उपाय किए। हरित क्रांति से यह आतमनिर्भरता संभव हो पाई।
- भारत में खाद्य सुरक्षा – सरकार द्वारा सावधानी पूर्वक तैयार की गई खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के कारण देश में अनाज की उपलब्धता और भी सुनिश्चित हो गई है।
- बफर स्टॉक – भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज, गेहूँ, और चावल के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली – भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गो में वितरित करती है। इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी0डी0एस0) कहते हैं।
- सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में भूमिका – भारत में सहकारी समितियाँ भी खाद्य सुरक्षा, में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
- तमिलनाडु में राशन की दुकानें, दिल्ली में मदर डेयरी और गुजरात में अमूल सफल सहकारी समितियों के उदाहरण हैं।
- मौसमी भुखमरी – जब खेतों में फसल पकने और फसल कटने के चार महीने तक कोई काम नहीं होता तो मौसमी भुखमरी की स्थिति पैदा हो जाती है।
- दीर्घकालिक भुखमरी – जब आहार की मात्रा निरंतर कम हो या गुणवत्ता के आधार पर कम हो।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. खाद्य सुरक्षा से क्या अभिप्राय है?
2. भारत में सबसे भयानक अकाल कब और कहाँ पड़ा था ?
3. सर्वाधिक खाद्य असुरक्षित 2 राज्यों के नाम लिखिए ?

4. भुखमरी के प्रकार कौन–कौन से हैं ?

5. भारत में खाद्य सुरक्षा के दो घटक कौन–कौन से हैं ?

(1) बफर स्टाक (2) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(3) दोनों (4) इनमें से कोई नहीं

6. भारत में राशन व्यवस्था की शुरूआत किस दशक वर्ष में हुई ?

(1) 1940 (2) 1950

(3) 1960 (4) 1970

7. निर्गम मूल्य का अर्थ है :– खाधान्नों का बाज़ार कीमत से

(1) कम होंना (2) अधिक होना

(3) बराबर होना (4) इनमें से कोई नहीं

8. बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त .... हैं।

9. निर्धनता रेखा से नीचे के लोगों को .... कार्ड दिया जाता है।

10. आपदा के समय खाद्य आपूर्ति .... हो जाती है।

11. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। इन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए–

कथन (A) भारतीय खाद्य निगम द्वारा सरकार से अधिप्राप्त अनाज़ के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं।

कारण (A) आपदा के समय तथा गरीबों में वितरण हेतु इसकी आवश्यकता होती है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कारण (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

3 अंकों वाले प्रश्न :–

1. भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है ?
2. न्यूनतम समर्थित कीमत किसे कहते हैं ?
3. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ा? व्याख्या कीजिए?
4. मौसमी भुखमरी और दीर्घकालिक भुखमरी में अन्तर कीजिए?
5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
6. भारतीय खाद्‌य सुरक्षा अधिनियम 2013 की विशेषताएँ बताएँ।

7. अंत्योदय अन्न योजना की विशेषताएँ लिखें।

5 अंकों वाले प्रश्न :–

1. आपदा के समय खाद्य सुरक्षा कैसे प्रभावित होती है ? व्याख्या कीजिए।
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभों का वर्णन कीजिए।
3. राशन की दुकानों को चलाने में कौन–कौन सी समस्याएँ आती हैं
4. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने कौन–कौन सी योजनाएँ लागू की हैं ?
5. खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की क्या भूमिका रही है?
6. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नीति निर्माताओं ने खाद्यान्नों में आत्मनिर्भता प्राप्त करने के लिए क्या–क्या उपाय किए ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. खाद्य सुरक्षा से अभिप्राय है, सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुँच और उसे प्राप्त करने का सामार्थ्य।
2. भारत में सबसे भयानक अकाल 1943 में बंगाल में पड़ा था। इसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।
3. बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल (कोई दो)
4. दीर्घकालिक भुखमरी तथा मौसमी भुखमरी
5. (3) दोनों
6. (1) 1940
7. (1) कम होना
8. बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज गेहूँ और चावल का भंडार है।
9. BPL / अन्तोदय
10. प्रभावित / बाधित
11. (a)

3 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. भारत में खाद्य सुरक्षा निम्नलिखित प्रकार से सुनिश्चित की जाती है–
   (1) खाद्य उपलब्धता
   (2) खाद्य पाने का सामर्थ
   (3) खाद्य तक पहुँच

2. न्यूनतम समर्थित कीमत :–

(1) भारतीय खाद्य निगम अधिशेष उत्पादन करने वाले राज्यों में किसानों से गेहूँ और चावल खरीदता है।

(2) किसानों को अपनी फसलों के लिए बुआई के मौसम से पहले से घोषित कीमतें दी जाती है।

(3) फसलों के उत्पादन के प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सरकार न्युनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करती हैं।

3. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव :

(1) हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया।

(2) हरित क्रांति के आने के बाद से मौसम की विपरीत दशाओं के दौरान भी देश में अकाल नहीं पड़ा।

(3) अनाज़ का उत्पादन बढ़ाने के परिणाम स्वरूप अनाज़ की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई।

4. (1) मौसमी भुखमरी फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंधित है। दीर्घकालिक भुखमरी अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है।

(2) मौसमी भुखमरी कृषि क्रियाओं की मौसमी प्रकृति के कारण होती है। दीर्घकालिक भुखमरी खाद्य पदार्थ खरीदने में अक्षमता के कारण होती है।

5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेषताएँ :–

(1) भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गो में वितरित करती है।

(2) अधिकांश क्षेत्रों, गाँवों, कस्बों और शहरों में राशन की दुकानें हैं। देशभर में लगभग 5.5 लाख राशन की दुकानें हैं।

(3) राशन कार्ड रखने वाला कोई भी परिवार प्रतिमाह इनकी एक अनुबंधित मात्रा (जैसे 35 किलोग्राम अनाज 5 लीटर तेल आदि खरीद सकता है।

6. (1) उद्देश्य – मानव का गरिमामय जीवन निर्वाह ।

(2) इसके तहत खाद्य एवं पोषण संबंधी सुरक्षा सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराना।

(3) इस अधिनियम के तरत 75 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या एवं 50 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को लाभान्वित परिवारों में शामिल किया गया है।

7. (1) दिसंबर 2000 में प्रारंभ।

(2) निर्धनता रेखा के नीचे वाले परिवार शामिल हैं।

(3) 2 रू. प्रति किलोग्राम गेहूँ और 3 रू. प्रति किलोग्राम की दर से चावल प्रत्येक परिवार को 35 किलोग्राम अनाज़।

(4) सर्वाजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी. एस.) के द्वारा अनाज़ों का वितरण।

5 अंकों वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर :—

1. (1) प्राकृतिक आपदा जैसे सूखे के कारण खाद्यान्न की कुल उपज में गिरावट आती है जिससे प्रभावित क्षेत्र में अनाज की कमी हो जाती है।

   (2) खाद्यान्न की कमी से कीमतों में वृद्धि हो जाती है।

   (3) कुछ लोग ऊँची कीमतों पर खाद्य पदार्थ नहीं खरीद सकते क्योंकि वे आर्थिक रूप से कमज़ोर होते हैं।

   (4) अगर आपदा अधिक देर तक रहे तो भुखमरी की स्थिति बन जाती है और अकाल पड़ सकता है।

   (5) अकाल के कारण भुखमरी, महामारी फैलने से असंख्य लोगों की मृत्यु होती है।

2. (1) मूल्यों को स्थिर रखने में सहायता।

   (2) सामर्थ्य अनुसार कीमतों पर उपभोक्ताओं को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में सफलता।

   (3) कमी वाले क्षेत्रों में खाद्य पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका।

   (4) अकाल और भुखमरी की व्यापकता को रोकने में सहायता।

   (5) निर्धन परिवारों के पक्ष में कीमतों का संशोधन।

3. (1) राशन की दुकान चलाने वाले लोग अनाज को अधिक लाभ कमाने के लिए खुले बाज़ार में बेचते हैं।

   (2) राशन की दुकानों पर घटिया अनाज की बिक्री।

   (3) राशन की दुकानें कभी—कभी उचित समय पर न खुलकर कभी कभार खुलती हैं।

   (4) घटिया अनाज की बिक्री नहीं होती है तो भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में विशाल स्टॉक जमा हो जाता है।

   (5) निर्धनता रेखा से ऊपर वाले परिवार खाद्यान्न की कीमत में बहुत कम छूट के कारण इन चीजों की खरीदारी नहीं करते।

4. (1) रोज़गार गारंटी योजना। (मनरेगा)

   (2) दोपहर का भोजन।

   (3) संपूर्ण ग्रामीण रोज़गार योजना।

   (4) एकीकृत बाल विकास योजना।

   (5) गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम।

   (6) अंत्योदय अन्न योजना (ए.ए.वाई)

   (7) अन्नपूर्णा योजना (ए.पी.एस.)

5. (1) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री हेतु कम कीमत वाली दुकानें खोलती हैं।

(2) समाज के अलग–अलग वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

(3) अनाज बैंको की स्थापना हेतु गैर–सरकारी संगठनों के नेटवर्क मद्द करती है।

(4) ए.डी.एस गैर– सरकारी संगठनों हेतु खाद्यान्न सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करती है। (ए.डी.एस.–एकेडमी ऑफ डेवलपमेंट साईंस)

(5) उदाहरण :–

- तमिलनाडु में राशन की दुकानें।
- दिल्ली में मदर डेयरी, दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित दरों दूध व सब्जियाँ उपलब्ध कराती है।
- गुजरात में अमूल दूध ने श्वेत क्रांति ला दी है।
- महाराष्ट्र में खोले गए अनाज बैंक।

6. भारत सरकार ने कृषि की स्थिति सुधारने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकीय और संस्थापन सुधार किए।

(1) प्रथम पंच वर्षीय योजना में कृषि को महत्व दिया गया।

(2) कम उपजाऊ भूमि को भी खेती योग्य बनाने के लिए कदम उठाए गए।

(3) नए और अधिक उपज देने वाले नए बीज तैयार किए गए।

(4) सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं।

(5) मशीनों द्वारा खेती की गई ।

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली
मॉडल प्रश्न पत्र–1
(सॉल्वड)
सामाजिक विज्ञान
कक्षा–नवीं

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्नपत्र में पाँच खण्ड है
2. खण्ड क में प्रश्न संख्या 1 से 16 तक है जिसमें प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
3. खण्ड ख में प्रश्न संख्या 17 से 22 है जिसमें प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।
4. खण्ड ग में प्रश्न संख्या 23 से 26 है जिसमें प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।
5. खण्ड घ में प्रश्न संख्या 27 से 31 है जिसमें प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।
6. खण्ड ङ में प्रश्न संख्या 32 है जो कि मानचित्र आधारित प्रश्न है सिके कुल अंक 5 है इसमें 2 अंक इतिहास व 3 अंक भूगोल से सम्बन्धित हैं।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित में से किस एस्टेट्स के लोगों को विशेषाशिकार जन्म से प्राप्त थे (1)

   (a) पादरी वर्ग (b) कुलीन वर्ग
   (c) तृतीय एस्टेट (d) (a) और (b) दोनों

2. सांविधान को सर्वोच्च कानून क्यों समझा जाता है? (1)
3. पालमपुर गाँव की मुख्य आर्थिक क्रिया क्या थी? (1)
4. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से किस राज्य का लिंगानुपात सर्वाधिक है :(1)

   (a) तमिलनाडु (b) बिहार
   (c) केरल (d) हरयिाणा

5. रूस की 1905 की क्रांति का मुख्य कारण क्या था? (1)

   अथवा

   वह कौन सी गुप्तचर पुलिस थी जो बोल्शोविकों की आलोचना करने वालों को सजा देती थी?

6. निम्नलिखित में से गलत विकल्प का चयन करें: (1)

   (a) लिंगानुपात – एक हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या
   (b) शिशु मृत्यु पर – 1000 जीवित जन्मे शिशुओं में से एक वर्ष से कम उम्र में मर गये शिशुओं की संख्या
   (c) मृत्यु दर – लोगों की मृत्यु दर जो प्रति 100 प्रति वर्ष हो
   (d) जीवन प्रत्याशा – एक व्यक्ति के औसत जीवनकाल का अनुमान

7. सही या गलत बतायें– (1)

बंगाल के अकाल से क्षेत्र में अधिक लोग नहीं मारे गए

8. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– (1)

.... एक्ट के द्वारा जर्मनी में तनाशही की स्थापना की गई

9. निम्नलिखित में से किस जगह समाजवादी शब्द लिखा गया है– (1)

(a) मौलिक अधिकार (b) नीति निदेशक तत्व

(c) नागरिकों के अधिकार (d) प्रस्तावना

10. आप बेरोजगारी के विषय मे किस तरह बताएंगे? (1)

अथवा

गैर–बाजार क्रिया का एक उदाहरण दो

11. भारतीय संविधान इनमें से कौन –सा अधिकार देता है? (1)

(a) काम का अधिकार (b) पर्याप्त जीविका का अधिकार

(c) अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार (d) निजता का अधिकार

12. 'मानव पूँजी' से आप क्या समझते हैं? (a)

अथवा

बहुविध फसल से आप क्या समझते हैं?

13. निम्नलिखित प्रश्न दो कथनों–दृढ़ कथन (A) और कारण (R) के रूप मे दिए गए हैं। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिएः (1)

दृढ़ कथन (A) : भारत में प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार है।

कारण (R) : भारत एक लोकतान्त्रिक देश है।

विकल्प : (a) A और R दोनों सही हैं। R सही स्पष्टीकरण है A का।

(b) A और R दोनों सही हैं। R सही स्पष्टीकरण नहीं है A का।

(c) A सही है और R गलत है।

(d) A गलत है और R सही है।

14. बेरोजगारी को कम करने के लिए कोई एक सुझाव दीजिए (1)

अथवा

सर्वशिक्षा अभियान की एक विशेषता बताइए

15. निम्नलिखित कथन को सही करके दोबारा लिखे (1)

डा. राजेन्द्र प्रसाद प्रारुप समिति के अध्यक्ष थे

अथवा

पुस्तक 'लाँग वॉक टू फ्रीडम' के लेखक महात्मा गाँधी थे

16. सही या गलत बताइए– (1)

अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं।

खण्ड–ख

17. फ्रांसीसी क्रांति के कोई तीन कारणों के विषय मे लिखिए? (3)

अथवा

लुई सोलहवाँ के शासन में राजकोष खाली होने के क्या कारण थे?

18. किन्ही तीन औषधीय पादप के महत्व का उल्लेख करें (3)

19. हरित क्रांति के गुण बताइए?

अथवा

हरित क्रांति के अवगुण बताइए?

20. हिमालय को पश्चिम से पूर्व तक किन आधारों पर विभाजित किया गया है? (3)

अथवा

हिमालय के समानांतर श्रेणियो की व्याख्या करें।

21. जर्मनी पर आर्थिक संकट के क्या प्रभाव पड़े? (3)

22. मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की भूमिका का वर्णन करें। (3)

खण्ड–ग

23. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्न प्रश्नों के उत्तर दें (4)

यह स्पष्ट है कि भारत विश्व का सातवाँ बड़ा देश है। भारत की स्थल सीमा रेखा लगभग 15200 कि.मी. और समुद्री तट रेखा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप समूह के साथ 7516.6 कि.मी. है।

भारत के उत्तर–पश्चिम, उत्तर तथा उत्तर–पूर्वी सीमा पर नवीनतम वलित पर्वत है। इसके दक्षिण का भूभाग उत्तर में चौड़ा है और 22° उत्तरी अक्षांश से हिंद माहासागर की ओर संकरा होता गया है। इसके पश्चिम में अरब सागर तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी स्थित है।

अक्षांश और देशांतर का विस्तार लगभग 30° है। परंतु फिर भी पूर्व–पश्चिम का विस्तार उत्तर–दक्षिण के विस्तार की अपेक्षा कम प्रतीत होता है।

गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में दो घंटे का अंतर है अतः 82° 30° पूर्व देशांतर रेखा को भारत की मानक याम्योत्तर माना गया है जो कि उत्तर प्रदेश में मिर्ज़ापुर से गुजरती है। अक्षांश का प्रभाव दक्षिण से उत्तर की ओर, दिन और रात की अवधि पर पड़ता है।

1. मिर्ज़ापुर कहाँ स्थित है?

   (a) हरियाणा (b) मध्य प्रदेश

   (c) राजस्थान (d) उत्तर प्रदेश

2. मानक याम्योत्तर क्या है?

3. सही या गलत बताइए–

   आक्षांश और देशांतर का विस्तार लगभग $23\frac{1}{2}$ ° है

4. रिक्त स्थान भरें–

   भारत की स्थल सीमा रेख लगभग .... कि.मी. है।

24. नीचे दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– (4)

समाजवादियों के पास भविष्य की एक बिल्कुल भिन्न दृष्टि थी। कुछ समाजवादियों को कोऑपरेटिव यानी सामूहिक उद्यम के विचार में दिलचस्पी थी। इंग्लैंड के जाने–माने उद्योगपति रॉबर्ट ओवेन (1771–1858) ने इंडियाना (अमेरिका) में नया समन्वय (New Harmony) के नाम से एक नये तरह के समुदाय की रचना का प्रयास किया। कुछ समाजवादी मानते थे कि केवल व्यक्तिगत पहलकदमी से बहुत बडे सामूहिक खेत नहीं बनाए जा सकते। वह चाहते थे कि सरकार अपनी तरफ़ से सामूहिक खेती को बढ़ावा दे। कोऑपरेटिव ऐसे लोगों के समूह थे जो मिल कर चीजें बनाते थे और मुनाफ़े को प्रत्येक सदस्य द्वारा किए गए काम के हिसाब से आपस में बाँट लेते थे।

कार्ल मार्क्स (1818–1882) और फ़्रेडरिक एंगेल्स (1820–1895) ने इस दिशा में कई नए तर्क पेश किए। मार्क्स का विचार था कि औद्योगिक समाज 'पूँजीवादी' समाज है। फ़ैक्ट्रियों में लगी पूँजी पर पूँजीपतियों का स्वामित्व है और पूँजीपतियों का मुनाफ़ा मज़दूरों की मेहनत से पैदा होता है। मार्क्स का निष्कर्ष था कि जब तक निजी पूँजीपति इसी तरह मुनाफ़े का संचय करते जाएँगे तब तक मज़दूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता। अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए मज़दूरों को पूँजीवाद व निजी संपत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा। मार्क्स का विश्वास था कि खुद को पूँजीवादी शोषण से मुक्त कराने के लिए मज़दूरों को एक अत्यंत भिन्न किस्म का समाज बनाना होगा जिसमें सारी संपत्ति पर पूरे समाज का यानि सामाजिक नियंत्रण और स्वामित्व रहेगा। उन्होंने भविष्य के इस समाज को साम्यवादी (कम्युनिस्ट) समाज का नाम दिया। मार्क्स को विश्वास था कि पूँजीपतियों के साथ होने वाले संघर्ष में जीत अंततः मज़दूरों की ही होगी। उनकी राय में कम्युनिस्ट समाज ही भविष्य का समाज होगा।

1. औद्योगिक समाज 'पूँजीवादी' समाज है। यह विचार निम्नलिखित में से किसका है?

   (a) रार्बट ओवेन (b) लुई ब्लांक

   (c) फ्रेडरिक एंगेल्स (d) कार्ल मार्क्स

2. रिक्त स्थान भरें–

   .... चाहते थे कि सरकार पूँजीवादी उद्यमों की जगह सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा दें।

3. कोऑपरेटिव क्या हैं?

4. 'नया समन्वय' से आप क्या समझते है?

25. नीचे दिए गए उद्धरण को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें– (4)

भारत में राशन व्यवस्था की शुरुआत बंगाल के अकाल की पृष्ठभूमि में 1940 के दशक में हुई। हरित क्रांति से पूर्व भारी खाद्य संकट के कारण 60 के दशक के दौरान राशन प्रणाली पुनर्जीवित की गई। गरीबी के उच्च स्तरों को ध्यान में रखते हुए 70 के दशक के मध्य एन.एस.एस.ओ. की रिपोर्ट के अनुसार खाद्य संबंधी तीन महत्त्वपूर्ण अंतःक्षेप कार्यक्रम प्रारंभ किए गएः सार्वजनिक वितरण प्रणाााली (जो पहले से ही थी, लेकिन उसे और मजबूत किया गया),

एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (आई.सी.डी.एस. जो प्रायोगिक आधार पर 1975 में शुरू की गई) और काम के बदले अनाज (एफ.एफ.डब्ल्यू. 1977–78 में प्रारंभ) 1 इन वर्षों में कई नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और कार्याक्रमों को चलाने के बढ़ते अनुभवो के आधार पर अन्य कार्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया। वर्तमान में अनेक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (पी.ए.पी.) चल रहे हैं जो अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। इनमें स्पष्ट रूप से घटक खाद्य भी है, जहाँ सार्वजनिक बितरण प्रणाली, दोपहर का भोजन आदि विशेष रूप से खाद्य की दृष्टि से सुरक्षा के कार्यक्रम हैं। अधिकतर पी.ए.पी. भी खाद्य सुरक्षा बढ़ाते हैं, रोजगार कार्यक्रम गरीबों की आय मे बढ़ोतरी कर खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान करते है।

1. राशन व्यवस्था की शुरूआत कब से हुई–

   (a) 1975 (b) 1977–75

   (c) 190 (d) 1940

2. रिक्त स्थान भरें–

   .... जो प्रायोगिक आधार पर 1975 में शुरू की गई

3. सार्वजनिक वितरण प्रवाली क्या है?

4. एन.एस.एस.ओ. रिपोर्ट के आधार पर कौन से कार्यक्रम शुरू किए गए।

26. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़े और निम्न प्रश्नो के उत्तर दें (4)

चूँकि आधुनिक लोकतंत्रों में संसद बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, लिहाजा अधिकांश बड़े देशों ने संसद की भूमिका और अधिकारों को दो हिस्सों में बाँट दिया है। इन्हें चेंबर या सदन कहते हैं। पहले सदन के सदस्य आम तौर से सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं और जनता की ओर से असली अधिकारों का प्रयोग करते हैं। दूसरे सदन के सदस्य अमूमन परोक्ष रूप से चुने जाते हैं और कुछ विशेष काम करते हैं। दूसरे सदन का सामान्य काम विभिन्न राज्य, क्षेत्र और संघीय इकाइयों के हितों की निगरानी करना होता है।

हमारे देश में संसद के दो सदन हैं। दोनों सदनों में एक को राज्यसभा (काउंसलि ऑफ स्टेट्स) और दूसरे को लोकसभा (हाउस ऑफ पीपल) के नाम से जाना जाता है राष्ट्रपति भी संसद का हिस्सा है हलांकि वह दोनों में से किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता। इसीलिए संसद के फ़ैसले राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही लागू होते हैं।

1. निम्नलिखित मे से किस व्यवस्था में संसद की महत्वपूर्ण भूमिका है?

   (a) सैनिक शासन (b) लोकतंत्र

   (c) राजतंत्र (d) इनमे से कोई नही

2. राज्य सभा किसे कहते हैं?

3. रिक्त स्थान भरें–

   हमारे देश में .... के दो सदन हैं।

4. सही या गलत बताएँ–

   भारत का प्रधानमंत्री संसद का हिस्सा होता है।

खण्ड–घ

27. सरकार द्वारा गरीबी समाप्त करने वाले कार्यक्रमों का वर्णन करें? (5)

अथवा

गरीबी के मुख्य निर्धारकों की व्याख्या करें।

28. लोकतंत्र क्या हैं? लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ बताइए। (5)

29. जलवायु को नियंत्रित करने वाले पाँच प्रमुख कारक बताइए। (5)

अथवा

मानसून की व्यवस्था (तंत्र) पर चर्चा करे

30. विभिन्न चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए सफल नारों का वर्णन करें। (5)

31. औपनिवेशिक शासन के तहत भारत में वनों की कटाई के किन्हीं भी पाँच कारणों की व्याख्या करें। (5)

अथवा

कोंकणी किसान क्यों घंगर लोगों का स्वागत करते थे? वर्णन करें।

खण्ड–ङ

मानचित्र आधारित प्रश्न

32.1 दो स्थान और A और B विश्व के मानचित्र में अंकित किए गए है उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम, उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखे : 3+3=5

(A) धुरी राष्ट्र का सदस्य (B) मित्र राष्ट्र का सदस्य

32.2 भारत के रेखा–मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्ही तीन को उपयुक्त चिन्हों से आंकित कीजिए।

(A) कार्बेट नेशनल पार्क (B) भरतपुर बर्ड सेंचुरी

(C) पुलिकट झील (D) चिल्का झील

(E) बुलर झील

नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न 32 के स्थान पर है। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

32.1 उस देश का नाम लिखें जहाँ नाजी दल ने शासन किया।

32.2 उस देश का नाम लिखें जहाँ वर्साय संधि पर हस्ताक्षर किए गए।

32.3 उस राज्य का नाम लिखें जहाँ चिलिका झील है।

32.4 उस राज्य का नाम लिखें जहाँ पुलिकट झील है।

32.5 उस राज्य का नाम लिखें जहाँ सिमलीपाल राष्ट्रीय पार्क है।

32.6 उस राज्य का नाम लिखें जहाँ रणथम्भौर राष्ट्रीय पार्क है।

32.7 उस राज्य का नाम लिखें जहाँ दाचीगाम वन्यजीव अभयारण है।

प्रश्नः 32.1

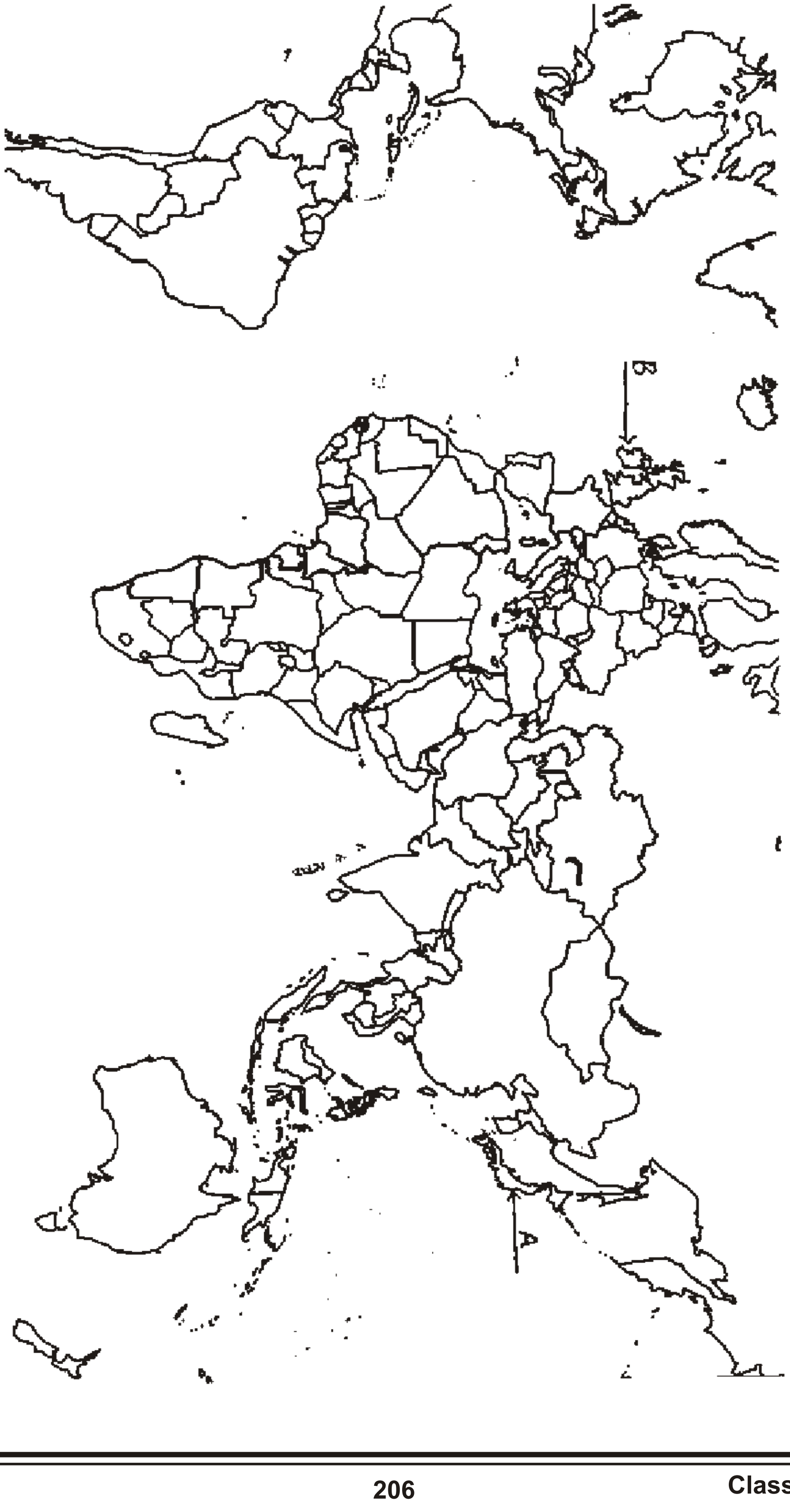

प्रश्न: 32.2

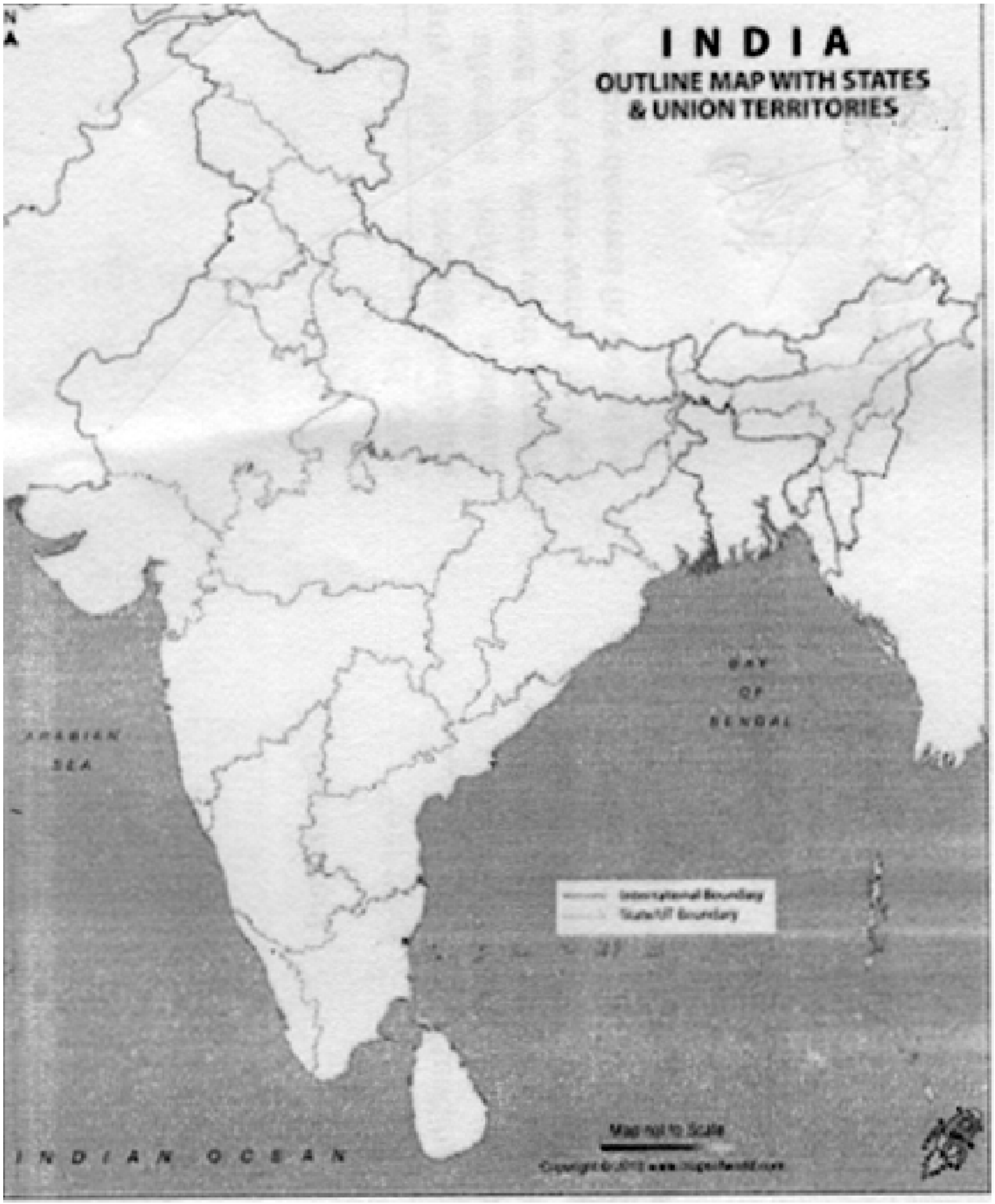
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
BAY OF BENGAL
ARABIAN SEA
INDIAN OCEAN

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली
मॉडल प्रश्न पत्र–1
के उत्तर
(Answer Key)

संख्या		अंक
1.	(d) a और b दोनों	1
2.	क्योंकि संविधान से ही सभी कानून का जन्म होता है।	1
3.	कृषि	1
4.	(c) केरल	1
5.	खूनी रविवार अथवा चेका या ओ.जी.पी.यू.	
6.	(c) मृत्यु दर–लोागों की मृत्यु दर प्रति 100 की जगह 1000 प्रति वर्ष होती है	1
7.	गलत	
8.	इनेबलिंग एक्ट	1
9.	(d) प्रस्तावना	1
10.	जब एक व्यक्ति काम करना चाहता है लेकिन उसे काम न मिले अथवा वह लगभग सभी गतिविधियां जो स्वउपयोग से संबंधित है जैसे मां का घर के काम करना	1
11.	(c) अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार	
12.	मानव को संसाधन–योग्य और कुशल बनाने की क्रिया मानव पूँजी कहलाता है। अथवा भूमि के एक टुकड़े (भाग) पर एक वर्ष में एक से अधिक फसल उगाना	1
13.	(a) A और R दोनों सही हैं और R सही स्पष्टीकरण है A का	1
14.	शिक्षा में निवेश को बढ़ाना अथवा प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करना	
15.	डा. भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे अथवा पुस्तक 'लाँग वॉक टू फ्रीडम' के लेखक नेल्सन मंडेला थे	1
16.	सही	

17. (i) वर्गों में बँटा हुआ फ्रांसीसी समाज 3

(ii) अमीर व गरीब का बढ़ता हुआ दायरा

(iii) दार्शनिकों के विचार

अथवा

(i) वर्साय के महल पर खर्चा

(ii) मेरी एन्तोएनेत के द्वारा फिजुलखर्च

(iii) ब्रिटेन के खिलाफ अमरीकी कालोनियों को सहायता देना

18. (i) जामुन : कान के दर्द के इलाज 3

(ii) बबूल : आँख की फुंसी में लाभदायक

(iii) तुलसी : जुकाम व खाँसी की दवा

19. (i) उन्नतशील बीजों के प्रयोग में वृद्धि 3

(ii) सिंचाई सुविधाओं का विकास

(iii) खाद्यान्न में बढ़ोतरी

अथवा

(i) मृदा की क्षमता में कमी

(ii) भूजल के स्तर में कमी

(iii) बेरोजगारी में वृद्धि

20. (i) पंजाब हिमालय : सिंधु और सतलुज नदी के मध्य 3

(ii) कुमाँऊ हिमालय : सतलुज और काली नदी के मध्य

(iii) नेपाल हिमालय : काली और तीस्ता नदी के मध्य

अथवा

(i) हिमाद्री : सतत श्रृंखला, 6000 मीटर औसत ऊँचाई

(ii) हिमाचल : हिमाद्री के दक्षिणी तरफ, असम श्रृंखला, 3700मी. से 4500मी. के मध्य

(iii) शिवालिक : सबसे बाहरी श्रृंखला, ऊँचाई 900मी. से 1100मी. के मध्य

21. (i) औद्योगिक उत्पादन 40% रह गया 3

(ii) वेतन मे अत्यधिक कमी

(iii) बेरोजमारी मे वृद्धि

22. (i) शिक्षित व्यक्ति राष्ट्र की सम्पदा 3

(ii) शिक्षा से कौशल का विकास

(iii) जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि

23.1 (d) उत्तर प्रदेश 4

23.2 भारत की मानक याम्योत्तर 82°30°E है।

23.3 गलत

23.4 15200 कि.मी.

24.1 (d) कार्ल मार्क्स 4

24.2 लुई ब्लांक

24.3 लोगो का ऐसा समूह जो लाभ को आपस मे मिलकर काम अनुसार बाँटते है

24.4 नया समन्वय एक समुदाय का ना

25.1 (d) 1940 4

25.2 आई.सी.डी.एस

25.3 सरकार द्वारा राशन का वितरण करना

25.4 कार्यक्रम : सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आई.सी.डी.एस., काम के बदले अनाज़

26.1 (b) लोकतंत्र 4

26.2 संसद का उच्च सदन या राज्यों का प्रतिनिधित्य करता है।

26.3 संसद

26.4 गलत

27. (i) प्रधानमंत्री रोज़गार योजना 5

(ii) मनरेगा

(iii) स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

(iv) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

(v) ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम

अथवा

(i) भूमिहीनता

(ii) बेरोजगारी

(iii) निरक्षरता

(iv) बाल–मजदूरी

(v) कुपोषण

28. लोकतंत्र का अर्थ : लोकतंत्र शासन का वह रूप है जिसमे नागरिक अपने शासको का चुनावो द्वारा चयन करते हैं।

विशेषताएँ
(i) लोगों में समानता को बढ़ावा
(ii) व्यक्ति का गरिमा को बढ़ाना
(iii) निर्णय–निर्माण प्रक्रिया को बेहतर बनाना
(iv) गलती को सुधारना

29. (i) अंक्षाश 5
(ii) ऊँचाई
(iii) वायु दाब एवं पवन तंत्र
(iv) महासागरीय धाराएँ
(v) समुद्र से दूरी

अथवा
(i) स्थल या पानी का गर्म व ठण्डा होना
(ii) आई.टी.सी.ज़ेड का परिवर्तित होना
(iii) ग्रीष्म ऋतु में तिब्बत पठार का गर्म होना
(iv) मेडागास्कर के पास गर्म क्षेत्र होना
(v) हिमालय के उत्तर की तरफ जेट स्ट्रीम का चलना

30. (i) गरीबी हटाओ : कांग्रेस, 1971 5
(ii) लोकतंत्र बचाओ : जनता पार्टी, 1977
(iii) जमीन जोतने वाले : वामपंथी दल, 1977
(iv) तेलुगु स्वाभिमान : तेलुगु देशम पार्टी, 1983

31. (i) उद्योगों के लिए
(ii) कृषि के लिए
(iii) चरागाहों के लिए
(iv) ईंधन के लिए
(v) बागान व्यवस्था के लिए

अथवा
(i) धंगर फसल कटवाने मे सहायता करते हैं।
(ii) धंगर के पशु कटे ठूठं खाकर खेत साफ करते हैं।
(iii) खेत की मिट्‌टी की गुणवत्ता बढ़ाना
(iv) कोंकणी लोागो द्वारा चावल देना

32.1 A. धुरी राष्ट्र : जापान
B. मित्र राष्ट्र : यूनाइटेड किंगडम

32.2 A. उत्तराखण्ड

B. राजस्थान

C. कोरोमंडल तट (आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु की सीमा)

D. ओडिशा

E. जम्मू और कश्मीर

नोट : दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए (प्रश्नः 32 का उत्तर)

32.1 जर्मनी

32.2 फ्रांस

32.3 ओडिशा

32.4 कोरोमंडल तट

32.5 ओडिशा

32.6 राजस्थान

32.7 जम्मू और कश्मीर

उत्तर: 32.1

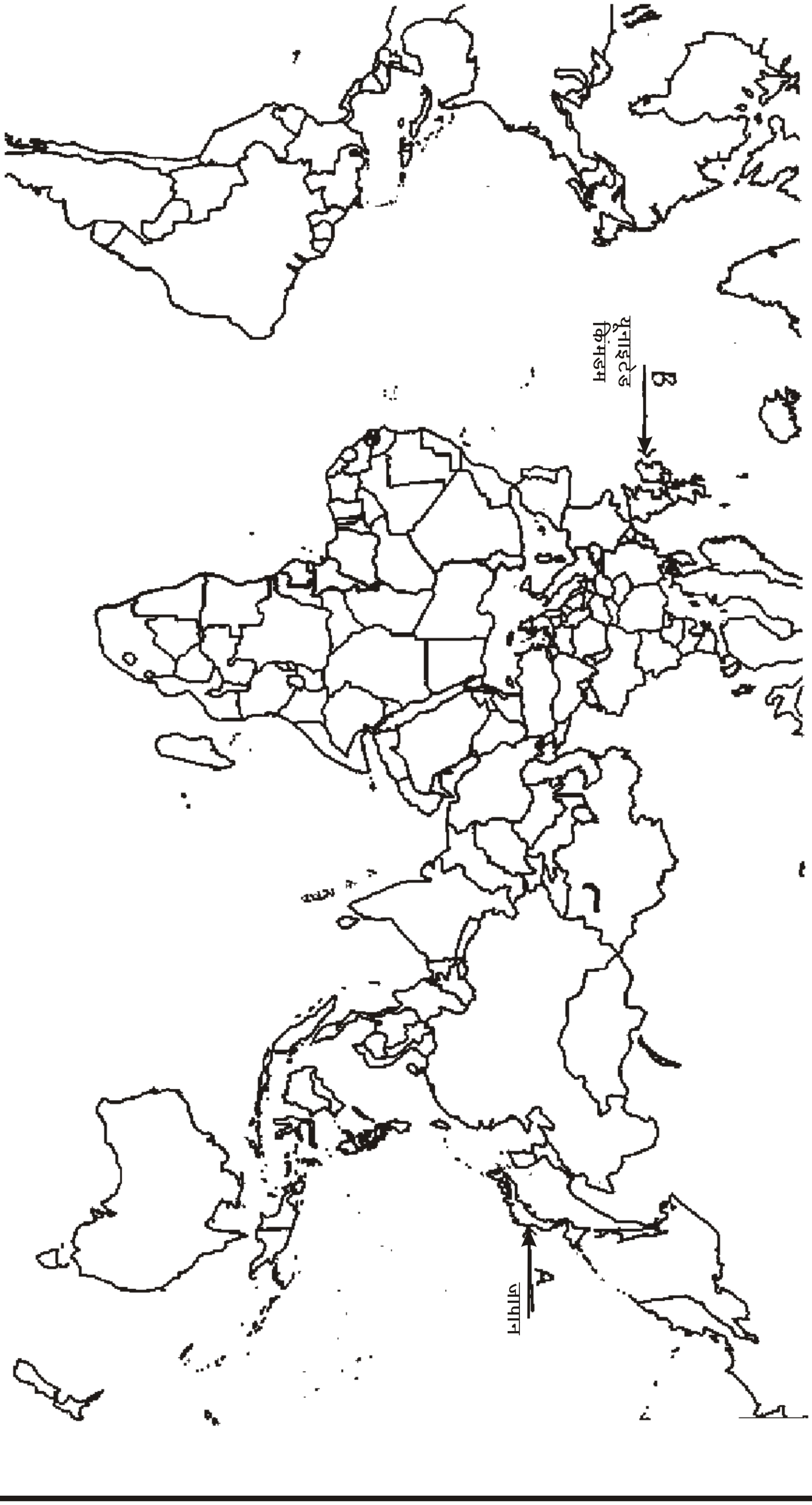

उत्तर 32.2

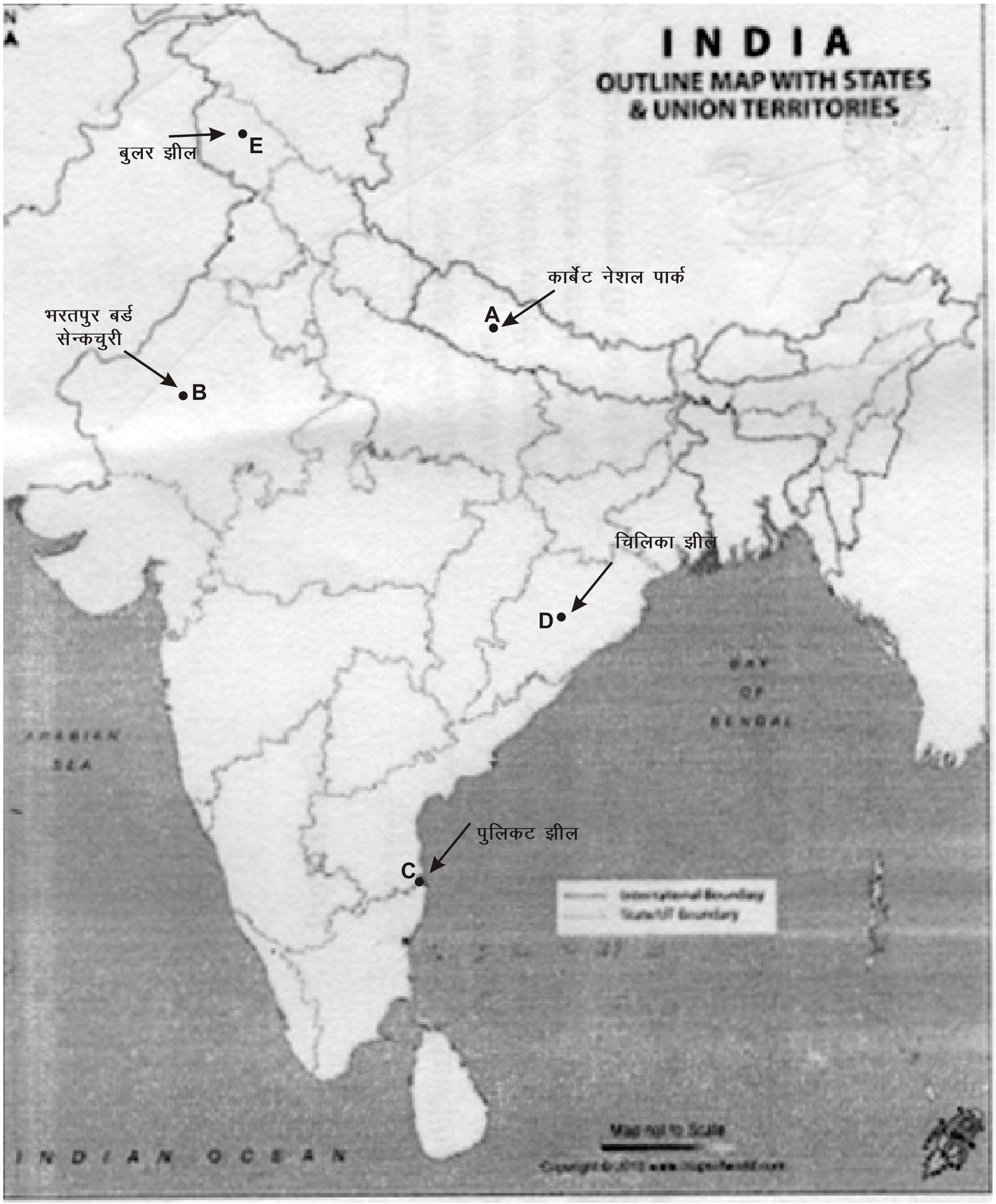
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
बुलर झील
E
कार्बेट नेशल पार्क
A
भरतपुर बर्ड
सेन्कचुरी
B
चिलिका झील
D
पुलिकट झील
C
INDIAN OCEAN

अभ्यास प्रश्न–2

नोट : यह अभ्यास प्रत्र सी.बी.एस.इ. द्वारा दिए गए नवीनतम पाठयक्रम तथा सैंपल पेपपर पर आधारित है। वास्तविक प्रश्न पत्र अलग हो सकता है।

खण्ड–क

1. सही मिलान की पहचान करें:

(i)	जैक्स रूसो	सिविल राइट्स
(ii)	मोंटेस्क्यू	लॉज़ ऑफ़ द अर्थ
(iii)	जॉन लॉक	टू ट्रीटाइज ऑफ़ गवर्नमेंट
(iv)	जॉर्ज दांतों	द रूल्स ऑफ़ थे प्लेसिस

2. भारत की मानक याम्योत्तर रेखा कहाँ से गुजरती है?
   (i) नई दिल्ली
   (ii) मिर्ज़ापुर (उत्तर प्रदेश)
   (iii) वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
   (iv) भोपाल (उत्तर प्रदेश)

रिक्त स्थानों को भरें (प्रश्न संख्या 3 एवं 4)

3. .... में विश्व की सबसे अधिक वर्षा होती है?
4. एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से अधिक फसल पैदा करने को .... कहते हैं।
5. नीचे दिए गए चित्र में दिखाए गए वनस्पति (वन) के पहचान कीजिए:

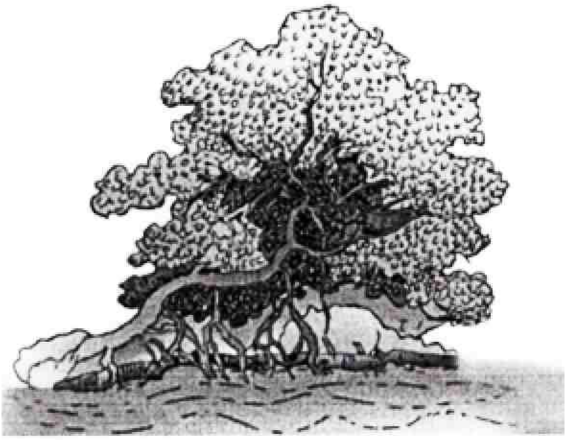

निम्नलिखित प्रश्न, पश्न संख्या–5 के स्थान पर केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए है–

प्रश्न–तटीय क्षेत्रों में किस प्रकार के वन पाए जाते हैं?

6. जनगणना 2011 के अनुसार, भारत का जनसंख्या धनत्व कितना है?

अथवा

भारत का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है?

7. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन की विशेषताएँ निम्नलिखित में कौन–सी हैं?
   (i) ये भारत में सबसे बड़े क्षेत्र में फैले हुए वन हैं।
   (ii) इन्हें मानसूनी वन कहा जाता है।
   (iii) ये वन उष्ण क्षेत्रों में फैले हुए हैं
   (iv) उपर्युक्त सभी।

8. पंथ निरपेक्ष राज्य से आप क्या समझते हैं?

अथवा

मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है?

9. भारत के संसद में शामिल हैं –
   (i) भारत का राष्ट्रपति
   (ii) लोक सभा
   (iii) राज्य सभा
   (iv) उपर्युक्त सभी।

10. संविधान सभा के अध्यक्ष थे–
   (i) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
   (ii) डॉ राजेंद्र प्रसाद
   (iii) जवाहर लाल नेहरु
   (iv) वल्लभ भाई पटेल

रेखांकित शब्दों को सही करके वाक्य को पुनः लिखिए (प्रश्न संख्या 11 एवं 12)

11. **<u>राजतन्त्र</u>** शासन की ऐसी व्सवस्था है जिसमें शासक जनता के द्वारा चुने जाते हैं।

12. **<u>मत्स्यन</u>** अर्थव्यवस्था के तृतीयक क्षेत्रक में आता है।

13. नीचे दिए गए प्रश्न में दो प्राक्कथन दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क)। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिएः

संकल्पना (स): भारत में स्वीकृत कैलोरी आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन एवं नगरीय क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन है।

कारण (क) : ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अधिक शारीरिक कार्य करते हैं।

विकल्पः (i) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(ii) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(iv) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

14. भारत का सबसे भयावह अकाल कब आया था?

(i) 1943 बंगाल

(ii) 1905 बिहार

(iii) 1955 पंजाब

(iv) इनमें से कोई नहीं।

15. मोहन बैंक में काम करता है। वह अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र में कार्य करता है?

16. सही या गलत बताएं –

सितम्बर 1939 में जर्मनी द्वारा पोलैंड पर आक्रमण के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई।

खण्ड–ख

17. औपनिवेशिक काल के दौरान वनों के विनाश के कारणों को लिखिए।

अथवा

औपनिवेशिक काल के दौरान चरवाहों की जिंदगी में किस प्रकार के परिवर्तन आए? व्याख्या कीजिए।

18. मानसून की प्रमुख तीन विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

19. आपके विचार में उद्देशिका संविधान का दर्शन है। क्यों?

अथवा

भारतीय संविधान निर्माताओं के पास क्या क्या अनुकूल परस्थितियाँ थी? किन्हीं तीन की व्याख्या कीजिए।

20. निम्नलिखित परस्थितियों में किस मौलिक अधिकर का उल्लंघन हो रहा है:

(i) राहुल (उम्र 13 वर्ष) कारखाने में काम करता है।

(ii) राजू को चेन्नई में मकान बनाने से रोक जाता है जो मुंबई से वहाँ गया है।

(iii) हेमा को गाँव के तालाब से पानी लेने से रोक जाता है।

21. हरित क्रांति के तीन लाभ को लिखिए।

अथवा

हरित क्रांति की तीन कमियों को लिखिए।

22. ''बेरोजगारी आर्थिक एवं सामाजिक बुराई दोनों है।'' कथन की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ग

23. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

समाजवादियों के पास बिल्कुल भिन्न दृष्टि थी। कुछ समाजवादियों को कोआपरेटिव यानी सामूहिक उद्दम के विचार में दिलचस्पी थी। इंग्लैंड के जाने–मोन उद्योगपति रोबर्ट ओवेन (1771–1858) ने इंडियाना (अमेरिका) में नया समन्वय (New Harmony) के नाम से एक नए तरह के समुदाय की रचना का प्रयास किया। कुछ ''समानवादी मानते थे केवल व्यक्तिगत पहलकदमी बहुत बड़े सामूहिक खेत नहीं बनाए जा सकते। वह चाहते थे की सरकार अपनी तरफ से सामूहिक खेती को बढ़ावा दे। उदाहरण के लिए फ्रांस में लुइ ब्लॉक (1813–1882) चाहते थे कि सरकार पूंजीवादी उद्यमों को बढ़ावा दें। कॉपरेटिव ऐसे लोगों के समूह थे जो मिलकर चीजें बनाते थे और मुनाफे को प्रत्येक सदस्य के काम के हिसाब से बांट लेते थे। कार्ल मार्क्स (1818–1882) और फ्रेडरिक एंगल्स (1820–1895) ने इस दिशा में नए तर्क पेश किए। मार्क्स का विचार था कि औधोगिक समाज 'पूंजीवादी' समाज है। फैक्टरियों में लगी पूंजी पर पूंजीपत्तियों का स्वामित्व है पूंजीपतियों का मुनाफा मजदूरों की मेहनत से पैदा होता है। मार्क्स का निष्कर्ष था कि जब तक निजी पूंजीपति इसी तरह मुनाफे का संचय करते जाएंगे तब तक मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता। अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए मजदूरों को पूंजीवाद निजी संपत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा। मार्क्स का विश्वास था खुद को पूंजीवाद के शोषण से बचाने के लिए मजदूरों को अत्यंत भिन्न समाज बनाना होगा जिसमें सारी संपत्ति पर पुरे समाज का यानी सामाजिक नियंत्रण और स्वामित्व रहेगा। उन्होंने भविष्य के इस समाज को साम्यवादी (कम्युनिस्ट) समाज का नाम दिया। मार्क्स का विश्वास था कि पूंजी पतियों के साथ होने संघर्ष में जीत अंततः मजदूरों की होगी। उनकी राय में कम्युनिस्ट समाज ही भविष्य का समाज होगा।''

(i) रोबर्ट ओवेन ने .... नामक कॉपरेटिव बनाने का प्रयास किया।

(ii) सरकार द्वारा पूंजीवादी उद्दमों की जगह सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा देने के पक्षधर कौन थे?

(iii) कम्युनिस्ट समाज ही भविष्य का समाज होगा–यह विचार किसने प्रतिपादित किया था?

(iv) फ्रांस के किसी एक समाजवादी का नाम लिखिए।

24. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बीसवीं शताब्दी के शुरुआती सालों में जर्मनी एक ताकतवर साम्राज्य था। उसने ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के साथ मिलकर मित्र राष्ट्रों (इंग्लैंड, फ्रांस और रूस) के खिलाफ़ पहला विश्वयुद्ध (1914–1918) लड़ा था। दुनिया की सभी बड़ी शक्तियाँ यह सोच कर इस युद्ध में कूद पड़ी थीं कि उन्हें जल्दी ही विजय मिल जाएगी। सभी को किसी–न–किसी फ़ायदे की उम्मीद थी। उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि यह युद्ध इतना लंबा खिंच जाएगा और पूरे यूरोप को आर्थिक दृष्टि से निचोड़ कर रख देगा। फ्रांस और बेल्जियम पर क़ब्ज़ा करके जर्मनी ने शुरुआत में सफलताएँ हासिल कीं लेकिन 1917 में जब अमेरिका भी मित्र राष्ट्रों में शामिल हो गया तो इस ख़ेमे को काफ़ी ताकत मिली और आखिरकार, नवंबर 1918 में उन्होंने केंद्रीय शक्तियों को हराने के बाद जर्मनी को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

साम्राज्यवादी जर्मनी की पराजय और सम्राट के पदत्याग ने वहाँ की संसदीय पार्टियों को

जर्मन राजनीतिक व्यवस्था को एक नए साँचे में ढालने का अच्छा मौका उपलब्ध कराया। इसी सिलसिले में वाइमर में एक राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाई गई और संघीय आधार पर एक लोकतांत्रिक संविधान पारित किया गया। नई व्यवस्था में जर्मन संसद यानी राइख़स्टाग के लिए जनप्रतिनिधियों का चुनाव किया जाने लगा। प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए औरतों सहित सभी वयस्क नागरिकों को समान और सार्वभौमिक मताधिकार प्रदान किया गया।

(i) निम्नलिखित में से कौन मित्र राष्ट्रों में नहीं था?

(a) इंग्लैड (b) रूस (c) ऑस्ट्रिया (d) फ्रांस

(ii) केंद्रीय शक्तियों की पराजय कब हुई?

(iii) प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी में किस प्रकार की राजनितिक व्यवस्था अस्तित्व में आयी?

(iv) जर्मनी की संसद को .... के नाम से जाना जाता है।

25. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

भारत की उत्तरी सीमा पर विस्तृत हिमालय भूगर्भीय रूप से युवा एवं बनावट के दृष्टिकोण से वलित पर्वत श्रृंखला ब्रह्मपुत्र तक फैली हैं। हिमालय विश्व की सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी है और एक अत्यधिक असम अवरोधों में से एक है। ये 2.400 कि.मी. की लंबाई में फैले एक अर्द्धवृत्त का निर्माण करते हैं। इसकी चौड़ाई कश्मीर में 400 कि.मी. एवं अरुणाचल में 150 कि.मी. है। पश्चिमी भाग की अपेक्षा पूर्वी भाग की ऊँचाई में अधिक विविधता पाई जती है। अपने पूरे देशांतरीय विस्तार के साथ हिमालय को तीन भागों में बाँट सकते हैं। इन श्रृंखलाओं के बीच बहुत अधिक संख्या में घाटियाँ पाई जाती हैं। सबसे उत्तरी भाग में स्थित श्रृंखला को महान या आंतरिक हिमाल या हिमाद्रि कहते हैं। यह सबसे अधिक सतत् श्रृंखला है. जिसमें 6.000 मीटर की औसत ऊँचाई वाले सर्वाधिक ऊँचे शिखर हैं। इसमें हिमालय के सभी मुख्य शिखर हैं।

(i) अरुणाचल प्रदेश में हिमालय की चौड़ाई है:

(a) 120 कि.मी. (b) 150 कि.मी. (c) 200 कि.मी. (d) 400 कि.मी.

(ii) महान हिमालय की औसत ऊँचाई .... है।

(iii) हिमालय के अर्धवृत्त की लम्बाई कितनी है?

(iv) हिमालय के किस भाग में सभी प्रमुख शिखर हैं।

26. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

निर्धनता उन्मूलन भारत की विकास रणनीति का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। सरकार की वर्तमान निर्धनता–निरोधी रणनीति मोटे तौर पर दो कारकों (1) आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन और (2) लक्षित निर्धनता–निरोधी कार्यक्रमों पर निर्भर है।

1980 के दशक के आरंभ तक समाप्त हुए 30 वर्ष की अवधि के दौरान प्रतिव्यक्ति आय में कोई वृद्धि नहीं हुई और निर्धनता में भी अधिक कमी नहीं आई। 1950 के दशक के आरंभ में आधिकारिक

निर्धनता अनुमान 45 प्रतिशत का था और 1980 के दशक के आरंभ में भी वही बना रहा। 1980 के दशक से भारत की आर्थिक संवृद्धि–दर विश्व में सबसे अधिक रही। संवृद्धि–दर 1970 के दशक के करीब पहुँच गई। आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन के बीच एक घनिष्ठ संबंध है। आर्थिक संवृद्धि अवसरों को व्यापक बना देती है और मानव विकास में निवेश के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती है।

(i) सरकार की निर्धनता निरोधी रणनीति के दो मुख्य कारक कौन–कौन से हैं?

(ii) 1970 के दशक में औसत वृद्धि दर .... थी।

(iii) 1950 के आरंभ में निर्धनता का प्रतिशत था–

(a) 40% (b) 45% (c) 50% (d) 55%

(iv) आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन के बीच एक घनिष्ठ सम्बन्ध क्यों हैं?

खण्ड–घ

27. खाद्य सुरक्षा क्या है? भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित किया जाता है?

28. भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कैसे सुनिश्ति किया गया है?

अथवा

आपके विचार में भारत में प्रधान मंत्री का पद सबसे महत्वपूर्ण क्यों है?

29. भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की प्रमुख सीमाओं और चुनौतिओं की व्याख्या कीजिए।

30. हिमालय की नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

झीलों का अर्थवयवस्था में क्या महत्व है? व्याख्या कीजिए।

31. ''फ्रांसीसी क्रांति ने सभी वर्गों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं किया।'' अपने उत्तर की व्याख्या उपर्युक्त तर्कों के साथ कीजिए।

खण्ड–ङ

32. (A) विश्व के रजनीतिक रेखा मानचित्र पर A और B दो देश दिखाए गए हैं। निम्नलिखित सूचना के आधार पर इनकी पहचान कीजिए और दी गयी रेखा पर उनके नाम लिखिए:

(i) धुरी शक्तियों का एक सदस्य

(ii) मित्र देशों का एक सदस्य

32. (B) भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर उपर्युक्त चिन्हों के साथ निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को दर्शाएँ–

(a) कॉर्बेट नेशल पार्क

(b) काजीरंगा नेशल पार्क

(c) पश्चिमी घाट

(d) राँची

(e) उत्तरी सरकार

नोट : निम्नलिखित प्रश्न, प्रश्न संख्या 32 (A) एवं 32 (B) के स्थान पर केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए हैः

(i) प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत किस वर्ष हुई थी?

(ii) कौन सा एशियाई देश धुरी शक्तियों का सदस्य था?

(iii) कॉर्बेट नेशनल पार्क किस राज्य में स्थित है?

(iv) काजीरंगा नेशनल पार्क किस राज्य में स्थित है?

(v) ओडिशा की राजधानी कहाँ है?

(vi) दक्षिणी गंगा के नाम से किस नदी को जाना जाता है?

(vii) अरुणाचल प्रदेश की राजधानी कहाँ है?

(viii) सांभर झील किस राज्य में स्थित है?

32 (A)

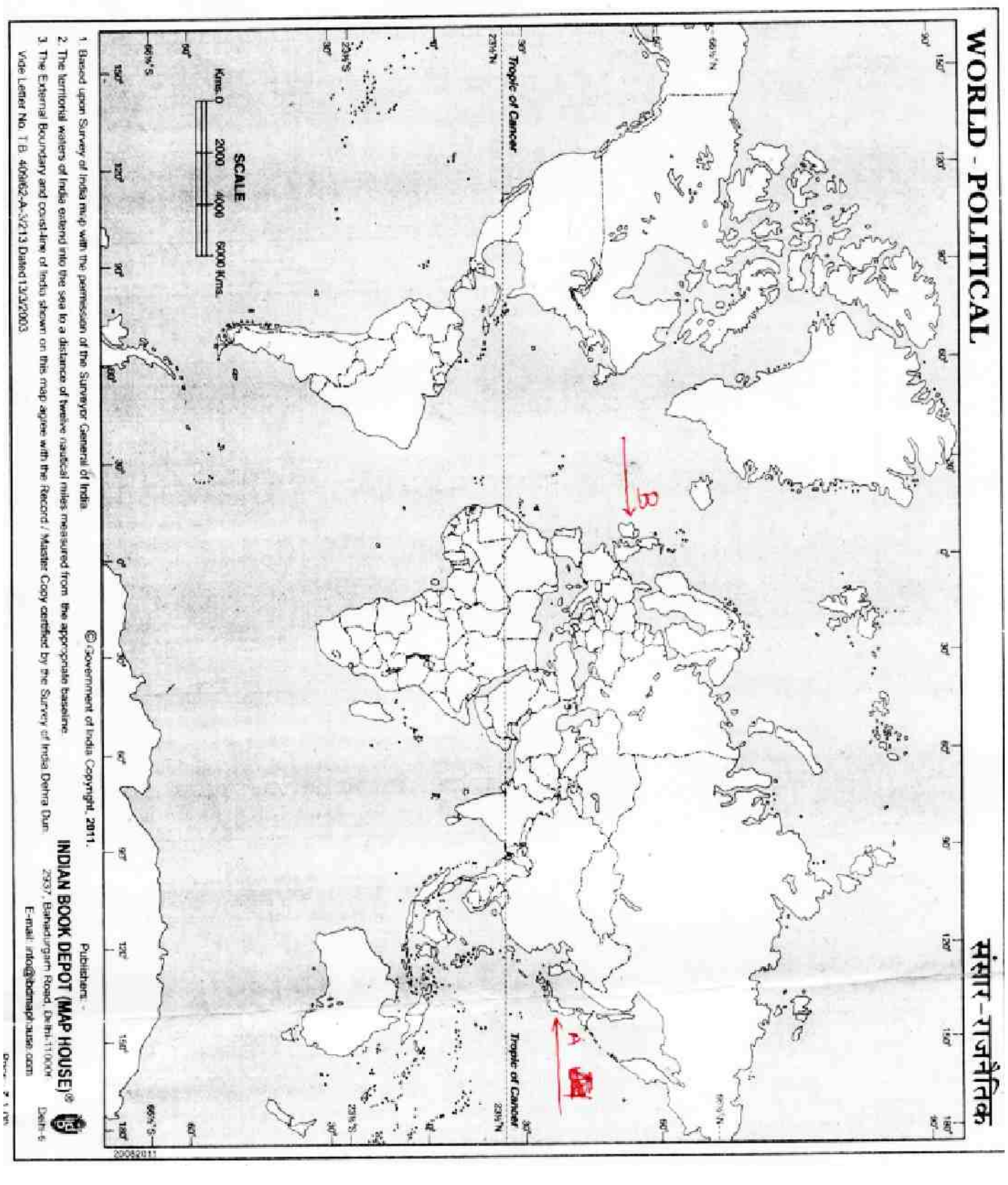
WORLD - POLITICAL
संसार - राजनैतिक
Tropic of Cancer
SCALE
INDIAN BOOK DEPOT (MAP HOUSE)

32 (B)

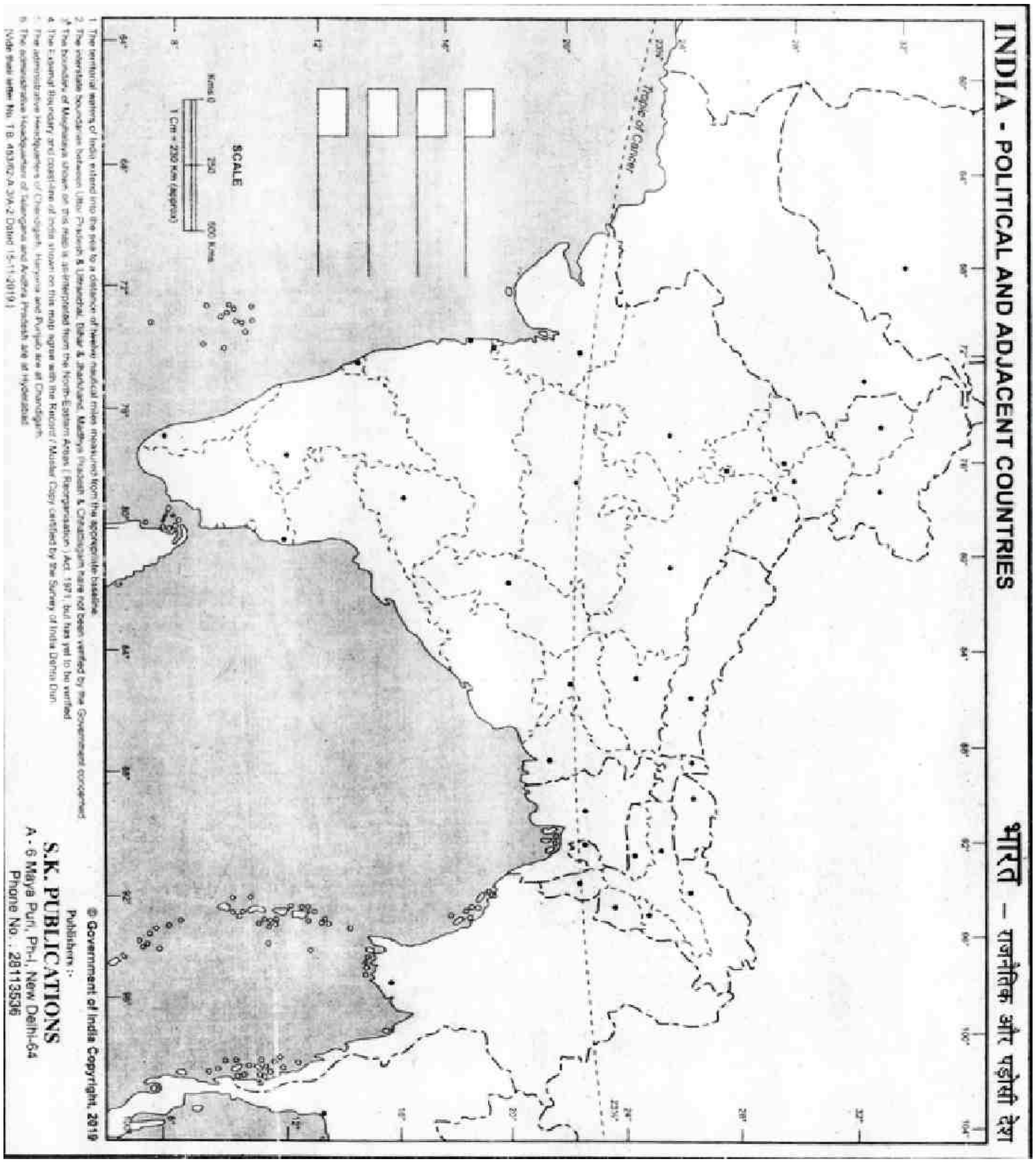

INDIA - POLITICAL AND ADJACENT COUNTRIES
भारत – राजनैतिक और पड़ोसी देश
Tropic of Cancer
SCALE
© Government of India Copyright, 2019
Publishers :
S.K. PUBLICATIONS
A - 6 Maya Puri, Ph-I, New Delhi-64
Phone No. : 28113536

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली
अभ्यास पत्र–3
सामाजिक विज्ञान
कक्षा–नवीं

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

खण्ड–क

1. सही विकल्प का चयन कीजिए (1)
मेनशेविकों के नेता कौन थे?
(a) कार्ल मार्क्स (b) रूसों
(c) केरेंस्की (d) जॉन लॉक

2. रिक्त स्थान भरिए– (1)
1933 में हिटलर ने कहा–"मेरे राज्य की सबसे महत्त्वपूर्ण नागरिक .... है।

3. सत्य व असत्य बताइए– (1)
औपनिवेशिक सरकार धुमंतुओं को अपराधी जनजाति मानती थी।

4. रिक्त स्थान भरिए– (1)
भारत .... महाद्वीप में स्थित है।

अथवा

भारत .... गोलार्द्ध में स्थित है।

5. निम्न में से पहचान कर नई जलोढ़ मिट्‌टी का नाम लिखिए– (1)
(a) खादर (b) बांगर (c) भाबर (d) तराई

6. नीचे दिए गए लक्षणें के आधार पर भारत की इस प्रमुख ऋतुओं का नाम लिखिए– (1)
(a) दक्षिण पश्चिम मानसून पवनों का कमजोर पड़ना और उत्तरी मैदानों से लौटना।
(b) स्वच्छ आकाश तापमान में वृद्धि और नम भूमि।
(c) क्वार की उमस।
(d) भारत के पूर्वी तट पर चक्रवातों का आना।

7. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाला कोई एक कारक लिखिए। (1)

8. रेखांकित वाक्यांश को सही करके पुनः लिखिए – (1)
विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश **<u>जापान</u>** है।

9. लोकंतत्र की परिभाषा लिखिए? (1)

10. भारत की 'संविधान सभा' से आप क्या समझते हैं? (1)

11. मध्यावधि चुनाव तथा आम चुनाव में क्या अंतर है? (1)

अथवा

चुनाव आयोग का कोई एक कार्य लिखिए?

12. निम्न चित्र के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय का एक कार्य लिखिए– (1)

13. निम्न में से कौन सा मौलिक अधिकार भारतीय संबिधान में वर्णित नहीं है? (1)

(a) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (b) निजता का अधिकार

(c) समता का अधिकार (d) स्वतंत्रता का अधिकार

14. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) ए गए हैं। इन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए–

कथन (A)– मानव पूंजी निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

कारण (R)– यह भौतिक पूंजी निर्माण की भाँति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

15. भारत में निर्धनता दूर करने का कोई एक उपाय सुझाइए? (1)

अथवा

भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे किसी एक निर्धनता निरोधी कार्यक्रम का नाम लिखिए?

16. निम्न सूचना किस खाद्य सुरक्षा घटक को बताती है– (1)

''भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज़ गेहूँ और चावल का भंडार।''

खण्ड–ख

17. फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों के योगदान का वर्णन कीजिए? (3)

अथवा

दुनिया के लिए फ्रांसीसी क्रांति ने कौन सी विरासत छोड़ी?

18. नात्सी सोच के किनहीं तीन खास पहलुओं का वर्णन कीजिए? (3)

19. गंगा नदी तंत्र की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए? (3)

अथवा

ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए?

20. भारतीय संविधान की किन्हीं तीन विशेषताओं के बारे में लिखिए? (3)

21. भारतीय संसद के कोई तीन राजनैतिक अधिकार लिखिए? (3)

22. आपने गरीबी को एक चुनौती के रूप में किस प्रकार समझा? (3)

अथवा

निर्धनता संबंधी किन्ही तीन चुनौतियों को लिखिए?

खण्ड–ग

23. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (4)

समाज परिवर्तन के समर्थकों में एक समूह उदारवादियों का थ। उदारवादी ऐसा राष्ट्र चाहते थे जिसमें सभी धर्मों को बराबर का सम्मान और जगह मिले। शायद आप जानते होंगे कि उस समय यूरोप के देशों में प्रायः किसी एक धर्म को ही ज्यादा महत्त्व दिया जाता था (ब्रिटेन की सरकार चर्च ऑफ इंग्लैंड का समर्थन करती थी, ऑस्ट्रिया और स्पेन, कैथोलिक चर्च के समर्थक थे)। उदारवादी समूह वंश आधारित शासकों की अनियंत्रित सत्ता के भी विरोधी थे। वे सरकार के समझ व्यक्ति मात्र के अधिकारों की रक्षा के पक्षघर थे। उनका कहना था कि सरकार को किसी के अधिकारों का हनन करने या उन्हें धीनने का अधिकार नीं दिया जाना चाहिए यह समूह प्रतिनिधित्व पर आधारित एक ऐसी निर्वाचित सरकार के पक्ष में था जो शासकों और अफ़सरों के प्रभाव से मुक्त और सुप्रशिक्षित न्यायपालिका द्वारा स्थपित किए गए कानूनों के अनुसार शासन–कार्य चलाए। पर यह समूह 'लोकतंत्रवादी' (Democrat) नहीं था। ये लोग सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार यानी सभी नागरिकों को वोट का अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। उनको मानना था कि वोट का अधिकार केवल संपत्तिधारियों को ही मिलना चाहिए।

1. निम्न में से कौन सा वाक्य उदारवादियों के बारे में सही नहीं है? (1)
   (a) वे सभी धर्मों के लिए बराबर का सम्मान चाहते थे।
   (b) यह समूह लोकतंत्रवादी नहीं था।
   (c) ये लोग सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के पक्ष में नहीं थे।
   (d) ये लोग बड़े जमींदारों और सम्पनन उद्योगपतियों को प्राप्त किसी भी तरह के विशोषाधिकारों के खिलाफ़ थे।

2. निम्न में से कैथलिक चर्च के समर्थक देशों को बताइए– (1)
   (a) रूस और चीन (b) नेपाल और
   (c) ऑस्ट्रिया और स्पेन (d) पाकिस्तान और बंग्लादेश

3. रिक्त स्थान के लिए सही शब्द चुनिए– (1)

उदारवादी समूह .... आधारित शासकों की अनियंमित सत्ता के भी विरोधी थे।

(a) धर्म (b) वंश

(c) जाति (d) लिंग

4. उदारवादियों का मानना था कि वोट का अधिकार – (1)

(a) केवल संपत्तिधारियों को ही मिलना चाहिए।

(b) केवल महिलाओं को ही मिलना चाहिए।

(c) केवल वृद्ध नागरिकों को ही मिलना चाहिए।

(d) केवल गरीबों को ही मिलना चाहिए।

24. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जिन क्षेत्रों में 70 से.मी. से कम वर्षा होती है, वहाँ प्राकृतिक वनस्पति में कंटीले वन तथा झाड़ियाँ पाई जाती हैं। इस प्रकार की वनस्पति देश के उत्तरी–पश्चिमी भागों में पाई जाती है जिनमें गुजरात, राजस्थान छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर–प्रदेश तथा हरियाणा के अर्ध शुष्क क्षेत्र सम्मिलित हैं। अकासिया, खजूर (पाम), यूफ़ोरबिया तथा नागफ़नी (कैक्टाई) यहाँ की मुख्य पादप प्रजातियाँ हैं। इन वनों के वृक्ष बिखरे हुए होते हैं। इनकी जड़ें लंबी तथा जल की तलाश में चारों ओर फैली होती हैं। पत्तियाँ प्रायः छोटी होती हैं जिनसे वाष्पीकरण कम से कम हो सके। शुष्क भागों में झाड़ियाँ और कंटीले पादप पाए जाते हैं। इन जंगलों में प्रायः चूहे, खरगोश, लोमड़ी, भेड़िए, शेर, सिंह, जंगली गधा, घोड़े तथा ऊँट पाए जाते हैं।

1. कँटीले वन तथा झाड़ियाँ उन क्षेत्रों में पाई जाती हैं जहाँ– (1)

(a) वर्षा 100 सेमी. से अधिक होती है।

(b) वर्षा 200 सेमी. से अधिक होती है।

(c) वर्षा 70 सेमी. से अधिक होती है।

(d) वर्षा 70 सेमी. से कम होती है।

2. निम्न में से किस राज्य में कँटीले वन तथा झाड़ियाँ नहीं पाई जाती हैं– (1)

(a) मध्यप्रदेश (b) राजस्थान

(c) उत्तराखंड (d) गुजरात

3. कँटीले वनों की पत्तियाँ प्रायः छोटी होती हैं जिनसे वाष्पीकरण– (1)

(a) कम से कम हो सके (b) अधिक से अधिक हो सके

(c) बिल्कुल न हो (d) थोड़ा–बहुत हो

4. शुष्क वनों में निम्न में से कौन सा जानवर हनीं पाया जाता– (1)

(a) चूहा (b) गैंडा

(c) जंगली गधा (d) ऊँट

25. निम्न स्रोत को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लक्खा सिंह उत्तर प्रदेश में मेरठ के पास एक गाँव का रहने वाला है। उसके परिवार के पास कोई भूमि नहीं है, इसलिए वह बड़े किसानों के लिए छोटे–मोटे काम करता है। काम अनियमित होता है और आय भी वैसी ही होती है। कई बार उसे पूरे दिन की मेहनत के बदले 50 रूपये ही मिलते हैं। लेकिन प्रायः खेतों में पूरे दिन मेहनत करने के बाद उसे वस्तु के रूप में कुछ किलोग्राम गेहूँ, दाल या थोड़ी सी सब्जी ही मिल पाती हैं। आठ सदस्यों का परिवार हमेशा दो वक्य का भोजन भी नहीं जुटा पाता। लक्खा सिंह गाँव के बाहर एक कच्ची झोपड़ी में रहता है। परिवार की महिलाएँ पूरा दिन खेतों में चारा काटने और खेतों से जलाने की लकड़ियाँ बीनने में ही गुज़ार देती हैं। उसके पिता की, जो तपेदिक के मरीज़ थे, चिकित्सा के अभाव में दो वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई। उसकी माँ अब उसी बीमारी से ग्रस्त है और उसका जीवन भी धीरे–धीरे क्षीण हो रहा है। यद्यपि गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय है, लक्खा वहाँ भी नहीं गया। उसे 10 वर्ष की उम्र से ही कमाना शुरू करना पड़ा। नए कपड़े खरीदना कुछ वर्षों में ही संभव हो पाता है। यहाँ तक कि परिवार के लिए साबुन और तेल भी एक विलासिता है।

1. लक्खा सिंह के पास कोई भूमि क्यों नहीं हैं? (1)

   (a) क्योंकि वह एक गरीब परिवार से है।

   (b) क्योंकि वह एक संपन्न परिवार है।

   (c) क्योंकि वह स्वस्थ है।

   (d) कयोंकि वह विलासिता भरा जीवन जी रहा है।

2. रिक्त स्थान भरिए– (1)

   (a) छः (b) पाँच

   (c) आठ (d) चार

3. लक्खा सिंह की माँ किस बीमारी से ग्रस्त हैं? (1)

   (a) लकवा (b) तपेदिक

   (c) पोनिलयो (d) केंसर

4. उपरोक्त स्रोत भारत की किस चुनौती को बताता है? (1)

   (a) भ्रष्टाचार (b) चिकित्सा

   (c) शिक्षा (d) निर्धनता

26. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1)

यद्यपि अधिकार गारंटी की तरह हैं तब भी ये हमारे किसी काम के नहीं हैं, अगर इन गारंटियों को मानने और लागू करने वाला न हो। संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार महत्त्वपूर्ण हैं। इसीलिए इन्हें लागू किया जा सकता है। हमें उपर्युक्त अधिकारों को लागू कराने की माँग करने का अधिकार है, हमारे पास उन्हें लागू कराने के उपाय हैं। इसे संबैधानिक उपचार का अधिकार कहा जाता है। यह भी एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार अन्य अधिकारों को प्रभावी बनाता है। संभव है कि कई बार हमारे अधिकारों को प्रभावी बनाता है। संभव है कि कई बार हमारे अधिकारों का

उल्लंघन कोई और नागरिक या कोई संस्था या फिर स्वयं सरकार ही कर रही हो। पर जब इनमें से हमारे किसी भी अधिकार का उल्लंघन हो रहा हो तो हम अदालत के जरिए उसे रोक सकते हैं, इस समस्या का निदान पा सकते हैं। अगर मौलिक अधिकारों का मामला हो तो हम सीधे सर्वोच्च न्यायालय या किसी राज्य न्यायालय में जा सकते हैं। इसी कारण डॉ. अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की 'आत्मा और हृदय' कहा था।

1. रिक्त स्थान भरिए – (1)

   अधिकार .... की तरह होते हैं।

   (a) धर्म (b) जाति

   (c) गारंटी (d) कर्त्तव्य

2. किस मौलिक अधिकार के द्वारा अन्य मौलिक अधिकारों को लागू कराते की माँग की जा सकती है? (1)

   (a) समता का अधिकार (b) स्वतंत्रता का अधिकार

   (c) शोषण के विरूद्ध अधिकार (d) संवैधातिक उपचारों का अधिकार

3. रिक्त स्थान भरिए– (1)

   किसी भी अधिकार का उल्लंघन हम .... के जरिए रोक सकते हैं– (1)

   (a) अदालत (b) संसद

   (c) सरकार (d) कर्त्तव्य

4. डा. अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की – (1)

   (a) मस्तिष्क और आत्मा कहा था। (b) आत्मा और शरीर कहा था।

   (c) आत्मा और हृदय कहा था। (d) हृदय और शरीर कहा था।

खण्ड–घ

27. वर्साय की संधि द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण क्यों बनी? वर्णन कीजिए? (5)

अथवा

जर्मनी में प्रसिद्ध विशेषाधिकार कब पारित किया गया? इसके क्या परिणाम हुए?

28. उत्तरी मैदान या प्रायद्वीपीय पठार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए? (5)

अथवा

''हिमालय भारत के लिए वरदान स्वरूप है।'' कथन की पुष्टि कीजिए?

29. लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ लिखि? (5)

अथवा

लोकतंत्र के विपक्ष में कोई पाँच तर्क लिखिए?

30. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आवश्यक चीज़ों का वर्णन कीजिए? (5)

31. ''किसी देश की जनसंख्या उसके लिए संपत्ति भी हो सकती है और आर्थिक दायित्त्व भी।'' उदाहरण देते हुए कारण बताइए? (5)

खण्ड–ङ

32.1 दिए गए फांस के रेखा मानचित्र में दो स्थान A और B दर्शाये गये हैं। इनको पहचान कर सामने खिंची रेखा पर इनके नाम लिखिए– (2)

(a) फ्रांस की राजधानी (b) प्रमुख भगदड़ का एक बाहरी स्थान

32.3 दिए गए भारत के राजनैतिक मानचित्र में निम्न में से किन्हीं तीन स्थानों को उचित चिन्हों से दिखाकर नाम लिखिए– (3)

(a) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यात

(b) सबसे कम लिंग अनुपात वाला राज्य

(c) एक स्थान जहाँ 20 सेमी. से कम वर्षा होती है

(d) अनाईमुदी पर्वत चोटी

नोट : निम्न पुश्न केवल दृष्टिबधित विद्धार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 32.1 व 32.2 के स्थान पर हैं। (कोई पाँच हल करें।)

32.1 फ्रांस की राजधानी का नाम लिखिए?

32.2 काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भारत के किस राज्य में स्थित है?

32.3 भारत में सबसे कम लिंग अनुपात वाला राज्य कौन सा है?

32.4 चिल्का झील किस राज्य से सटी हुई है?

32.5 जयपुर, भारत के किस राज्य की राजधानी है?

32.6 भारत में स्थित किसी एक स्थान का नाम लिखिए जहाँ 20 सेमी. से कम वर्षा होती हैं?

32.7 K2 पर्वत चोटी किस पर्वत श्रृंखला का भाग है?

प्रश्न 32.1

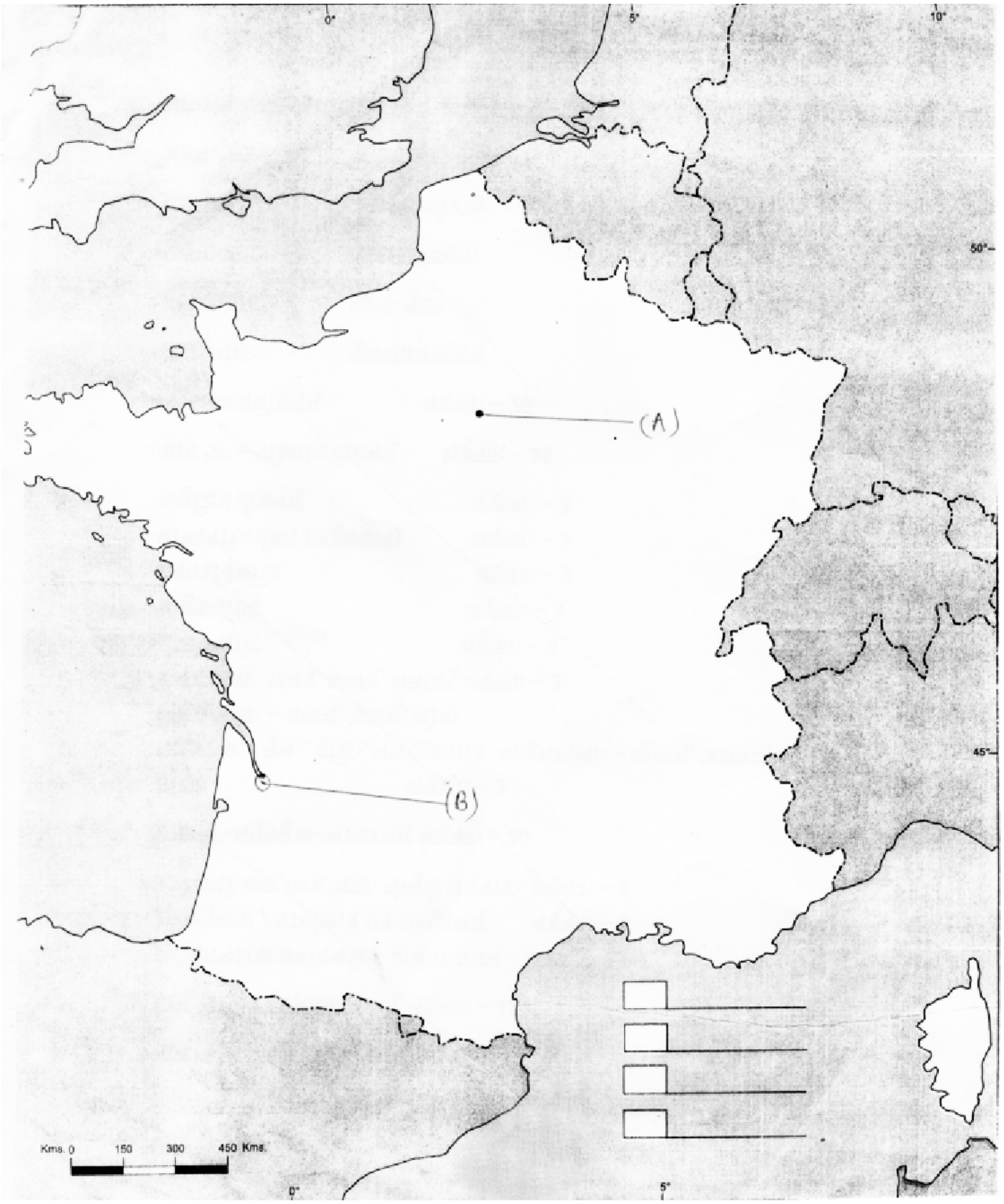

प्रश्न 32.2

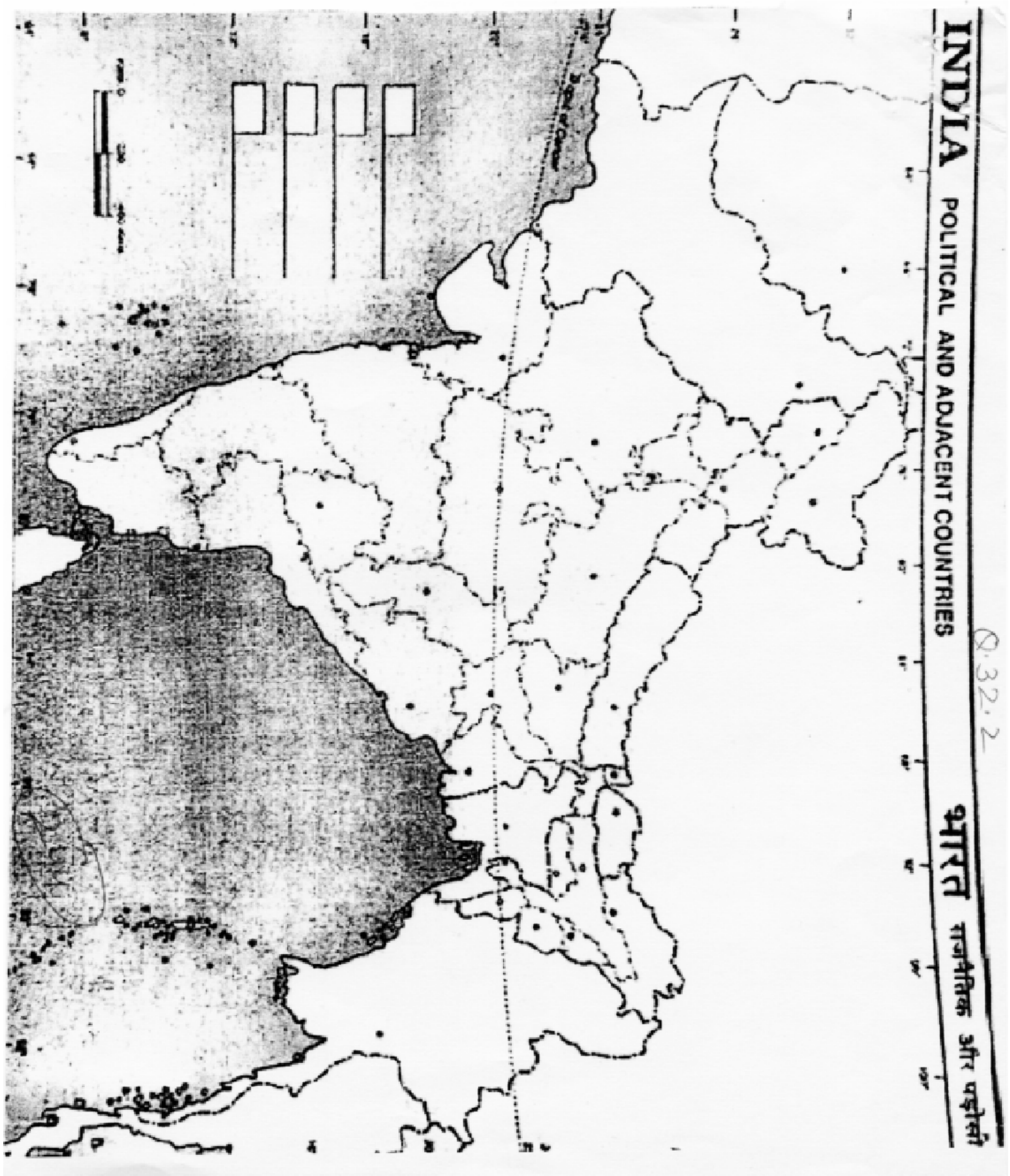
INDIA
POLITICAL AND ADJACENT COUNTRIES
भारत राजनीतिक और पड़ोसी
Q.32.2